गेल (इंडिया) लिमिटेड
भारत का यंगेस्ट महारत्न

सतत् विकास रिपोर्ट

2017 - 18

हमारी सतत् विकास रिपोर्टें (एसआर)

2011

एसआर वित्त वर्ष 2010-11

व्यवसाय से इतर मूल्य

2012

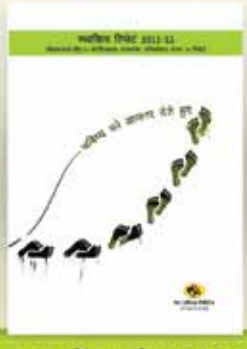

एसआर वित्त वर्ष 2011-2012

भविष्य को संवारते हुए

2013

एसआर वित्त वर्ष 2012-2013

बेहतर ऊर्जा भविष्य के लिए समर्पित

2014

एसआर वित्त वर्ष 2013-2014

देखभाल हिस्सेदारी विकास

2015

एसआर वित्त वर्ष 2014-2015

उत्तरदायी विकास को प्रोत्साहन

2016

एसआर वित्त वर्ष 2015-2016

सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण

2017

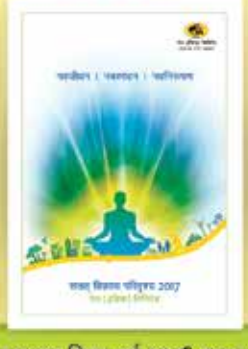

एसआर वित्त वर्ष 2016-2017

नवजीवन | नवस्पंदन | नवनिरूपण

2018

एसआर वित्त वर्ष 2017-2018

निष्पादन | दक्षता | उत्कृष्टता

विषय–सूची

13 सीएमडी का संदेश

15 रिपोर्ट के बारे में

19 गेल की कहानी

29 निगमित नियंत्रण

37 जोखिम प्रबंधन

45 गेल में सतत् विकास

49 हितधारक की नियुक्ति और सामग्री

59 व्यवसाय विकास

73 प्रचालनात्मक उत्कृष्टता

83 ऊर्जा और पर्यावरण

93 स्वास्थ्य और संरक्षा

101 सार्वजनिक नीति और सलाह

109 मूल में मानव पूंजी

119 हमारा कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

127 ग्राहक

131 आपूर्तिकर्ता

137 निष्पादन एक नज़र में

143 स्वतंत्र आश्वासन विवरण

147 शब्दकोष

149 जीआरआई विषय–वस्तु

161 एनवीजीसी सिद्धांतों के साथ संबंध

162 एपीआई /आईपीआईईसीए, यूएनजीसी, आईएसओ 26000 सिद्धांतों के साथ संबंध

2017–18 में गेल की विशेषताए

ऊर्जा की स्वच्छ, वहनीय और स्थायी आपूर्ति

रूस के साथ दीर्घावधि अनुबंध के तहत दाहेज में पहुंचे पहले तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) कार्गो को श्री धर्मेंद्र प्रधान, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री द्वारा प्राप्त किया गया

नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम

रूस के साथ दीर्घावधि अनुबंध के तहत दाहेज में पहुंचे पहले तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) कार्गो को प्राप्त करते श्री धर्मेंद्र प्रधान, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री

हमारे शहरों को स्वच्छ ईंधन से ऊर्जावान बनाते हुए

 # प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा
पूर्वांचल का विकास

ऊर्जा गंगा परियोजना 2,655 कि.मी. लंबी परियोजना है, जिसे जगदीशपुर–हल्दिया और बोकारो–धामरा (जेएचबीडीपीएल) पाइपलाइन परियोजना के रूप में भी जाना जाता है।

बरौनी से गुवाहाटी तक 727 कि.मी. जोड़कर इस पाइपलाइन का आगे और विस्तार किया गया है। भारत में रिगैसिफाइड तरलीकृत प्राकृतिक गैस (आरएलएनजी) टर्मिनलों की वर्तमान क्षमता 30 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) है।

हमारे शहरों को स्वच्छ ईंधन से ऊर्जावान बनाते हुए – निरंतरता

गौरवशाली क्षण

गेल ने 1500 वर्ग कि.मी. से अधिक कोलकाता भौगोलिक क्षेत्र में सिटी गैस नेटवर्क का प्रचालन करने के लिए जीसीजीएससीएल (पश्चिम बंगाल सरकार की एक संस्था) के साथ संयुक्त उद्यम समझौता (जेवीए) करके जगदीशपुर–हल्दिया और बोकारो–धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) के साथ गैस खुदरा विपणन में एक नए अध्याय की शुरुआत की है।

इस ऐतिहासिक समझौते ने गेल के लिए 76% इक्विटी हिस्सेदारी के साथ संयुक्त उद्यम कंपनी को चलाने का मार्ग प्रशस्त किया है। तत्कालीन सहायक कंपनी बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड ने अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से 1.4 मिलियन से अधिक घरों को जोड़ने और 70 से अधिक सीएनजी स्टेशनों की स्थापना का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था। गेल के सीजीडी पोर्टफोलियो में कोलकाता को शामिल करने से हमें भारत में महानगरीय शहरों में शहर गैस वितरण के प्रमुख ऑपरेटर के रूप में उभरने का अनूठा गौरव प्राप्त हुआ है।

सीएमडी, गेल और मुख्य सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार की उपस्थिति में आज राज्य सचिवालय, कोलकाता में कोलकाता जेवीए पर हस्ताक्षर किए गए।

भविष्य को स्वच्छ बनाने के लिए प्राकृतिक गैस

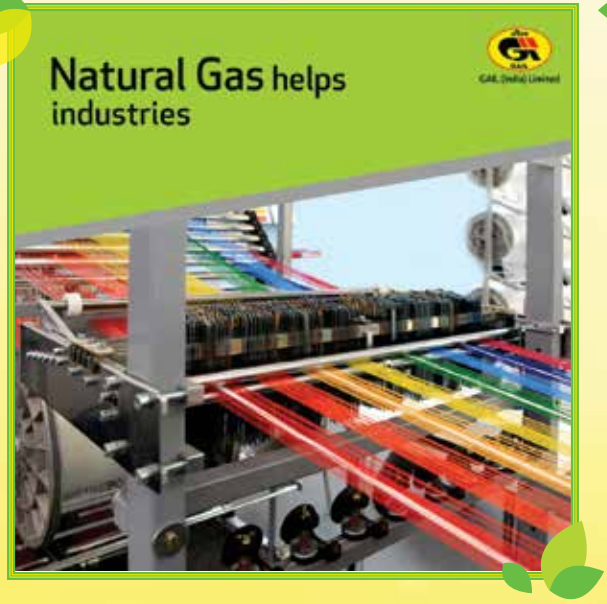

स्वच्छ ईंधन से भविष्य को ऊर्जावान बनाते हुए

सुदृढ़ वित्तीय निष्पादन के माध्यम से विकास की गति को बनाए रखना

- ₹54,556 करोड़ का समूह कारोबार
- वित्त वर्ष 2017–18 में ईपीएस बढ़कर ₹ 21.28 प्रति शेयर हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2016–17 में यह प्रति शेयर ₹ 14.94 था
- प्राकृतिक गैस विपणन में 8% की वृद्धि, प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन में 5% की वृद्धि, तरल हाइड्रोकार्बन की बिक्री में 17% की वृद्धि, एलपीजी ट्रांसमिशन की मात्रा में 8% और पेट्रोकेमिकल की बिक्री में 3% की वृद्धि हुई।
- बोनस पश्चात् बढ़ाई गई इक्विटी पर प्रति शेयर 7.18 रुपए प्रति शेयर का कुल लाभांश
- ₹4,799 करोड़ का समूह कर पश्चात् लाभ

वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए वित्तीय निष्पादन

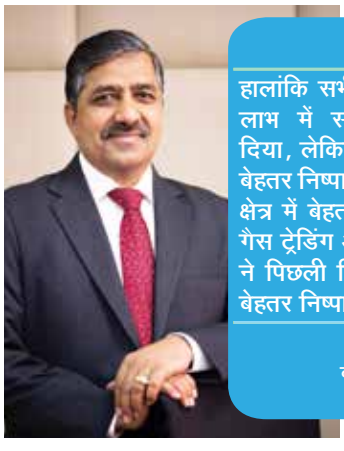

"हालांकि सभी क्षेत्रों ने कंपनी के लाभ में सकारात्मक योगदान दिया, लेकिन गैस ट्रेडिंग क्षेत्र में बेहतर निष्पादन और पेट्रोरसायन क्षेत्र में बेहतर मार्जिन के कारण गैस ट्रेडिंग और पेट्रोरसायन क्षेत्र ने पिछली तिमाही की तुलना में बेहतर निष्पादन किया।"

बी.सी. त्रिपाठी, सीएमडी
गेल (इंडिया) लिमिटेड

ग्राहक केंद्रीयता, सुरक्षा और गतिशीलता

गेल द्वारा एसबीआई के साथ आवधिक रुपया ऋण समझौते पर हस्ताक्षर

उबर और गेल के बीच हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क, बेंगलुरु में साझेदारी करार पर हस्ताक्षर

व्यवसाय से इतर मूल्यों का सृजन

सामुदायिक संपर्क

गेल की प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल परियोजना "आरोग्य" के तहत गेल प्रतिष्ठानों के आसपास के गाँवों में स्वास्थ्य जाँच उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल चिकित्सा यूनिट (एमएमयू)।

सत्कार समारोह के दौरान गेल स्पीडस्टार एथलीटों की एक झलक

गेल सीएसआर परियोजना 'आरोग्य' के तहत 04.05.2018 को गेल द्वारा आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री राम नाईक, इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे

गेल, नोएडा में महिलाओं के लिए मिनी मैराथन का आयोजन

राष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध

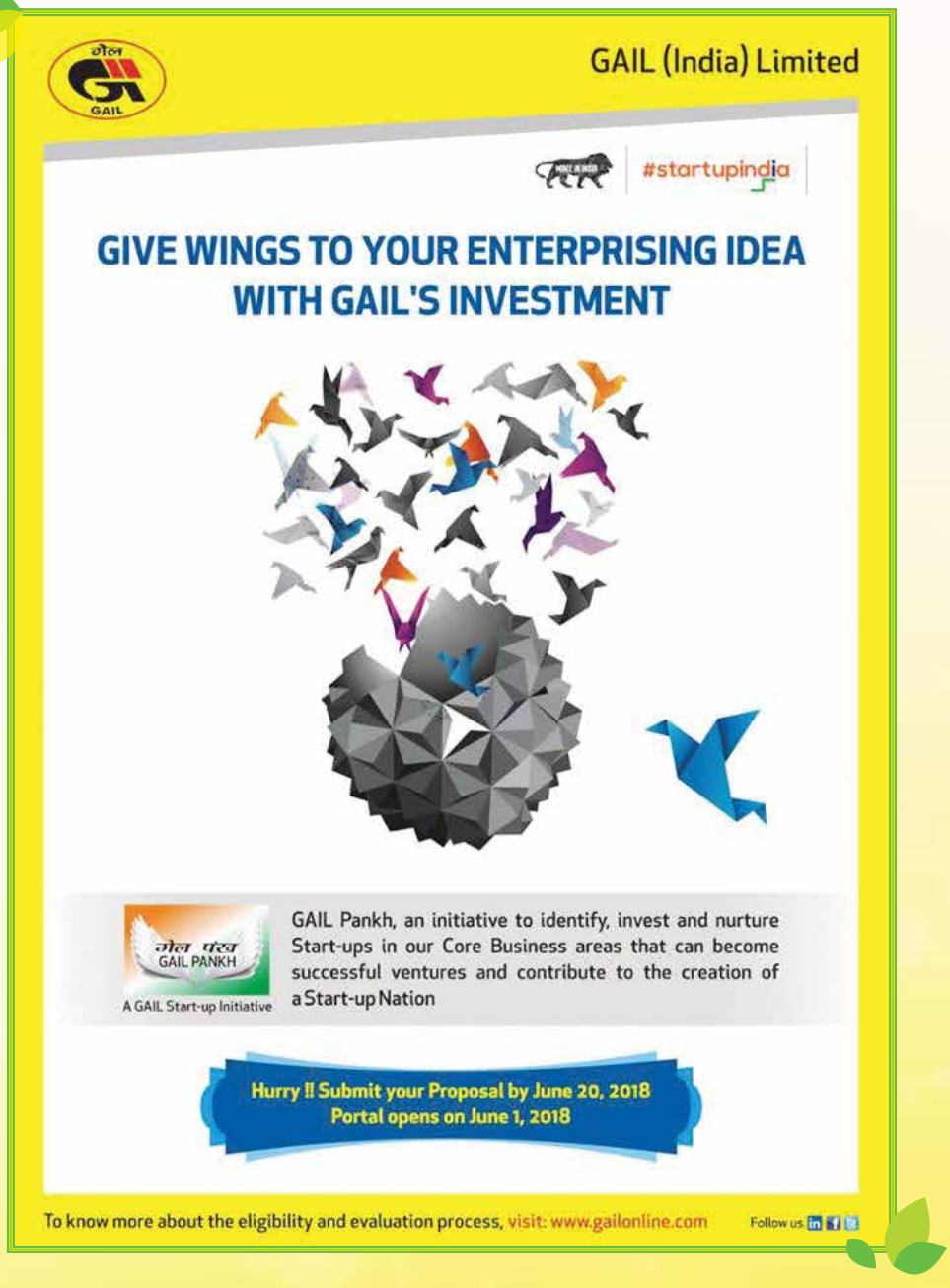

स्वच्छ भारत पखवाड़ा

एक कदम स्वच्छता की ओर

वैश्विक मान्यता

गेल (इंडिया) लिमिटेड को लगातार
दूसरे वर्ष
एफटीएसई4
में **'अच्छे उभरते सूचकांक'** में
शामिल किया गया है।

सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के प्रति हमारी प्रतिबद्धता

संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) 1 जनवरी 2016 को लागू हुए थे। 17 एसडीजी और इसके 169 उप–लक्ष्यों के अभूतपूर्व कार्यक्षेत्र ने भविष्य के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण निर्धारित किया है। ये अधिक तर्कसंगत, सामाजिक रूप से समावेशी, सुरक्षित और स्थिर विश्व की ओर बढ़ने के शानदार अवसर प्रदान करते हैं।

भारत सरकार अपनी वर्तमान पहलों के प्रभाव की निगरानी और उसका मूल्यांकन करने तथा एसडीजी के मामले में सफल हस्तक्षेप करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भारत जैसे विविधता वाले देश में एसडीजी प्राप्त करना कठिन हो सकता है लेकिन यह अविश्वसनीय नहीं है।

"दुनिया को आकार देने से बड़ा कोई कार्य नहीं है जिसमें हरेक जीवन सुरक्षा, अवसर और प्रतिष्ठा का सपना संजो सके; और, जहां हम अपने पर्यावरण को आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर स्वरूप में छोड़कर जाते हैं। और, ऐसा कोई कार्य नहीं जो इससे अधिक चुनौतीपूर्ण हो" – श्री नरेंद्र मोदी, भारत के प्रधानमंत्री।

हमने व्यावसायिक दृष्टि से प्रासंगिक एसडीजी के साथ अपनी महत्वपूर्ण पहलों का मिलान किया है। इन पहलों का विवरण उचित रूप से रिपोर्ट में दर्ज किया गया है।

एसडीजी के साथ गेल की पहलों का सामंजस्य

1 NO POVERTY
- गेल कौशल
- खादी को प्रोत्साहन

3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING
- गेल सक्षम
- कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा
- गेल आरोग्य
- गेल रफ्तार

4 QUALITY EDUCATION
- गेल उज्ज्वल
- परियोजना उत्कर्ष

5 GENDER EQUALITY
- गेल सशक्त

6 CLEAN WATER AND SANITATION
- स्वच्छ भारत पखवाड़ा

7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY
- ऊर्जा गंगा
- रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट
- स्वच्छ ऊर्जा विकास

8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
- गेल पंख
- ईआईसी कोचिंग कार्यक्रम
- सार्वजनिक क्रय नीति

9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE
- जैव–आधारित ईंधन उत्पादन
- डिजीटल यात्रा
- पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन

11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES
- गेल उन्नति
- परियोजना श्रीजन

12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION
- ऊर्जा दक्षता पहलें
- अपशिष्ट प्रबधन और भूमि सुधार

13 CLIMATE ACTION
- उत्सर्जन प्रबंधन
- क्लाउड आधारित उत्सर्जन निगरानी – आईआईओटी

15 LIFE ON LAND
- हवा बदलो
- हरित पट्टी और जैव–विविधता प्रबंधन

17 PARTNERSHIPS FOR THE GOALS
- टीईआरआई के साथ साझेदारी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

गैस आधारित अर्थव्यवस्था की गति बढ़ने तथा गैस ग्रिड और नगर गैस परियोजनाओं के विस्तार द्वारा नए बाजारों और भौगोलिक क्षेत्रों में प्रवेश करने से, गेल में हम गैस मूल्य श्रृंखला को बढ़ाने और बाजार में व्यापक पैठ बनाने पर बल दे रहे हैं।

भारत की प्रमुख प्राकृतिक गैस कंपनी होने के नाते, गेल देश में आर्थिक और सामाजिक विकास के सभी क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस को बढ़ावा देता है। हमारा यह निरंतर प्रयास रहता है कि हम अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करें। हमने देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए नई गैस पाइपलाइनें बिछाने और नगर गैस वितरण परियोजनाओं के निर्माण में क्रमबद्ध निवेश किया है। आज, गेल ने प्राकृतिक गैस के अन्वेषण, प्रोसेसिंग, ट्रांसमिशन और विपणन के साथ–साथ एलपीजी और इसके ट्रांसमिशन, अन्य तरल हाइड्रोकार्बन और पेट्रोरसायनों जैसे गैस आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों से संपूर्ण गैस मूल्य श्रृंखला में अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान, गेल ने 53,825.49 करोड़ रुपए की सकल बिक्री की और उसे अब तक का सर्वाधिक 4,618 करोड़ रुपए का कर पश्चात् लाभ प्राप्त हुआ। कर पश्चात् लाभ में यह वृद्धि प्राकृतिक गैस विपणन क्षेत्र और प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन क्षेत्र में 5% वृद्धि के साथ हासिल की गई है। पेट्रोरसायन, तरल हाइड्रोकार्बन और एलपीजी ट्रांसमिशन क्षेत्र में बिक्री की मात्रा भी क्रमशः 17% 15% और 11% बढ़ी है।

एक वैश्विक कंपनी के रूप में अधिक पहचान प्राप्त करने के उद्देश्य से, यह वर्ष गेल के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ क्योंकि हमने एलएनजी के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नए व्यवसाय क्षेत्र में प्रवेश किया। अपने एलएनजी पोर्टफोलियो के आधार पर, गेल आज शीर्ष 10 वैश्विक एलएनजी कंपनियों में शामिल है। उद्योग में अग्रणी होने के नाते, अमेरिका से अनुबंधित दीर्घावधि एलएनजी के तहत मूल्य को अधिकतम करने के लिए विश्व स्तरीय कंपनियों के साथ आवधिक अनुबंधों के गंतव्य स्थल और समय की अदला–बदली करके नए प्रयास किए। एलएनजी वाहक – मेरिडियन स्पिरिट, जिसे बेहद निर्धारित दरों पर किराए पर लिया गया है, को अमेरिकी पूर्वी तट से निर्धारित कार्गो लाने का दायित्व सौंपा गया। इस वर्ष, गेल दीर्घावधि पर रूस से एलएनजी स्रोत प्राप्त करने वाली पहली भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बन गई। गेल ने गाजप्रोम मार्केटिंग एंड ट्रेडिंग सिंगापुर से 2.5 एमएमटीपीए एलएनजी का आयात करने का अनुबंध किया है। भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच, रूस से एलएनजी का आयात इन जोखिमों को कम करने में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत में 11,400 कि.मी. की प्राकृतिक गैस पाइपलाइन और 2,030 कि.मी. से अधिक एलपीजी पाइपलाइन के मौजूदा पाइपलाइन नेटवर्क के अलावा, हमारी कंपनी अब ऊर्जा–तक–पहुंच की परिकल्पना को साकार बनाने के लिए देश भर में 4,000 कि.मी. से अधिक की प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क विकसित कर रही है।

गेल को 'प्रधानमंत्री उर्जा गंगा' (पीएमयूजी) परियोजना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह परियोजना हमारी सरकार की ऊर्जा के मिश्रण में प्राकृतिक गैस के योगदान को बढ़ाने में मदद करेगी ताकि स्वच्छ ईंधन के माध्यम से सतत्

गेल को दीर्घावधि करार के तहत पहला एलएनजी कार्गो प्राप्त हुआ

रूस के साथ ऊर्जा सहयोग करार

आर्थिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित किया जा सके। पीएमयूजी की परिकल्पना उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम जैसे पूर्वी राज्यों को राष्ट्रीय गैस ग्रिड के अंतर्गत लाने के लिए की गई थी। इस पाइपलाइन को बरौनी से गुवाहाटी तक 727 कि.मी. आगे और जोड़कर विस्तार किया गया है। वित्त वर्ष 2018–19 की पहली तिमाही में वाराणसी, भुवनेश्वर और कटक में पाइपलाइन और कैस्केड के माध्यम से गैस की आपूर्ति शुरू हो गई है। पटना, रांची और जमशेदपुर में सीजीडी नेटवर्क बिछाने का बुनियादी कार्य भी शुरू हो गया है। वास्तविक प्रगति परिकल्पित अनुसूची के अनुसार चल रही है।

वाराणसी, पटना, रांची, जमशेदपुर, कटक और भुवनेश्वर में पाइपलाइन के साथ शहर गैस वितरण नेटवर्क को समान रूप से विकसित किया जा रहा है। गेल ने कोलकाता में शहर गैस नेटवर्क के परिचालन का 1,500 कि. मी. तक विस्तार करने और 1.4 मिलियन से अधिक घरों को जोड़ने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करते हुए ग्रेटर कलकत्ता गैस सप्लाई कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीसीजीएससीएल) के साथ संयुक्त उद्यम समझौता निष्पादित करके जगदीशपुर–हल्दिया और बोकारो–धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) पाइपलाइन सहित गैस खुदरा विपणन में नए अध्याय की भी शुरुआत की है।

गेल ने अपने केंद्रित उपायों के माध्यम से, राष्ट्रीय पहल में भी योगदान दिया है जिसमें मेक इन इंडिया, स्मार्ट सिटीज, स्किल इंडिया, उज्ज्वला योजना शामिल हैं। इसके अलावा, वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार के प्रयास में योगदान करने के लिए, गेल 'हवा बदलो' पहल का समर्थन करता है और उसे बढ़ावा देता है, जिसका उद्देश्य दैनिक जीवन में

पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं के माध्यम से वायु की गुणवत्ता में बदलाव लाना है।

गेल में स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए, कर्मचारियों को उनके संबंधित एचएसई कार्यों में अपने कार्य–निष्पादन को उन्नत बनाने के लिए पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा मॉड्यूल (ईएचएसएम) पर व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस) और एसएपी प्रशिक्षण जैसी विभिन्न पहल की गई थीं। इन प्रयासों से, वित्तीय वर्ष 17–18 में कोई दुर्घटना नहीं हुई और किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली। इसके अलावा, गेल ने कोई हताहत नहीं और कोई चोट न लगने के निर्धारित 90% के लक्ष्य की तुलना में 93.45% का एचएसई अंक हासिल किया।

हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि निवेशकों के लिए बाजार में 'एफटीएसई4 अच्छे उभरते बाजार सूचकांक' नामक अग्रणी टूल, जो ईएसजी जोखिम का ठोस प्रबंधन है, में गेल को लगातार दूसरे वर्ष शामिल किया गया है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में गेल सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को राष्ट्रीय और वैश्विक प्राथमिकताओं के साथ जोड़ना चाहते हैं।

अपने दूरगामी प्रयासों को बढ़ाने के लिए, गेल ने वित्त वर्ष 2017–18 में सीएसआर परियोजनाओं के लिए निर्धारित 2% के योगदान अर्थात ₹ 69.67 करोड़ के समक्ष पूर्ववर्ती तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2.63% अर्थात् ₹ 91.65 करोड़ का योगदान किया है। गेल की 'हृदय' नामक सीएसआर नीति में बहु–हितधारक दृष्टिकोण पर जोर दिया गया है। हम प्रतिष्ठित संस्थानों और गैर–सरकारी संगठनों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़े हैं और उनके साथ सहयोग कर रहे हैं, ताकि परियोजनाओं का विकास, मूल्यांकन, निष्पादन और निगरानी की जा सके और सामुदायिक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। गेल ने हमारी प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल परियोजना 'आरोग्य' के तहत 31 जीपीएस समर्थित और जियो–आधारित मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) का समर्थन किया है। इस परियोजना में मुफ्त चिकित्सक परामर्श, दवाओं का वितरण, बुनियादी नैदानिक परीक्षण और अन्य स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों के लिए रेफरल शामिल हैं। दीर्घावधि दृष्टिकोण और हमारी सीएसआर परियोजनाओं के माध्यम से सतत् प्रयास करने के कारण गेल को हिंदुस्तान पीएसयू अवार्ड 2018 के तहत सीएसआर कार्यों में उत्कृष्टता के लिए मान्यता दी गई है और सम्मानित किया गया है।

हमारे कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और प्रयासों से, गेल अपने हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य का सृजन करने के लिए संगठन में समग्र सफलता प्राप्त करने की ओर अग्रसर हो रहा है। हर साल स्थिरता के प्रति हमारा दृष्टिकोण हमारे अनुभवों और सीखे गए सबक के आधार पर और अधिक समृद्ध और परिष्कृत हो रहा है। नए गेल की इस नई आकर्षक पहल में, मैं अपने हितधारकों से इन नए रास्तों पर साथ–साथ आगे बढ़ने और अनछुई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए और अधिक दृढ़ता से जुड़ने और आस्था बनाए रखने की अपेक्षा करता हूं। अंत में, मैं अपने हितधारकों को उनके बहुमूल्य समर्थन और गेल में निरंतर विश्वास बनाए रखने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

त्रिपाठी

बी. सी. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गेल (इंडिया) लिमिटेड

01

रिपोर्ट के बारे में

गेल की विकास गाथा

नीतिशास्त्र, पारदर्शिता और समावेशिता की ठोस नींव पर आधारित है।

रिपोर्ट के बारे में

2011 से, गेल अपने परिचालनों के सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक पहलुओं को अपने सभी साझेदारों के साथ अपनी वार्षिक सतत् विकास रिपोर्ट के माध्यम से साझा कर रहा है। सतत् विकास रिपोर्टों के माध्यम से, हम कंपनी के निष्पादन लक्ष्यों और सतत् विकास प्रतिबद्धता से संबंधित परिणाम बताते हैं ताकि पारदर्शी प्रकटीकरण प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके।

यह रिपोर्ट वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआइ) मानकः प्रमुख विकल्प के नवीनतम संस्करण के अनुसार तैयार की गई है। इसकी विषय–वस्तु को रिपोर्टिंग सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए परिभाषित किया गया है, जैसा कि वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) के सतत् विकास रिपोर्टिंग मानक दस्तावेज, जो जीआरआई वेबसाइट पर उपलब्ध है, में संदर्भित किया गया है। सामग्री सूचकांक रिपोर्ट के पृष्ठ 149 पर संलग्न है।

यह रिपोर्ट सामाजिक, पर्यावरण और आर्थिक जिम्मेदारियों पर राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देश (एनवीजी), अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरण संरक्षण संघ (आईपीआईईसीए), पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों के लिए वैश्विक तेल और गैस उद्योग संघ, अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई), यूनाइटेड नेशन्स ग्लोबल कॉम्पैक्ट (यूएनजीसी), और आईएसओ 26000:2010 के दिशानिर्देशों का भी अनुपालन करती है।

वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) पहला अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसने 1997 में सतत् विकास की रिपोर्ट करने की जिम्मेदारी ली थी। जीआरआई दुनिया भर के व्यवसायों और सरकारों को महत्वपूर्ण सतत् विकास मुद्दों पर उनके प्रभाव को समझने और सूचित करने में मदद करता है, जिससे सभी को सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ पैदा करने में मदद मिलती है। वे एक मॉड्यूलर और पारस्परिक संरचना की सुविधा प्रदान करते हैं तथा विभिन्न प्रकार के आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक पहलुओं की रिपोर्टिंग के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे किसी भी संगठन द्वारा एक सेट के रूप में उपयोग किए जाने के लिए डिजाइन किए गए हैं जो इसके प्रभावों, और सतत् विकास के लिए संगठन के योगदान पर रिपोर्ट करना चाहते हैं।

जीआरआई मानक में प्रमुख और व्यापक के दो 'अनुरूप' विकल्प हैं। किसी संगठन की कार्यनीति, विश्लेषण, शासन और नैतिकता पर मानक प्रकटीकरण के लिए दोनों विकल्पों के लिए सामान्य प्रकटीकरणों की रिपोर्ट की जानी चाहिए, जिसमें व्यापक विकल्प की बड़ी संख्या सूचित की जानी चाहिए। पाठकों के संदर्भ में दिशानिर्देशों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, हमने रिपोर्ट के संबंधित खंडों की नीचे दी गई टिप्पणी में जीआरआई मानक संकेतकों की जानकारी दी है।

उपरोक्त डिजाइन संरचना का उपयोग इस पूरी रिपोर्ट में 2017–18 के दौरान नई सूचना/पहल को उजागर करने के लिए किया गया है।

'निष्पादन, दक्षता, उत्कृष्टता'

किसी व्यवसाय को चलाने के लिए संगठन का विकास अनिवार्य है। तथापि, इसके दौरान विकास अधिक समावेशी है, जो व्यापार के वित्त–पोषण पर केंद्रित है, लेकिन इसके हित धारकों के लिए मूल्य सृजन भी है।

गेल की विकास गाथा नैतिकता, पारदर्शिता और समावेशिता की ठोस नींव पर आधारित है। वित्तीय वर्ष 2017–18 गेल के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है। गेल के प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला सहित निवेश और ठोस विकास करने के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2017–18 में सर्वाधिक 4,618 करोड़ रुपए से अधिक की आय हुई, जो पिछले वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) से 32% अधिक है। यह वर्ष प्राकृतिक गैस के हमारे स्रोतों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण रहा है। गेल, अब 15 एमएमटीपीए के एनएनजी/आरएलएनजी पोर्टफोलियो के साथ, वैश्विक उद्योग में एक महत्वपूर्ण कंपनी के रूप में पहचाना जा रहा है।

ट्रांसमिशन और वितरण ढांचे, गैस ट्रेडिंग पोर्टफोलियो, नगर गैस वितरण ढांचे, एलएनजी संविदाओं को अनुकूल बनाने और एलएनजी कार्गो के विपणन को सुदृढ़ करने की हमारी सतत् प्रतिबद्धता और कार्रवाई ने हमारी उपलब्धियों को बढ़ाने में मदद की है जिसने हमारे विकास मेट्रिक्स को बढ़ाया है। हमारे हितधारकों के लिए मूल्य सृजन करने के हमारे दृष्टिकोण के अनुसार, गेल बोर्ड ने अब तक के सर्वाधिक 1,619 करोड़ रुपए के कुल लाभांश की सिफारिश की, जो कर पश्चात् लाभ का ऐतिहासिक 35% लाभांश वितरण है।

गेल में हम जिम्मेदारी के साथ विकास करने में विश्वास करते हैं। सुनिश्चित वर्तमान के साथ, हमारा ध्यान कार्य पद्धति में निरंतर सुधार करने, हमारी प्रणाली, प्रक्रियाओं, संचालन, अनुबंध, प्रौद्योगिकी और अंततः जिस तरह से हम अपना व्यवसाय करते हैं, उसमें निरंतर समग्र सुधार पर केन्द्रित है।

यह सिद्धांत वित्तीय वर्ष 17–18 के लिए हमारी सतत् विकास रिपोर्ट के हमारे विषय – 'निष्पादन, दक्षता, उत्कृष्टता' का आधार बना है।

रिपोर्टिंग वर्ष

गेल अपने वित्तीय लेखांकन और निष्पादन की रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल से 31 मार्च तक करता है। इसी अवधि का उपयोग इसके सतत् विकास के निष्पादन की रिपोर्टिंग करने के लिए किया जाता है। यह कंपनी की 8वीं सतत् विकास रिपोर्ट है और रिपोर्टिंग सामग्री वित्तीय वर्ष 2017–18 में गेल के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण ीय निष्पादन पर आधारित है। सतत् विकास रिपोर्ट का इलेक्ट्रॉनिक संस्करण हमारी वेबसाइट www.gailsustainabilityreport.com पर उपलब्ध है।

डेटा प्रबंधन

इस रिपोर्ट में 01 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक के आर्थिक, सामाजिक और शासन संबंधी आंकड़ों को शामिल किया गया है। इस रिपोर्ट में प्रस्तुत आंकड़ों को जीआरआई मानकों और उनकी कार्यप्रणाली का उपयोग करके एकत्र किया गया है। रिपोर्ट में विभिन्न हितधारकों और असंख्य पहलों के साथ गेल के कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है जो कि हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए किए गए थे। रिपोर्ट में उन सामग्री पहलुओं को भी शामिल किया गया है जो हमारे व्यवसाय के साथ–साथ हितधारकों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, विभिन्न स्थिरता मुद्दों पर विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं और कार्यनीतिक दृष्टिकोणों पर भी चर्चा की गई है।

इस वर्ष हमने पाठकों को आसानी से पढ़ने की सुविधा प्रदान करने और उन्हें संगठन के बारे में समझ प्रदान करने के लिए रिपोर्टिंग के लिए एक नया ढांचा अपनाने का प्रयास किया है। जीआरआई सामग्री और अन्य दिशानिर्देशों के साथ लिंक रिपोर्ट के अंतिम खंड में उपलब्ध है जिसे पठनीयता के प्रवाह को बनाए रखने के लिए उद्देश्यपूर्वक अंत में रखा गया है।

रिपोर्ट में शामिल प्रचालन/स्थलों की सूची

- निगमित कार्यालय नई दिल्ली
- इंफो–हब नोएडा
- पेट्रोरसायन यूनिट (पीसी) और सी2/सी3 संयंत्र–पाता विजयपुर
- गैस प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) पाता विजयपुर, उसर, वघोडिया गंधार
- अन्वेषण और उत्पाद (ईएंडपी)–नोएडा
- गेल परिक्षण संस्थान (जीटीआई) नोएडा, जयपुर
- नेचुरल गैस कंप्रेशर स्टेशन (सीएस)–छांयसा, कैलारस, हज़ीरा, दिबियापुर झावुआ, वाघोडिया, खेड़ा, विजयपुर
- जोनल विपणन कार्यालय–दिल्ली, कोलकाता, जयपुर, चैन्नई, बेंगलुरु, भोपाल, चंडीगढ़, हैदराबाद, लखनऊ, मुंबई, अहमदाबाद
- क्षेत्रीय पाइपलाइन कार्यालय – अगरतला, वडोदरा, कराईकल, कोच्चि, राजमंद्री (केजी बेसिन), मुंबई
- एलपीजी पंपिंग/प्राप्ति स्टेशन आबू रोड, चेर्लापल्ली, जीकोंडुरु विज़ाग, मंसारामपुर, समाख्याली

सतत् विकास लक्ष्यों के लिए हमारी प्रतिबद्धता

एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक और एक सरकारी उपक्रम के रूप में, गेल अपने हितधारकों के लिए सकारात्मक मूल्य बनाने के लिए लगातार प्रयास करता है। हम अपने व्यावसायिक लक्ष्यों का राष्ट्रीय और वैश्विक प्राथमिकताओं के साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहते हैं। इस दृष्टिकोण के साथ, हमने एसडीजी को प्राप्त करने के लिए अपनी परियोजनाओं को चुना है। रिपोर्ट के विभिन्न खंडों को संगत एसडीजी के साथ जोड़ा गया है और इन्हें एसडीजी प्रतीक के माध्यम से दर्शाया गया है।

रिपोर्ट का कार्यक्षेत्र और सीमा

इस वर्ष हमने रिपोर्ट की सीमा में नए परिचालन स्थल, कोच्चि पाइपलाइन क्षेत्र को जोड़ा है।

विभिन्न मापदंडों पर कंपनी की रिपोर्टिंग के कार्यक्षेत्र में कंपनी के सभी स्थानों को शामिल किया गया है, जिसमें संयुक्त उद्यम, सहायक कंपनियां, पट्टे पर दी गई सुविधाएं, आउटसोर्स प्रचालन और अन्य संस्थाएं शामिल हैं।

यह रिपोर्ट कार्यात्मक विभागों द्वारा संकलित हस्तलिपि और प्रत्येक प्रोसेस मालिक की संबंधित सामग्री पहलुओं के अनुसार पहचान की गई है।

डेटा सत्यापन और आश्वासन

यह रिपोर्ट बाहरी आश्वासन एजेंसी, मेसर्स एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सुनिश्चित की गई है। यह एए1000एएस (2008) मानक पर आधारित टाइप 2 मध्यम स्तर की सुनिश्चित रिपोर्ट है। आश्वासन प्रक्रिया में गेल के विभिन्न स्थलों का डेटा सत्यापन शामिल है जो हमारी प्रक्रियाओं और डेटा प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

हमारे लिए अपने हितधारकों के लिए गेल के सतत् निष्पादन की पारदर्शी ढंग से सूचना देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। हितधारक विचार सबसे महत्वपूर्ण तत्व होते हैं जो इस संबंध में हमारी मदद करते हैं। हमारे हितधारक रिपोर्ट के बारे में अपनी रचनात्मक प्रतिक्रियाएँ या प्रश्न श्री आर.के. चौबे, सीजीएम (एसडी) से **choubeyrk@gail.co.in** श्री अरविंद कुमार नामदेव, जीएम (एसडी), **arvind.namdeo@gail.co.in** पर साझा कर सकते हैं और हमसे **sustainability@gail.co.in** पर भी संपर्क कर सकते हैं।

कानूनी रूप में: इस रिपोर्ट का कोई भी भाग कंपनी की पूर्व लिखित अनुमति के बिना, किसी भी रूप में या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या किसी भी सूचना भंडारण या पुनर्प्राप्ति प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में प्रेषित या प्रसारित नहीं किया जा सकता है।

02

गेल की कहानी

गेल–भारत की

नं. 1

प्राकृतिक
गैस कंपनी

भारत में
कुल प्राकृतिक गैस
ट्रांसमिशन के

75%

का प्रचालन
करता है

गेल की कहानी

गेल (इंडिया) लिमिटेड, जिसे पहले गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के रूप में जाना जाता था, की स्थापना 16 अगस्त, 1984 को हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली, भारत में है। गेल भारत में एक लिमिटेड कंपनी है जिसके इक्विटी शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध हैं। गेल की दो विदेशी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियाँ हैं, अर्थात् सिंगापुर में गेल ग्लोबल सिंगापुर प्रा. लिमिटेड और अमेरिका में गेल ग्लोबल यूएसए इंक। 31 मार्च, 2018 को कंपनी में भारत सरकार द्वारा धारित प्रदत्त इक्विटी पूंजी 53.59% थी।

गेल की अवधारणा भारत के प्राकृतिक गैस भंडार का लाभ उठाने और देश की आर्थिक और औद्योगिक वृद्धि को बढ़ावा देने हेतु एक निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति के लिए गैस क्षेत्र के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के उद्देश्य से की गई थी। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, गेल को अपने प्रारंभिक वर्षों के दौरान सरकार से बड़े पैमाने पर आर्थिक और रणनीतिक प्रोत्साहन मिला। अब हम प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला के सभी पहलुओं जैसे अन्वेषण और उत्पादन, प्रसंस्करण, संचरण, वितरण और विपणन में उपस्थिति के साथ एक आत्मनिर्भर प्राकृतिक गैस कंपनी बन गए हैं।

संगठन का दृष्टिकोण

अर्थव्यवस्था की विकास संबंधी जरूरतों के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए, गेल ने पिछले वर्षों के दौरान पेट्रोरसायन और तरल हाइड्रोकार्बन के क्षेत्र में कार्यनीतिक विविधीकरण किया है। हमने विभिन्न सहयोगी परियोजनाओं में भी भाग लिया है और कंपनी के पोर्टफोलियो में तरलीकृत प्राकृतिक गैस, पुनः गैसीकरण और शहर गैस वितरण (सीजीडी) को शामिल करके उसे विविध बनाया है।

वर्तमान में, गेल भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस प्रदाता कंपनी है, जो देश में सबसे व्यापक और सबसे विश्वसनीय सेवाओं के रूप में जानी जाती है। बाजार में हमारी व्यापक पैठ और सेवा की गुणवत्ता को देखते हुए भारत सरकार द्वारा हमें महारत्न का दर्जा प्रदान किया गया है। वर्तमान में हम राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में एक प्रमुख योगदानकर्ता हैं और हमारा लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा द्वारा औद्योगिक विकास के युग का सूत्रपात करना है। इसके अलावा, हम अपना व्यवसाय सुदृढ़ अनुपालन प्रबंधन के अनुसार चलाते हैं। हमारी प्रणालियाँ पारदर्शिता और नैतिकता के सिद्धांतों पर बनी हैं।

अब हम अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपना विस्तार करने का प्रयास कर रहे हैं। इस रणनीति के अनुसार, हमने हाल ही में अमेरिका में शेल परिसंपत्तियों में भागीदारी हित प्राप्त किए हैं, सिंगापुर में एलएनजी प्रचालन व्यापार तथा मिस्र और चीन में सीजीडी संयुक्त उद्यम लगाए हैं। इसके अलावा, हम अब मध्य पूर्व, अमेरिका, रूस और ऑस्ट्रेलिया सहित विभिन्न क्षेत्रों और देशों से अंतरराष्ट्रीय बिक्री खरीद समझौते (एसपीए) के माध्यम से गैस का स्रोत बना रहे हैं।

गेल भारत की प्राकृतिक गैस कंपनी है, जिसके पास 11,400 कि.मी. लम्बा व्यापक प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क है और 2,030 कि.मी. से अधिक पाइपलाइनें हैं, जिससे लाखों ग्राहक लाभान्वित होते हैं। एक प्राकृतिक गैस कंपनी होने के नाते, गेल भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देता है और देश के सामाजिक–आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण

भूमिका निभाता है। यह गेल को भारत के 'सभी के लिए ऊर्जा–तक–पहुंच' के सपने के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह भारत सरकार द्वारा गैस आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में प्रगति करने के लिए दिए गए बल के भी अनुरूप है। हालांकि गेल का एक विशाल घरेलू ग्राहक आधार है, फिर भी इसने अपनी विकसित आपूर्ति क्षमता और बाजार में पैठ बनाने के लिए विश्व स्तर पर अपनी उपस्थिति को सफलतापूर्वक दर्ज किया है। गेल पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए भारत को गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाना चाहता है।

विज़न

मिशन

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लाभ के लिए प्राकृतिक गैस और उसके अंशों के प्रभावी और किफायती उपयोग में तेजी लाना और उसे अनुकूल बनाना।

वैश्विक स्तर को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक गैस और उससे इतर अग्रणी कंपनी बनना, जो ग्राहक सेवा, सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के लिए के लिए प्रतिबद्ध हो

गेल के विज़न के प्रमुख घटक

1

नैतिकता

हम सभी लोगों से लेन–देन करने में पारदर्शी, निष्पक्ष और सुसंगत हैं। हम अपनी सभी गतिविधियों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और विश्वसनीयता पर बल देते हैं।

2

ग्राहक

हम अपने ग्राहकों, चाहे आंतरिक हों या बाहरी, दोनों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास करते हैं। हमारे ग्राहक हमें पसंद करते हैं।

3

हितधारक

हम अपने हितधारकों को उनके द्वारा हमारी कंपनी में किए गए निवेश का बेहतर रिटर्न और मूल्य प्रदान करके उनके उद्देश्यों को पूरा करते हैं।

4

हितधारक

हम अपने हितधारकों को उनके द्वारा हमारी कंपनी में किए गए निवेश का बेहतर रिटर्न और मूल्य प्रदान करके उनके उद्देश्यों को पूरा करते हैं।

5

लोग

हमारा मानना है कि हमारी सफलता हमारे लोगों की प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता से प्रेरित है।

हम परिणाम देने वाले लोगों को आकर्षित करते हैं और उन्हें बनाए रखते हैं जो अपने काम पर गर्व महसूस करते हैं और वे जो कुछ भी करते हैं, उसमें बहुत अच्छे से कम पर संतुष्ट नहीं होते। हम अपने लोगों को सीखने और विकसित होने के अवसर पैदा करके व्यक्तिगत पहल को प्रोत्साहित करते हैं। हम सभी लोगों के व्यक्तिगत अधिकारों और प्रतिष्ठा का सम्मान करते हैं।

6

सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण

हम अपने परिचालनों में सुरक्षा के उच्चतम स्तर, अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देते हैं, हम जहां काम करते हैं, वहां के समुदायों के निरंतर विकास के लिए प्रयास करते हैं।

व्यवसाय पोर्टफोलियो

प्राकृतिक गैस

- 11400 कि.मी. से अधिक प्राकृतिक गैस पाइपलाइन और परिष्कृत गैस प्रबंधन प्रणाली
- 2017–18 के दौरान 85 एमएमएससीएमडी की कुल बिक्री की मात्रा
- 2017–18 के दौरान शुरू की गई 26 नई अंतिम दूरी कनेक्टिविटी

पेट्रोरसायन

- पाता से 674 टीएमटी पॉलिमर की कुल बिक्री
- पाता और बीसीपीएल से क्रमशः 666 टीएमटी और 205.56 टीएमटी का कुल उत्पादन
- सहायक कंपनी बीसीपीएल के पॉलिमर का विपणनकर्ता
- ओपीएएल में भागीदारी

तरल हाइड्रोकार्बन

- एलपीजी, प्रोपेन, पेंटेन, नेफ्था आदि का उत्पादन करने वाले 6 गैस प्रोसेसिंग संयंत्र
- 1.3 मीट्रिक टन कुल उत्पादन क्षमता
- 2017–18 के दौरान 1.28 मीट्रिक टन कुल उत्पादन, जिसमें से 80% एलपीजी और प्रोपेन है

एलपीजी ट्रांसमिशन

- एलपीजी ट्रांसमिशन के लिए पाइपलाइन बिछाने और उसका प्रचालन करने वाली भारत की पहली कंपनी
- एलपीजी उत्पादन में भारतीय एलपीजी बाजार की लगभग 8% और एलपीजी की बिक्री में 4% हिस्सेदारी
- 2038 कि.मी. एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क
- आयात समानता मूल्य पर पीएसयू तेल विपणन कंपनियों नामतः आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल पूर्व–जीपीयू को आपूर्तियां

नगर गैस वितरण

- वाराणसी, पटना रांची, जमशेदपुर, कटक और भुवनेश्वर में पाइपलाइनों सहित सीजीडी नेटवर्क का विकास
- हजीरा और विजयपुर में क्रमश: रिच–लीन गैस कॉरिडोर और अपशिष्ट ताप रिकवरी परियोजनाओं की स्थापना

बिजली और नवीकरण

- 118 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र और 10 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र
- आरजीपीपीएल में भागीदारी (क्षमता 500 मेगावाट)

ई एंड पी

- 10 ब्लॉक (ऑपरेटर–1 तटीय ब्लॉक) में ऊर्ध्वाधर एकीकरण का एक भाग
- इन ब्लॉकों से हाइड्रोकार्बन और कच्चे तेल की खोज
- 2017–18 के दौरान इन ब्लॉकों से 631 करोड़ रुपए का राजस्व
- म्यांमार और संयुक्त राज्य अमेरिका में उपस्थिति

गेल समय–सीमा

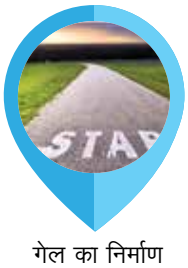

गेल का निर्माण

1984

एचवीजे पाइपलाइन

1988

एलपीजी में प्रवेश

1990

सीजीडी में प्रवेश

1994

नवरत्न दर्जा

1997

पेट्रोरसायनों में प्रवेश

1999

प्रथम एलएनजी आयात

2004

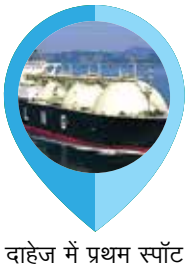

दाहेज में प्रथम स्पॉट एलएनजी

2006

गेल गैस का गठन

2008

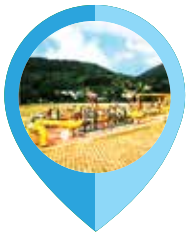

डीवीपीएल
उन्नयन

2008-11

यूएसए शेल
परिसंपत्ति

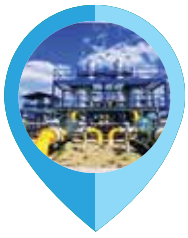

कोच्चि–बैंगलुरू
(आई पाइपलाइन)

2011-13

विजयपुर–दादरी–
बवाना नांगल

महारत्न
दर्जा

2013-16

दाभोल बैंगलुरू

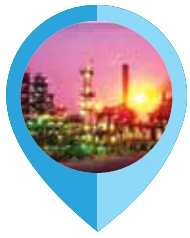

पाता– II एवं
बीसीपीएल

पहल पंख

2017

पीएमयूजीवाई के
लिए नई संविदाएं

बेंगलुरू सीजीडी

सबाइन पास सहित
एलएनजी संविदा

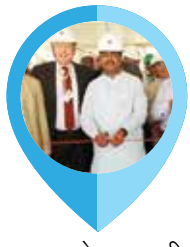

रूस से एलएनजी
आयात

2018

उच्चतम पीएटी 4,618
करोड़ रुपए

हमारी उपस्थिति

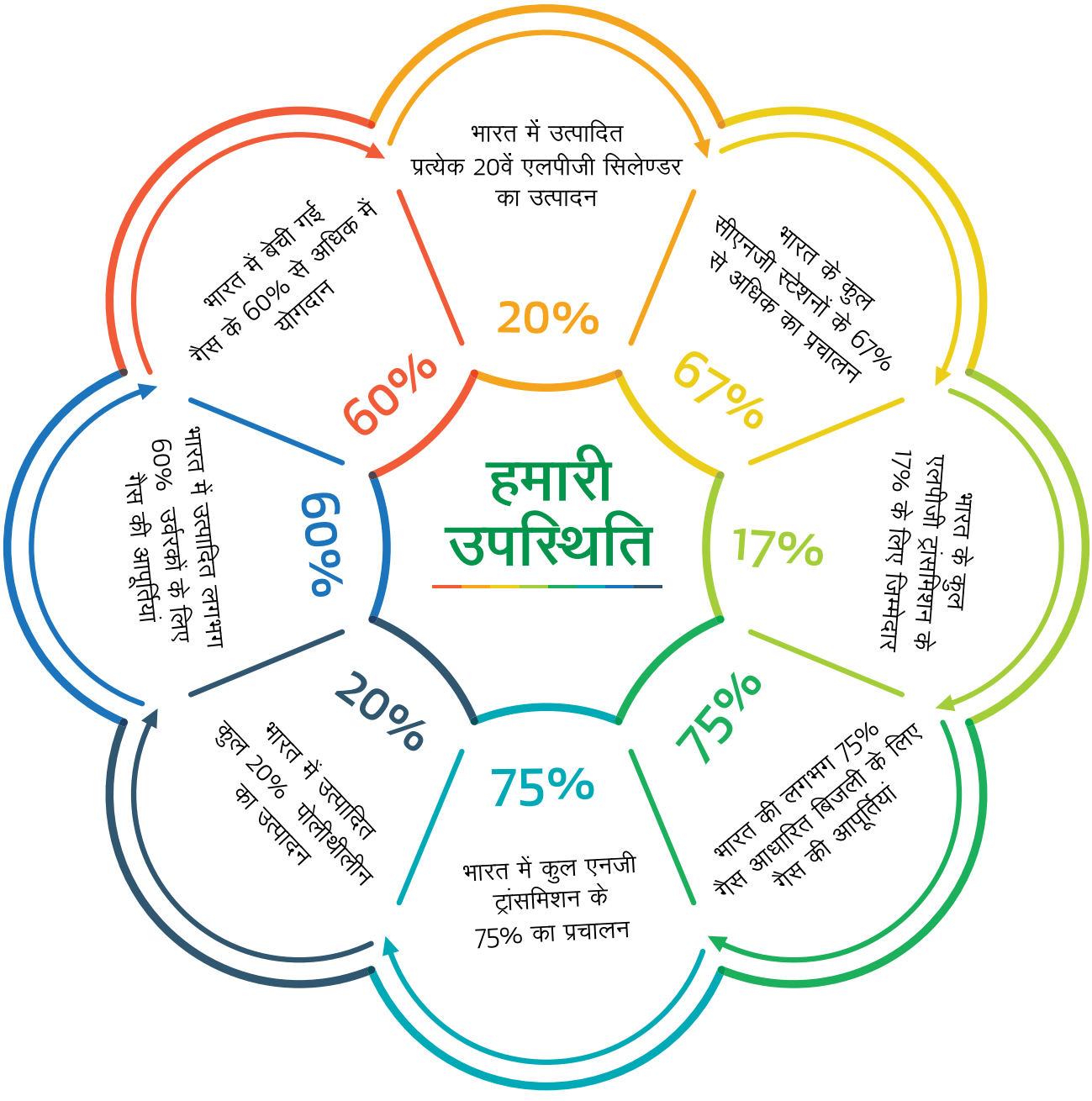
हमारी उपस्थिति
भारत में उत्पादित प्रत्येक 20वें एलपीजी सिलेण्डर का उत्पादन
20%
भारत के कुल सीएनजी स्टेशनों के 67% से अधिक का प्रचालन
67%
भारत के कुल एलपीजी ट्रांसमिशन के 17% के लिए जिम्मेदार
17%
भारत की लगभग 75% गैस आधारित बिजली के लिए गैस की आपूर्तियां
75%
भारत में कुल एनजी ट्रांसमिशन के 75% का प्रचालन
75%
भारत में उत्पादित कुल 20% पोलीथीलीन का उत्पादन
20%
भारत में उत्पादित लगभग 60% उर्वरकों के लिए गैस की आपूर्तियां
60%
भारत में बेची गई गैस के 60% से अधिक में योगदान
60%

हमारी उपस्थिति, सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम

घरेलू सहायक

- ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीपीसीएल–70%)
- गेल गैस लिमिटेड – गेल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी (100%)

विदेशी सहायक कंपनी

- गेल (वैश्विक) सिंगापुर प्रा. (100%)
- गेल (ग्लोबल) यूएसए इंक. (100%) गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक. (100%) गेल (ग्लोबल यूएसए इंक.) की सहायक कंपनी।

संयुक्त उद्यम

- पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (125%)
- गेल चाइना गैस ग्लोबल एनर्जी होल्डिंग लिमिटेड (50%)
- ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (49.21%)
- टीएपीआई पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (5%)
- प्राकृतिक गैस कंपनी 'नैट गैस' (5%)
- फयूम गैस कंपनी (19%)
- गेल चाइना गैस होल्डिंग लिमिटेड (5%)
- तलचर फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड (29.67%)
- साउथ–ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (4.17%)

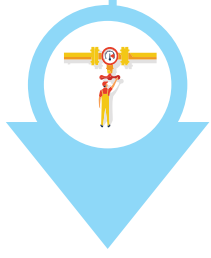

नगर गैस वितरण (सीजीडी)

- महानगर गैस लिमिटेड – एमजीएल (32.50%)
- इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड – आईजीएल (22.50%)
- भाग्यनगर गैस लिमिटेड – बीजीएल (49.97%)
- ग्रीन गैस लिमिटेड – जीजीएल (49.97%)
- सेंट्रल यू.पी. गैस लिमिटेड – सीयूजीएल (25%)
- महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड – एमएनजीएल (22.50%)
- अवंतिका गैस लिमिटेड – एजीएल (49.97%)
- त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड – टीएनजीसीएल (48.98%)
- वडोदरा गैस लिमिटेड – वीजीएल (32. 93%)

गेल गैस लिमिटेड के माध्यम से

- गोवा नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड
- हरिद्वार गैस प्राइवेट लिमिटेड
- केरल गेल गैस लिमिटेड
- आंध्र प्रदेश गैस डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पुरस्कार और मान्यताएं

कॉर्पोरेट

- गेल को लगातार दूसरे वर्ष 'एफटीएसई4 अच्छे उभरते बाजार सूचकांक' में शामिल किया गया है, जो उन निवेशकों के लिए एक बाजार–अग्रणी साधन है जो पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) जोखिम के ठोस प्रबंधन वाली कंपनियों में निवेश करना चाहते हैं।
- गेल 'इंडस्ट्री लीडरशिप अवॉर्ड मिडस्ट्रीम' श्रेणी में एसएंडपी ग्लोबल प्लैट्स–ग्लोबल एनर्जी अवार्ड की अंतिम सूची में से एक था।
- गेल 'बीएमएल मुंजाल अवार्ड्स–बिजनेस एक्सीलेंस फॉर लर्निंग एंड डेवलपमेंट' के अंतिम चरण में पहुंचा था।

सीएसआर

- सृजन के लिए सीएसआर प्रोजेक्ट ऑफ द ईयर अवार्ड – सीआईएम ग्लोबल और सीएमएआई एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा भारत का सीएसआर नेटवर्क सोशल फुटप्रिंट्स सीएसआर अवॉर्ड 2018
- उत्कृष्टता और नेतृत्व के लिए द गोल्डन ग्लोब टाइगर्स अवार्ड 2018' – कार्य के साथ मौज और मस्ती।
- आईसीएसआई द्वारा 'उत्कृष्ट कॉर्पोरेट के लिए द्वितीय आईसीएसआई सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार 2017'।
- श्रेणी 2 के लिए फिक्की सीएसआर अवार्ड 2016–17: फिक्की द्वारा परियोजना अवंत के लिए 'सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) के तहत शिक्षा, कौशल विकास और आजीविका।
- 'इकोनॉमिक टाइम्स 2गुड सीएसआर रेटिंग' – द इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा 'ऑल राउंड एक्सीलेंस' श्रेणी में शामिल की जाने वाली एकमात्र पीएसयू।

एचएसई

- गेल को दो अलग–अलग श्रेणियों के तहत वर्ष 2016 के लिए दो राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।
- गेल हजीरा – विजयपुर – जगदीशपुर (एचवीजे) कंप्रेसर स्टेशन, विजयपुर को 'विनिर्माण क्षेत्र की श्रेणी' में दूसरे स्तर के पुरस्कार के विजेता के रूप में घोषित किया गया – श्रेष्ठ सुरक्षा पुरुष (रजत ट्रॉफी)।
- गेल जीपीयू और कंप्रेसर स्टेशन, वाघोडिया को चौथे श्रेणी के पुरस्कार (उपरोक्त श्रेणी में प्रशांसा पत्र) के विजेता के रूप में घोषित किया गया।
- जीपीयू वाघोडिया और गंधार ने ब्रिटिश सुरक्षा परिषद का 'अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार–2018' जीता।
- गेल को फोरम ऑफ बिहेवियरल सेफ्टी द्वारा 'भारतीय उद्योग में बीबीएस के सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन' के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

टीक्यूएम

- गेल को पीसीआरए/एमओपीएंडएनजी द्वारा 'बेस्ट ओवरऑल परफॉर्मेंस अवार्ड फॉर अपस्ट्रीम सेक्टर कंपनी' से सम्मानित किया गया।

एनएसीईएस इंटरनेशनल द्वारा डॉ. आशुतोष कर्नाटक, निदेशक (परियोजना) को राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान किया गया

03

निगमित नियंत्रण

गेल
लाइव है

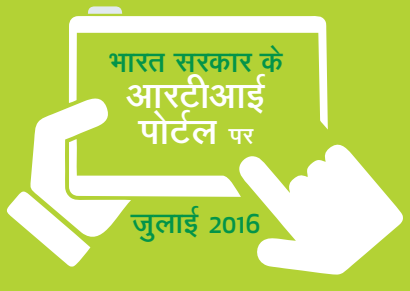

वित वर्ष 17–18 में 98%
सार्वजनिक शिकायतों का

समाधान
किया जा चुका है

निगमित नियंत्रण

हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे व्यवसायों के प्रभावी प्रबंधन का समर्थन करने के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन और जवाबदेही का स्तर उच्चतम हो। विनियामक, कर्मचारी, ग्राहक, विक्रेता, निवेशक और समाज सहित हमारे सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन करने के लिए हमारा ध्यान व्यापार के नैतिक और जिम्मेदार आचरण के उच्चतम मानकों को प्राप्त करना है। गेल की कॉरपोरेट प्रशासन प्रक्रियाओं को संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में दक्षता, पारदर्शिता, जवाबदेही, जिम्मेदारी, नैतिकता और सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करने को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

हम एक स्थायी कंपनी के निर्माण में पूरी आस्था रखते हैं जो अर्थव्यवस्था, समाज और पर्यावरण पर अपनी गतिविधियों के अल्प और दीर्घकालिक प्रभाव को महत्व देती है।

नियंत्रण का ढाँचा

निदेशक मंडल एक औपचारिक बोर्ड चार्टर द्वारा संचालित होता है, जो इसकी संरचना, प्रक्रियाओं और जिम्मेदारियों को निर्धारित करता है। बोर्ड की प्रमुख जिम्मेदारियों में से एक यह सुनिश्चित करना है कि संगठन के भीतर कॉर्पोरेट प्रशासन सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप है। बोर्ड अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन को कायम रखते हुए सफल व्यवसाय संचालन के लिए विभिन्न कार्यनीतिक निर्णय लेता है।

हमने आंतरिक नियंत्रणों की उचित कार्यप्रणाली के लिए उन्नत प्रणालियों और प्रक्रियाओं को लागू किया है। हम अपनी आंतरिक लेखा–परीक्षा और अनुपालन प्रक्रियाओं की गहनता से और गंभीरता से समीक्षा करते हैं। गेल सेबी (सूचीकरण बाध्यता और प्रकटीकरण आवश्यकता) विनियम, 2015 और कॉरपोरेट गवर्नेंस पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देशों का अनुपालन करता है। निदेशक मंडल के पास अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए आवश्यक कौशल, अनुभव, स्वतंत्रता और ज्ञान का उचित संतुलन होता है। बोर्ड के सभी सदस्य कार्यनीतिक दृष्टि से पर्यावरण, सामाजिक और शासन से संबंधित जटिलताओं का समाधान करने की विशेषज्ञता और योग्यता रखते हैं। बोर्ड में कार्यात्मक निदेशक मंडल (पूर्णकालिक), गैर–कार्यकारी निदेशक (सरकारी नामांकित) और गैर–कार्यकारी निदेशक (स्वतंत्र) शामिल होते हैं। 31 मार्च, 2018 तक, बोर्ड में 14 निदेशक थे, जिनमें 5 कार्यात्मक निदेशक थे, जिनमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, 9 गैर–कार्यकारी निदेशक (2 सरकारी नामित निदेशक और 7 स्वतंत्र निदेशक) शामिल थे। बोर्ड में 14 निदेशकों के कुल प्रतिनिधित्व में से दो महिला निदेशक शामिल हैं। बोर्ड और उसकी समितियों की संरचना का विवरण वित्त वर्ष 2017–18 की वार्षिक रिपोर्ट में उपलब्ध है, जो http://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/AnnualReports/Annual_Report_2017_18.pdf. पर उपलब्ध है।

हमारे निदेशक मंडल

श्री बी.सी. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री आशुतोष कर्नाटक
निदेशक (परियोजनाएं)

श्री सुबीर पुरकायस्थ
निदेशक (वित्त) और
मुख्य वित्त अधिकारी

श्री पी.के. गुप्ता
निदेशक (एचआर)

श्री गजेन्द्र सिंह
निदेशक (विपणन)

श्री मनोज जैन
निदेशक (व्यवसाय विकास)

श्री आशीष चैटर्जी
अंशकालिक निदेशक

सुश्री इंद्राणी कौशल
अंशकालिक निदेशक

श्री एस.के. श्रीवास्तव
अंशकालिक गैर–सरकारी
(स्वतंत्र) निदेशक

श्री अनुपम कुलश्रेष्ठ
अंशकालिक गैर–सरकारी
(स्वतंत्र) निदेशक

श्री संजय टंडन
अंशकालिक गैर–सरकारी
(स्वतंत्र) निदेशक

श्री दिनकर प्रसाद श्रीवास्तव
अंशकालिक गैर–सरकारी
(स्वतंत्र) निदेशक

डॉ. अनूप के. पुजारी
अंशकालिक गैर–सरकारी
(स्वतंत्र) निदेशक

श्री राहुल मुखर्जी
अंशकालिक गैर–सरकारी
(स्वतंत्र) निदेशक

श्री जयंतो नारायण चौधरी
अंशकालिक गैर–सरकारी
(स्वतंत्र) निदेशक

सुश्री बंतोदेवी कटारिया
अंशकालिक गैर–सरकारी
(स्वतंत्र) निदेशक

सुश्री सुचित्रा शर्मा
मुख्य सतर्कता अधिकारी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) के रूप में, निदेशकों को एमओपीएनजी के माध्यम से भारत सरकार द्वारा नामित/नियुक्त किया जाता है। सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) द्वारा बोर्ड के सदस्यों की नियुक्तियां, पात्रता मानदंड तैयार करने और उनके चयन की प्रक्रिया लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुसार की जाती हैं। कंपनी के अंतर्नियम के अनुसार, बोर्ड ने कंपनी के सीएमडी और कार्यात्मक निदेशकों को शक्तियां प्रत्यायोजित की हैं। इसके अलावा, शक्तियों के प्रत्यायोजन के अनुसार, सीएमडी को कंपनी में किसी भी अधिकारी को उसके द्वारा निहित शक्तियों को सौंपने का अधिकार है।

हमने 'बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों की आचार संहिता' को अपनाया है, जो कंपनी के मामलों का प्रबंधन करते हुए नैतिक और पारदर्शी प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए गेल की प्रतिबद्धता को दोहराती है।

बोर्ड की समितियाँ

बोर्ड मुख्य रूप से बोर्ड समितियों के गठन के लिए जिम्मेदार है, जो विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और प्रत्यायोजित प्राधिकारी के ढांचे के भीतर सूचित निर्णय लेते हैं, तथा बोर्ड को अपने कार्यक्षेत्रों या दायरे में मामलों पर विशिष्ट सिफारिशें करते हैं। समितियों के सभी निर्णय और सिफारिशें सूचना या अनुमोदन के लिए बोर्ड के समक्ष रखी जाती हैं।

बोर्ड समितियाँ कंपनी के शासन ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। समितियां बोर्ड द्वारा संदर्भित मामलों पर विचार–विमर्श करती हैं। समितियों के सदस्यों को बैठक से पहले लिखित रूप से महत्वपूर्ण जानकारी और डेटा वितरित किया जाता है ताकि उन्हें चर्चा करने की अनुमति मिल सके। मामले पर निर्णय लेने के लिए समितियों की सिफारिशें बोर्ड को प्रस्तुत की जाती हैं। बोर्ड द्वारा विनियामक आवश्यकता के एक भाग के रूप में, कार्यनीतिक निर्णयों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से बैठक करने के लिए कई बोर्ड समितियों का गठन किया गया है। प्रत्येक समिति की बैठकों की संख्या 2017–18 की रिपोर्टिंग अवधि के दौरान आयोजित की जाती है, जिसका ऊपर दी गई तालिका में उल्लेख किया गया है।

क्र.सं.	बोर्ड की समितियां	वित्त वर्ष 17–18 में आयोजित बैठकों की संख्या
1	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति	3
2	लेखापरीक्षा समिति	13
3	एचआर समिति	4
4	हितधारक संबंधी समिति	1
5	हितधारक शिकायत निवारण समिति	3
6	व्यवसाय विकास और विपणन समिति	10
7	वित्त समिति	2
8	नामांकन और पारिश्रमिक समिति	4
9	सतत् विकास समिति	2
10	अधिकार प्राप्त संविदा और खरीद समिति – ईसीपीसी	3
11	अधिकार प्राप्त – एलएनजी/पॉलिमर	3

सर्वोच्च शासन निकाय का निष्पादन

बोर्ड को कंपनी, उसके व्यवसायों और समस्याओं के बारे में पूरी जानकारी दी जाती है, जो उन्हें प्रभावी निर्णय लेने में सक्षम बनाता है, इससे हितधारकों की आकांक्षाएं पूरी होती हैं तथा पर्यावरण और समाज पर इनका सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित होता है।

निष्पादन और प्रभावकारिता में सुधार के लिए, हम सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के अनुसार सुधार और बेंचमार्क के क्षेत्रों की पहचान करते हैं। आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक विषयों के शासन के संबंध में निदेशकों के निष्पादन का मूल्यांकन नियुक्ति प्राधिकारी, भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

निरंतर मूल्यांकन यह सुनिश्चित करता है कि बोर्ड में स्टाफ हो और उसका उचित नेतृत्व किया जाए, निदेशक अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में प्रभावी हों, और महत्वपूर्ण निरीक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विश्वसनीय प्रक्रियाएं हों।

निष्पादन मूल्यांकन, पारिश्रमिक और प्रोत्साहन

गेल में, निष्पादन मूल्यांकन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) के साथ गेल के समझौता–ज्ञापन में वित्तीय और गैर–वित्तीय मापदंडों के समग्र अंक पर आधारित होता है। यह समग्र अंक कंपनी की समझौता–ज्ञापन रेटिंग को निर्धारित करने में मदद करता है, जिसके आधार पर परिवर्तनीय वेतन ब्रैकेट निर्धारित किया जाता है। कॉर्पोरेट समझौता–ज्ञापन अंक सीएमडी, निदेशक, कार्यकारी निदेशक और सीजीएम के निष्पादन पैरामीटर का एक भाग होता है। कॉर्पोरेट समझौता–ज्ञापन में व्यावसायिक, वित्तीय और गैर–वित्तीय पहलुओं जैसे कि सीएसआर,

स्थिरता, मानव संसाधन, अनुसंधान और विकास (आरएंडडी), आदि शामिल होते हैं।

गेल ने वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए 'उत्कृष्ट' समझौता–ज्ञापन रेटिंग हासिल की है। वर्ष 2017–18 के समझौता–ज्ञापन पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गेल और सचिव (पीएंडएनजी), भारत सरकार के बीच 03 जुलाई 2017 को हस्ताक्षर किए गए थे।

समझौता–ज्ञापन 2017–18 मुख्य रूप से भारत सरकार के गैस आधारित अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए किया गया था। समझौता–ज्ञापन का लक्ष्य तय करते समय पीएनजी कनेक्शन, सीएनजी स्टेशनों, ग्रीन कॉरिडोर के कार्यान्वयन और प्रमुख वित्तीय मापदंडों, गैस विपणन, गैस ट्रांसमिशन, परियोजना कार्यान्वयन, पूंजीगत व्यय, आदि सहित अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की संख्या को बढ़ाने पर बल दिया गया था।

01

सभी कर्मचारियों के कुल वार्षिक मुआवजे (अधिकतम भुगतान किए गए व्यक्ति को छोड़कर) की तुलना में किसी व्यक्ति को दिया जाने वाला मुआवजा अधिकतम वार्षिक मुआवजे के अनुपात का 2.99 है।

02

वर्ष 2017–18 के लिए सभी कर्मचारियों (अधिकतम भुगतान किए गए व्यक्ति को छोड़कर) के कुल वार्षिक मुआवजे की औसत प्रतिशत वृद्धि 0.78% है।

03

वित्तीय वर्ष 2016–17 से वित्त वर्ष 2017–18 तक अधिकतम भुगतान किए गए व्यक्ति के लिए कुल वार्षिक मुआवजे में प्रतिशत वृद्धि 79.29% है।

हितों के टकराव से बचाव

एक सार्वजनिक उद्यम क्षेत्र के रूप में, हम हितधारकों के विश्वास को बनाए रखने के महत्व को समझते हैं। इस प्रकार, बोर्ड स्तर पर हितों के टकराव का प्रभावी प्रबंधन करना संगठन के लिए एक अनिवार्य कार्य बन जाता है।

हितों के टकराव से निपटने के लिए हमने एक परिष्कृत प्रणाली बनाई है, जिसका उल्लेख नीचे किया गया है, ताकि ऐसी स्थितियों से बचा जा सके और उनसे निपटा जा सके।

- यदि कोई निदेशक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी विशेष एजेंडा/मामले में रुचि रखता है, तो वह ऐसे एजेंडे की चर्चा में स्वयं भागीदारी नहीं करेगा;
- संबंधित पार्टी प्रकटीकरण लागू लेखा मानकों और कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार किया जाता है। इस अधिनियम और सूची समझौते के खंड 49 के अनुसार, संबंधित पार्टी के लेन–देन के लिए आवश्यकता अनुसार लेखापरीक्षा समिति और/या बोर्ड और/या शेयरधारकों का अनुमोदन लिया जाता है;
- प्रत्येक निदेशक किसी भी कंपनी या निकाय की कॉर्पोरेट फर्म या व्यक्तियों के अन्य संघ में अपनी रुचि का खुलासा लिखित रूप में एक नोटिस द्वारा करेगा और इसे बोर्ड को प्रस्तुत किया जाता है।

सेबी सूची बाध्यता और प्रकटन आवश्यकता (एलओडीआर) विनियम, 2015 के अनुसार, गेल की एक समर्पित नीति है, अर्थात् संबंधित पार्टी लेन–देन से संबंधित किसी मामले के लिए लेन–देन 'संबंधित पार्टी लेन–देन नीति' (संबंधित पार्टी लेनदेन की सामग्री संबंधी नीति और संबंधित पार्टी लेनदेन करना)। हितों के टकराव से संबंधित मुद्दों को वार्षिक और सतत् विकास रिपोर्ट के माध्यम से हितधारकों को सूचित किया जाता है। गेल भी प्रकटीकरण के लिए एक त्रैमासिक कॉर्पोरेट प्रशासन रिपोर्ट रखता है।

सतत् विकास शासन

गेल में मुख्य व्यवसाय में आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक समस्याओं को एकीकृत करने तथा अपने आंतरिक और बाहरी हितधारकों के लिए मूल्य का सृजन करने के लिए एक व्यापक और विस्तृत 'सतत् विकास नीति' है।

इसके अलावा, गेल में एक बोर्ड–स्तरीय 'सतत् विकास समिति' (एसडीसी) है जो न केवल गेल में स्थिरता प्रक्रियाओं, नीतियों और पहलों को कार्यनीतिक बनाने के लिए जिम्मेदार है, बल्कि आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना और स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) के निष्पादन की समीक्षा भी करती है। चूंकि हितधारक संगठन की स्थायी पारिस्थितिकी प्रणाली के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, अतः उनके परामर्श को बोर्ड की मान्यता तथा आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों, जोखिमों और अवसरों के प्रबंधन में शामिल किया जाता है।

समिति की अध्यक्षता निदेशक (परियोजना) और निदेशक (व्यापार विकास) सहित एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है, जो कंपनी में सतत् विकास और पहलों की निगरानी करने के लिए नियमित रूप से बैठकें करते हैं।

सतत् विकास के अंतर्गत नैतिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर एसडीसी ने वित्त वर्ष 2017–18 में दो बैठकें आयोजित की और संगठन के प्रचालनों में स्थिरता प्रथाओं के संचालन के लिए निम्नलिखित निर्णय लिए।

सतत् विकास समिति

सतत विकास संचालन समिति

सतत विकास संचालन समिति गेल में सतत् विकास की पहल और प्रक्रियाओं के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण के लिए जिम्मेदार है।

यह एक बहु–विषयक समिति है जिसमें विभागीय प्रमुख शामिल होते हैं और इसका उद्देश्य स्थायित्व से संबंधित बुनियादी मुद्दों का एक केंद्रित समाधान प्रदान करना है।

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता

हमारी आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में सुपरिभाषित संगठनात्मक संरचना, व्यावसायिक इकाइयों और सेवा संस्थाओं के लिए मैनुअल और प्रचालन प्रक्रियाएं शामिल हैं। यह प्रणाली दक्षता, विश्वसनीयता, लेखांकन रिकॉर्ड की पूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय और प्रबंधन सूचना की समय पर तैयारी सुनिश्चित करती है। इसके अलावा, यह सभी लागू कानूनों और विनियमों का अनुपालन, संगठन की परिसंपत्तियों का अधिकतम उपयोग और सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। हमने आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्तता और प्रभावकारिता को पुनः सुनिश्चित करने के लिए एक सलाहकार के माध्यम से एक अभियान भी शुरू किया है। सलाहकार ने कई प्रक्रियाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) का अनुपालन अध्ययन और निश्चित जोखिम नियंत्रण मैट्रिक्स (आरसीएम) शुरू किया है।

आंतरिक लेखापरीक्षा में अर्थव्यवस्था, प्रभावकारिता और दक्षता के उपायों का भी सुझाव दिया जाता है, जिसके अनुसार संसाधनों का नियोजन और उपयोग किया जाता है, जो

गेल में एक स्वतंत्र, आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग है, जिसमें लेखांकन और इंजीनियरिंग क्षेत्रों के व्यावसायिक रूप से योग्य व्यक्ति शामिल हैं। आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग कार्यात्मक रूप से लेखापरीक्षा समिति को रिपोर्ट करता है और प्रशासनिक रूप से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करता है।

आंतरिक लेखापरीक्षा, जोखिम–केंद्रित लेखापरीक्षा के माध्यम से, संगठन के जोखिम प्रबंधन, व्यवसाय प्रक्रियाओं और आंतरिक नियंत्रण की समीक्षा करती है। लेखापरीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित वार्षिक लेखापरीक्षा कार्यक्रम के अनुसार लेखापरीक्षा कार्य आयोजित किए जाते हैं। बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति नियमित रूप से आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) लेखापरीक्षा के महत्वपूर्ण निष्कर्षों की समीक्षा करती है।

संगठन को त्रुटियों या अनियमितताओं से बचने के लिए निवारक उपायों की रूपरेखा बनाने में मदद करता है।

आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग द्वारा प्रभावकारिता और सुधार के लिए इन निवारक उपायों की नियमित समीक्षा की जा रही है। इसके अलावा, आंतरिक लेखापरीक्षा विभागों की टीम सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और अन्वेषण एवं उत्पादन (ई एंड पी) ब्लॉकों के प्रमोटरों की लेखापरीक्षा भी करती है।

नैतिकता और अखंडता: हम सभी व्यावसायिक प्रक्रियाओं को निष्पादित करने में उच्चतम नैतिक मानकों को बनाए रखने में विश्वास करते हैं। विभिन्न विनियामक आवश्यकताएं और आंतरिक कोड हैं जिनका पूरे संगठन में अनुपालन करने और संगठन के क्षेत्राधिकार में अनुशासनात्मक कार्रवाई करने या किसी भी प्रकार का अनुपालन न होने की स्थिति में दंड देने के लिए आवश्यकता होती है। ये कोड और नियम सभी कर्मचारियों पर लागू होते हैं, जिनमें प्रबंधन और ठेकागत कर्मचारियों के वरिष्ठ नेता शामिल हैं। इन कानूनों में भ्रष्टाचार–विरोधी, विश्वास–विरोधी, बहिष्कार–विरोधी, व्यापार प्रतिबंध और सीमा पार से व्यापारिक गतिविधियों पर लागू अन्य देशों के निर्यात नियंत्रण कानून शामिल हैं।

गेल में लागू कुछ महत्वपूर्ण नीतियां हैं:

- आचार संहिता
- आचरण, अनुशासन और अपील (सीडीए) नियम/स्थायी आदेश
- धोखाधड़ी निवारण नीति
- व्हिसल ब्लोअर नीति
- निष्पक्ष प्रकटीकरण और आचार संहिता
- आंतरिक सूत्रों द्वारा व्यापार को विनियमित करने, निगरानी करने और रिपोर्ट करने के लिए आचार संहिता
- बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए आचार संहिता

उपर्युक्त कोड के अलावा, हमने भली–भांति ज्ञात निवेश निर्णय लेने में अपने निवेशकों को सुविधा प्रदान करने में मदद करने के लिए सूचना का समय पर खुलासा करने हेतु सामग्री और प्रकटीकरण के निर्धारण के लिए नीति को भी शामिल किया है। यह नीति सेबी एलओडीआर, 2015 के विनियमन 30 के अनुसार है।

संबंधित पार्टी लेनदेन: सेबी एलओडीआर, 2015 के विनियम 23 और कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, गेल की लेखापरीक्षा समिति संबंधित पार्टी लेनदेन के विवरण की समीक्षा तिमाही आधार पर करती है। संबंधित पार्टी लेनदेन के लिए लेखापरीक्षा समिति/या बोर्ड/या हितधारकों का आवश्यकतानुसार अनुमोदन लिया जाता है।

विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लाभ के लिए प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न पहल जैसे ई–निविदा, ई–भुगतान, बिल निगरानी प्रणाली, आदि लागू की गई है।

भ्रष्टाचार–विरोधी: गेल संगठन के स्तर पर रिश्वत या भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशानिर्देशों और परिपत्रों का अनुपालन करता है। यह नीति गेल के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के साथ–साथ संयुक्त उपक्रमों पर भी लागू होती है जहां गेल की इक्विटी 50% से अधिक है। सीवीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान, हम स्कूलों और कॉलेजों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और समारोहों का भी आयोजन करते हैं तथा सतर्कता के दौरान गेल के कर्मचारियों और उनके परिवारों को भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के बारे में हितधारकों को संवेदनशील बनाते हैं।

हमारे कर्मचारियों की सुगमता के लिए हमारे इंट्रानेट पर 'जागरूक' नामक पत्रिका में सीवीसी के परिपत्र, लेख, सतर्कता से संबंधित केस स्टडी डाली जाती हैं।

पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए, गेल ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत नागरिकों को जानकारी प्रदान करने के लिए अपनी विभिन्न इकाइयों में केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/ केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) / अपीलीय प्राधिकारियों को नामित किया है। गेल द्वारा सूचना का अधिकार (आरटीआई) दिशानिर्देशों, गेल द्वारा प्राप्त आरटीआई आवेदनों पर प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) रिपोर्ट, रिकॉर्ड प्रतिधारण अनुसूची, आरटीआई लेखापरीक्षा रिपोर्ट और आगे अन्य संबंधित सूचना http: / /www.gailonline.com/final_site/ RTI.html पर देखी जा सकती है।

गेल जुलाई 2016 से भारत सरकार (जीओआई) के आरटीआई पोर्टल पर 'लाइव' है और वह हार्ड कॉपी के रूप में प्राप्त आरटीआई आवेदनों के लिए ऑनलाइन के साथ–साथ ऑफलाइन जानकारी प्रदान करता है। गेल अपनी सभी यूनिटों में पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचार मुक्त कार्य संस्कृति स्थापित करने के लिए प्रतिवर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी मनाता है। इस जागरूकता कार्यक्रम में विशाल भागीदारी को आकर्षित करने के लिए पोस्टर निर्माण, निबंध, चित्रकला, नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी और वाद–विवाद प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

वित्त वर्ष 2017–18 के लिए, गेल के कॉर्पोरेट आरटीआई सेल में प्राप्त और निपटाए गए आरटीआई आवेदनों के संबंध में निपटान दर 100% है। 31 मार्च, 2018 तक, हमारे पास 17 आरटीआई आवेदन लंबित थे, जिन्हें आरटीआई कानून के प्रावधान के लिए निर्धारित समय–सीमा में निपटाया गया था। इसके अलावा, गेल को अपीलकर्ताओं द्वारा दायर दूसरी अपील के संबंध में वर्ष 2017–18 में केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) द्वारा कोई दंड नहीं लगाया गया है/प्रतिकूल टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ संगठन को सुदृढ़ करने और निगरानी प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने के लिए व्हिसल ब्लोअर नीति, धोखाधड़ी रोकथाम नीति और सत्यनिष्ठा समझौता किया गया है। ये नीतियां गेल के सभी कर्मचारियों पर लागू होती हैं, जिसमें गेल की सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम भी शामिल हैं।

शिकायत निवारण: गेल के लिए हितधारकों का भरोसा सबसे महत्वपूर्ण है और हम हितधारकों की शिकायतों को जिम्मेदार और

समय पर निवारण करने में दृढ विश्वास करते हैं। संगठन से संबंधित किसी भी शिकायत की रिपोर्टिंग करने और समाधान प्राप्त करने के लिए सभी हितधारकों के लिए 'समाधन' नामक एक ऑनलाइन शिकायत निवारण मंच उपलब्ध है। सतर्कता, भ्रष्टाचार, जालसाजी, धोखाधड़ी, दुर्विनियोजन, पक्षपात, जानबूझकर लापरवाही बरतने, बिना सोचे–समझे निर्णय लेने, प्रणालियों और प्रक्रियाओं का घोर उल्लंघन करने, प्रत्यायोजित शक्तियों के प्रयोग में अनियमितताओं संबंधी शिकायतें गेल की वेबसाइट http://www.gailonline.com/final_site/onlineComplants.html पर दर्ज की जा सकती हैं। सतर्कता विभाग को भ्रष्टाचार से संबंधित किसी मामले की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

कर्मचारियों की शिकायतों के लिए एक अलग ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली है, जो कॉर्पोरेट एचआर टीम की देखरेख में है। एचआर प्रबंधक प्रभारी कर्मचारियों द्वारा दर्ज शिकायतों का समाधान करने और उनका समय पर निवारण सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। निर्धारित अवधि के भीतर निवारण न होने की स्थिति में शिकायतें स्वतः उच्च अधिकारियों तक पहुँच जाती हैं। संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर कर्मचारियों के लिए अपील करने का विकल्प भी उपलब्ध है।

ग्राहक हमारे वेवपेज के माध्यम से पंजीकृत सेवा अनुरोधों/ शिकायतों/ घटनाओं द्वारा उत्पाद की गुणवत्ता के बारे में प्रतिक्रिया भी दे सकते हैं। एक केंद्रीयकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स) है जहाँ सभी लिखित शिकायतें सभी कार्य केंद्रों से प्राप्त की जाती हैं। सभी नागरिकों के लिए अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करने के लिए एक पोर्टल उपलब्ध है। ये शिकायतें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा प्राप्त की जाती हैं। वर्ष 2017–18 के दौरान, सीपीग्राम्स के माध्यम से कुल 139 सार्वजनिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 136 (98%) का समाधान किया गया है, जबकि शेष तीन का उत्तर अंतिम चरण में हैं।

इन मंचों के अलावा, हम अपने हितधारकों के साथ नियमित रूप से संपर्क बनाए रखने के महत्व को भी समझते हैं। हमने शिकायतों को दूर करने और अपने हितधारकों जैसे निवेशकों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, समुदायों और गैर–सरकारी संगठनों के साथ जुड़ने के लिए विभिन्न मंचों और प्लेटफार्मों का सृजन किया है। हमने इस रिपोर्ट के हितधारक और सामग्री अनुभाग में इन प्लेटफार्मों के बारे में विस्तार से बताया है।

वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान आंतरिक हितधारकों से सीपीग्राम्स के माध्यम से प्राप्त शिकायतें

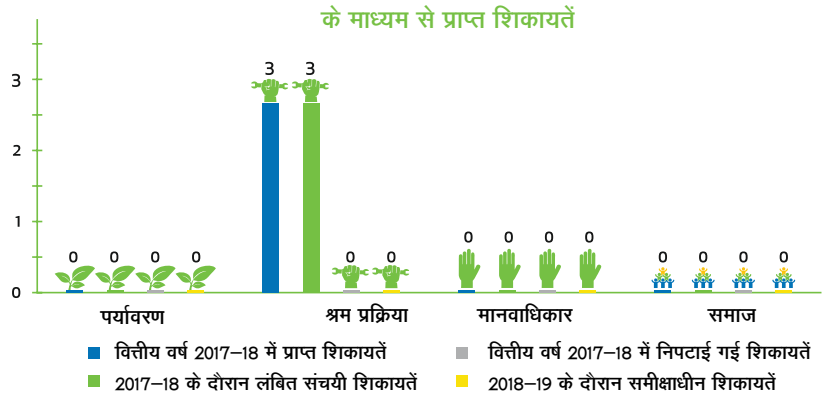

वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान बाहरी हितधारकों से सीपीग्राम्स के माध्यम से प्राप्त शिकायतें

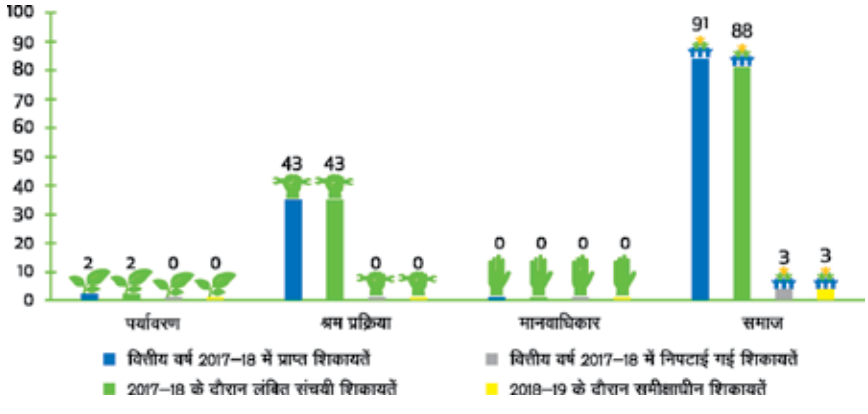

टिप्पणी: तालिका में दी गई शिकायतें वर्ष 2017–18 से संबंधित हैं और प्रशासनिक सुधार और जन शिकायत विभाग, भारत सरकार द्वारा नियंत्रित/ निगरानी के लिए सीपीग्राम्स पोर्टल के माध्यम से प्राप्त हुई हैं।

04

जोखिम प्रबंधन

सतत् व्यवसाय विकास सुनिचित करने के लिए गेल में एक व्यापक और विस्तृत 'जोखिम प्रबंधन नीति' मौजूद है।

जोखिम प्रबंधन

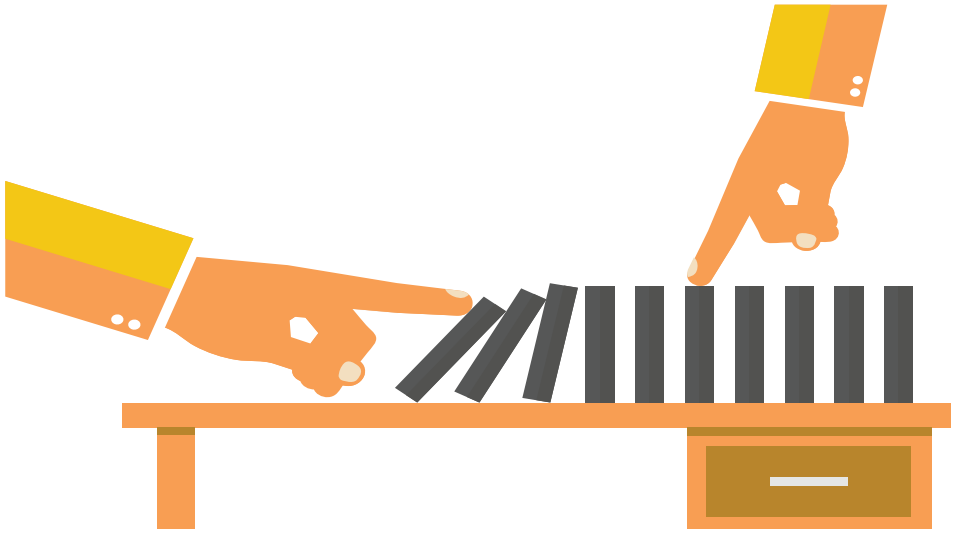

गेल में, हम हितधारकों के मूल्य को अधिकतम करने के उद्देश्य से जोखिमों से निपटने के लिए एक समग्र, एकीकृत, ढांचागत और अनुशासित दृष्टिकोण का पालन करते हैं। जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए हमारे दृष्टिकोण में विशेष रूप से संसाधनों के समन्वित और आर्थिक अनुप्रयोग के बाद जोखिमों की पहचान एवं मूल्यांकन करना तथा प्राथमिकता देना, दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की संभावना और/या उनके प्रभाव को कम करना, मॉनिटर करना एवं नियंत्रित करना या अवसरों का अधिकतम लाभ उठाना शामिल है।

गेल में स्थिरता के साथ स्थायी व्यापार वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक 'जोखिम प्रबंधन नीति' है। गेल में हमने जोखिम प्रबंधन के लिए एक ढांचागत दृष्टिकोण स्थापित किया है। नीति का प्राथमिक उद्देश्य स्थायी व्यवसाय वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए व्यापार से जुड़े प्रमुख जोखिमों के विश्लेषण, रिपोर्टिंग और उपशमन करने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है।

जोखिम प्रबंधन नीति में समग्र कार्यनीतिक और परिचालन प्रक्रियाओं में जोखिम प्रबंधन को एकीकृत करने के उद्देश्य से उद्यम जोखिम प्रबंधन ढांचे में घटकों की एक व्यापक रूपरेखा दी गई है जो डिजाइन, कार्यान्वयन, निगरानी, समीक्षा और निरंतर सुधार के लिए आधार और संगठनात्मक व्यवस्था प्रदान करता है। जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क मुख्य रूप से एक सुपरिभाषित जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया और जोखिम प्रबंधन संस्थागत ढांचे का गठन करता है।

जोखिम प्रबंधन संस्थागत ढांचा

निदेशक मंडल सर्वोच्च शासन निकाय है जो हमारी जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं की प्रभावकारिता की समीक्षा करता है। बोर्ड लेखापरीक्षा समिति के माध्यम से जोखिम प्रबंधन की पर्याप्त प्रणाली की स्थापना और कार्यान्वयन की देखरेख करता है। बोर्ड व्यापक रूप से वार्षिक आधार पर कंपनी के जोखिम प्रबंधन प्रणाली की प्रभावकारिता की समीक्षा करता है।

जैसा कि समर्पित कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम से संबंधित आंकड़ों में दर्शाया गया है, संचालन समिति (सीएलआरएससी) का तिमाही आधार पर सभी कॉर्पोरेट स्तर के प्रमुख जोखिमों की स्थिति की समीक्षा करने के लिए भी गठन किया गया है। इसके अलावा, एक जोखिम प्रबंधन समिति है जो मामलों को लेखापरीक्षा समिति के समक्ष रखे जाने से पहले उन पर विचार–विमर्श करने के लिए वर्ष में दो बार अपनी बैठकें बुलाती है। तत्पश्चात् वार्षिक बैठकों में लिए गए निर्णयों को अनुमोदन के लिए बोर्ड को स्थिति प्रस्तुत की जाती है।

जबकि गेल का उच्च प्रबंधन व्यवसाय और आर्थिक जोखिमों को देखता है, कुछ ऐसे

विशिष्ट समूह भी हैं जो पर्यावरण और सामाजिक जोखिमों की पहचान, कार्यनीतिक और रिपोर्टिंग पर काम करते हैं:

- एचएसई समूह – पर्यावरण और सुरक्षा मुद्दों से संबंधित सभी जोखिमों का समन्वय करता है
- सीएसआर समूह – सामाजिक और सीएसआर से संबंधित मुद्दों से संबंधित सभी जोखिमों का समन्वय करता है

जोखिम प्रबंधन नीति के विशिष्ट उद्देश्य हैं:

संगठन के लिए एक जोखिम आसूचना ढांचा स्थापित करना

यह सुनिश्चित करना कि संगठन के सभी वर्तमान और संभावित जोखिमों की पहचान की जाए, उनका गुणात्मक और मात्रात्मक रूप से मूल्यांकन, विश्लेषण और उचित रूप से प्रबंधन किया जाए

संपूर्ण संगठन में स्वामित्व स्थापित करना तथा एक पृथक स्वतंत्र प्रणाली की बजाय व्यापार के अभिन्न भाग के रूप में जोखिम प्रबंधन को अंत:स्थापित करना

प्रासंगिक कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुपालन को सक्षम बनाना

संगठन के निर्णय निर्माताओं को स्पष्ट रूप से अनिश्चितता, उसकी प्रकृति का पता लगाने, और इसका समाधान करने की दिशा में काम करने में मदद करना

उद्देश्यों की निष्पादन उपलब्धियां सुनिश्चित करना और संगठन की वित्तीय स्थिरता में सुधार लाना

जोखिम प्रबंधन संगठनात्मक ढांचा

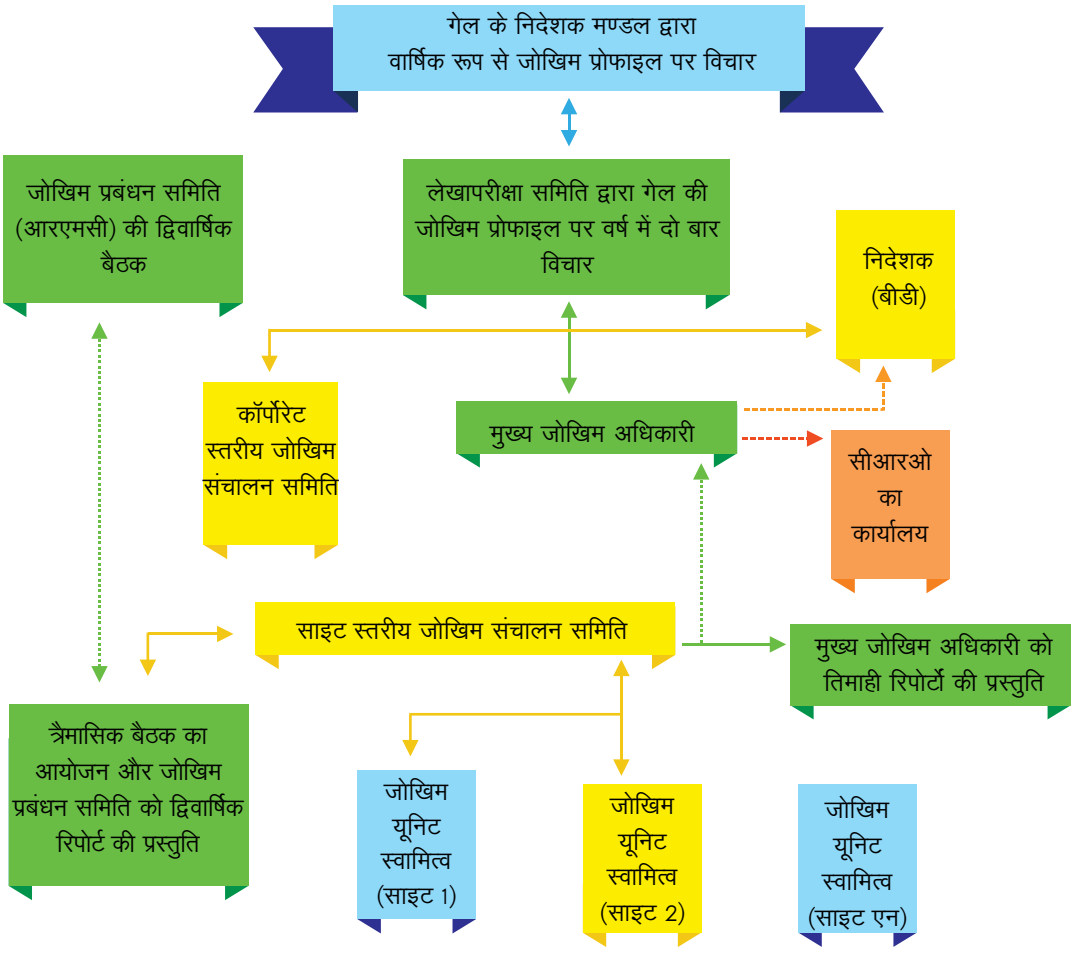

जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया

अपनाई गई जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया को हमारी कंपनी की व्यावसायिक प्रक्रियाओं के अनुसार बनाया गया है और इसे योजनाबद्ध रूप से आंकड़े के रूप में दर्शाया गया है।

रिपोर्टिंग हमारी प्रक्रियाओं का एक अभिन्न हिस्सा है और निगरानी की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जोखिम मूल्यांकन के परिणामों को समीक्षा, आदानों और निगरानी के लिए सभी प्रासंगिक हितधारकों को सूचित किया जाता है। गेल में अपनाई जाने वाली मौजूदा जोखिम रिपोर्टिंग ढांचे को उपर्युक्त आंकड़े में दर्शाया गया है।

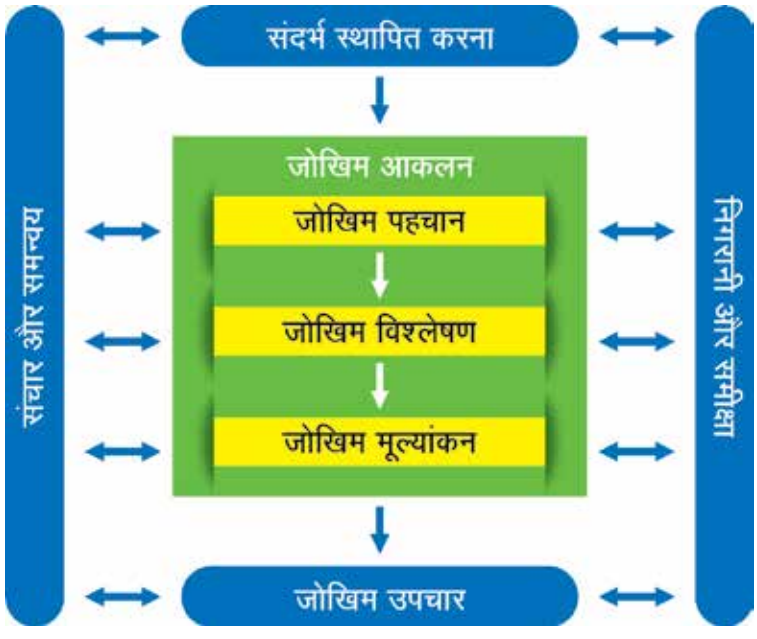

जोखिम की सूचना देने की प्रक्रिया को दर्शाने वाला प्रक्रिया रेखाचित्र

प्रबंधन का उत्तरदायित्व

- मुख्य जोखिम अधिकारी और साइट स्तरीय जोखिम संचालन समिति (एसएलआरएससी) द्वारा जोखिम समीक्षा की उच्च, मध्यम और निम्न श्रेणियां
- अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसार, कॉर्पोरेट स्तरीय प्रमुख जोखिमों की स्थिति की तिमाही आधार पर समीक्षा के लिए कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम संचालन समिति (सीएलआरएससी) की आवश्यकता है। लेखापरीक्षा समिति के समक्ष रखने से पहले, स्थिति का द्वि–वार्षिक आधार पर जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) में विचार–विमर्श किया जाता है। यह स्थिति बोर्ड को वार्षिक आधार पर दी जाती है।
- लेखापरीक्षा समिति और निदेशक मंडल भी नीति और प्रक्रियाओं की समय–समय पर समीक्षा करते हैं।
- यूनिट स्तरीय जोखिम संचालन समिति तिमाही आधार पर प्रमुख जोखिमों की रूपरेखा बनाती है, उनकी निगरानी करती है और उन्हें कम करने के उपाय करती है, जिसमें सामाजिक और पर्यावरणीय जोखिम और वार्षिक आधार पर गैर–प्रमुख जोखिम शामिल होते हैं।
- विशिष्ट समूहों से जुड़े जोखिमों का संबंधित विभाग द्वारा प्रबंधन किया जाता है और इसके बारे में प्रबंधन को अद्यतन जानकारी दी जाती है।

जोखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रिया के उद्देश्य

- व्यवसाय में जोखिम आसूचना ढांचा, स्वामित्व और अंत:स्थापित जोखिम प्रबंधन की स्थापना करना
- अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने वालों की सहायता करना और समाधान खोजना
- गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण करना, और वर्तमान और संभावित जोखिमों का मूल्यांकन और प्रबंधन करना
- प्रासंगिक कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का अनुपालन करना
- उद्देश्यों की प्राप्ति को दर्शाना और वित्तीय स्थिरता में सुधार करना

पहचाने गए और कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम संचालन समिति में विचार किए गए जोखिम

कॉर्पोरेट जोखिमों को नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है और नए उभरते जोखिम सहित समय–समय पर साइटों/कॉर्पोरेट कार्यों से अन्य प्रमुख जोखिम भी प्रस्तुत किए जाते हैं

संभावित जोखिम को कम करने के लिए किए गए उपाय

- व्यवसाय में जोखिम आसूचना ढांचा, स्वामित्व और अंत:स्थापित जोखिम प्रबंधन की स्थापना करना
- अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने वालों की सहायता करना और समाधान खोजना
- गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण करना, और वर्तमान और संभावित जोखिमों का मूल्यांकन और प्रबंधन करना
- प्रासंगिक कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का अनुपालन करना
- उद्देश्यों की प्राप्ति को दर्शाना और वित्तीय स्थिरता में सुधार करना

प्रमुख कॉर्पोरेट स्तर के जोखिम

कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम संचालन समिति (सीएलआरएससी) की बैठकों के दौरान, गेल के जोखिम प्रबंधन ढांचे और नीति द्वारा समर्थित निम्नलिखित जोखिमों की पहचान की गई है।

गेल ने पहचाने गए जोखिमों को कम करने की एक कार्यनीति भी विकसित की है।

अगले खंड में पहचाने गए जोखिमों को सूचीबद्ध किया गया है और संबंधित जोखिमों को कम करने की कार्यनीतियों का संक्षेप में उल्लेख किया गया है।

शीर्ष जोखिम और अपनाई गई उपशमन कार्यनीतियां

आम तौर पर, गेल द्वारा सामना किए जाने वाले जोखिमों की अवधि लंबी होती है और उन्हें किसी वित्तीय वर्ष में बांधना मुश्किल होता है। निम्नलिखित जोखिमों की पहचान की गई और उन पर कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम संचालन समिति (सीएलआरएससी) की बैठकों के साथ–साथ गेल के जोखिम प्रबंधन ढांचे और नीति के अनुरूप अन्य कॉर्पोरेट स्तर की बैठकों में विचार–विमर्श किया गया है।

गेल पता लगाए गए जोखिमों को कम करने के लिए कार्यनीतियों को अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहा है।

1

जोखिम विवरण: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त 8.73 एमएमटीपीए का जोखिम उठाना या उसका भुगतान करना

चेनियर (यूएसए) 3.5 एमएमटीपीए मार्च 2018, डीसीपी (यूएसए) 2.3 एमएमटीपीए दिसंबर 2017, गजप्रॉम (रूस) 2.5 एमएमटीपीए जनवरी 2018 और गोरगॉन (ऑस्ट्रेलिया) 0.43 एमएमटीपीए जनवरी 2017

उपशमन उपाय

- संयुक्त राज्य अमेरिका से प्राप्त 5.8 एमएमटीपीए का जोखिम उठाना या उसका भुगतान करना
- गाजप्रोम से प्राप्त 2.5 एमएमटीपीए एलएनजी का जोखिम उठाना या उसका भुगतान करना
- गोरगांव से प्राप्त 0.43 एमएमटीपीए एलएनजी का जोखिम उठाना या उसका भुगतान करना

2

जोखिम विवरण: पेट्रोरसायनों की लाभप्रदता में कमी का जोखिम

उपशमन उपाय

- विपणन योग्य ग्रेडों का उत्पादन। पॉलीमर की बिक्री बढ़ाने और लाभप्रदता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक विपणन
- निर्यात उपाय द्वारा बाजार का विस्तार करना
- फीड स्टॉक द्धसी2, सी3 और पॉलीमरऋ और परिवर्तन लागत को अनुकूल बनाना

3

जोखिम विवरण: उपयोग का अधिकार (आरओयू), भूमि प्राप्त करने में विलंब के कारण परियोजना निष्पादन में विलंब का जोखिम

उपशमन उपाय

- किसानों और जमींदारों की समस्याओं और अपेक्षाओं का समाधान करने के लिए राज्य और जिला प्रशासन के साथ सीएसआर गतिविधियों के अलावा, आरओयू के अधिग्रहण हेतु संपर्क किया जा रहा है तथा परियोजना क्षेत्र (क्षेत्रों) में स्थानीय आबादी के लिए जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें जागरूक किया जा रहा है और जानकारी दी जा रही है।
- सरकारी प्रक्रियाओं के माध्यम से स्थायी भूमि के अधिग्रहण के लिए अनुमोदित नीति तथा किसानों और भूमि मालिकों के साथ सीधे बातचीत करना।

4

जोखिम का विवरण: निम्न डाउनस्ट्रीम निकासी और निम्न पाइपलाइन क्षमता व्यापार के कारण पाइपलाइन के कम उपयोग का जोखिम

उपशमन उपाय

- प्राकृतिक गैस में बदलने के लिए गेल की पाइपलाइनों के आसपास स्थित लक्षित तरल ईंधन उपभोक्ता
- अंतिम मील दूरी (एलएमसी)
- जीटीए की शर्तों में और अधिक छूट देना, सीजीडी कंपनियों की तीव्र कनेक्टिविटी के लिए एकसमान दिशानिर्देश।
- उपभोक्ताओं के साथ विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने पर अनुमोदित दिशा–निर्देश, प्रतिदिन 0.1 मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर तक छोटे शिपरों के लिए लागू गैस परिवहन करार के तहत शिपर्स।
- निर्माणाधीन पाइपलाइनों सहित सीजीडी बोली का तालमेल स्थापित करने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक निकाय द्धपीएनजीआरबीऋ तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ मामला उठाना और उन शहरों को प्राथमिकता देना जो पहले से ही पाइपलाइनों से जुड़े हैं।
- नियमित रूप से ग्राहक बैठकों का (जोनल अधिकारियों के माध्यम से) आयोजन करना।

5

जोखिम का विवरण: प्राप्ति टर्मिनल (आरटी) और खंड–वार वाल्व (एसवी) स्टेशनों और एलपीजी पाइपलाइन में प्रमुख एलपीजी रिसाव

उपशमन उपाय

- अखंडता प्रबंधन प्रणाली के अनुसार पाइपलाइन के स्वास्थ्य और अखंडता की नियमित निगरानी करना
- ऑनलाइन रिसाव पहचान प्रणाली (एलडीएस) का उपयोग करके किसी भी पाइपलाइन रिसाव की निगरानी करना
- आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी) का कार्यान्वयन करना
- हॉट और मोबाइल फ्लेयर प्रणाली के साथ–साथ ओएमसी के भंडारण में एलपीजी की निकासी
- फ्लेयर प्रणाली की स्थापना

6

जोखिम विवरण: तृतीय पक्ष हानि का जोखिम तथा विकास और सड़क निर्माण तथा सड़कों को चौड़ा करने की गतिविधियों के कारण पाइपलाइनों का अतिक्रमण

उपशमन उपाय

- नए अतिक्रमण के लिए पाइपलाइन के उपयोग अधिकार (आरओयू) की नियमित निगरानी
- अखंडता प्रबंधन प्रणाली का कार्यान्वयन तथा संचालन एवं रखरखाव (ओ एंड एम) दिशानिर्देशों का अनुपालन।
- हेलीकॉप्टरों और पैदल गश्त द्वारा आरओयू निगरानी बढ़ाना
- पाइपलाइन स्थलों के बारे में जानकारी का प्रचार करना, किसी भी गतिविधि को करने से पहले गेल को सूचित करने के लिए लोगों को जागरूक बनाना, तथा पाइपलाइन क्षति के संभावित परिणामों के बारे में जागरूकता फैलाना।
- पाइपलाइन जाने वाले गांवों और कस्बों के प्रमुख स्थलों, दीवारों और सुरक्षा बोर्ड पर चेतावनी लिखना।
- प्रायोगिक आधार पर पाइपलाइन प्रवेश अभिज्ञात प्रणाली (पीआईडीएस) का कार्यान्वयन पूर्ण
- एसवी, आईपी खंड और कुलवाड़ा (मध्य प्रदेश) में जीआरपी और ड्रोन के माध्यम से आरओयू की वीडीपीएल निगरानी का पता लगाने के लिए ड्रोन का परीक्षण पूर्ण किया गया।

7

जोखिम विवरण: विनियामक गैर–अनुपालन का जोखिम

उदाहरण के लिए, गेल के व्यापार को नियंत्रणमुक्त बनाना

उपशमन उपाय

गेल द्वारा प्राकृतिक गैस (एनजी) परिवहन और विपणन व्यवसाय को नियंत्रणमुक्त बनाने पर पीएनजीआरबी विनियम को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है, गेल की स्थिति के समर्थन में एमओपीएनजी द्वारा एक शपथ–पत्र दायर किया गया है।

8

जोखिम का विवरण: बेंगलुरू सीजीडी परियोजना के संबंध में गेल गैस को प्राथमिक बैंक गारंटी (पीबीजी) (5.200 करोड रुपए) प्रदान करने के लिए गेल द्वारा बैंक को दिए गए कंफर्ट लेटर से उत्पन्न होने वाला जोखिम

उपशमन उपाय

- बिछाई जाने वाली पाइपलाइन (संचयी) के इंच किलोमीटर के लिए पीएनजीआरबी एमडब्ल्यूपी
- पीएनजीआरबी 1266 (प्राप्त) का तीसरा वर्ष एमडब्ल्यूपी (संचयी)
- पीएनजीआरबी घरेलू कनेक्शन संचयी लक्ष्य 65,578 (17 फरवरी, 2018 तक) था। प्रारंभिक पांच वर्षों के एमडब्ल्यूपी के शेष कार्य को पूरा करने और 2018–19 की पहली तिमाही के लिए एमडब्ल्यूपी के तीसरे वर्ष की समय–सीमा में छूट देने का अनुरोध करने के लिए एक कैच अप योजना।
- शुरू की गई संवर्धन योजना का विवरण
- पंजीकरण के लिए घरेलू ग्राहकों से आवेदन शुल्क की छूट।
- इस योजना के तहत पंजीकृत ग्राहकों के लिए पीएनजी आपूर्ति शुरू करने की तारीख से तीन महीने की अवधि के लिए घरेलू पीएनजी बिल के भुगतान की छूट।
- पीएनजी के बारे में ग्राहक में जागरूकता लाने के लिए एफएम रेडियो और समाचार–पत्र के माध्यम से इश्तहार नियमित आधार पर दिए जा रहे है

9

जोखिम विवरण: आरजीपीपीएल में कम निवेश होने पर शुरुआती अप्रत्याशित बदलाव के जोखिम बढ़ने की संभावना

उपशमन उपाय

- रत्नागिरी गैस एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड (आरजीपीपीएल) में गेल की 783 करोड़ रुपए की इक्विटी हानि पर वित्त वर्ष 2016–17 में विचार किया गया।
- इस कमी के शुरुआती अप्रत्याशित परिवर्तन के जोखिम (संभावना) को समाप्त करने के लिए उपशमन प्रयास किए जा रहे हैं।
- प्रक्रिया में आरजीपीपीएल का विलय हटाना
- ब्रेक वॉटर

05

गेल में सतत् विकास

गेल के उद्देश्यों, कार्यों और आकांक्षाओं के लिए सतत् विकास घोषणा–पत्र

वित्त वर्ष 2017–18 में

कुल

30

19 साइटों पर ₹ 31 करोड़ की सतत् विकास परियोजनाएं

गेल में सतत् विकास

अपनी स्थापना के बाद से, गेल एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक होने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे विजन विवरण, ''विश्व स्तर पर प्राकृतिक गैस और उससे इतर अग्रणी कंपनी बनना, जो ग्राहक देखभाल, सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरण उत्तरदायित्व के लिए प्रतिबद्ध हो'' में पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हुए स्वच्छ ऊर्जा और सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन के माध्यम से राष्ट्रीय आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

गेल भारत में सभी सार्वजनिक क्षेत्रों के बीच 'महारत्न' का दर्जा पाने वाला सबसे यंगेस्ट का सार्वजनिक उपक्रम बन गया है, जो भारत सरकार के हम पर विश्वास को प्रदर्शित करता है। यह कंपनी पर निर्भर करता है कि वह पर्यावरण और समाज के साथ समझौता किए बिना जिम्मेदारीपूर्ण विकास करे।

गेल जवाबदेही और पारदर्शिता के सिद्धांतों से निर्देशित होता है। वर्ष 2011 में, हमने औपचारिक रूप से अपनी सतत् विकास यात्रा शुरू की थी। हमारा मानना था कि यद्यपि हम कुछ कदम पीछे थे, लेकिन शीर्ष प्रबंधन के सक्रिय नेतृत्व में सही दिशा में छोटे किंतु अहम रणनीतिक उपाय कर रहे थे।

गेल ने सतत् विकास पहल और निष्पादन की नियमित निगरानी करने के लिए, स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता वाली बोर्ड–स्तरीय स्थिरता समिति को सक्रिय रूप से शामिल करके अपने स्थिरता मुद्दों को सशक्त ढंग से उठाया।

बुनियादी सतत् विकास गतिविधियों की योजना बनाने, देखरेख और कार्यान्वयन करने के लिए विभागाध्यक्षों की एक संचालन समिति का गठन किया गया। इसके बाद, साइट स्तर पर पहल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, हमारे पास एक बहु–अनुशासनात्मक साइट–स्तरीय समिति के साथ–साथ कॉर्पोरेट स्तर पर एक केंद्रित स्थिरता टीम भी कार्य कर रही है। प्रारंभिक वर्षों के दौरान कॉर्पोरेट योजना और कार्यनीति का एक भाग, सतत् विकास, अब 2017 में एक स्वतंत्र विभाग बन गया है।

वर्ष 2012 में, हमने सतत् विकास प्रयासों को दिशा प्रदान करते हुए एक सतत् विकास नीति तैयार की है। हितधारकों के साथ लेन–देन करते समय पारदर्शी होना और उत्तरदायित्व लेना प्रमुख दिशा रही। वित्तीय वर्ष 2010–11 से, हमने अपनी सतत् विकास रिपोर्ट के माध्यम से आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मोर्चों पर कंपनी के निष्पादन का खुलासा और अधिक पारदर्शी ढंग से करना शुरू किया।

इन वर्षों में, हमने आंतरिक प्रणाली और डेटा प्रबंधन को सुदृढ़ किया है जिसने स्थिरता निष्पादन को मापने, निगरानी और प्रबंधन करने में गेल की मदद की है। इसने एक प्रबंधन साधन के रूप में कार्य किया है जो कंपनी को अपनी प्रणालियों, नीतियों और प्रक्रियाओं को नए सिरे से देखने में मदद करता है।

2017 में, वर्षों से साइटों पर जागरूकता और संवेदनशीलता को सुदृढ़ करने के साथ, हमने गेल की साइटों के लिए वार्षिक सतत् विकास कार्य योजना शुरू की। इसने सतत् विकास के विभिन्न पहलुओं में प्रासंगिक परियोजनाएं शुरू करने के लिए साइटों को छूट दी है। इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के बाद

डॉ. आशुतोष कर्नाटक, निदेशक (परियोजनाएं) गेल, नोएडा में 08.10.2018 को 'सतत् विकास के साथ सामंजस्य स्थापित करना और क्रियाओं को परिभाषित करना' विषय पर एक सतत् विकास संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

हुई प्रगति की निगरानी करने के लिए, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म 'ई–प्रगति' स्थापित की गई है। ई–प्रगति मॉड्यूल सभी परियोजनाओं का विवरण दर्ज करता है और सूचीबद्ध उपलब्धियों के माध्यम से हुई प्रगति की निगरानी करता है। प्रत्येक परियोजना की एक विशिष्ट कार्य आईडी के माध्यम से पहचान की जाती है और इसकी समापन तारीख को सिस्टम में प्रदर्शित किया जाता है। प्रत्येक परियोजना में कुछ उपलब्धियां हासिल करने पर एक विशिष्ट उपलब्धि आईडी दी जाती है जिसमें कार्य प्रारंभ और समाप्त करने की तारीख भी मौजूद होती है। जब भी साइट पर कोई उपलब्धि हासिल की जाती है तो प्रणाली स्वतः अगली उपलब्धि को प्रदर्शित करने लगती है। प्रत्येक परियोजना पर किए गए व्यय की मॉड्यूल में प्रस्तुत बजट कॉलम के माध्यम से भी निगरानी की जा सकती है। सिस्टम विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध कराता है जिसे प्रत्येक उपलब्धि प्राप्त करने पर अद्यतन करने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, कंपनी के सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में प्रत्येक परियोजना के लाभ और प्रभाव की जानकारी भी पोर्टल पर प्रदान की जाती है।

गेल में हम समझते हैं कि सतत् विकास एक समग्र अवधारणा है, जिसमें सामाजिक, शासन, आर्थिक और पर्यावरणीय पहलुओं के विभिन्न मापदंडों को शामिल करने वाली अपेक्षाएं और लक्ष्य शामिल हैं। पूर्व अपेक्षाओं में मुख्य रूप से पर्यावरणीय मापदंडों को शामिल किया गया है। सतत् विकास को समग्र रूप से प्राप्त करने के लिए, हमारे व्यापार उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए गेल की स्थिरता आवश्यकताओं के साथ तालमेल बनाना बेहतर समझा गया। इस प्रकार

साइटों की सतत् विकास वार्षिक योजना

वित वर्ष 17-18

38 परियोजनाएं | 19 साइट | ₹31.30 करोड़ भारतीय व्यय

प्रमुख परियोजना क्षेत्र

11 ऊर्जा	5 सौर	4 जल	9 अपशिष्ट	7 वृक्षारोपण
1 बीबीएस	1 दक्ष प्रिंटर			

2018 में, हमने शीर्ष–स्तरीय विचार–विमर्श के बाद सतत् विकास की आवश्यकता को फिर से लागू करने की प्रक्रिया शुरू की।

संपूर्ण स्थिरता रूपरेखा बनाने के पहले उपाय के रूप में एक कार्यकारी निदेशक (ईडी) स्तरीय समिति का गठन किया गया, जिसमें गेल के विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों के सदस्य शामिल थे। विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों से प्रारंभिक विचार–विमर्श, प्रतिक्रिया और सिफारिशों/सुझावों पर विचार किया गया। इन सिफारिशों पर निदेशक (परियोजना) की अध्यक्षता में हुई 9वीं सतत् विकास संचालन समिति (एसडीएससी) की बैठक में भी विचार किया गया, जिसमें पाता और विजयपुर की प्रमुख साइटों के प्रतिनिधित्व भी शामिल थे। स्थिरता की आवश्यकता को अंतिम रूप देने का कार्य चल रहा है।

पूरे संगठन में स्थिरता को बनाए रखने के एक कदम के रूप में, गेल ने सतत् विकास घोषणा–पत्र विकसित किया है। यह घोषणा–पत्र गेल के भावी उद्देश्यों, कार्यों और अपेक्षाओं के लिए एक मार्गदर्शक बल के रूप में कार्य करेगा। घोषणा–पत्र सतत् विकास और जलवायु कार्रवाई करने के लिए एक नेतृत्व मंच की स्थापना करते समय कॉर्पोरेट डीएनए में पर्यावरण और सामाजिक चिंताओं को अंतःस्थापित करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण का पालन करता है।

हमारा पाता पेट्रोरसायन संयंत्र कार्बन उत्सर्जन और विशिष्ट ऊर्जा खपत के मानकों को निर्धारित करने के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के सहयोग से ऊर्जा दक्षता बेंचमार्क पर कार्य कर रहा है, जिसमें पेट्रोरसायन क्षेत्र पीएटी (परफॉर्म, उपलब्धि और व्यापार) योजना का हिस्सा बन रहा है।

समीक्षाधीन अवधि 2017–18 के दौरान, गेल द्वारा पर्यावरण से संबंधित विषयों पर अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण और शिक्षित करने के उद्देश्य से 7.43 लाख रुपए का कुल व्यय किया गया था। इसके अतिरिक्त, गेल के 47 अन्य कर्मचारियों के साथ स्थिरता से संबंधित कार्यक्रमों के लिए सभी 65 नए भर्ती कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया।

गेल जुबली टॉवर, नोएडा में अपशिष्ट मिश्रित मशीन का उद्घाटन

गेल जुबली टॉवर नोएडा में अपशिष्ट मिश्रित मशीन के उद्घाटन के दौरान लिया गया चित्र

गेल जुबली टॉवर नोएडा में अपशिष्ट मिश्रित मशीन का उद्घाटन करते हुए श्री नरेंद्र कुमार, ईडी (ओएंडएम)

पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ भारत अभियान के लिए हमारी पहल के रूप में दिनांक 26.03.2018 को गेल जुबली टॉवर नोएडा में एक अपशिष्ट मिश्रित मशीन स्थापित की गई है। इस मशीन से रसोई और बागवानी कचरे का उपयोग करके जैविक खाद तैयार की जाएगी। गेल जुबली टॉवर रखरखाव विभाग ने अपने ग्रीन बिल्डिंग प्रमाण–पत्र में यह एक और उपलब्धि जोड़ी है।

06

हितधारक की नियुक्ति और सामग्री

हितधारकों के साथ भागीदारी, गेल की नीतियों में उनके परिप्रेक्ष्य को समझना

हितधारक की नियुक्ति और सामग्री

प्रत्येक संगठनात्मक निर्णय का इसके हितधारकों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूप से प्रभाव पड़ता है। ये हितधारक मुख्य रूप से निर्णय लेने को प्रभावित करते हैं और महत्वपूर्ण राय निर्माता होते हैं। इसलिए, गेल अपने हितधारकों के दृष्टिकोण को समझने और उन्हें अपनी रणनीति और नीतियों में शामिल करने को प्राथमिकता देता है। इस प्रकार, समाज के प्रति संगठन की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, कॉर्पोरेट्स के बीच हितधारक प्रबंधन अवधारणा आज एक व्यापक स्वीकृत मानदंड है। गेल में, हम सतत् विकास के लिए हितधारकों के साथ कार्यनीतिक संबंध और समग्र प्रबंधन की अवधारणा का पालन करते हैं।

हितधारक की नियुक्ति

सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के नाते, हमारा लक्ष्य न केवल सतत् व्यवसाय लाभ प्राप्त करना है बल्कि दीर्घावधि में सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से संतुलित विकास प्राप्त करना भी है। हितधारकों की नियुक्ति की अवधारणा संगठन के कार्यनीतिक प्रबंधन में दृढ़ता से अंतर्निहित है और हम इस क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली समस्याओं का सौहार्दपूर्ण ढंग से समाधान करने के लिए सहयोगात्मक और सहानुभूति का वातावरण बनाने में विश्वास करते हैं।

गेल ने हितधारकों की नियुक्ति की दिशा में पहला कदम उठाते हुए विस्तृत हितधारक विश्लेषण किया है। हितधारक विश्लेषण के माध्यम से, हम व्यक्तियों, समूहों या संस्थाओं पर, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पड़ने वाले प्रभाव की प्रकृति को पहचानने और समझने का लक्ष्य रखते हैं। हितधारक विश्लेषण प्रक्रिया के भाग के रूप में निम्नलिखित चरणों का पालन किया जाता है:

- सभी आंतरिक और बाहरी हितधारकों की पहचान करना और उन्हें नियुक्त करना

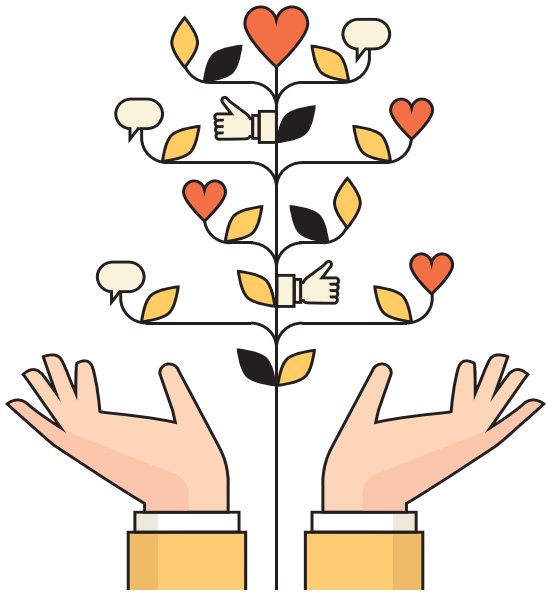

सीएसआर पहल 'गेल उत्कर्ष' के छात्रों द्वारा जेईई आईआईटी एडवांस परीक्षा उत्तीर्ण करने पर आयोजित सम्मान समारोह में माननीय राष्ट्रपति

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने गेल (इंडिया) लिमिटेड की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पहल 'गेल उत्कर्ष' के तहत गहन कोचिंग लेने के बाद जेईई आईआईटी एडवांस 2018 परीक्षा को उत्तीर्ण करने वाले समाज के वंचित वर्गों के छात्रों का सम्मान किया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के परिसर में एक सत्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर गेल के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. आशुतोष कर्नाटक भी उपस्थित थे।

- प्रत्येक हितधारक के प्रभाव और महत्व की प्रकृति का आकलन करना
- हितधारक प्रभाव और महत्व की पहचान करने के लिए हितधारक प्राथमिकता मैट्रिक्स का निर्माण
- हितधारकों के संबंधों की निगरानी और प्रबंधन

हमने आठ प्रमुख हितधारक समूहों की पहचान की है जिनके द्वारा हम सामग्री मूल्यांकन करते हैं और संगठन पर पड़ने वाले उनके प्रभाव को समझने का प्रयास करते हैं। उनके प्रभाव और संगठन के लिए उनके द्वारा सृजित मूल्य के आधार पर, हम उनके लिए एक उपयुक्त नियुक्ति प्रणाली तैयार करते हैं। प्रमुख हितधारकों और नियुक्ति प्रक्रिया और नमूना तारीखों के आवश्यक घटकों का नीचे योजना–वार उल्लेख किया गया है:

हितधारक	कार्य पद्धति	कार्य की आवृत्ति	2017–18 में बैठकें	कार्य दल	कार्य केंद्र
कर्मचारी	संतुष्टि सर्वेक्षण, शिकायत निवारण, सुझाव योजनाएं, सीएमडी ओपन हाउस, ई–मेल, स्थायित्व सर्वेक्षण, समिति बैठकें, पत्रिकाएं, एसोसिएशन और यूनियन बैठकें, सांस्कृतिक कार्यक्रम	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक और जब भी इसकी आवश्यकता होती है	गेल स्थापना दिवस: 16 अगस्त, 2017 संवाद: 05 जुलाई, 2017 स्थायित्व कार्यशाला: दिसंबर 7–8 और 13, 2017 मीटरिंग पर सर्टिफिकेट कोर्स: 8–15 जनवरी 2018	मानव संसाधन विभाग, एचआर – कर्मचारी संबंध और नीति, कॉर्पोरेट संचालन और रखरखाव, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण विभाग, और कॉर्पोरेट स्थायित्व विभाग	परियोजना कार्य योजना, सर्वोत्तम पद्धति कार्यान्वयन, एचएसई प्रशिक्षण, कौशल विकास, ट्रैकिंग निष्पादन संकेतक और शिकायत निवारण

हितधारक	कार्य पद्धति	कार्य की आवृत्ति	2017–18 में बैठकें	कार्य दल	कार्य केंद्र
आपूर्तिकर्ता	विश्लेषक बैठक, वार्षिक आम बैठक और सम्मेलन बैठक	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक और जब भी इसकी आवश्यकता होती है	एमएसएमई बैठक: 12 जुलाई, 2017 विक्रेता बैठक: 15 जून, 2017 गेल–गजप्रोम: 16 जनवरी, 2018 सबाइन पास एलएनजी आयात: 06 मार्च, 2018 गैस टर्बैन बैठक 10 अक्टूबर, 2017	मानव संसाधन विभाग, कॉर्पोरेट प्रचालन और रखरखाव, तथा स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पर्यावरण विभाग	संबंध निर्माण, प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुतियाँ, क्रय समझौता तथा बिक्री एवं खरीद समझौतों (एसपीए) पर चर्चा
ग्राहक	ग्राहक परस्पर संवाद बैठक और ग्राहक फीडबैक	वार्षिक, त्रैमासिक और आवश्यकता–आधारित	ग्राहक बैठक: 19 जुलाई 2017 जीएसटी जागरूकता बैठक: 14 जुलाई 2017	विपणन विभाग और कुल गुणवत्ता प्रबंधन विभाग	ग्राहकों की आवश्यकता को समझना, नए उत्पाद पर ग्राहकों की फीडबैक, ग्राहक संतुष्टि सूचकांक, ग्राहक खाता बही प्राप्त करना
समुदाय	सामुदायिक बैठकें, परियोजना बैठकें, वार्षिक समीक्षाएं और संवाद	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक और आवश्यकता–आधारित	स्वच्छ भारत पखवाड़ा: 1–31 जुलाई 2017 गेल उत्कर्ष सुपर 100: 13 फरवरी 2018 (देहरादून)	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग	सीएसआर पहल का निष्पादन और हस्तक्षेप शिकायत निवारण
सरकार और विनियामक	समझौता–ज्ञापन, तिमाही प्रगति रिपोर्ट, खुला चर्चा सत्र, बैठकें और विभिन्न विनियामक मामलों पर पीएनजीआरबी को लिखित विचार/टिप्पणियां	वार्षिक, त्रैमासिक और आवश्यकता–आधारित	पीएमयूजी अनुमोदन: 1 नवंबर 2017 बेंगलुरु सीजीडी: 19 जून 2017 भुवनेश्वर पीएनजी आपूर्ति: 20 अक्तूबर 2017	विनियामक कार्य विभाग, विधि विभाग, कॉर्पोरेट योजना विभाग, संपर्क और संसदीय कार्य विभाग और कंपनी सचिवालय	संबंध निर्माण, एमओयू के माध्यम से निष्पादन मूल्यांकन, प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुतियाँ, प्रमुख निवेश पर चर्चा

हितधारक	कार्य पद्धति	कार्य की आवृत्ति	2017–18 में बैठकें	कार्य दल	कार्य केंद्र
शेयरधारक	विश्लेषक बैठक, वार्षिक आम बैठक, कॉन्फ्रेंस कॉल और वित्तीय जानकारी को वेबसाइट पर डालना	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक और आवश्यकता–आधारित	आईआईएफएल उद्यम भारत निवेशक सम्मेलन: 21–23 फरवरी 2018	संस्थागत शेयरधारकों और विश्लेषकों के लिए: वित्त और लेखा छोटे शेयरधारकों के लिए: कंपनी सचिवालय से प्रेस सूचना	कंपनी की ईएसजी निष्पादन रिपोर्टिंग, भावी चुनौतियों का समाधान और उपशमन उपाय
उद्योग संघ	आपूर्तिकर्ता बैठक, ईमेल, बैठकें, समाधन और संवाद	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक और आवश्यकता–आधारित	तेल और गैस एचएसई सम्मेलन: 6 दिसंबर 2017 (नई दिल्ली)	संविदा और खरीद विभाग, और परियोजना विभाग	अखंडता समझौता, पूर्व–निविदा और पूर्व–बोली बैठक, निपटान सलाहकार समिति, रिवर्स ऑक्शन, बिल वॉच सिस्टम, फाइल संचलन प्रणाली, ई–निविदा
वित्तीय संस्था	विश्लेषक बैठक, वार्षिक आम बैठक और वित्तीय सूचना को वेबसाइट पर डालना	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक और आवश्यकता–आधारित	बैंकर्स की बैठक: 21 अगस्त 2017	संस्थागत निवेशकों और विश्लेषकों के लिए: वित्त और खाते खुदरा निवेशकों के लिए: कंपनी सचिवालय	कंपनी का ईएसजी निष्पादन, भावी चुनौतियों से निपटना, और वित्तीय जोखिम प्रबंधन

सामग्री का विश्लेषण

इस रिपोर्ट के संदर्भ में, सामग्री से तात्पर्य कंपनी की सतत् विकास पहलों पर ध्यान केंद्रित करने और उन मुद्दों पर रिपोर्ट करने से संबंधित है, जो व्यवसाय के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलुओं पर सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं, तथा जो गेल के हितधारकों के हित में हैं।

हम समय–समय पर सामग्री का मूल्यांकन करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि व्यवसाय और हितधारकों के लिए महत्वपूर्ण सतत् विकास के मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए और उनका कार्यनीतिक रूप से समाधान किया जाए। इन पहचाने गए मुद्दों का विश्लेषण कंपनी की स्थिरता कार्यनीति को आकार देने में मदद करने के लिए किया जाता है, इस प्रकार लक्ष्य निर्धारण और संसाधन आवंटन के लिए आधार प्रदान किया जाता है। यह आगे रिपोर्टिंग प्राथमिकताओं की रूपरेखा बनाने में कंपनी की मदद करता है। हाल में रिपोर्टिंग वर्ष, अर्थात् वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान सामग्री मूल्यांकन किया गया था।

प्रक्रिया और कार्यप्रणाली

सामग्री अध्ययन में चार चरण शामिल हैं:

- **प्रारंभिक चरण:** इस चरण में, गेल के (आंतरिक और बाहरी) हितधारकों को कंपनी के व्यवसाय से संबंधित 'सार्वभौमिक' विषयों की सूची के साथ जोड़ा गया था। इस चरण में गैस उद्योग से संबंधित कुल 70 सार्वभौमिक विषय सूचीबद्ध किए गए थे।
- **चर्चा का चरण:** गेल के लिए महत्वपूर्ण ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए, चयनित 70 सार्वभौमिक विषयों को कुल गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूम), कॉर्पोरेट संचार और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर), विपणन – पेट्रोरसायन – विपणन, अंतर्राष्ट्रीय स्रोत, संविदा और खरीद, स्थिरता, वित्त और लेखा, घरेलू

गैस विपणन, पुनः गैसीकृत तरलीकृत प्राकृतिक गैस (आरएलएनजी) तथा कॉर्पोरेट कार्यनीतिक योजना और परामर्श के विभागीय प्रमुखों द्वारा प्रदर्शित किया गया था। इस चरण में, महत्वपूर्ण संगठनात्मक प्रभाव वाले क्षेत्रों के साथ–साथ गेल को प्रभावित करने वाले व्यापक स्थिरता रुझानों सहित विचार और चर्चा के लिए 15 प्रमुख ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों को अंतिम रूप दिया गया था।

- **परामर्श चरण:** इस चरण में, गेल के आंतरिक हितधारकों (कर्मचारियों), और गेल (ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, ठेकेदारों, गैर–सरकारी संगठनों और समुदायों) के लिए महत्वपूर्ण बाहरी हितधारक समूहों को उनके प्रमुख फोकस क्षेत्रों के अनुसार मान्य और रैंक किया गया था।

सार्वभौमिक विषयों से ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों की चरणवार पहचान

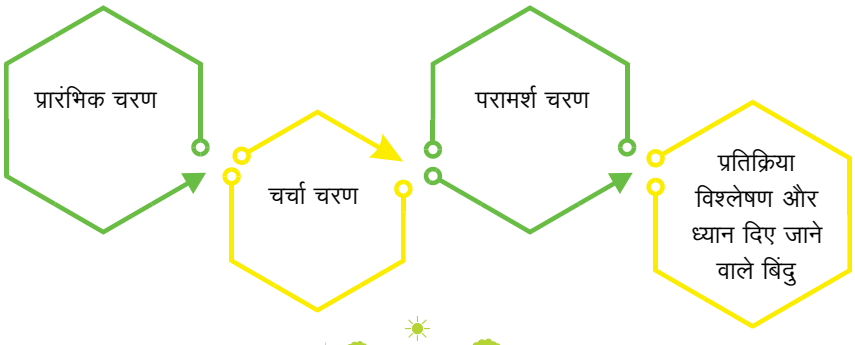

सामग्री मैट्रिक्स

हमारी सामग्री मूल्यांकन प्रक्रिया का प्राथमिक परिणाम सामग्री मैट्रिक्स पर मापे गए स्थिरता मुद्दों का एक समूह था। मैट्रिक्स का ऊर्ध्वाधर अक्ष कंपनी के महत्व को दर्शाता है, जबकि क्षैतिज अक्ष हमारे हितधारकों के लिए

इन मुद्दों के महत्व का प्रतिनिधित्व करता है।

इस रिपोर्ट में, हमने चयनित सामग्री विषयों और कंपनी–विशिष्ट पहलुओं के बारे में गेल के दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला है। सामग्री के विषयों की समीक्षा कार्यनीतिक कार्रवाई का अनुपालन और बेहतर पाठ्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए भूमि–कानूनों के अनुसार की जाती है। प्रत्येक सामग्री विषय पर बाद के अध्यायों में विस्तार से चर्चा की गई है। हितधारकों के साथ उच्च रैंक वाले अंतिम सामग्री विषयों की मैपिंग नीचे तालिका में दी गई है:

गेल और टीईआरआई में आयोजित सतत् विकास संगोष्ठी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक (परियोजना) डॉ. आशुतोष कर्नाटक द्वारा की गई।

सामग्री पहलू	उप–पहलू	सीमा	प्रमुख हितधारक
स्वास्थ्य और सुरक्षा	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा परिसंपत्ति अखंडता और प्रक्रिया सुरक्षा	गेल के भीतर और बाहर	कर्मचारी आपूर्तिकर्ता ठेकेदार गैर–सरकारी संगठन और समुदाय
प्रचालनात्मक उत्कृष्टता	स्वास्थ्य और सुरक्षा सामग्री जल ऊर्जा जैव–विविधता उत्सर्जन बहिस्राव और अपशिष्ट परिसंपत्ति उत्पादकता पर्यावरण निवेश समाज पर प्रभाव के लिए आपूर्तिकर्ता मूल्यांकन परिवहन समग्र पर्यावरण शिकायत प्रणाली	गेल के भीतर	ग्राहक कर्मचारी आपूर्तिकर्ता संविदाकार

सामग्री पहलू	उप–पहलू	सीमा	प्रमुख हितधारक
व्यापार वृद्धि और लाभप्रदता	आर्थिक निष्पादन विविधता और अवसर बाजार में उपस्थिति अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	गेल के भीतर और बाहर	ग्राहक कर्मचारी आपूर्तिकर्ता ठेकेदार एनजीओ और समुदाय
सार्वजनिक नीति और परामर्श	प्रतिस्पर्धी–रोधी व्यवहार भ्रष्टाचार–रोधी सार्वजनिक नीति अनुपालन प्रबंधन	गेल के भीतर और बाहर	ग्राहक कर्मचारी ठेकेदार एनजीओ और समुदाय
हितधारक संबंध प्रबंधन	क्रय प्रक्रिया आपूर्तिकर्ता पर्यावरण मूल्यांकन समाज पर प्रभाव के लिए आपूर्तिकर्ता मूल्यांकन आपूर्तिकर्ता मानवाधिकार मूल्यांकन श्रम प्रथाओं के लिए आपूर्तिकर्ता मूल्यांकन स्वदेशी अधिकार विपणन और संचार उत्पाद सेवा लेबलिंग उत्पाद और सेवाएं स्थानीय समुदाय क्रय प्रक्रिया पारदर्शी संचार की पर्याप्तता	गेल के भीतर और बाहर	ग्राहक आपूर्तिकर्ता ठेकेदार एनजीओ और समुदाय
जलवायु परिवर्तन	जीएचजी उत्सर्जन प्रबंधन जीएचजी की कमी अन्य उत्सर्जन प्रबंधन	गेल के भीतर और बाहर	ग्राहक कर्मचारी आपूर्तिकर्ता ठेकेदार एनजीओ और समुदाय

सामग्री पहलू	उप–पहलू	सीमा	प्रमुख हितधारक
मानव पूंजी प्रबंधन	रोजगार कार्यबल प्रबंधन प्रशिक्षण और शिक्षा कर्मचारी विविधता रोजगार और श्रम आचरण मानवाधिकार शिकायत तंत्र गैर–भेदभाव मानवाधिकार शिकायत तंत्र संघ स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी बलात और अनिवार्य श्रम बाल श्रम पुरुषों और महिलाओं के लिए समान पारिश्रमिक श्रम प्रक्रिया शिकायत तंत्र सुरक्षा प्रक्रिया	गेल के भीतर	कर्मचारी ठेकेदार
अनुमान की तुलना में गेल द्वारा निवेश	अन्वेषण और उत्पादन गैस पाइपलाइन नेटवर्क एलएनजी टर्मिनल गैस आधारित विनिर्माण उद्योग नगर गैस वितरण	गेल के भीतर और बाहर	ग्राहक आपूर्तिकर्ता सरकारी और विनियामक निकाय
बदलते बाज़ार के रुझान में वृद्धि	गैस आधारित अर्थव्यवस्था उत्पाद मूल्य श्रृंखलाओं में निवेश नीतिगत सुधार स्वच्छ ऊर्जा बाजार एसपीए और खरीद अनुबंध	गेल के भीतर और बाहर	ग्राहक आपूर्तिकर्ता सरकारी और विनियामक निकाय
व्यवसाय मॉडल और अभिनवता	एलएनजी और एलपीजी ट्रांसमिशन नगर गैस वितरण अन्वेषण और उत्पादन गैस विपणन बाजार में उपस्थिति आपूर्ति श्रृंखला	गेल के भीतर और बाहर	ग्राहक आपूर्तिकर्ता ठेकेदार सरकारी और विनियामक निकाय

सामग्री पहलू	उप–पहलू	सीमा	प्रमुख हितधारक
बदलता व्यवसाय/बाजार में उतार–चढ़ाव	गैस आधारित अर्थव्यवस्था सरकारी नीतियां स्वच्छ ऊर्जा बाजार बाजार में हिस्सेदारी विविधता और अवसर	गेल के भीतर और बाहर	सरकारी और विनियामक निकाय आपूर्तिकर्ता
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	नैतिक खरीद एमएसई के लिए अवसर आपूर्तिकर्ता नियुक्ति डिजिटलीकरण हरित खरीद	गेल के भीतर और बाहर	आपूर्तिकर्ता सरकारी और विनियामक निकाय ठेकेदार एनजीओ और समुदाय कर्मचारी
आयातित गैस की तुलना में घरेलू प्राप्त गैस की प्रतिस्पर्धा	एसपीए और क्रय करार सरकारी नीतियां विलय और अधिग्रहण	गेल के भीतर और बाहर	आपूर्तिकर्ता सरकारी और विनियामक निकाय ठेकेदार ग्राहक
विघटनकारी प्रौद्योगिकियों का उद्भव	अनुसंधान और विकास विविधता और अवसर तकनीकी उपयोग	गेल के भीतर	कर्मचारी आपूर्तिकर्ता ठेकेदार
सतत् विकास लक्ष्यों और सीओपी21 के साथ सामंजस्य	जलवायु परिवर्तन की पहल क्रय पद्धति जल प्रबंधन बहीःस्राव और अपशिष्ट प्रबंधन पर्यावरण संरक्षण पर निवेश ईएसजी जोखिम उपशमन	गेल के भीतर और बाहर	कर्मचारी ठेकेदार आपूर्तिकर्ता सरकारी और विनियामक निकाय एनजीओ और समुदाय

07

व्यवसाय विकास

वित्त वर्ष 17–18 में गेल ने सर्वाधिक

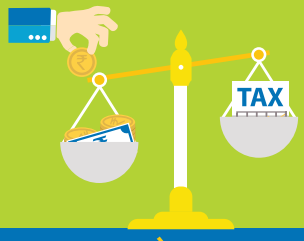

4,618 करोड़ रुपए का कर पश्चात् लाभ (पीएटी) दर्ज किया

गेल आज शीर्ष

वैश्विक एलएनजी कंपनियों में से एक है

व्यवसाय विकास

2017 के विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्षों के दौरान तेजी से आर्थिक विकास होने के कारण, भारत विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2.597 ट्रिलियन डॉलर है। ऊर्जा की खपत के मामले में हमारा देश दुनिया में चौथे स्थान पर है। बीपी सांख्यिकीय समीक्षा 2018 के अनुसार, विश्व की प्राथमिक ऊर्जा खपत 2.2% बढ़ी है जबकि भारत में 2017 में वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा 5.6% की हिस्सेदारी सहित 4.6% बढ़ी है। विश्व स्तर पर ईंधन की दृष्टि से ऊर्जा की खपत में प्राकृतिक गैस की खपत सबसे अधिक बढ़ी (3%) है, इसके बाद अक्षय ऊर्जा और फिर तेल की बारी आती है। हमारे देश की गैस की खपत 2017 में 6.9% बढ़ गई है, जो लगातार दूसरे वर्ष बढ़ी है और भारत के ऊर्जा मिश्रण में इसकी हिस्सेदारी लगभग 6.18% है।

वर्ष 2017–18 के दौरान भारतीय बाजार ने लगभग 143 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस की खपत की है और एलएनजी और घरेलू गैस की शुद्ध बिक्री लगभग बराबर बनी हुई है। भारत ने इस अवधि के दौरान 72 एमएमएससीएमडी गैस अर्थात् 20 एमएमटीपीए एलएनजी का आयात किया है। बीपी सांख्यिकीय समीक्षा 2018 के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस आयात में वर्ष–दर–वर्ष 9% की वृद्धि हुई है। यह मात्रा आगे और बढ़ेगी क्योंकि नए करारों से कार्गो की डिलीवरी पहले ही शुरू हो चुकी है। उर्वरक और बिजली जैसे मुख्य क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस का महत्व देखा जा सकता है। यह घरों और उद्योगों में भी एक पसंदीदा ईंधन है।

> गेल बाजार की अस्थिर कीमतों, मांग पक्ष में निरंतर उतार–चढ़ाव, जटिल विनियामक व्यवस्था तथा अनुपालन ढांचे और परियोजना की कड़ी समयबद्धता के परिदृश्य में कार्य करता है। इन चुनौतियों के बावजूद, गेल सभी क्षेत्रों जैसे तरल हाइड्रोकार्बन, प्राकृतिक गैस की बिक्री और ट्रांसमिशन तथा पेट्रोरसायन में बिक्री की मात्रा में वृद्धि दर्ज करने में सक्षम हुआ है। गेल ने वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान अब तक का सर्वाधिक 4,618 करोड़ रुपए का कर पश्चात् लाभ (पीएटी) दर्ज किया है। यह ठोस वित्तीय योजना, लागत नियंत्रण पर नज़र रखने और बेहतर जोखिम उपशमन उपायों के कारण संभव हुआ है।

गेल का आर्थिक निष्पादन (वित्त वर्ष 2017–18)

वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि (2017–18) के लिए, हमने 53,690 करोड़ रुपए का कारोबार दर्ज किया है, जो पिछली रिपोर्टिंग अवधि के मुकाबले 10% की वृद्धि दर्शाता है। वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के लिए कर पश्चात् लाभ 31.8% बढ़कर 4,618 करोड़ रुपए हो गया है।

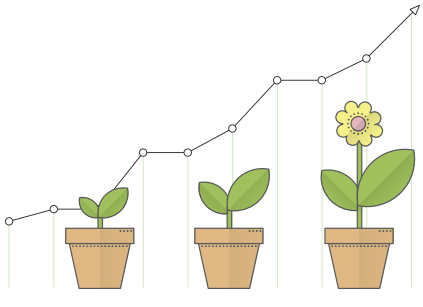

क्षेत्र–वार वित्तीय निष्पादन

वित्त वर्ष 17 बनाम वित्त वर्ष 18 (करोड़ रुपए)

क्र.सं.	विवरण	2016-17	2017-18	वृद्धि
		अप्रैल–मार्च 17	अप्रैल–मार्च 18	%
(I)	बिक्री कारोबार (सकल)			
1	प्राकृतिक गैस संचरण	4,195	4,446	6
2	एलपीजी ट्रांसमिशन	514	558	9
3	गैस विपणन	34,630	38,021	10
4	पेट्रोरसायन	5,626	5,788	3
5	एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन	3,139	4,179	33
6	गैर–आवंटित	686	697.59	2
	कुल बिक्री	48,789	53,690	10
(II)	कर पूर्व लाभ (पीबीटी)			
1	प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन	2,252	2,815	25
2	एलपीजी ट्रांसमिशन	257	273	6
3	गैस विपणन	1,519	1,256	(17)
4	पेट्रोरसायन	216	106	(51)
5	एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रो कार्बन	1,246	2,304	85
6	गैर–आवंटित	(78)	204.25	360
	कुल पीबीटी	5,411	6,958	29

मुख्य वित्तीय विशेषताएं

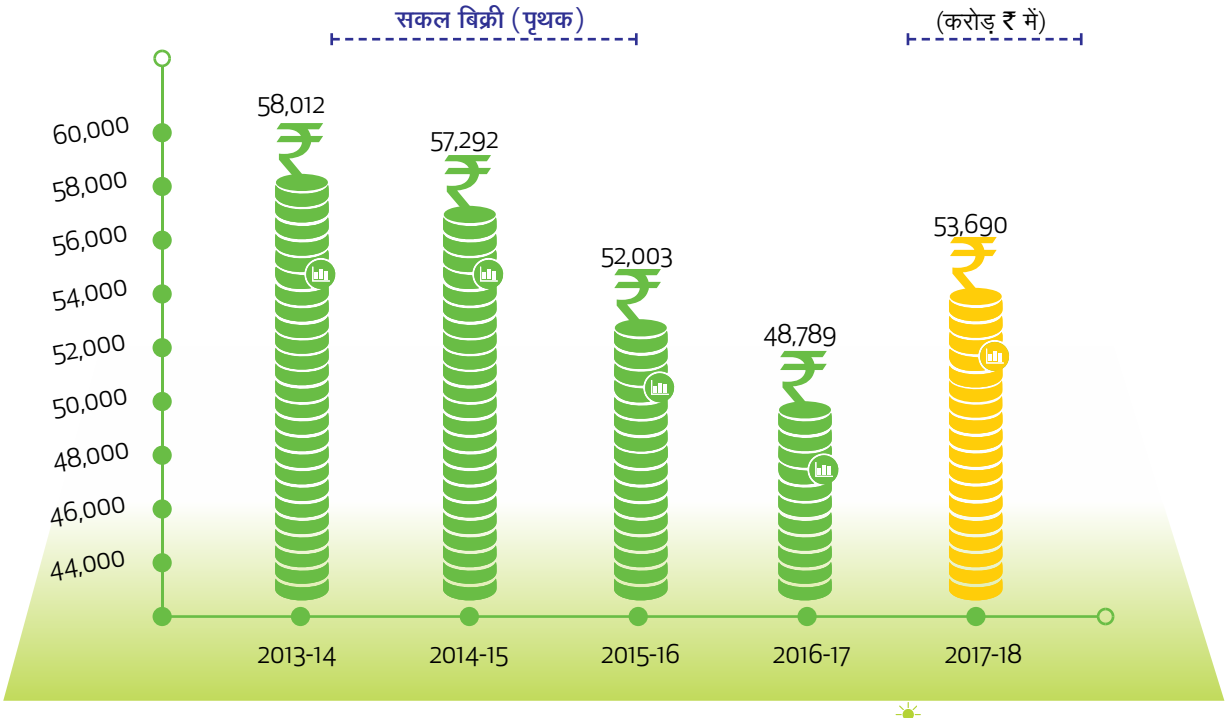

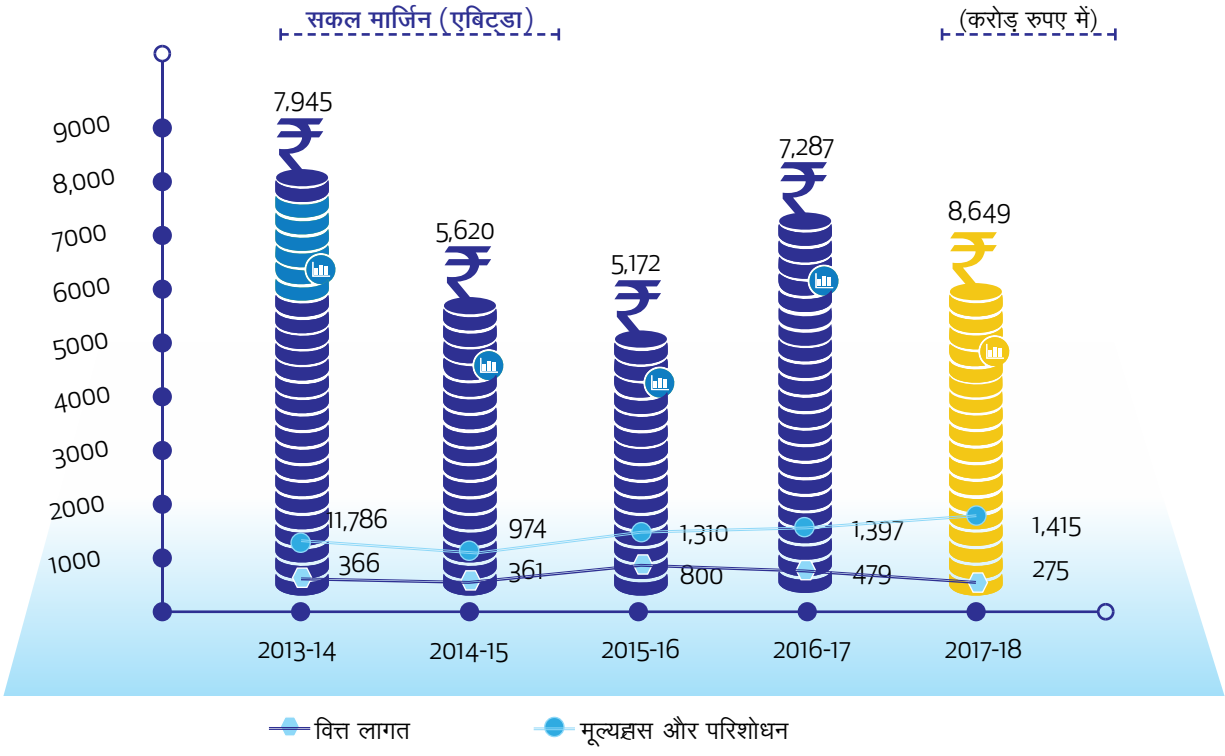
सकल मार्जिन (एबिटडा)
(करोड़ रुपए में)
9000
8,000
7000
6000
5000
4000
3000
2000
1000
7,945
5,620
5,172
7,287
8,649
11,786
974
1,310
1,397
1,415
366
361
800
479
275
2013-14
2014-15
2015-16
2016-17
2017-18
वित्त लागत
मूल्यह्रास और परिशोधन

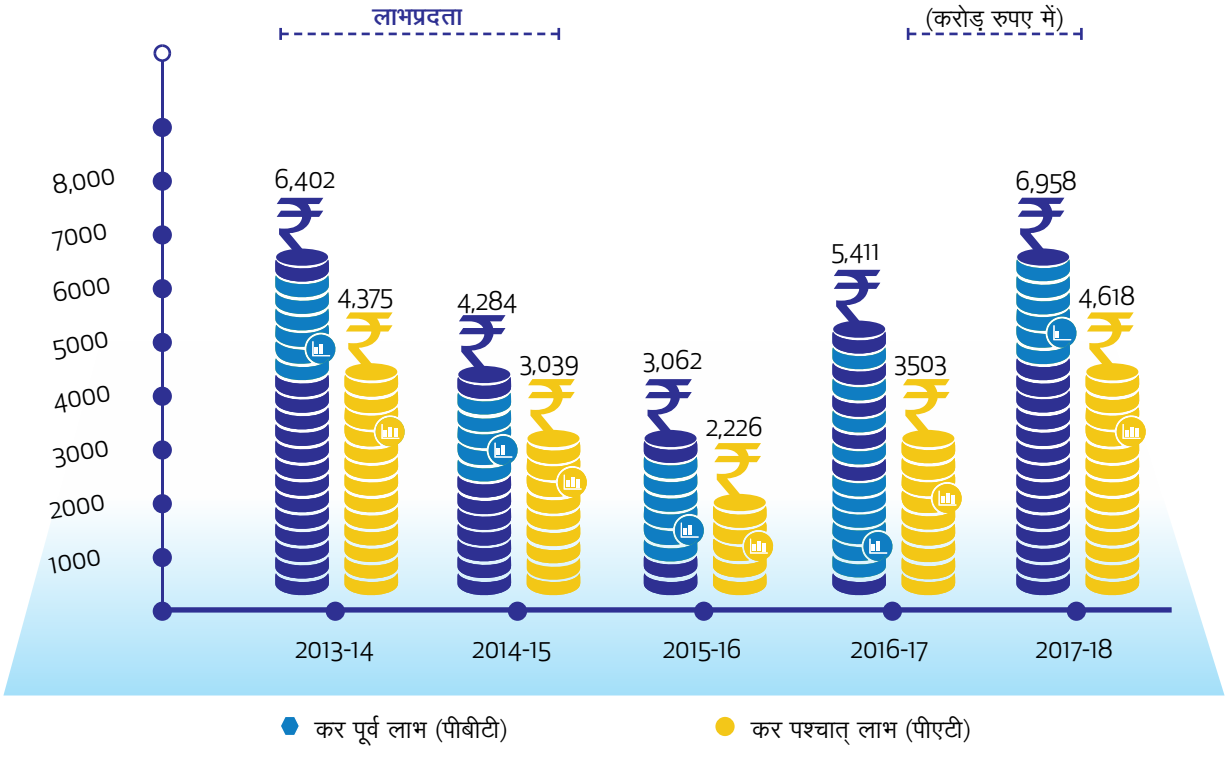
लाभप्रदता
(करोड़ रुपए में)
8,000
7000
6000
5000
4000
3000
2000
1000
6,402
4,375
4,284
3,039
3,062
2,226
5,411
3503
6,958
4,618
2013-14
2014-15
2015-16
2016-17
2017-18
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)
कर पश्चात् लाभ (पीएटी)

सृजित और वितरित आर्थिक मूल्य*

सृजित आर्थिक मूल्य

सृजित आर्थिक मूल्य	वित्त वर्ष 16-17 (मिलियन रुपए)	वित्त वर्ष 17-18 (मिलियन रुपए)
अन्य आय सहित कुल राजस्व (ईडी का निवल)	4,98,306	5,46,535

वितरित आर्थिक मूल्य

वितरित आर्थिक मूल्य	वित्त वर्ष 16-17 (मिलियन रुपए)	वित्त वर्ष 17-18 (मिलियन रुपए)
परिचालन लागत	4,17,317	4,60,563
कर्मचारी वेतन और लाभ	14,588	17,505
पूंजी के प्रदाताओं को भुगतान	19,873	20,342
सरकार को भुगतान	22,032	26,925

*** सृजित आर्थिक मूल्य और वितरित गणना पद्धति अन्य सूचित डेटा से भिन्न है**

समीक्षाधीन अवधि, 2017–18 के दौरान ऊर्जा गंगा परियोजना के लिए भारत सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता

भावी विकास के लिए पहल और कार्यनीति

वर्ष 2011 के दौरान तैयार की गई कार्यनीति के अनुरूप, गेल प्राकृतिक गैस कंपनी से विश्व स्तर पर एक एकीकृत ऊर्जा कंपनी के रूप में अग्रसर हो रहा है, जो विशेष रूप से क्षेत्र में विगत में उठाए गए कार्यनीतिक कदमों से परिलक्षित होता है, जैसे अंतरराष्ट्रीय एलएनजी सोर्सिंग, गैस के बुनियादी ढांचे का विस्तार और पोलीमर पोर्टफोलियो का विस्तार आदि। वर्ष 2014 से 2016 की अवधि में, गेल को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के कारण गैस विपणन और पोलीमर क्षेत्रों में अस्थायी असफलताओं का सामना करना पड़ा और घरेलू गैस की खपत कम हो गई। तथापि, गेल ने 2017–18 में ठोस वापसी की तथा गैस की बिक्री और तरल हाइड्रोकार्बन उत्पादन के क्षेत्र में अधिकतम लाभ अर्जित किया।

भारत के साथ–साथ विश्व स्तर पर बदलते कारोबारी माहौल में गेल ने विकास के अगले चरण को परिभाषित करने के लिए नए सिरे से रणनीति बनाई है। इस प्रक्रिया में गेल, गैस विपणन, गैस ट्रांसमिशन, पेट्रोरसायन, तरल हाइड्रोकार्बन, नगर गैस वितरण तथा अनिवार्य रूप से कौशल एवं प्रतिभा विकास सहित अन्य व्यवसायों के तहत कार्यनीतिक पहल करेगा।

व्यावसायिक दृष्टिकोण

प्राकृतिक गैस

बढ़ते आर्थिक विकास और ऊर्जा की उच्च औद्योगिक खपत, बढ़ती आबादी के साथ मिलकर ऊर्जा की मांग को तेजी से बढ़ाएगी। इसके अलावा, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और पर्यावरण के संरक्षण के लिए, स्वच्छ ईंधन की ओर बढ़ते हुए कच्चे तेल के आयात पर अपनी निर्भरता को कम करने का प्रयास कर रहा है। इस परिदृश्य को देखते हुए प्राकृतिक गैस के घरेलू उत्पादन पर जबरदस्त मांग दबाव पड़ने की संभावना है।

गेल तीन दशकों से अधिक समय से प्राकृतिक गैस के स्रोत, व्यापार, विपणन और ट्रांसमिशन से जुड़ा रहा है। गेल का प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ढांचा मुख्य रूप से विभिन्न गैस स्रोतों को विभिन्न गैस बाजारों से जोड़ रहा है। यह अनिवार्य रूप से बिजली, उर्वरक और सीजीडी सहित विभिन्न उद्योग क्षेत्रों की मांग और आपूर्ति केंद्रों के बीच वास्तविक अंतर को

प्राकृतिक गैस

मुख्य व्यवसाय:

प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन, गैस विपणन, एलएनजी ट्रेडिंग

ई–व्यापार, सुरक्षित और पर्यावरण–अनुकूल तरीके से कम करने में मदद कर रहा है। गेल प्राकृतिक गैस और तरलीकृत प्राकृतिक गैस व्यापार के लिए नए बाजार की तलाश भी कर रहा है।

प्राकृतिक गैस का स्रोत और व्यापार

भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए, भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना कि गैस की आपूर्ति की उपलब्धता भारत में गैस क्षेत्र के विकास में एक बाधा के रूप में काम न करे, गेल, गैस के अनुबंध के लिए अपेक्षित कदम उठा रहा है। गेल ने अमेरिका (5.8 एमएमटीपीए) और रूस (2.5 एमएमटीपीए) से एलएनजी के लिए करार किया था। रिपोर्टिंग वर्ष मार्च 2018 में सबाइन पास से अप्रैल 2018 में कोव प्वाइंट और जून 2018 में जीएमटीएस (गजप्रोम, रूस की एक सहायक कंपनी) से आपूर्ति देखी गई।

> "वैश्विक गैस क्षेत्र में अत्यधिक अस्थिरता के बावजूद, हम अपनी कार्यनीतिक योजनाओं को बाजार मूल्यांकन के साथ जोड़ने और उनमें सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम रहे हैं और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए इसे निष्पादित किया है। इस वर्ष एलएनजी में गेल ने कई प्रथम पहल की हैं, जैसे कि मध्यावधि गंतव्य स्थान की अदला–बदली, अंतर्राष्ट्रीय एलएनजी बिक्री, हमारे संसाधनों का सबसे बेहतरीन ढंग से उपयोग करने के लिए जहाज को चार्टर पर लेना और गेल को एलएनजी उद्योग में एक सफल उल्लेखनीय कंपनी के रूप में रखा गया। नए क्षेत्रों और ग्राहकों तक हमारी पहुंच को बढ़ाने के लिए भारत को एक विश्वसनीय, सुरक्षित और स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति प्रदान करने के हमारे प्रयास जारी हैं।
>
> **निदेशक (विपणन)**

गेल स्रोत पोर्टफोलियो

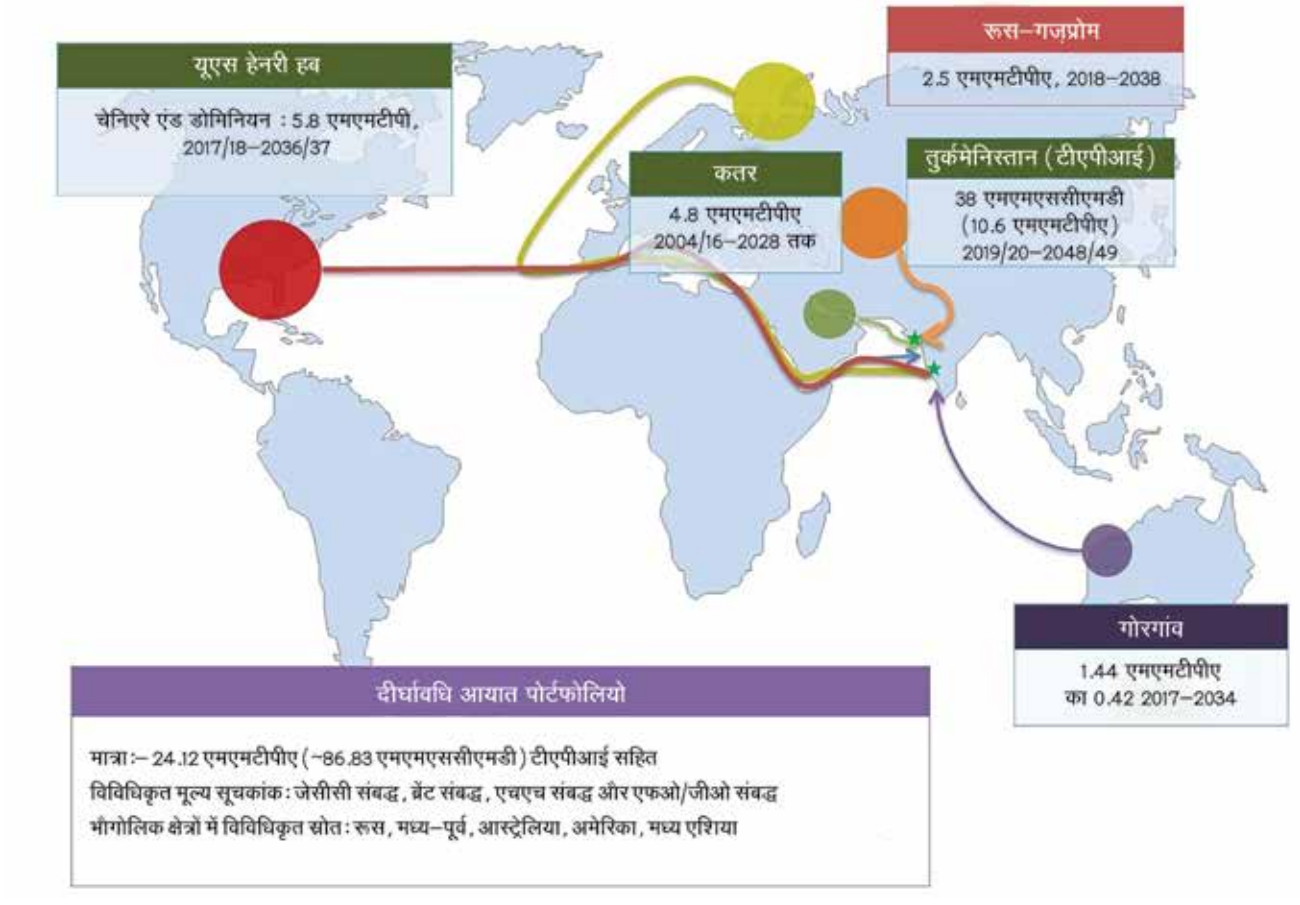

इसके अलावा, घरेलू बाजार की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, गेल ने रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान अल्पावधि और स्पॉट आधार पर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से 53 एलएनजी कार्गो (लगभग 3.43 एमएमटीपीए) का आयात किया है। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, हमने रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में चार एलएनजी कार्गो की बिक्री की है।

गेल की ऊर्जा स्रोत कार्यनीति के भाग के रूप में, पहला रूसी दीर्घकालिक एलएनजी कार्गो जून 2018 में गुजरात के दाहेज एलएनजी टर्मिनल पर पहुंचा था। यह कार्गो गेलप्रोम मार्केटिंग एंड ट्रेडिंग सिंगापुर (जीएमटीएस), जो गाजप्रोम, रूस की एक सहायक कंपनी है, के साथ गेल द्वारा हस्ताक्षरित करार का हिस्सा है। एलएनजी पोत 'एलएनजी कानो' जिसके द्वारा 3.4 टीबीटीयू (ट्रिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) एलएनजी को भारत लाया गया था, जिसकी अगुआई केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा की गई थी। इस उपलब्धि से, गेल अब रूस से दीर्घावधि आधार पर एलएनजी लेने वाली पहली भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बन गई है। इसने गाजप्रोम मार्केटिंग एंड ट्रेडिंग सिंगापुर से दीर्घावधि आधार पर 2.5 एमएमटीपीए एलएनजी का आयात करने का करार किया है।

तुर्कमेनिस्तान से गैस आयात करने के लिए, गेल तुर्किमेनिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान–भारत (टीएपीआई) पाइपलाइन परियोजना को आगे बढ़ा रहा है। देश में 38

सबाइन पास, कोव प्वाइंट और गजप्रोम से आपूर्ति शुरू होने के साथ, गेल शीर्ष 10 एलएनजी पोर्टफोलियो धारकों (लगभग 14 एमटीपीए) की लीग में शामिल हो गया है।

एमएमएससीएमडी गैस आयात करने के लिए गैस बिक्री और क्रय समझौते (जीएसपीए) पर पहले ही हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।

टीएपीआई पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (टीपीसीएल), पाइपलाइन परिसंघ को टीएपीआई पाइपलाइन के निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन के लिए आइल ऑफ मैन में शामिल किया गया है, और राज्य कंपनी तुर्कमेन गैस को परिसंघ के नेता के रूप में नियुक्त किया गया है।

हितधारकों द्वारा प्रारंभिक इक्विटी आधान से संबंधित हितधारक करार और निवेश समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, परियोजना के फ्रंट एंड इंजीनियरिंग डिजाइन (एफईईडी) को पूरा कर लिया गया है और दीर्घावधि प्रमुख मदों (एलएलआई), जैसे लाइन पाइपें और वाल्व की निविदाएं भी प्राप्त हुई हैं।

इसके अलावा, गेल स्पॉट खरीद और मध्यावधि करारों के माध्यम से कतर और ऑस्ट्रेलिया से एलएनजी लेने और उसका विपणन करना जारी रखे हुए है।

हम ऐसे केंद्रित उपाय कर रहे हैं जिनके परिणामस्वरूप पर्याप्त बचत हुई है और भारतीय बाजार में उचित मूल्य पर प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। कुछ प्रमुख उपाय की सूची नीचे दी गई है:

- अपने दीर्घकालिक करारों के माध्यम से, हमने एलएनजी आपूर्तियों की भौगोलिकता और सूचीकरण को विविध बनाया है। हमारे एलएनजी पोर्टफोलियो में विभिन्न सूचकांकों की संबद्धता ने जोखिम को कम कर दिया है

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा रूस के साथ दीर्घकालिक अनुबंध के तहत दहेज पहुंचे प्रथम तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) कार्गो को प्राप्त करते हुए

और गेल अपने उपभोक्ताओं को स्थिर और प्रतिस्पर्धी मूल्य प्रदान कर सका है।

- गेल अब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चार्टर जहाजों के माध्यम से एलएनजी का सक्रिय रूप से व्यापार कर रहा है जो कंपनी की वैश्विक कार्यनीति के अनुरूप है और यह गेल को भारतीय बाजार में मांग के अनुसार आपूर्ति को कारगर बनाने की अनुमति देता है।
- गेल ने भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धी मूल्य पर एलएनजी की डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए समय की अदला–बदली और गंतव्य स्थान की अदला–बदली सहित लेनदेन सहित पोर्टफोलियो का जोखिम दूर करने के लिए कई सौदे किए हैं।
- गेल सक्रिय रूप से सामग्री मूल्य जोखिम का प्रबंधन करने के लिए बचाव कर रहा है।
- रत्नागिरी गैस एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड (आरजीपीपीएल) का विलय हटाने के परिणामस्वरूप एलएनजी टर्मिनल कोंकण एलएनजी प्राइवेट लिमिटेड (केएलपीएल) के रूप में पृथक हो गया है, जिसने भारतीय गैस बाजार में गेल की स्थिति को और सुदृढ़ किया है। दाभोल एलएनजी टर्मिनल तक पहुंच से गेल को एलएनजी व्यवसाय में अधिक परिचालन लचीलापन प्रदान करेगा। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, दाभोल टर्मिनल पर 17 एलएनजी कार्गो अनलोड किए गए थे।

एलएनजी शिपिंग

सितंबर 2017 में गेल ने अपना पहला एलएनजी पोत 'मेरिडियन स्पिरिट' को टाइम चार्टर आधार पर किराए पर लिया।

अमेरिका के 'मेरिडियन स्पिरिट' से गेल का पहला एलएनजी कार्गो

पोत ने अपनी पहली लोडिंग अमेरिका के लुसियाना में सबाइन पास टर्मिनल पर की और मार्च 2018 में दाभोल ट्रमनल, भारत में डिस्चार्ज की। गेल अंतरराष्ट्रीय बिक्री और स्वैप लेनदेन के बाद भारत में और / या कहीं भी अतिरिक्त बिक्री की आवश्यकता के आधार पर परिवहन की आवश्यकता के आधार पर भविष्य में अतिरिक्त जहाजों को किराए पर रखने की योजना बना रहा है।

एलएनजी पुन:गैसीकरण टर्मिनल

वर्तमान में, गेल देश में एलएनजी पुन:गैसीकरण क्षमता स्थापित करने के विभिन्न अवसरों का मूल्यांकन कर रहा है। यह प्रस्तावित धामरा एलएनजी टर्मिनल पर एमएम 1.5 एमएमटीपीए क्षमता की बुकिंग कर रहा है। यह दाहेज, कोच्चि और दाभोल में मौजूदा बुकिंग क्षमता के अतिरिक्त है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान अमेरिका के साथ दीर्घकालिक अनुबंध के तहत दाहेज पहुंचे प्रथम तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) कार्गो को प्राप्त करते हुए

अडानी पेट्रोलियम टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एपीटीपीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली धामरा एलएनजी टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (डीएलटीपीएल) नामक एक सहायक कंपनी ओडिशा के धामरा पोर्ट पर 5 एमएमटीपीए एलएनजी पुन:गैसीकरण टर्मिनल का विकास कर रही है। यह जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो–धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) के लिए एक फीड के रूप में कार्य करेगा। वर्ष 2017–18 के दौरान, परियोजना का शिलान्यास समारोह धामरा पोर्ट में आयोजित किया गया था।

आरजीपीपीएल के विलय को हटाने के बाद और दाभोल में एलएनजी टर्मिनल चलाने के लिए कोंकण एलएनजी प्राइवेट लिमिटेड के गठन द्वारा टर्मिनल को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया गया है और यह 1.9 मीट्रिक टन एलटीजी का आयात करने में सक्षम है। इसके अलावा, टर्मिनल की 5 मी.टन की क्षमता को चलाने की क्षमता तब संभव होगी, जब ब्रेकवॉटर का निर्माण शुरू हो जाएगा, जो मार्च 2022 तक पूरा होना है।

प्राकृतिक गैस विपणन

प्राकृतिक गैस व्यापार, गेल का प्रमुख क्षेत्र बना हुआ है। वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान, गैस की बिक्री भारत में 84.05 एमएमएससीएमडी (85

एमएमएससीएमडी की कुल बिक्री में से) दर्ज की गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 81.21 एमएमएससीएमडी थी। विपणन के लिए कंपनी को उपलब्ध घरेलू गैस पिछले वित्तीय वर्ष में 48.8 एमएमएससीएमडी की तुलना में बढ़कर वित्त वर्ष 2017–18 में 51.94 एमएमएससीएमडी हो गई, जबकि विपणन मात्रा में इसने 61% का योगदान दिया है। 39% शेष मात्रा की आपूर्ति दीर्घावधि आयात और स्पॉट वॉल्यूम के माध्यम से की गई थी। प्राकृतिक गैस की प्रमुख आपूर्तियों में बिजली संयंत्रों में ईंधन, गैस आधारित उर्वरक संयंत्रों के लिए फीडस्टॉक, सीजीडी, एलपीजी निष्कर्षण और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में खपत शामिल हैं। भारत के गैस विपणन व्यवसाय में गेल की लगभग 60% बाजार हिस्सेदारी है।

उर्वरक क्षेत्र: उर्वरक क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की कुल बिक्री पिछली रिपोर्टिंग अवधि के 27.58 एमएमएससीएमडी (घरेलू 12.09 एमएमएससीएमडी) की तुलना में वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान यह 28.85 एमएमएससीएमडी (घरेलू गैस के 11.67 एमएमएससीएमडी सहित) थी। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, गेल ने निर्माणाधीन उर्वरक संयंत्रों के साथ लगभग 12 एमएमएससीएमडी के लिए गैस आपूर्ति समझौता सुनिश्चित किया है, जिसकी गैस की आपूर्ति 2019 की शुरुआत से प्रारंभ होगी।

विद्युत क्षेत्र: वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान विद्युत क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की कुल बिक्री 23.27 एमएमएससीएमडी (घरेलू गैस के 18.97 एमएमएससीएमडी सहित) की पिछली समीक्षाधीन अवधि की तुलना में 23.91 एमएमएससीएमडी (घरेलू 19 एमएमएससीएमडी) थी। गैस आधारित बिजली क्षेत्रों के लिए विद्युत मंत्रालय की विद्युत प्रणाली विकास निधि (पीएसडीएफ) योजना 1 अप्रैल, 2017 से समाप्त हो गई है और गेल सस्ती कीमतों पर गैस आधारित बिजली उत्पादन इकाइयों के लिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के अवसरों की निरंतर तलाश कर रहा है।

शहर गैस वितरण: सीजीडी क्षेत्र में गेल की कुल बिक्री मात्रा निरंतर सकारात्मक वृद्धि दर्शा रही है। गेल ने पिछली रिपोर्टिंग अवधि में सीजीडी क्षेत्र को 15.4 एमएमएससीएमडी की तुलना में 17.43 एमएमएससीएमडी की बिक्री की है। 31 मार्च, 2018 को गेल 70 शहरों में 26 सीजीडी कंपनियों को गैस (सीएनजी, पीएनजी और औद्योगिक गैस) की आपूर्ति कर रहा है।

दिसंबर 2018 के निर्धारित लक्ष्य से पहले प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना के पहले चरण के पूरा होने की संभावना है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड ने बोकारो (झारखंड में) से अंगुल तक (ओडिशा में) जगदीशपुर–हल्दिया और बोकारो–धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) परियोजना के लिए लगभग 530 कि.मी. क्षेत्र के लिए लगभग 780 करोड़ रुपए मूल्य की पाइपलाइन बिछाने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही, परियोजना की प्रमुख संविदा, अर्थात् पाइप आपूर्ति और 2200 कि.मी. क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने के आदेश को अंतिम रूप दे दिया गया है।

2655 कि.मी. लंबी प्रतिष्ठित जेएचबीडीपीएल परियोजना, जिसे 'प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा' परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, का उद्घाटन जुलाई 2015 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। यह परियोजना पूरे जोर–शोर से चल रही है और परियोजना का पहला चरण दिसंबर 2018 की निर्धारित लक्षित तारीख से पहले पूरा हो जाएगा। आज तक गेल ने इस परियोजना के लिए 7400 करोड़ रुपए से अधिक की प्रतिबद्धता की है जो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्य से होकर गुज़रेगी।

प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन

गेल के पास लगभग 11,400 कि.मी. लम्बी प्राकृतिक गैस के उच्च दबाव वाली ट्रंक पाइपलाइन का नेटवर्क है और इसकी अखिल भारत स्तर पर लगभग 206 एमएमएससीएमडी मात्रा को संभालने की क्षमता है जिसमें देश की 75% प्राकृतिक गैस संचरण क्षमता शामिल है। वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि 2017–18 के दौरान औसत गैस ट्रांसमिशन 105.23 एमएमएससीएमडी था, जबकि पिछली रिपोर्टिंग अवधि में यह 100.4 एमएमएससीएमडी था।

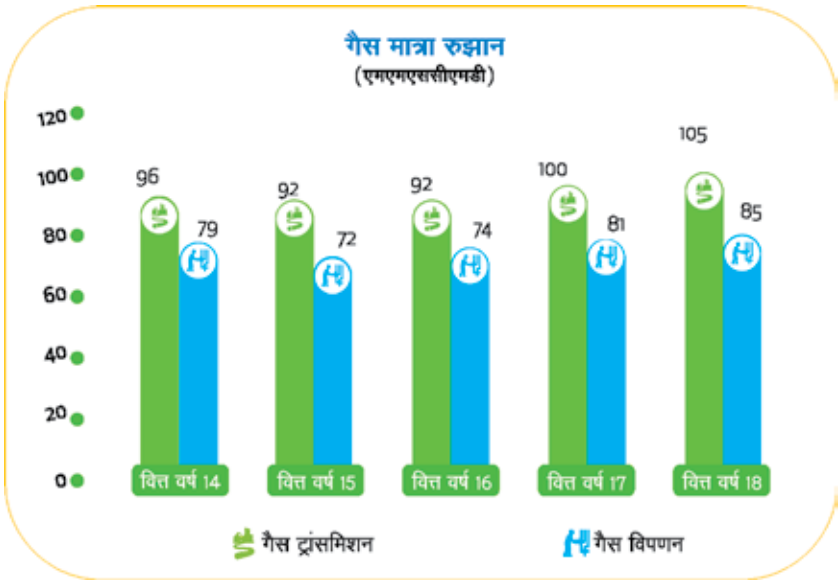

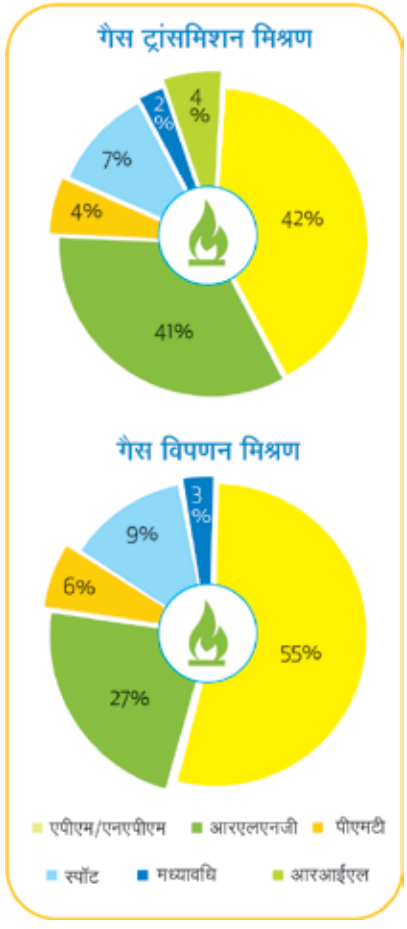

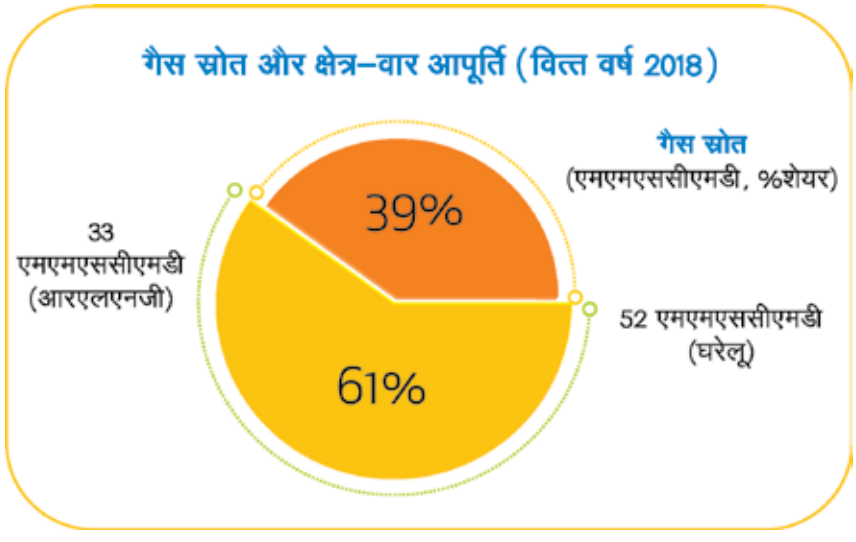

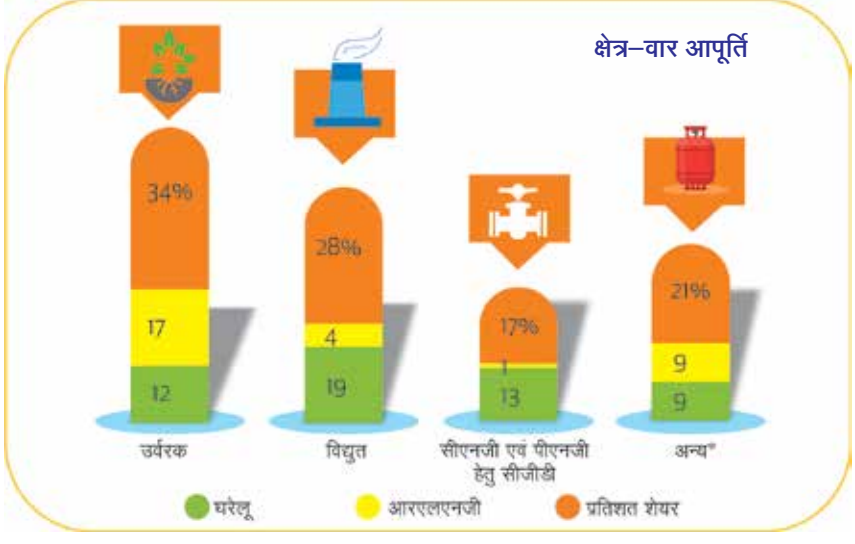

* अन्य में स्टील, रिफाइनरी, स्पंज आयरन, विदेशी पेट्रोकेमिकल, गेल आंतरिक खपत आदि शामिल हैं।

- आयातित गैस में मुख्य रूप से दीर्घावधि आरएलएनजी, मध्यावधि आरएलएनजी और स्पॉट होते हैं।
- घरेलू गैस के प्रमुख स्रोतों में ओएनजीसी (प्रशासनिक मूल्य तंत्र और गैर–प्रशासनिक मूल्य तंत्र), पन्ना–मुक्ता और ताप्ती (पीएमटी) प्रशासनिक मूल्य तंत्र और उत्पादन हिस्सेदारी अनुबंध मूल्य, राव्वा, राव्वा उपग्रह, आदि शामिल हैं।
- प्राकृतिक गैस की सबसे ज्यादा मांग विद्युत और उर्वरक कंपनियों से है।

तरल हाइड्रोकार्बन

गेल विजयपुर (दो इकाइयां), पाता, वाघोडिया, उसर और गंधार में स्थित छह गैस प्रोसेसिंग यूनिटों (जीपीयू) का संचालन करता है, जिसमें एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन की उत्पादन क्षमता 1.3 मिलियन मीट्रिक टन (मी.टन) है। एलपीजी केवल पीएसयू तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को बेची जा रही है, जबकि अन्य एलएचसी उत्पादों को सीधे औद्योगिक ग्राहकों को बेचा जा रहा है।

वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि में, कुल तरल हाइड्रोकार्बन उत्पादन लगभग 1.28 मिलियन मीट्रिक टन था, जिसमें एलपीजी, 0.16 मिलियन मीट्रिक टन प्रोपेन, 0.03 मिलियन मीट्रिक टन पेंटेन और 0.09 मिलियन मीट्रिक टन नैफ्था शामिल थी। कुल हाइड्रोकार्बन उत्पादन के लगभग 80: से अधिक में एलपीजी और प्रोपेन शामिल था।

हम उसर में प्रोपेन डिहाइड्रोजनेशन (पीडीएच) – आधारित पॉलीप्रोपाइलीन पेट्रोकेमिकल संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। मौजूदा संयंत्र से उपलब्ध प्रोपलीन के आधार पर, उत्तर प्रदेश के पाता में 60 केटीए क्षमता का एक पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र स्थापित करने की संभावना का भी पता लगाया जा रहा है। हम आंध्र प्रदेश में ग्रीनफील्ड नेफ्था/इथेन–आधारित पेट्रोकेमिकल परिसर के बारे में विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा कर रहे हैं।

तरल हाइड्रोकार्बन

मुख्य व्यवसाय:

एलपीजी और एलएचसी उत्पादन, पॉलीमर उत्पादन और एलएचसी विपणन

तरल हाइड्रोकार्बन बिक्री

टीएमटी

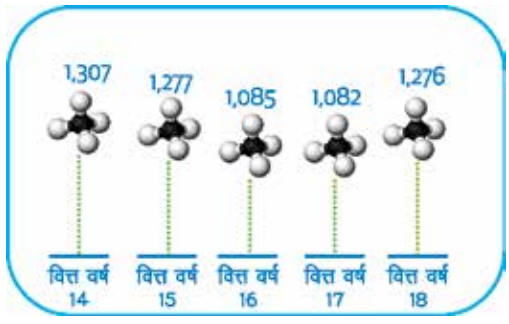

एलपीजी ट्रांसमिशन

गेल भारत की पहली और एकमात्र कंपनी है जिसे दो प्रमुख नेटवर्क अर्थात् जामनगर–लोनी पाइपलाइन (जेएलपीएल) और विजाग–सिकंदराबाद पाइपलाइन (वीएसपीएल) के लिए एलपीजी ट्रांसमिशन हेतु 2,038 कि.मी. लंबी विशेष पाइपलाइन का स्वामित्व प्राप्त है और यह उनका संचालन करती है। 1,415 कि.मी. लंबी इस पाइपलाइन का नेटवर्क भारत के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों को जोड़ता है और शेष 623 कि.मी. लंबी पाइपलाइन देश के दक्षिणी हिस्से में पूर्वी तट को जोड़ती है। एलपीजी ट्रांसमिशन प्रणाली में 3.8 एमएमटीपीए एलपीजी के परिवहन की क्षमता है। देश के विभिन्न हिस्सों में एलपीजी ट्रांसमिशन के लिए विशेष पाइपलाइनों को बिछाने से, गेल ने उत्पादन सुविधाओं से विभिन्न ग्राहकों को एलपीजी पहुंचाने के लिए सड़क मार्ग से परिवहन के मोड को बदलने में योगदान दिया है, जिससे उत्सर्जन कम होता है।

वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, जेएलपीएल और वीएसपील नेटवर्क ने एक साथ 3.72 एमएमटीपीए की एक थ्रूपुट हासिल की, जबकि पिछली रिपोर्टिंग अवधि में यह 3.36 एमएमटीपीए थी। जेएलपीएल की डिजाइन क्षमता को 2.5 एमएमटीपीए तक बढ़ाया जा रहा है और इसके 2018 तक चालू होने की संभावना है।

गेल गैस प्रसंस्करण इकाइयों में अंशांकन के माध्यम से एलपीजी का उत्पादन भी करता है, जिसे स्ट्रेट रन एलपीजी के रूप में भी जाना जाता है। गेल का एलपीजी एक पर्यावरण–अनुकूल ईंधन है और यह प्रदूषण को कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक सस्ता और प्रभावी साधन प्रदान

एलपीजी ट्रांसमिशन

मुख्य व्यवसाय:

एलपीजी उत्पादन, ट्रांसमिशन और विपणन

एलपीजी ट्रांसमिशन

टीएमटी

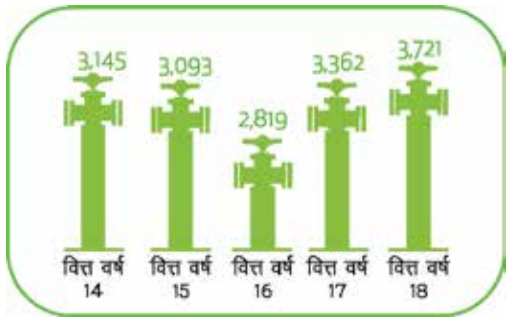

गेल की एलपीजी उत्पादन में लगभग 8% और भारत में एलपीजी की बिक्री में 4% की हिस्सेदारी है।

करता है। गेल के एलपीजी की पीएसयू तेल विपणन कंपनियों अर्थात् आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल, पूर्व–जीपीयू को आयात समानता मूल्य पर आपूर्ति की जा रही है। वर्तमान में, गेल की देश में पाँच स्थानों पर छह अंशांकन इकाइयाँ हैं जिनकी उत्पादन क्षमता 1.5 मिलियन मीट्रिक टन है। कुल मिलाकर, पिछली रिपोर्टिंग अवधि की तुलना में वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के लिए गेल की एलपीजी बिक्री में लगभग 15% की वृद्धि देखी गई है।

पेट्रोरसायन

गेल एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण का निर्माण और रखरखाव सुनिश्चित करते हुए पॉलीमर उत्पादों का एक समूह तैयार कर रहा है। गेल के पॉलीमर उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल हैं और पूरी तरह से पुनः उपयोग के योग्य हैं। गेल उत्तर प्रदेश के जिला औरैया के पाता में एक गैस–आधारित पेट्रोरसायन परिसर का मालिक है और उसका संचालन करता है। कंपनी में 210 केटीए की क्षमता वाली लिनियर न्यून घनत्व पॉलीथिलीन (एलएलडीपीई) और उच्च घनत्व पॉलीथिलीन (एचडीपीई) का उत्पादन करने की एक विश्व स्तरीय स्केलेरटेक सोल्यूशन पोलीमराइजेशन प्रक्रिया है, जिसमें प्रत्येक 100 केटीए की क्षमता वाली नेमप्लेट सहित एचडीपीई का उत्पादन करने के लिए दो घोल–आधारित पॉलिमराइजेशन प्रक्रियाएं हैं। हाल ही में, गेल ने एचडीपीई/एलएलडीपीई का उत्पादन करने के लिए 400 केटीए की नेमप्लेट क्षमता के साथ एक नया गैस चरण यूनिपोल पीई प्रक्रिया शुरू करके पाता संयंत्र में 410 केटीए से 810 केटीए तक पॉलीमर उत्पादन क्षमता को दोगुना कर दिया है।

गेल की पेट्रोरसायन सहायक कंपनी (70% इक्विटी धारिता) ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) की क्षमता 280 केटीए है। हमारे पास बीसीपीएल संयंत्र के विपणन अधिकार हैं जिससे कुल विपणन पोर्टफोलियो 1.09 एमटीपीए तक हो गया है। इसके अलावा, हमारे पास दाहेज में ओएनजीसी और जीएसपीसी, अर्थात् ओएनजीसी पेट्रो–एडिशंस लिमिटेड (ओपीएएल) नामक एक संयुक्त उद्यम है, जिसकी संयंत्र क्षमता 1.4 एमएमटीपीए है। वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, पेट्रोरसायन परिसर का कुल उत्पादन 671 टीएमटी था।

पेट्रोरसायन उत्पादन और विपणन में, विशेष रूप से एशिया में मार्केट लीडर बनने के लिए, क्षमता उपयोग को बढ़ाने के साथ–साथ उत्पादित ग्रेड की संख्या और गुणवत्ता में सुधार करके निर्यात क्षमता का विकास करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, हमने इस दिशा में एशियाई बाजारों में 56,345 मीट्रिक टन पॉलिमर का निर्यात किया है। घरेलू पॉलीथीन बाजार में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में काफी सुधार हुआ है और हम 1 एमएमटीपीए से अधिक के पॉलीथलीन के पोर्टफोलियो के साथ भारतीय बाजार में दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गए हैं। देश में गेल और बीपीसीएल की एचडीपीई और एलएलडीपीई बाजार क्षेत्र की संयुक्त उत्पादन हिस्सेदारी 21.4% है।

पेट्रोरसायन विपणन समूह (पीएमजी)

गेल के विपणन नेटवर्क में पेट्रोरसायन विपणन समूह (पीएमजी), नोएडा, मार्केटिंग सर्विसेज ग्रुप (एमएसजी), पाता, 13 जोनल कार्यालय, गेल पॉलिमर प्रौद्योगिकी केंद्र (जीपीटीसी), नोएडा, एसएपी केंद्र, नोएडा शामिल है और यह 42 खेप स्टॉकिस्टों का एक महत्वपूर्ण नेटवर्क है, जिसके पूरे भारत में 58 स्टॉक प्वाइंट हैं, जिनका यह सुनिश्चित करने के लिए विस्तार किया जा रहा है कि ग्राहकों की जरूरतों को समय पर पूरा किया जाए और उन्हें बिक्री–पूर्व और बिक्री

गेल द्वारा बैंकर्स बैठक 2017

गेल प्रतिवर्ष बैंकरों, ऋणदाताओं, व्यवस्थाकर्ता, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और सलाहकारों सहित वित्तीय क्षेत्र में अपने साझेदारों के साथ परस्पर–चर्चा बैठकों का आयोजन करता है ताकि उनके साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखा जा सके।

इस रुझान को जारी रखते हुए और गेल की कॉर्पोरेट छवि को आगे बढ़ाने के लिए तथा हमारे वित्तीय सहयोगियों के साथ अच्छे संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए, गेल द्वारा बैंकर्स बैठक 2017 का नई दिल्ली में 21 सितंबर, 2017 को सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस बैठक की अध्यक्षता माननीय निदेशक (वित्त) श्री सुबीर पुरकायस्थ द्वारा की गई और इसमें वित्त विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में हमारे बैंकर, ऋणदाता, व्यवस्थाकर्ता, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी और सलाहकार के अधिकारियों के साथ लगभग 200 सदस्यों ने इस बैठक में भाग लिया। बैठक गेल के वित्तीय निष्पादन पर प्रस्तुति के साथ शुरू हुई, जिसके बाद एक परस्पर–चर्चा सत्र हुआ।

> गेल के निवेशक संबंधों की गतिविधियों का उद्देश्य उचित प्रक्रिया के माध्यम से सूचना का खुलासा करते हुए विभिन्न हितधारकों, और विशेष रूप से शेयरधारकों, निवेशकों और विश्लेषकों के साथ दीर्घावधि विश्वास संबंध कायम करना है। गेल संचार के खुले चैनलों का उपयोग करता है क्योंकि यह विभिन्न हितधारकों से जुड़े होते हैं। इन उद्देश्यों को हर समय पूरा करने के लिए, गेल आवश्यक जानकारी का निरंतर खुलासा करता है और परस्पर बैठकों सहित विभिन्न निवेशक संबंध गतिविधियों का संचालन करता है।
>
> **निदेशक (वित्त)**

पेट्रोरसायन बिक्री

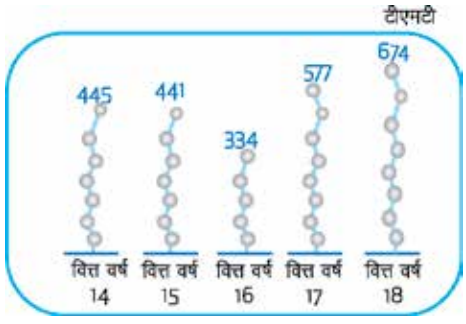

पश्चात् दक्ष सेवाएं प्रदान की जाएं। गेल की योजना निकट भविष्य में खेप के स्टॉकिस्टों की क्षमता को दोगुना करने की है।

पीएमजी गेल में पेट्रोरसायन उत्पादों से संबंधित विपणन गतिविधियों को देखता है। पीएमजी के मुख्य कार्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- उत्पाद मूल्य निर्धारण, बिक्री और उत्पादन योजना
- बिक्री नीति
- माल स्टॉकिस्ट नियुक्ति और प्रबंधन
- बिक्री लक्ष्य की स्थापना और निगरानी
- ज़ोनल कार्यालय के साथ समन्वय
- बजट
- निर्यात और आयात
- नई परियोजनाएं और कार्यनीति
- एमआईएस

गेल प्रत्येक वर्ष देश भर में फैले 2,086 से अधिक ग्राहकों को एलएलडीपीई और एचडीपीई की उनकी आवश्यकता को पूरा करता है।

शहर गैस वितरण

गेल 1990 के दशक की शुरुआत से गेल औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्र में नगर गैस वितरण (सीजीडी) के कार्यान्वयन में अग्रणी रहा है और यह पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के रूप में पाइपों के माध्यम से घरेलू, औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों को प्राकृतिक गैस का द्वितीयक वितरण करने में तथा मोटर वाहन खंड को संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) प्रदान करने में शामिल रहा है। घरेलू खंड में, पीएनजी का उपयोग एलपीजी और कोयले, लकड़ी आदि जैसे अन्य प्रदूषणकारी ईंधन के विकल्प के रूप में किया जाता है। औद्योगिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में, पीएनजी का उपयोग भट्ठी तेल (एफओ), हल्के डीजल तेल (एलडीओ), प्रोपेन, वाणिज्यिक एलपीजी, कोयला, लकड़ी, पेट–कोक, आदि जैसे ईंधनों के स्थान पर किया जाता है।

वर्तमान में, हम पूरे भारत के 38 शहरों में, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे, वाराणसी, पटना, आदि जैसे प्रमुख शहरों में अपने आठ संयुक्त उपक्रमों/सहायक कंपनियों के माध्यम से प्रचालन कर रहे हैं। भारत में कुल 43 लाख पीएनजी घरों में से गेल 50% से अधिक घरों में आपूर्ति कर रहा है। 31 मार्च 2018 को, गेल पूरे देश में 915 सीएनजी स्टेशनों का परिचालन कर रहा है। वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, हमने अतिरिक्त पाँच लाख घरों और 120 सीएनजी स्टेशनों का पंजीकरण किया है।

प्राकृतिक गैस के खुदरा, वितरण और विपणन में अग्रणी कंपनी होने की दृष्टि से, महारत्न गेल (इंडिया) लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी गेल गैस लिमिटेड को मई 2008 में स्थापित किया गया था। गेल गैस लिमिटेड और इसकी जेवीसी 11 भौगोलिक क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं।

मौजूदा रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, गेल गैस लिमिटेड ने अपने वार्षिक कारोबार में 63.9% की वृद्धि दर्ज की है और पिछली रिपोर्टिंग अवधि की तुलना में इसने 24.6% कर पश्चात लाभ दर्ज किया है।

ऊर्जा गंगा परियोजना के भाग के रूप में, गेल को छह शहरों जैसे वाराणसी, भुवनेश्वर, कटक, पटना, रांची और जमशेदपुर सौंपे गए हैं। गेल ने जगदीशपुर–हल्दिया और बोकारो–धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) के अलावा, कोलकाता में 1,500 कि.मी. तक फैले शहर गैस नेटवर्क के प्रचालन के लिए ग्रेटर कलकत्ता गैस सप्लाई कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीसीजीएससीएल) के साथ संयुक्त रूप से सिटी गैस नेटवर्क के संचालन के लिए गैस खुदरा विपणन में एक नया अध्याय जोड़ा है और इसने 1.4 मिलियन से अधिक घरों को जोड़ने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

इसके अलावा, गेल ने दिल्ली, मथुरा–आगरा, मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे, कानपुर–लखनऊ और उदयपुर–अगरतला–खोवाई नामक 1,200 कि.मी. से अधिक ग्रीन कॉरिडोर की स्थापना की है।

अन्वेषण और उत्पादन

गेल ने देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए और अधिक रिजर्व सुरक्षित करने के उपाय के रूप में अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी) के क्षेत्र में कदम रखा है। व्यापार में ईएंडपी क्षेत्र की परिकल्पना की गई थी जो न केवल गेल के व्यापार को एक कार्यनीतिक विस्तार देने बल्कि सुरक्षित भंडार और आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी थी। ईएंडपी ने गेल को कई तरह से प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दी है। ये हैं:

- आपूर्ति श्रृंखला में एकीकरण
- सुरक्षित प्राकृतिक गैस की आपूर्ति
- व्यापार पोर्टफोलियो का संतुलन
- वैश्विक अवसरों का लाभ उठाना

गेल वर्तमान में 10 ईएंडपी ब्लॉकों में भाग ले रहा है, जिनमें से आठ ब्लॉक भारत में हैं (दो

शहर गैस वितरण

मुख्य व्यवसाय:

गैस वितरण के लिए वाणिज्यिक परियोजनाएं

बेंगलुरु सीजीडी परियोजना

2,684 इंच–कि.मी. पाइपलाइन नेटवर्क बिछाने, 50,000 से अधिक घरों को कनेक्शन प्रदान करने और पांच सीएनजी स्टेशनों को चालू करने के लिए लगभग 600 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

70 औद्योगिक और वाणिज्यिक कनेक्शन सहित लगभग 5000 घर पहले से ही पीएनजी प्राप्त कर रहे हैं।

असम में, चार कैम्बे में, एक कावेरी एक कच्छ, गुजरात में) और दो ब्लॉक विदेशी (ए–1 और ए–3 ब्लॉक म्यांमार में हैं)। गेल की ओएनजीसी (एक), ओआईएल (एक), जीएसपीसी (दो), बीपीआरएल (एक), हार्डी एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन (एक), जेओजीपीएल (एक) और देवू (दो) जैसी विभिन्न कंपनियों के साथ इन ब्लॉकों में भागीदारी है।

हाइड्रोकार्बन की खोज नौ ईएंडपी ब्लॉकों में होती है। हाइड्रोकार्बन खोज वाले ब्लॉक हैं: सीबी–ओएनएन–2000/1, सीबी–ओएनएन–2003/2, सीबी–ओएनएन–2010/11, सीबी–ओएनएन–2010/8 (गुजरात में कैम्बे तटीय), ब्लॉक ए–1 और ए–3 म्यांमार, एए–ओएनएन–2002/1 (त्रिपुरा तटीय), जीके–ओएसएन–2010/1 (गुजरात कच्छ अपतटीय) और सीवाई–ओएस 2 (कावेरी अपतटीय)।

कैम्बे ऑनलैंड ब्लॉक सीबी–ओएनएन–2000/1 और सीबी–ओएनएन –2003/2 से कच्चे तेल का उत्पादन 650 बैरल प्रति दिन के अनुसार जारी है। म्यांमार में दो ब्लॉक (ए–1 और ए–3) में गैस का उत्पादन जारी है। त्रिपुरा तटीय ब्लॉक (एए–ओएनएन –2002/1) में विकास गतिविधियां शुरू की गई हैं। इसके अलावा, हमने खुली क्षेत्रफल लाइसेंसिंग नीति (ओएएलपी)-I के तहत प्रस्तावित ब्लॉकों – कैम्बे, राजस्थान और असम के बेसिनों के राउंड बोली–। में भाग लिया है।

अन्वषण और उत्पादन

मुख्य व्यवसाय:

अन्वेषण, निष्कर्षण और हाइड्रोकार्बन का उत्पादन

गेल राष्ट्रीय गैस हाइड्रेट कार्यक्रम (एनजीएचपी) का भी सदस्य रहा है जिसे हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) द्वारा समन्वित किया जा रहा है और यह गैस हाइड्रेट अन्वेषण से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

कोयला गैसीकरण

गेल ''तलचर फर्टिलाइजर लिमिटेड'' नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से तलचर, जिला अंगुल, ओडिशा में सतही कोयला गैसीकरण आधारित यूरिया परियोजना की स्थापना करके कोयला गैसीकरण के क्षेत्र में भी कदम रख रहा है। संयुक्त उद्यम का गठन गेल, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (आरसीएफ) (प्रत्येक की हिस्सेदारी 29.67%) और फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) (10.99% इक्विटी) के साथ किया गया है। संयुक्त उद्यम कंपनी भारत में अमोनिया/यूरिया के उत्पादन के लिए पहला कोयला गैसीकरण संयंत्र होगा। 11,611 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना 2200 एमटीपीडी अमोनिया और 3850 एमटीपीडी यूरिया के उत्पादन के लिए परिकल्पित की गई है। इस परियोजना की सफलता से बहुतायत में उपलब्ध घरेलू कोयले से उर्वरकों के उत्पादन का मार्ग प्रशस्त होगा, जिसके परिणामस्वरूप उनकी आयात पर निर्भरता कम होगी।

टीएफएल संयुक्ति उद्यम कंपनी का विवरण – (प्रमोटर्स: गेल–29.67%, आरसीएफ–29.67%, सीआईएल–29.67% और एफसीआईएल–10.99%)।

निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ या तो पूरी हो चुकी हैं या पूरी की जा रही हैं:

- कोयला गैसीकरण तकनीक का चयन किया गया
- पर्यावरण मंजूरी प्राप्त हो गई है
- परियोजना डीएफआर अनुमोदित कर दी गई है
- अगस्त 2017 में पेट कोक की आपूर्ति के लिए आईओसीएल के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए
- उर्वरक विभाग और नीति आयोग द्वारा जारी 12% कर पश्चात् परियोजना के लिए कंफर्ट लैटर जारी किया गया
- डीएफआर परियोजना का वित्तीय मूल्यांकन किया गया
- सैद्धांतिक रूप से कैप्टिव कोयला खदान आवंटन प्राप्त हुए
- एक महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में 30 जुलाई 2018 को साइट ग्रेडिंग कार्य सौंपा गया है
- मई 2018 से उत्तरी अर्खपाल कोयला खदान में डीएफआर तैयारी खनन हेतु गतिविधियों की शुरुआत
- कोयला गैसीकरण और अमोनिया/यूरिया निविदा के लिए बोलियां प्राप्त हुई हैं और इनका मूल्यांकन किया जा रहा है।

साझा करने के लिए गौरवपूर्ण क्षण

गेल ने कोलकाता भौगोलिक क्षेत्र में नगर गैस नेटवर्क के संचालन के लिए 1500 वर्ग कि.मी. से अधिक जीसीजीएससीएल (पश्चिम बंगाल सरकार की इकाई) के साथ संयुक्त उद्यम समझौते (जेवीए) पर हस्ताक्षर करके जेएचबीडीपीएल के साथ गैस खुदरा विपणन के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत की है।

इस ऐतिहासिक समझौते ने गेल के लिए 76% इक्विटी हिस्सेदारी सहित संयुक्त उद्यम कंपनी को चलाने का मार्ग प्रशस्त करता है। नई सहायक कंपनी अर्थात् बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड ने 500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से अगले पांच वर्षों के भीतर 1.4 मिलियन से अधिक घरों और 70 से अधिक सीएनजी स्टेशनों को जोड़ने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। गेल के सीजीडी पोर्टफोलियो में कोलकाता को जोड़ने से हमें भारत में महानगरों में नगर गैस वितरण के एक प्रमुख ऑपरेटर के रूप में उभरने का अनूठा गौरव प्राप्त हुआ है।

कोलकाता में पश्चिम बंगाल के राज्य सचिवालय में सीएमडी, गेल और मुख्य सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार की उपस्थिति में कोलकाता संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

08

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता

गेल में एकीकृत
प्रबंधन प्रणाली
(आईएमएस)
लागू

सैटेलाइट इमेजिंग
के जरिए
पाइपलाइन आरओयू
की निगरानी

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता

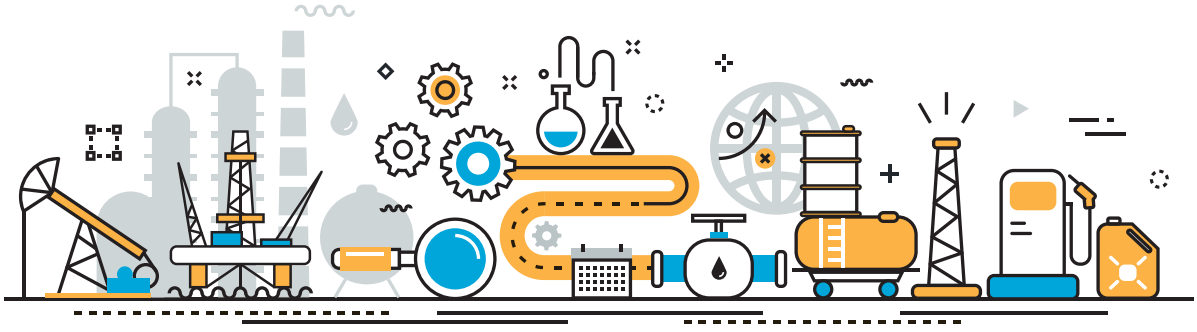

पिछले वर्षों के दौरान गेल ने दुनिया की शीर्ष प्राकृतिक गैस कंपनियों में खुद को स्थापित किया है। इसने प्राकृतिक गैस (एनजी), एनजी विपणन, एनजी और एलपीजी ट्रांसमिशन के अन्वेषण से लेकर एलपीजी, एलएचसी और पेट्रोरसायनों जैसे गैस आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों के प्रसंस्करण तक पूरी गैस मूल्य श्रृंखला में अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

मूल्य श्रृंखला सहित गेल के व्यापार पोर्टफोलियो का विस्तार करने के अलावा, कंपनी ने नए व्यवसाय क्षेत्रों के लिए अग्रणी व्यावसायिक विकास गतिविधियों के माध्यम से नए भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार किया है और प्रचालन की मात्रा में सुधार किया है।

कर्मचारियों की अनुभवी टीम, परियोजना प्रबंधन कौशल और प्रभावी संचालन एवं रखरखाव क्षमताओं के बल पर गेल अपने ग्राहकों को दक्षता से और समय पर प्रतिक्रिया देने के साथ–साथ गुणवत्ता वाले उत्पाद और सेवाएं भी प्रदान कर रहा है।

FTSE4Good

गेल (इंडिया) लिमिटेड समूह को लगातार दूसरे वर्ष ''एफटीएसई4 अच्छे उभरते सूचकांक'' में शामिल किया गया है।

एफटीएसई उन निवेशकों के लिए एक बाजार–अग्रणी साधन है, जो उन कंपनियों में निवेश करना चाहते हैं जिनके पास ईएसजी जोखिम का ठोस प्रबंधन है।

हम निम्न की अपेक्षा करते हैं

01 शून्य दुर्घटनाएँ

02 क्षय को रोकने के लिए निवारक/पूर्वानुमान उपायों को लागू करने में शून्य विचलन

03 शून्य अतिक्रमण

04 सांविधिक अनुपालन में शून्य विचलन

05 मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के साथ सांविधिक अनुपालन में शून्य विचलन

हमारा दृष्टिकोण

गेल का स्थिरता दृष्टिकोण कंपनी की स्थायी कार्यनीति से प्रेरित है जिसका उद्देश्य बेहतर कल बनाना है जो स्वच्छ ऊर्जा व्यवसाय से भी और आगे हो। यह कार्यनीति परिचालन मानकों को जितना संभव हो बेहतर बनाने, प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभावों को कम करने और गेल के ग्राहकों को उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए समाज पर सकारात्मक प्रभाव को अधिकतम करने में मदद करती है। यह कंपनी के व्यावसायिक निर्णयों के सभी पहलुओं को प्रभावित करता है, जिसमें डिजाइनिंग और प्रचालन संयंत्र से लेकर ग्राहकों, कर्मचारियों और उन समुदायों के साथ जुड़ना शामिल है जहाँ हम कार्य करते हैं।

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता

- विश्व स्तरीय निष्पादन का विज़न प्राप्त करने के लिए गेल का दृष्टिकोण कंपनी के ओएंडएम उद्देश्यों में उल्लिखित है, जो मुख्य रूप से निम्न परिचालन लागत, उच्च ऊर्जा दक्षता, उच्च विश्वसनीयता, मांग सूची नियंत्रण, सुरक्षा और गुणवत्ता के साथ एनजी और एलएचसी की निर्बाध आपूर्ति पर केंद्रित है।
- कंपनी की नीति संचालन–क्षमता और उपलब्धता का उच्चतम स्तर सुनिश्चित करने के अनुरूप है। हमारा लक्ष्य नियमित रखरखाव, निगरानी और रिपोर्टिंग द्वारा परिसंपत्तियों से अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करना है। व्यक्तिगत भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को प्रचालन प्रणालियों के रूप में परिभाषित किया गया है और उनकी कार्यप्रणाली की दक्षता का समय–समय पर मूल्यांकन किया जाता है।
- गेल की प्रचालन संबंधी उत्कृष्टता कई घटकों से संचालित होती है जिससे परिसंपत्ति का कुशल निष्पादन तो बढ़ता ही है साथ ही लाभ को अधिकतम करने में भी मदद मिलती है।
- परिचालन उत्कृष्टता के घटक गेल की निम्नलिखित में मदद करते हैं:
- ग्राहकों को सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले उत्पादों की डिलीवरी सुनिश्चित करना
- कर्मचारियों, संबद्ध समुदायों, संपत्तियों और परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना
- कर्मचारियों की दक्षता और कौशल विकसित करना और कर्मचारी की प्रेरणा को बढ़ावा देना
- दक्ष हितधारक प्रबंधन संबंध बनाना और ग्राहक संतुष्टि प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं का वितरण करना
- दक्ष और पर्यावरण अनुकूल ओएंडएम गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीकें अपनाना
- ओएंडएम की मूल्य श्रृंखला में सभी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और अखंडता प्रबंधन को अंत:स्थापित करना
- संगठन और उसके हितधारकों के हितों को पूरा करते हुए दीर्घकालिक स्थायी तरीके से व्यापार करना
- सभी वैधानिक, कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं और सरकारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करना
- निष्पादन में सुधार लाने के लिए व्यक्तिगत भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और जवाबदेही को परिभाषित करके कर्मचारियों को सशक्त बनाना

> सबसे पहले सुरक्षा वह मंत्र है जिसके साथ हम काम करते हैं। हमारा प्रयास है कि पाइपलाइनों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं की सुरक्षा पर ध्यान देने के साथ एक विश्व स्तरीय प्राकृतिक गैस अवसंरचना विकसित की जाए। हमने परियोजना निष्पादन और संचालन के विभिन्न चरणों में पर्यावरण पर ध्यान देने को प्राथमिकता दी है। हमारा उद्देश्य हमारे काम करने के तरीके में व्यवस्थित रूप से हमारी दक्षता और गुणवत्ता में सुधार करते हुए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना है। गेल में उत्कृष्टता तीन चीजों पर निर्भर करती है – जनता, स्वास्थ्य और अवधारणा (पीएचपी) जिसमें निष्पादन को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। परियोजना स्थलों पर प्रक्रियाओं के निरंतर सुधार और दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करके गेल ने इस गतिशील क्षेत्र में चुनौतियों पर काबू पाने पर ध्यान केंद्रित किया है। उत्कृष्टता और कुशल प्रणालियों और प्रक्रियाओं को लक्षित करते हुए संगठन अन्य क्षेत्रों में परियोजना निष्पादन, ऊर्जा प्रबंधन और ऊर्जा दक्षता में सुधार की अपेक्षा करता है। जलवायु कार्रवाई पर बढ़ती वैश्विक और राष्ट्रीय चिंताओं को देखते हुए गेल भारत की बढ़ती आबादी के लिए ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ विकल्प प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है, तथा साथ ही उत्सर्जन को नियंत्रित करने, क्षमता में सुधार करने और हमारे प्रचालन के सतत् विकास की रक्षा करने के अवसरों पर कार्य करता है। हमारा मानना है कि हमारे प्रयास बदलाव लाने में कारगर होंगे और हम अपनी प्रणाली, पद्धतियों, परिपाटियों, नीतियों और कार्यनीतियों को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं।
>
> **निदेशक (परियोजना)**

नेतृत्व का उत्तरदायित्व

नेतृत्व प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के परिभाषित कारकों में से एक है। गेल के विभाग प्रमुख सतत् विकास दृष्टिकोण के महत्व को पहचानते हैं तथा प्रासंगिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं, प्राथमिकताओं, निष्पादन के उपायों और प्रगति की निगरानी में नेतृत्व की भूमिका निभाते हैं।

कंपनी की संगठनात्मक संस्कृति कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करती है कि इन प्रणालियों और प्रक्रियाओं का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विनियमों के अनुसार पूरी तरह और प्रभावी ढंग से अनुपालन किया जाए।

गेल में प्रचालन और रखरखाव

विश्व स्तरीय निष्पादन का अपना विज़न प्राप्त करने के लिए गेल का दृष्टिकोण कंपनी के ओएंडएम उद्देश्यों का मूल आधार है। ओएंडएम नीति में परिसंपत्ति रखरखाव के उद्देश्यों, लक्ष्यों और कार्यों, उनके जीवन चक्र मूल्यांकन और पुनर्स्थापन और प्रतिस्थापन के लिए समीक्षा करने का प्रावधान किया गया है।

पाइपलाइनों की दक्ष कार्यप्रणाली के लिए, हमने संबंधित विषयों के अंतरराष्ट्रीय ख्याति–प्राप्त प्रमाणित विशेषज्ञों (एसएमइ) को सूचीबद्ध किया है। घटनाओं के मूल कारणों का विश्लेषण करने के लिए एक तीन स्तरीय जांच प्रणाली विकसित की गई है, अर्थात् प्रथम स्तर पर आंतरिक समिति, दूसरे स्तर पर बाहरी तकनीकी परामर्शदाता जैसे इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) और तृतीय स्तर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित स्वतंत्र एजेंसी। इस तरह की किसी भी घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए, तीन समितियों की सिफारिशों को आपस में जोड़ते हुए सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं।

पाइपलाइनों में जंग लगने की समस्या से निपटने और उद्योग में जागरूकता पैदा करने में उत्कृष्ट योगदान देने के मान्यता स्वरूप, एनएसीईएस इंटरनेशनल, यूएसए ने गेल के निदेशक (परियोजना) डॉ. आशुतोष कर्नाटक को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुरस्कार' प्रदान किया है। डॉ. समीर डेगन, अध्यक्ष एनएसीई इंटरनेशनल द्वारा निदेशक (परियोजना) को यह पुरस्कार 2018–19 के लिए एनएसीई इंटरनेशनल के आगामी राष्ट्रपति श्री जेफरी एल. डिडास की उपस्थिति में प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार एनएसीई इंटरनेशनल के 75 साल के इतिहास में किसी भी भारतीय नागरिक को पहली बार दिया गया है।

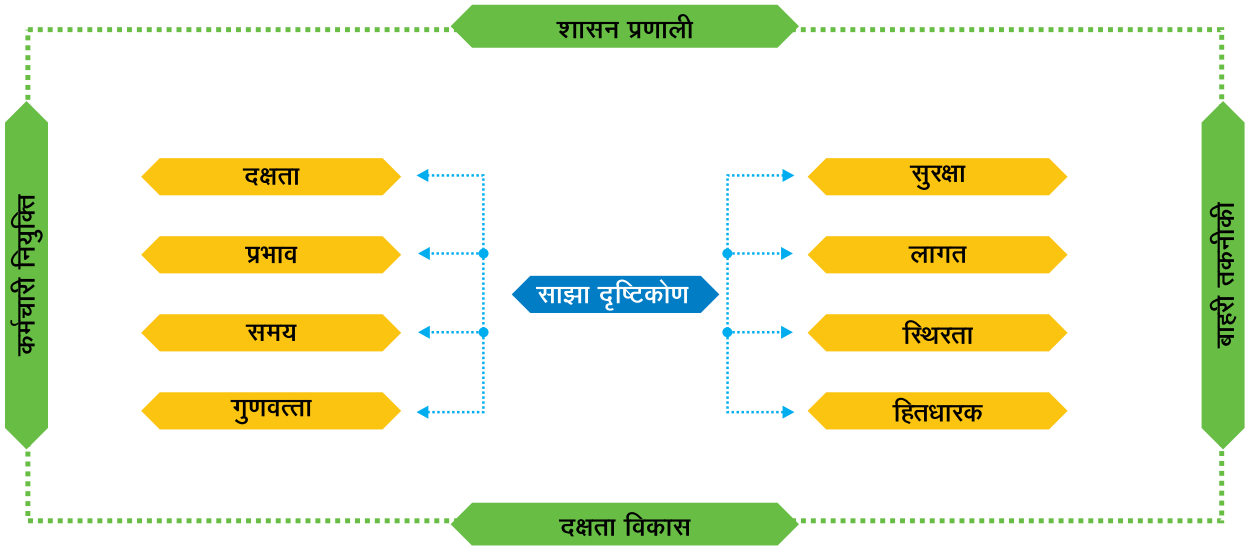

परिचालन उत्कृष्टता के घटक	
निष्पादन	ग्राहकों को समय पर, सुनिश्चित और सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले उत्पाद वितरण और सेवाएं सुनिश्चित करना
लोगों और संपत्ति की सुरक्षा	कर्मचारियों, संबंधित समुदायों, संपत्तियों और संगठन की परिसंपत्तियों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करना
प्रतिभा प्रबंधन	कर्मचारियों की क्षमता और कौशल विकसित करना और कर्मचारी प्रेरणा को प्रोत्साहित करना
उत्कृष्टता और ग्राहक प्रसन्नता की संस्कृति	एक कुशल हितधारक प्रबंधन संबंध बनाए रखना और ग्राहकों की संतुष्टि प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता पूर्ण उत्पादों और सेवाओं को वितरित करना

परिचालन उत्कृष्टता के घटक	
मूल्य श्रृंखलाओं में उत्कृष्ट–मानक और प्रणालियाँ	• पर्यावरण अनुकूल ओएंडएम गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीकों को अपनाना • ओएंडएम मूल्य श्रृंखलाओं में सभी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और अखंडता प्रबंधन को शामिल करना
सतत् व्यवसाय प्रचालन और अनुपालन	• संगठन और उसके हितधारकों के हितों को अधिकारपूर्वक पूरा करते हुए दीर्घकालिक स्थायी तरीके से व्यापार करना • सभी वैधानिक, कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं और सरकारी दिशानिर्देशों का अनुपालन तथा निर्धारित आंतरिक लक्ष्यों से इतर निष्पादन करना
जिम्मेदारी और जवाबदेही	निष्पादन में सुधार लाने के लिए व्यक्तिगत भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और जवाबदेही को परिभाषित करके कर्मचारियों को सशक्त बनाना

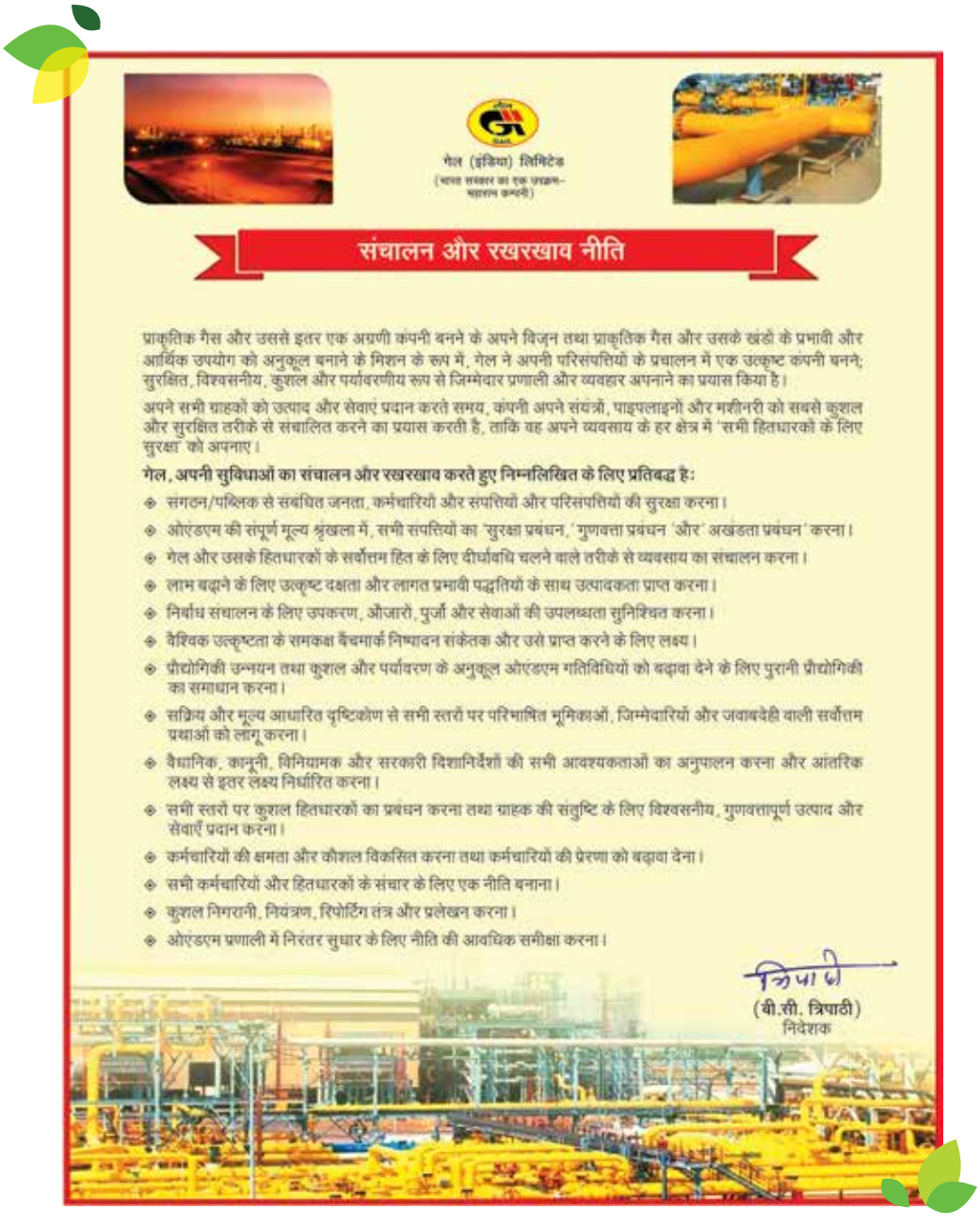

गेल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम–महारत्न कम्पनी)

संचालन और रखरखाव नीति

प्राकृतिक गैस और उससे इतर एक अग्रणी कंपनी बनने के अपने विज़न तथा प्राकृतिक गैस और उसके खंडों के प्रभावी और आर्थिक उपयोग को अनुकूल बनाने के मिशन के रूप में, गेल ने अपनी परिसंपत्तियों के प्रचालन में एक उत्कृष्ट कंपनी बनने; सुरक्षित, विश्वसनीय, कुशल और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार प्रणाली और व्यवहार अपनाने का प्रयास किया है।

अपने सभी ग्राहकों को उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते समय, कंपनी अपने संयंत्रों, पाइपलाइनों और मशीनरी को सबसे कुशल और सुरक्षित तरीके से संचालित करने का प्रयास करती है, ताकि वह अपने व्यवसाय के हर क्षेत्र में 'सभी हितधारकों के लिए सुरक्षा' को अपनाए।

गेल, अपनी सुविधाओं का संचालन और रखरखाव करते हुए निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध है:

- संगठन/पब्लिक से संबंधित जनता, कर्मचारियों और संपत्तियों और परिसंपत्तियों की सुरक्षा करना।
- ओएंडएम की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में, सभी संपत्तियों का 'सुरक्षा प्रबंधन,' 'गुणवत्ता प्रबंधन' और 'अखंडता प्रबंधन' करना।
- गेल और उसके हितधारकों के सर्वोत्तम हित के लिए दीर्घावधि चलने वाले तरीके से व्यवसाय का संचालन करना।
- लाभ बढ़ाने के लिए उत्कृष्ट दक्षता और लागत प्रभावी पद्धतियों के साथ उत्पादकता प्राप्त करना।
- निर्बाध संचालन के लिए उपकरण, औजारों, पुर्जों और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- वैश्विक उत्कृष्टता के समकक्ष बैंचमार्क निष्पादन संकेतक और उसे प्राप्त करने के लिए लक्ष्य।
- प्रौद्योगिकी उन्नयन तथा कुशल और पर्यावरण के अनुकूल ओएंडएम गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पुरानी प्रौद्योगिकी का समाधान करना।
- सक्रिय और मूल्य आधारित दृष्टिकोण से सभी स्तरों पर परिभाषित भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और जवाबदेही वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करना।
- वैधानिक, कानूनी, विनियामक और सरकारी दिशानिर्देशों की सभी आवश्यकताओं का अनुपालन करना और आंतरिक लक्ष्य से इतर लक्ष्य निर्धारित करना।
- सभी स्तरों पर कुशल हितधारकों का प्रबंधन करना तथा ग्राहक की संतुष्टि के लिए विश्वसनीय, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करना।
- कर्मचारियों की क्षमता और कौशल विकसित करना तथा कर्मचारियों की प्रेरणा को बढ़ावा देना।
- सभी कर्मचारियों और हितधारकों के संचार के लिए एक नीति बनाना।
- कुशल निगरानी, नियंत्रण, रिपोर्टिंग तंत्र और प्रलेखन करना।
- ओएंडएम प्रणाली में निरंतर सुधार के लिए नीति की आवधिक समीक्षा करना।

त्रिपाठी
(बी.सी. त्रिपाठी)
निदेशक

कार्यात्मक उत्कृष्टता के लिए ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों को एस2ओएमईएसटीईए के रूप में संक्षिप्त नाम दिया गया है जिसका अर्थ है:

- सुरक्षा
- कुशल प्रचालन
- उत्कृष्ट रखरखाव पद्धति
- पर्यावरण प्रबंधन
- हितधारक प्रबंधन
- अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाना
- शिक्षा और शिक्षण
- पुरस्कार और प्रशंसा

नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने, विश्व स्तरीय सर्वोत्तम परिपाटियों के साथ तालमेल बनाने और परिचालन दक्षता में सुधार करने के लिए विभिन्न पहलें की गई हैं। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, ओएंडएम विभाग द्वारा 25 पहल की गई थीं, जिनमें से 20 रिपोर्टिंग अवधि के अंदर पूरी की गई और शेष पांच को 2018–19 में पूरा किया जाएगा। वर्ष 2017–18 के दौरान मूर्त और अमूर्त दोनों प्रकार की पहल और लाभों का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	पहल का विवरण	प्रभाव
1	ओएफसी आधारित पाइपलाइन हस्तक्षेप अभिज्ञात प्रणाली (पीआईडीएस) का कार्यान्वयन पीआईडीएस को पियाला से जेएलपीएल के लोनी खंड तक तथा विजाग से वीएसपीएल के आईपी–1 खंड तक का प्रायोगिक आधार पर लागू किया गया है। प्रचालन का मूल सिद्धांत ऑप्टिकल फाइबर सेंसिंग तकनीक पर आधारित है, जो किसी भी घटना को परिभाषित करता है और उसके बारे में बताता है, अलार्म बजाता है और मानक ओटीडीआर डिस्प्ले के माध्यम से किसी भी समस्या के उत्पन्न होने पर आवश्यक सूचना प्रदान करता है। इस प्रणाली में डिस्ट्रीब्यूटेड एकाउस्टिक सेंसिंग (डीएएस) आधारित तकनीक लगाई गई है। सिस्टम द्वारा पता लगाई जाने वाली घटनाएं इस प्रकार हैं: • हाथ के औजारों के उपयोग द्वारा हाथ से खुदाई • मशीनी खुदाई • आरओयू में वाहन संचलन • आरओयू में कृषि गतिविधियाँ • भूकंपीय गतिविधि • वाल्व का पता लगाना • फाइबर का टूटना • पिग लगाने का स्थान, आदि।	
2	पांच शून्य के आधार पर निष्पादन की निगरानी और विश्लेषण	त्रैमासिक अखंडता रिपोर्ट लागू की गई जिसमें पांच शून्य के आधार पर अखिल–भारत पाइपलाइन नेटवर्क के केआरए और केपीआई के निष्पादन को विस्तार से बताया गया है।
3	सभी गेल प्रतिष्ठानों में डिजाइन को मानकीकृत करने के लिए शुरू किए गए मॉडल टर्मिनलों की अवधारणा में टर्मिनलों को साफ–सुथरा रखना तथा इसका विनियामक आवश्यकताओं के अनुसार दस्तावेज बनाना।	पाइपलाइन स्थापना/टर्मिनल, अर्थात् मध्यवर्ती पिगिंग स्टेशन, एसवी स्टेशन, पीआर स्टेशन, प्राप्ति टर्मिनल, और गैस प्रेषण टर्मिनलों को विभिन्न चरणों में और विभिन्न अवधारणाओं के साथ चालू किया गया है। इसलिए, यह महसूस किया गया कि गेल के स्टेशनों को एकीकृत मानकों के रूप में बनाए रखने के लिए दिशानिर्देश विकसित किए जाएं। गैस स्थापनाओं के विभिन्न पहलुओं को एकीकृत करके मॉडल स्टेशन दिशा–निर्देशों की रूपरेखा बनाई जाती है जिसमें प्रवेश द्वार, साइन बोर्ड, कंट्रोल रूम, प्रोसेस एरिया, चारदीवारी, कलर कोडिंग, संपर्क सड़क और आंतरिक पथ, इलेक्ट्रिकल प्रणाली, सीवरेज प्रणाली, स्वच्छता और स्थिरता पहल शामिल होती है।

एकीकृत प्रबंधन प्रणाली

गेल की एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) में पाइपलाइन एकीकृत प्रबंधन प्रणाली; गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली शामिल है। कंपनी का आईएमएस प्रचालनों का निर्बाध प्रचालन सुनिश्चित करता है और हमें गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और निर्बाध प्रचालनों के उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करता है।

गेल में एकीकृत प्रबंधन प्रणाली

परिसंपत्ति अखंडता और उत्पादकता सेवा विश्वसनीयता

परिसंपत्ति अखंडता प्रबंधन के लिए कंपनी की नीति उद्देश्यों, लक्ष्यों और कार्यों को निर्धारित करने के लिए अपने दृष्टिकोण को पुनः निर्धारित करती है। इसमें भावी, निवारक अनुसूचियों द्वारा परिसंपत्ति रखरखाव, और इसके बाद वापसी कार्यक्रम नीति भी शामिल है।

हम, गेल में, प्रारंभिक चरण से ही पाइपलाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। पाइपलाइन और उनके सहायक बुनियादी ढांचे को नेशनल सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (एएसएमई), तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक निकाय (पीएनजीआरबी) जैसे

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार डिजाइन किया गया है। हम अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई), ब्रिटिश स्टैंडर्ड्स (बीएस), कैनेडियन स्टैंडर्ड्स, डॉयचेस इंस्टीट्यूट फॉर नॉर्मुग (डीआईएन), नेशनल एसोसिएशन ऑफ कोरोसन इंजीनियर्स (एनएसीईएस) और नेशनल फायर प्रोटेक्शन एसोसिएशन (एनएफपीए) द्वारा उपयोग किए जाने वाले दिशानिर्देशों का भी पालन करते हैं। गेल की केंद्रीय पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन प्रणाली (सीपीआईएमएस) गैस पाइपलाइनों के व्यापक नेटवर्क की अखंडता को बनाए रखती है, जिसे जीआईएस डेटा और टेम्पोरल डेटा समेकन के माध्यम से दर्ज खतरों, जोखिमों, असफलता की संभावना और सांविधिक नियमों के अनुपालन की स्थिति को ध्यान में रखकर लागू किया जाता है। इससे पाइपलाइन की खराबी, बीमा लागत और डाउनटाइम के जोखिम में कमी आती है। तदनुसार, उचित समय पर एकत्र किए गए डेटा और विश्लेषण के आधार पर निवारक रखरखाव शुरू करके पाइपलाइन की आयु को भी बढ़ाया जाता है।

परिसंपत्ति का निष्पादन जोखिम मूल्यांकन, खतरों के निवारण, उद्देश्यपरक योग्यता मूल्यांकन (एफएफपी) और जंग लगने से संबंधित आंकड़ों की समीक्षा करके किया जाता है ताकि इसके सुधार के लिए उपाय किए जा सकें। प्रणाली द्वारा पाइपलाइन डिजाइन और मानकीकृत अखंडता मूल्यांकन प्रक्रियाएं भी एकत्र की जाती हैं और उन्हें मूल रूप से प्रचालन के दौरान प्रासंगिक और अधिकृत उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराया जाता है।

प्राकृतिक गैस और एलपीजी पाइपलाइनों की निगरानी चरणबद्ध तरीके से एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (एपीपीएस) के माध्यम से की जाती है। यह उपकरण पाइपलाइन नेटवर्क के सुरक्षित, विश्वसनीय, उपयुक्त और किफायती प्रचालन के लिए संचालन और नियोजन समाधान भी प्रदान करता है।

सभी स्वामित्व और कार्यरत पाइपलाइनों की अखंडता की व्यवस्था के लिए प्रणालियों और प्रक्रियाओं के निर्माण के लिए, हमारे पास नोएडा, भारत में कॉर्पोरेट ओएंडएम विभाग में एक केंद्रीय अखंडता प्रबंधन समूह (सीआईएमजी) है। इसके अलावा, क्षेत्रीय स्तर पर अखंडता प्रबंधन को तैयार करने के लिए, हमारे पास क्षेत्रीय एकीकरण प्रबंधन समूह (आरआईएमजी) हैं, जिनमें निम्नलिखित प्रमुख कार्य हैं:

पाइपलाइन अखंडता के लिए सभी संभावित खतरों की पहचान करना और उनका प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना

प्रत्येक खतरे के जोखिम निवारण/उपशमन पर सुधार की कार्यनीति, पहचान, निगरानी, नियंत्रण, लेखा परीक्षा और निष्पादन करना

पाइपलाइन आरओयू की निगरानी और प्रबंधन

अतिक्रमण नीति

निवासियों की गतिविधियों के बढ़ने के कारण आरओयू पाइपलाइन में अतिक्रमण से पाइपलाइन की सुरक्षा और अखंडता को खतरा हो सकता है। यह देखा गया है कि गेल के आरओयू में समय के साथ अतिक्रमणों की संख्या काफी अधिक बढ़ी है। पाइपलाइन अतिक्रमण पर विभिन्न साइटों से एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद यह पाया गया कि कुछ अतिक्रमण या तो गेल द्वारा पाइपलाइन बिछाने या उसका कब्जा लेने से पहले मौजूद थे, या उसके दौरान हुए थे।

गेल सहयोगी योजना

गेल सहयोगी योजना ग्रामीणों/किसानों/ हितधारकों/आम जनता के साथ संपर्क स्थापित करने और पाइपलाइनों के आस–पास रहने वाली आबादी/ग्रामीणों के बीच पाइपलाइन सुरक्षा के बारे जागरूकता पैदा करने का एक प्रयास है। वे किसी भी अवांछित गतिविधियों जैसे उत्खनन, अतिक्रमण, वॉशआउट, एक्सपोजर, ड्रिलिंग, बोरिंग, रिसाव (यदि कोई हो), पाइपलाइन आरओयू के आस–पास निर्माण करने या चोरी का प्रयास करने आदि के बारे में गेल के निकटतम रखरखाव बेस को रिपोर्ट करेंगे। सहयोगियों को गेल के साथ जुड़ने पर उपयुक्त प्रोत्साहन/पुरस्कार दिया जाता है। वर्तमान में, इस योजना को प्रायोगिक आधार पर चार स्थानों पर लागू किया जा रहा है और परिणाम के आधार पर इसे अन्य स्थानों पर भी लागू किया जाएगा।

इस योजना में, गेल द्वारा गांवों या कस्बों/शहरों/ आरओयू भूमि के मालिक आदि के रूप में पहचाने जाने वाले एक या अधिक व्यक्ति, जो पाइपलाइन मार्ग के आसपास के क्षेत्र में रह रहे हैं, गेल की संपत्ति और किसी भी गतिविधि की रिपोर्ट करने और उसे रोकने की सूचना देते हैं जो पाइपलाइन की सुरक्षा के लिए हानिकारक हो सकती है। संबंधित क्षेत्रीय पाइपलाइन मुख्यालय सहयोगी योजना के प्रबंधन हेतु अपनी सेवाओं का विस्तार करके किसी एजेंसी को इससे जोड़कर योजना को लागू करता है।

वर्ष 2017–18 में, गेल सहयोगी द्वारा समय पर सूचना देने के कारण जेएलपीएल के एनसीआर में, खेरा क्षेत्राधिकार के तहत प्राकृतिक गैस नेटवर्क और वीएसपीएल के चेरलापल्ली में 93 घटनाओं (अधिकतर खुदाई और उत्खनन से संबंधित) को रोका गया।

पाइपलाइनों के आरओयू के किनारे पैदल गश्त

पाइपलाइनों की स्थिति की निगरानी के लिए महत्वपूर्ण ओएंडएम गतिविधियों में से एक गतिविधि पाइपलाइनों के आरओयू के किनारे पैदल गश्त करना है। सुरक्षा गार्डो द्वारा समय–समय पर पैदल गश्त पाक्षिक/मासिक/त्रैमासिक आधार पर की जा रही है। इसके अलावा, गेल इंजीनियर वर्ष में एक बार पाइपलाइनों के किनारे पैदल गश्त भी कर रहे हैं। गैस डिटेक्टर के साथ पैदल गश्त करना काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। क्रॉस कंट्री पाइपलाइनें नहरों, तालाबों, दलदली खेतों आदि जैसे कठिन इलाकों से होकर गुज़रती हैं, जिन तक विशेषकर मानसून के दौरान पहुंचना कठिन हो सकता है। रिमोट डिटेक्शन से उपयोगकर्ता सुरक्षित रूप से उन क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर सकता है जो उसकी पहुंच से दूर हैं। रिसाव का पता लगाने पर इस पद्धति से समय की बचत होती है जो उत्पादकता बढ़ती है, प्रचालन और रखरखाव की लागत को कम करने और सुरक्षित सर्वेक्षण में मदद मिलती है।

उपग्रह इमेजिंग के माध्यम से आरओयू की निगरानी

नवीनतम पाइपलाइन निगरानी तकनीक अर्थात् हाई रिजॉल्यूशन निम्न कक्षा उपग्रह इमेजिंग की कार्यकुशलता स्थापित करने के लिए, आरएंडडी विभाग द्वारा नेशनल दूरसंवेदी केंद्र (एनआरएससी) के सहयोग से उपग्रह द्वारा पाइपलाइन आरओयू की रिमोट निगरानी संबंधी एक प्रायोगिक परियोजना को हाल ही में डीवीपीएल पाइपलाइन में 610 कि.मी. की पट्टी में लागू किया गया था। उपग्रह इमेजिंग द्वारा नए अतिक्रमणों, वाशआउट आदि का पता लगाने में मदद मिली है।

अनुपालन प्रबंधन

गेल का मानना है कि अनुपालन केवल कानूनों और विनियमों का अनुपालन करने के बारे में ही नहीं है, बल्कि यह ठोस और निष्पक्ष व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करने के बारे में भी है जो कॉर्पोरेट नियमों और सामाजिक मानदंडों के अनुरूप हैं, हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करने और उनका विश्वास अर्जित करने के लिए है। हमारे पास एक आंतरिक कानूनी अनुपालन प्रबंधन प्रणाली (एलसीएमएस) है जो सभी राष्ट्रीय और प्रासंगिक अंतर्राष्ट्रीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करती है।

हम अपने मानकों के अनुपालन और कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए नियमित ऑडिट करते हैं। ये ऑडिट स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) कॉर्पोरेट टीमों और आंतरिक ऑडिट टीम द्वारा की जाती हैं और इसमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय विनियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण, कर्मचारी साक्षात्कार और प्रत्येक सुविधा केंद्र के विनियामक मुद्दों की विस्तृत समीक्षा शामिल होती है। बोर्ड स्तरीय लेखापरीक्षा समिति परियोजनाओं के अनुपालन स्तर की समीक्षा करती है और उसका आकलन करती है। अनुपालन की जिम्मेदारी संबंधित विभागों के प्रमुख की होती है।

रिपोर्टिंग अवधि, 2017–18 के दौरान, उत्पाद और सेवा सूचना और लेबलिंग, विपणन संचार, ग्राहक डेटा गोपनीयता और सामाजिक आर्थिक अनुपालन न करने की किसी भी घटना की कोई जानकारी नहीं मिली।

डिजिटल परिवर्तन

गेल डेटा को डिजिटल बनाने और उन्नत आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर सर्वाधिक महत्व दे रहा है। दिसंबर 2017 में, गेल ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में अतिक्रमणों, वाशआउट, तोड़फोड़, खुदाई और 27 कि.मी. लंबी पाइपलाइन आरओयू के निर्माण के खिलाफ अपनी पाइपलाइनों की सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी/डीआरओएन) की उन्नत तकनीक का उपयोग करने की एक नई पहल की।

यूएवी के माध्यम से हवाई निगरानी करने की तकनीक क्रॉस–कंट्री पाइपलाइन, जंगलों, दुर्गम क्षेत्रों, नदियों और पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्रों से गुजरने वाले कैमरों और सेंसरों से लैस है, जो पैदल निगरानी और हेलीकाप्टर के उपयोग द्वारा पाइपलाइन की हवाई निगरानी करने हेतु निगरानी की वर्तमान प्रथाओं की सीमाओं को नियंत्रित करने का एक प्रभावी विकल्प है।

सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 27001:2013) को हमारी प्रणाली में सफलतापूर्वक लागू किया गया है। वर्तमान में, नए प्रकार के साइबर–सुरक्षा जोखिमों से निपटने के लिए एक

नीचे दर्शाई गई तालिका पिछले वर्षो के दौरान ईडीएमएस के बढ़ते उपयोग को दर्शाती है

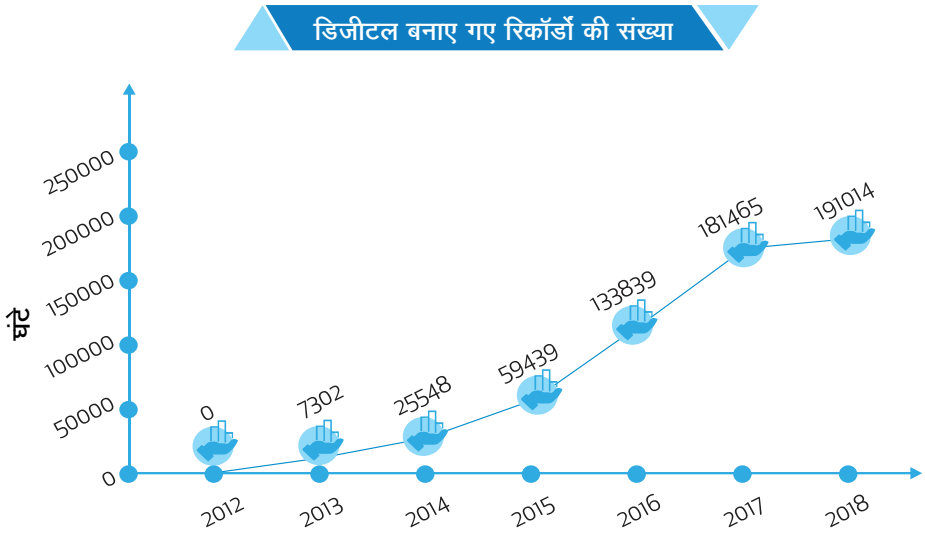

वीडियो कांफ्रेंसिंग घंटे

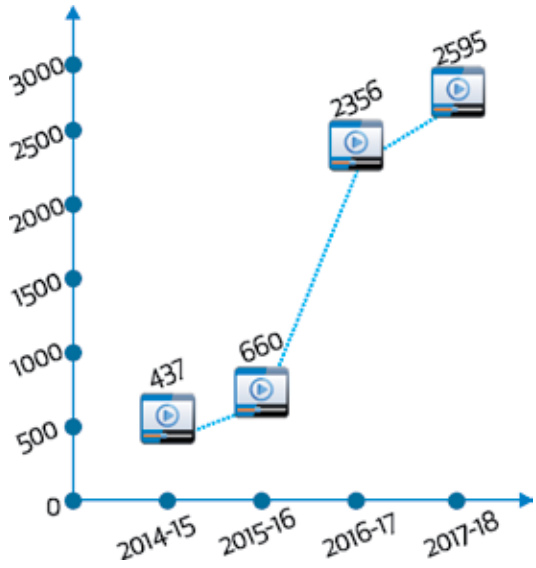

उन्नत सतत् खतरा उपशमन प्रणाली सहित एक सुरक्षा प्रचालन केंद्र (एसओसी) स्थापित किया गया है। नेटवर्क कनेक्टिविटी और सूचना सुरक्षा बढ़ाने के लिए, हमने एक नवीनतम निजी क्लाउड ढांचा स्थापित किया है और कई नई परियोजनाओं की शुरुआत की है।

गेल ने 2012 में एक 'पेपर–लाइट' कार्यालय की दिशा में अग्रसर होने के लिए एक उद्यम–व्यापी इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली (ईडीएमएस) लागू किया, जिससे कागज के उपयोग को कम करने का अवसर मिला क्योंकि इस प्रणाली से न केवल लागत और समय में कटौती हुई है, बल्कि वितरण/रखरखाव प्रयास कम हुए हैं और व्यावसायिक उत्पादकता भी बढ़ी है।

हमने मुद्दों का तुरंत समाधान करने और बेहतर निर्णय लेने के लिए मौजूदा प्रणालियों में आईटी को बढ़ावा देने और एकीकृत करने के लिए भी पहल की है। ऐसी ही एक पहल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग है जो मुद्दों का समाधान करने और निर्णय लेने में तेजी लाती है। उपर्युक्त ग्राफ विभिन्न रिपोर्टिंग अवधि के दौरान गेल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग घंटे की संख्या में क्रमिक वृद्धि को दर्शाता है।

डिजिटल यात्रा

'डिजिटल विचार' की अवधारणा को साकार करने और गेल को सुदृढ़ डिजिटल सहायता प्रदान करके एक विश्व स्तरीय संगठन के रूप में स्थापित करने के लिए एक डिजिटल यात्रा पहल लागू की गई है। इस पहल से उम्मीद है कि संयंत्र और पाइपलाइन प्रणाली के साथ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणालियों को एकीकृत करके संयंत्र संचालन और रखरखाव सहित गेल के व्यावसायिक कार्यों का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक विश्लेषण, गतिशीलता और सहयोग मंचों का लाभ उठाया जा सकेगा।

डिजिटल करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए निम्नलिखित चरणों की पहचान की गई है:

- प्रचालनात्मक प्रौद्योगिकी (ओटी) प्रणालियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था का उन्नयन
- ओटी और आईटी प्रणाली के बीच डेटा का एकीकरण
- ओटी प्रणाली की सुरक्षा और जोखिम आकलन, तथा आईटी प्रणाली के साथ इसका इंटरफेस
- इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (सीईआरटी–आईएन), भारत सरकार के तहत भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम द्वारा प्रमाणित विशेषज्ञ एजेंसियों द्वारा मूल्यांकन
- बुनियादी ढांचे, वास्तुकला, शासन मॉडल और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में सुधार
- आईईसी–62443 और राष्ट्रीय गहन सूचना अवसंरचना सुरक्षा केंद्र (एनसीआईआईपीसी) जैसे वैश्विक मानकों का अनुपालन करने के लिए आकलन और परिणामों के साथ सामंजस्य।

घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण का उपयोग करके पाइपलाइनों की सुरक्षा और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए उन्नत तकनीकी एकीकरण और अत्याधुनिक निगरानी प्रणालियों को लागू करने के लिए पता लगाई गई आवश्यकताओं के आधार पर विभिन्न कार्रवाइयां भी की गई हैं। अब तक की गई पहलों की सूची नीचे दी गई है:

ईआरपी प्रणाली के साथ महत्वपूर्ण और संवेदनशील मशीनों के एकीकरण द्वारा संयुक्त प्रचालन करने के लिए अनेक संयंत्रों के नियंत्रण कक्ष को जोड़ना

क्षेत्र में रखरखाव की रिकॉर्डिंग, मोबाइल डैशबोर्ड पर स्थिति की निगरानी को पाइपलाइनों के रखरखाव की आवश्यकता के लिए प्रचालनरत बनाया गया है

इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एप्लिकेशन के लिए, एनालाइजर डेटा को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल के साथ जोड़ा जाता है। ई–लॉग फील्ड ऑपरेटरों को तैनात किया जा रहा है।

ऑन–लाइन फील्ड रिपोर्टों को तैयार करने के लिए फील्ड सेंसर फार्म गैस मीटरिंग उपकरणों को ईआरपी प्रणाली में गैस मीटरिंग उपकरण के साथ एकीकृत करके ग्राहकों की गैस बिलिंग को स्वचालित बनाया जाता है।

उत्पाद लोडिंग ऑटोमेशन प्रणाली को एसएपी–ईआरपी के साथ वेट ब्रिज सेंसर और सुरक्षा निरीक्षण से लोडिंग के डेटा को जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है

आक्सीजन फ्री कॉपर (ओएफसी) आधारित एकॉस्टिक सेंसिंग का उपयोग करके वास्तविक समय पाइपलाइन हस्तक्षेप अभिज्ञात प्रणाली की शुरुआत की गई है

आईपी आधारित कैमरों में 140 डिजिटल स्थापना के साथ–साथ मोबाइल डिजिटल उपकरणों सहित जीपीएस और सेंसर के साथ क्षेत्रीय परिसंपत्तियों को रखा गया है

'तुरंत प्रतिक्रिया दलों' की प्रतिक्रिया में सुधार के लिए महत्वपूर्ण और आपातकालीन संचालन की वास्तविक समय की निगरानी हेतु डिजिटल हस्तक्षेप को शामिल किया गया है

पाइपलाइन सुरक्षा उल्लंघनों का पता लगाने के लिए ड्रोन और उपग्रह सर्वेक्षण का उपयोग किया जा रहा है

गेल ने "डिजिटाइज़ेशन टू नेक्स्ट लेवल विद ओटी–आईटी कन्वर्जेन्स" पर औद्योगिक बैठक का आयोजन किया

जयंती टॉवर, नोएडा में 27/12/2017 को ओटी–आईटी कन्वर्जेंस सहित अगले स्तर के डिजिटलीकरण पर उद्योग बैठक

गेल टाउनशिप में कैशलेस लेन–देने

हमने गेल विजयपुर (मध्य प्रदेश) टाउनशिप में कर्मचारियों, उनके परिवारों, संविदाकर्मियों, सीआईएसएफ कर्मचारियों, स्थानीय विक्रेताओं और दुकानदारों को डिजिटल भुगतान के तरीकों और कैशलेस लेनदेन के बारे में जागरूकता प्रदान करने के लिए डिजी–धन अभियान के तहत एक पहल शुरू की है, जिससे टाउनशिप पूरी तरह से कैशलेस हो रहा है।

पाइपलाइन की जानकारी के लिए मोबाइल ऐप

गेल ने एक मोबाइल–आधारित एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जो कि जीपीआरएस वाले जीएसएम मोबाइल के माध्यम से किसी भी स्थान से 40 से अधिक विशेषताओं के साथ पाइपलाइन मापदंडों के आधार पर तैयार डेटा की उपलब्धता की सुविधा प्रदान करेगा। विशेषताओं में पाइपलाइन व्यास, लंबाई, मोटाई, डिजाइन पैरामीटर, स्रोत विवरण, क्रॉसिंग विवरण, वैधानिक अनुमति विवरण, अखंडता सर्वेक्षण विवरण, अतिक्रमण और पिछली दोष मरम्मत का विवरण शामिल हैं।

09

ऊर्जा और पर्यावरण

उन्नत दिवस प्रकाश प्रणाली परियोजना

विजयपुर संयंत्र द्वारा प्रकाश व्यवस्था के लिए सौर प्रकाश का उपयोग

लिखराव की सूचना

वित्त वर्ष 2017–18 में

ऊर्जा और पर्यावरण

7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY

चूंकि कंपनी के सुविधा केंद्रों में प्रचालनों के लिए ऊर्जा एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, इसलिए हम एक किफायती और पर्यावरण अनुकूल मिश्रित ऊर्जा का उपयोग करते हैं। विजयपुर, वीएसपीएन, जेएलपीएल नेटवर्क, गंधार में ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है। प्राकृतिक गैस – गेल की कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत के लिए सबसे स्वच्छ–प्रज्वलित हाइड्रोकार्बन मुख्य ईंधन है। जब कोयला और डीजल जैसे उच्च कार्बन ईंधनों की बजाय प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल किया जाता है तो यह ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करने के साथ–साथ बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करती है।

ऊर्जा प्रबंधन

हम ऊर्जा के निरंतर उपयोग के उच्च स्तरीय दीर्घकालिक पर्यावरणीय और आर्थिक प्रभाव को समझते हैं। इसलिए, हम व्यापारिक प्रक्रियाओं में ऊर्जा और लागत को बचाने के लिए हर संभव उपाय तलाश रहे हैं। हम व्यावसायिक कार्यों के लिए ऊर्जा के अक्षय स्रोतों को चरणबद्ध तरीके से अपना रहे हैं। गेल में रोज़मर्रा के कार्यों में अक्षय ऊर्जा का इस्तेमाल करने के लिए विभिन्न इकाइयों में पिछले कई वर्षों में कई पवन और सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित और चालू की गई हैं। इसके अलावा, विभिन्न गेल इकाइयों में सौर ऊर्जा प्रणालियों की आपूर्ति, प्रारंभन और संस्थापन के लिए किया गया संयुक्त निवेश 1.56 करोड़ रुपए था।

इन सभी पहलों के परिणामस्वरूप, गेल को हरित निवेश के तहत 'सौर ऊर्जा में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार', कंपनी की उत्कृष्ट सौर उपयोगिता तथा रूफटॉप एनबलर ऑफ द ईयर श्रेणियों के लिए नामित किया गया है।

गेल में ऊर्जा बचत की पहल

I. पाता कॉम्प्लेक्स के लिए रूफ–टॉप सौर संयंत्र: भारत के सौर फोटो वोल्टिक (पीवी) कार्यक्रम का विस्तार करने तथा और अधिक स्वच्छ ऊर्जा द्वारा परिचालन करने के एक प्रयास के रूप में, गेल इंडिया लिमिटेड ने दिसंबर 2017 में 5.67 मेगावाट का कैप्टिव सोलर पीवी संयंत्र शुरू किया था जो 65,000 वर्ग मीटर से अधिक रूफ–टॉप क्षेत्र में स्थित है। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा रूफ टॉप सोलर पीवी संयंत्र है और हाइड्रोकार्बन उद्योग में पहला रूफ टॉप सौर संयंत्र भी है। गेल की कैप्टिव सौर ऊर्जा पहल की उत्पादन क्षमता 79.30 लाख यूनिट/वर्ष है। ₹4.3 करोड़/मेगावाट की लागत से निर्मित इस सौर संयंत्र से प्रति वर्ष 6,300 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन की कमी होने और भारत के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलने की उम्मीद है। गेल की सोलर रूफटॉप परियोजना भी मेक इन इंडिया 'के तहत एक पहल है जिसमें भारतीय विक्रेताओं को निर्माण, आपूर्ति और निष्पादन का कार्य सौंपा गया है।

II. एलईडी लाइटों की स्थापना: गेल के पाता संयंत्र में, वर्ष 2017–18 में गेल के पाता संयंत्र और टाउनशिप परिसर जैसे सब स्टेशनों, कार्यालयों और ऑन–फील्ड स्थलों के अंदर विभिन्न स्थानों पर कुल 10511 एलईडी लाइटें लगाई गई हैं।

III. गेल पाता और टाउनशिप परिसर में वित्त वर्ष 2017–18 में पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था को एलईडी लैंप से बदलने के कारण कुल 4,58,406.5 कि.वाट प्रति घंटा बिजली की बचत हुई है।

IV. एडवांस्ड डे लाइटिंग सिस्टम (एडीएस): विजयपुर संयंत्र में एडीएस परियोजना में ऊर्जा गहन फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइटों या पारंपरिक विद्युत प्रकाश व्यवस्था के विकल्प के रूप में एडीएस यूनिटों के माध्यम से प्राकृतिक सूर्य के प्रकाश का उपयोग करने की परिकल्पना की गई है। परियोजना में सीएंडपी और ईआईएल गोदामों में एडीएस यूनिटों की स्थापना करना शामिल है जिसमें मौसम जांच और परीक्षण शामिल हैं। रोशनी का स्तर निर्धारित मानकों से कम होने का पता लगाने के लिए रोशनी के स्तर को मापने और बिजली की रोशनी को सक्रिय करने के लिए डेलाइट कंट्रोलर सेंसर लगाए गए। एडीएस की स्थापना और परियोजना निष्पादन पर कुल 8,82,734 रुपए का खर्च होने की सूचना दी गई थी।

क. ऊर्जा की बचत के मामले में लागत में इसके बराबर कमी से प्रति वर्ष कम से कम पांच साल की अवधि में 1,26,000 रुपए की बचत होगी। एडीएस से विजयपुर संयंत्र को 16 टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष (सीओ2ई)/वर्ष के बराबर जीएचजी उत्सर्जन कम होगा जिससे उसके कार्बन फुट प्रिंट को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

ख. अन्य लाभों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- औद्योगिक प्रकाश मानक – ओआईएसडी 149 के अनुसार के अनुसार लुमेन उत्पादन सुनिश्चित करना जिसकी डार्क स्पॉट के बिना न्यूनतम प्रकाश तीव्रता 100 लक्स है
- मौजूदा विद्युत प्रकाश व्यवस्था के साथ आसान एडीएस एकीकरण
- विद्युत प्रणाली की तुलना में नगण्य प्रचालन और रखरखाव की लागत
- मानव कारक – बेहतर स्वास्थ्य, सेहत और सुविधा
- पर्यावरणीय कारक – कम पारंपरिक ऊर्जा खपत

V. हीट रिकवरी वाष्प जनरेटर: गेल के वाघोडिया संयंत्र में तीन हीट रिकवरी वाष्प जनरेटर (एचआरएसजी) स्थापित किए गए हैं। ये एचएसआरजी अनफायर्ड, प्राकृतिक परिचालन, क्रॉस फ्लो टाइप हीट एक्सचेंजर गैस टर्बाइन निकास की फ्लू गैसों से अधिकतम अपशिष्ट ताप को रिकवर करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। प्रत्येक एचआरएसजी यूनिट का 30 कि.ग्रा/वर्ग से.मी. (ग्रा.) दबाव पर 30 टन प्रति घंटा (टीपीएच) वाष्प तथा अधिकतम सतत् दर (एमसीआर) मामले में 325° से. तापमान उत्पन्न करने के लिए डिजाइन किया गया है।

VI. ऊर्जा दक्षता उपकरण की स्थापना: एनसीआर ओएंडएम का प्रतिस्थापन: एसवी और आईपी तथा ग्राहक टर्मिनलों के लिए एलईडी ट्यूब (20 वॉट) सहित 386 पारंपरिक ट्यूब लाइटों (36 वॉट) को चरणबद्ध ढंग से बदला गया तथा 105 स्टेशनों पर 57 पुराने एसी को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई)–रेटेड इन्वर्टर प्रौद्योगिकी आधारित एसी से बदला गया।

ऊर्जा दक्षता

ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा इक्विटी अर्थात् जनसंख्या को ऊर्जा की उपलब्धता और सस्ती आपूर्ति भारत के लिए सबसे बड़ी विकासात्मक चुनौतियों में से एक है। कम लागत वाली ऊर्जा की पहुंच के लिए ऊर्जा दक्षता में सुधार तथा ऊर्जा के बुनियादी ढांचे दोनों में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होती है। सरकार ने मौजूदा और विकसित हो रहे ऊर्जा परिदृश्यों को देखते हुए दक्षता में सुधार करने के लिए उजाला (सभी के लिए सस्ती एलईडी द्वारा उन्नत ज्योति) जैसी विभिन्न योजनाओं को शुरू किया है। ऊर्जा दक्षता उपायों को लागू करने के लिए सरकार द्वारा निरंतर बल दिए जाने का समर्थन करते हुए, गेल ने अपनी ऊर्जा खपत को कम करने के लिए ऊर्जा खपत की निगरानी, आवधिक ऊर्जा ऑडिट, सुधारात्मक कार्यों के कार्यान्वयन और ऊर्जा की बचत के उपायों को अपनाने जैसी गतिविधियों के साथ एकीकृत ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली स्थापित की है।

सामग्री खपत

गेल की प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियाँ गैस ट्रांसमिशन और विपणन से लेकर प्रोसेसिंग (एलपीजी, प्रोपेन, पेंटेन आदि के खंडन के लिए) तक; तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का संचरण; और उच्च–घनत्व पॉलीइथिलीन (एचडीपीई) और लीनियर

न्यून घनत्व पॉलीइथिलीन (एलएलडीपीई) जैसे पेट्रोकेमिकल्स का उत्पादन और विपणन शामिल है। वर्ष 2017– 18 में, गेल ने 25,496 एमएमएससीएम प्राकृतिक गैस की प्रोसेसिंग की, जिसमें 2016–17 से 7.5% की वृद्धि हुई है और इसने उत्पाद बनाने के लिए 1700 एमएमएससीएम प्राकृतिक गैस का उपभोग किया। प्राकृतिक गैस के अलावा, गेल उत्पादन में कई सामग्रियों का उपयोग करता है जिसका लोगों और पर्यावरण पर उनकी खरीद, परिवहन, उपयोग और निपटान के परिणामस्वरूप प्रभाव पड़ता है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े प्रयास करते हैं कि बहुमूल्य कच्चे माल की रिसाइकलिंग की जाए। कंपनी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव यथासंभव कम हो या उससे पूरी तरह से बचा जाए। इससे गेल की साख बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिलती है।

जलवायु परिवर्तन और उत्सर्जन प्रबंधन

जलवायु परिवर्तन के कारणों का समाधान करने पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है और दुनिया भर में सरकारें कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए समन्वित कार्रवाई के लिए अपनी प्रतिबद्धता बढ़ा रही हैं। इसके परिणामस्वरूप, देशों को कम कार्बन उत्सर्जन की ओर धीरे–धीरे बढ़ने में मदद करने के लिए उद्योगों पर जिम्मेदारी बढ़ी है कि वे उनकी सरकारों को जलवायु परिवर्तन के खतरों का अधिक प्रभावी ढंग से समाधान करने में मदद करें।

इसे ध्यान में रखते हुए हमने 'जलवायु परिवर्तन जोखिम: तेल और गैस क्षेत्र की तैयारी' नामक एक अध्ययन में भागीदारी के लिए भारतीय पेट्रोलियम उद्योग महासंघ (एफआईपीआई) के साथ एक समझौता–ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। अध्ययन का उद्देश्य व्यापक विश्लेषण प्रदान करना है तथा तेल और गैस क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों के लिए उपयुक्त उपाय सुझाना है।

उद्यम जोखिम प्रबंधन नीति को संगठन में लागू किया गया है जिसमें जोखिम मूल्यांकन जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों की रूपरेखा दी गई है। पता लगाए गए प्रमुख जोखिमों की मैपिंग, निगरानी और उपशमन उपाय बनाने के लिए कॉर्पोरेट और साइट दोनों स्तरों पर समितियों का गठन किया गया है, जिन्हें बाद में निर्णय लेने के लिए बोर्ड को हर वर्ष प्रस्तुत किया जाता है।

हम सुविधा केन्द्रों से उत्पन्न होने वाले उत्सर्जन पर नज़र रखते हैं और प्रचालनों से वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कार्य करते हैं। हम जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल की सिफारिशों के अनुरूप अपने ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन की नियमित रूप से रिपोर्ट करते हैं।

जीएचजी उत्सर्जन

अपने जीएचजी उत्सर्जन की निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए, हम विश्व व्यापार सतत् विकास परिषद (डब्ल्यूबीसीएसडी), आईएसओ 14064–2006 द्वारा ग्रीन हाउस गैस रिपोर्टिंग मानक के अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देशों और अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई), तेल और प्राकृतिक गैस उद्योग – 2009 के लिए जीएचजी उत्सर्जन पद्धतियों के एक संग्रह का पालन करते हैं। हम छः प्रमुख जीएचजी की निगरानी करते हैं; कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) (मीथेन (सीएच 4) (नाइट्रस ऑक्साइड (एन2ओ) (हाइड्रो फ्लोरोकार्बन (एचएफसी) परफ्लूरोकार्बन्स (पीएफसी) और सल्फर हेक्साफ्लोराइड (एसएफ6)। हम कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2ई) समकक्ष के अनुसार अपने कार्बन उत्सर्जन को व्यक्त करते हैं। ऊर्जा स्रोतों से हमारा 99% से अधिक जीएचजी उत्सर्जन होता है। गेल की जीएचजी मांग–सूची में जीवाश्म ईंधन के दहन से लेकर प्रत्यक्ष उत्सर्जन, मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस, फ्लेरिंग, वेंटिंग और हमारे विनिर्माण स्थलों, कार्यालयों और प्रशिक्षण केंद्रों में खरीदी गई बिजली से होने वाला अप्रत्यक्ष उत्सर्जन शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन की समस्या को दूर करने में योगदान देने के लिए कंपनी द्वारा अपना उत्सर्जन कम करना प्रमुख क्षेत्रों में से एक है। दक्षता उपायों से हुई ऊर्जा की खपत में कमी करने के अलावा, उठाए गए अतिरिक्त कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- संयंत्रों में स्थापित सौर प्लेटों से सृजित बिजली का उपयोग करना
- मुख्य रूप से पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से परिवहन करना, जिससे वाहनों के द्वारा परिवहन कम होता है और परिणामस्वरूप वाहनों से उत्सर्जन कम होता है।
- हमारे भंडारण और पंपिंग सुविधा केन्द्रों पर खुली वेंटिंग के कारण उत्सर्जनों को रोकना।

अन्य वायु उत्सर्जन

हमने पिछले वर्षों में वायु उत्सर्जन में काफी कमी की है और इसे लगातार सुधारने को प्राथमिकता दी है। अधिकांश वायु उत्सर्जन ईंधन या वेंटिंग के जलने के कारण उत्पन्न होता है। पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए गेल की डिजाइन पहल के कारण इन गतिविधियों में वर्ष–दर–वर्ष वायु का उत्सर्जन कम हुआ है। गेल पाता में पहले औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी) प्रणाली के रूप में क्लाउड–आधारित निगरानी के लिए संबंधित विश्लेषणकर्ताओं से ऑनलाइन संयंत्र उत्सर्जन मानदंड और बहिःस्राव डिस्चार्ज मापदंड को सीपीसीबी और यूपीपीसीबी वेबसाइट से जोड़ा गया है।

ओजोन क्षयकारी पदार्थ

गेल की नीति अपने परिसर में ओजोन क्षयकारी पदार्थों (ओडीएस) के उपयोग को प्रतिबंधित करती है। ओजोन–घटने वाले पदार्थों को रेफ्रिजरेंट के रूप में सुविधा केन्द्र, वाहन एयर कंडीशनिंग सिस्टम और विभिन्न उपकरणों – कूलिंग सिस्टम में उपयोग किया जाता है। तथापि, ओडीएस को इन प्रणालियों के सामान्य प्रचालन या विफलता के दौरान जारी किया जा सकता है, जारी की गई कुल राशि कंपनी–व्यापी परिप्रेक्ष्य से महत्वपूर्ण नहीं है। रेफ्रिजरेंट के रूप में ओडीएस के उन्मूलन को लगातार प्रबंधित किया जाता है। वर्ष 2016–17 की तुलना में, ओडीएस गैस की खपत में 33% की कमी आई है।

जल प्रबंधन

गेल के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है और इसका उपयोग मुख्य रूप से प्रशीतन और स्वच्छता उद्देश्यों के लिए किया जाता है। साइटों पर युक्तिसंगत उपाय कंपनी की उत्पादकता से समझौता करते हैं। इसलिए, हम जल संसाधनों के संरक्षण में अपना योगदान देने और इसके उपभोग को यथासंभव कम रखने के लिए सभी स्थलों पर लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं। जल प्रबंधन का उद्देश्य एसडीजी 6 से भी जुड़ा हुआ है जो स्वच्छ जल पर बल देता है।

वर्ष 2017 में, पानी की हमारी कुल खपत 23 मिलियन क्यूबिक मीटर थी, जो 2016 के स्तर के मुकाबले 8.5% की वृद्धि दर्शाती है। पानी की कुल खपत का लगभग 96% सतही जल स्रोतों से आता है और शेष की भूजल, वर्षा जल और नगरपालिका जल से पूर्ति की जाती है।

जीएचजी घटाने हेतु पहल

पाटा में उत्सर्जन नियंत्रण के उपाय

भंडारण क्षेत्र (पीसी–1) में 14 हॉर्टन क्षेत्र हैं, जिनमें दबावयुक्त तरल हाइड्रोकार्बन (एलएचसी) जैसे एथेन–प्रोपेन मिश्रण (08 क्षेत्र), एथिलीन (1 क्षेत्र), प्रोपलीन (2 क्षेत्र), हाइड्रोजनेटेड सी4 मिश्रण (1 क्षेत्र) और ब्यूटेन–1 (2 क्षेत्र) शामिल है।

मुद्दा : इस सुविधा केन्द्र में चयनित खुली वेंटिंग के विभिन्न स्रोत हैं:

- नमूनाकरण बिंदु जिनका विश्लेषण के लिए संबंधित क्षेत्र से नमूने जारी करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- रखरखाव करते समय एलएचसी की प्रारंभिक प्राइमिंग या दबाव को हटाने के लिए वेंटिंग की सुविधा।
- प्रत्येक क्षेत्र से जुड़ी तीन प्रक्रिया लाइनों में थर्मल सुरक्षा वाल्व (टीएसवी), अर्थात् एक इनलेट/आउटलेट लाइन, एक वाष्प संतुलन लाइन और एक पंप पुनः संचरण लाइन प्रदान की जाती है।

टैंक फार्म में भंडारण टैंकों के प्राप्ति हैडर, पंप सक्शन हेडर और पंप डिस्चार्ज हैडर को ओपन वेंटिंग के स्रोत के रूप में भी पहचाना गया था। टैंक फार्म क्षेत्र ने 8 वायुमंडलीय भंडारण टैंक का गठन किया जिसमें एलएचसी जैसे नेफ्था (02 टैंक), मिश्रित ईंधन तेल (02 टैंक) और प्रत्येक में वॉश ऑयल, एन–हेक्सेन, साइक्लोहेक्सन और डीजल भंडारण करने के लिए 1 भंडारण टैंक शामिल है।

- वायुमंडल में खुली टीवीएस / वेंट लाइन
- वायुमंडल में खुली टैंकर /आर्म दबाव हटाने की लाइन

चिंता वाले क्षेत्र : खुली वेंटिंग समस्या का समाधान करने के लिए समस्या के दो क्षेत्रों की पहचान की गई;

- बंद लूप फ्लेयर प्रणाली में खुली वेंट का मार्ग दोबारा बनाने के लिए एचसीआई लाइनों के फ्लेयर हेडर में हॉट टैपिंग की आवश्यकता हो सकती है
- फ्लेयर हेडरों के एमओसी के लिए, अलग–अलग डिस्चार्जरों का निम्न तापमान एक अन्य चिंता का विषय था।

की गई कार्रवाई : खुली वेंटिंग के मुद्दे को कम करने के लिए निम्न पहल फिर से शुरू की गई:

- विभिन्न क्षेत्रों, टीएसवी और पम्प प्राइमिंग डिस्चार्ज मैनिफोल्ड के नमूना बिंदुओं को जोड़ने के लिए एसएस लाइन का एक नेटवर्क बिछाया गया था।विभिन्न डिस्चार्ज के आउटलेट मुख्य हेडर के माध्यम से पीसी– ।। के वेंट हेडर से जुड़े हुए थे, जो कोल्ड ब्लो डाउन प्रणाली तक जाते हैं।
- विभिन्न टीएसवी से (वायुमंडलीय भंडारण क्षेत्र) डिस्चार्ज के रूट को नए गैन्ट्री में लगाए गए बंद ब्लो डाउन ड्रम की नेट लाइन के साथ जोड़ा गया था जो मुख्य हेडर के माध्यम से पीसी–11 की है।डिस्चार्ज का एक निर्धारित स्तर एकत्र होने के बाद, उन्हें बाद में 141–टीटी–002 (जीएचयू ईंधन तेल टैंक) में पंप किया जाता है।
- लोडिंग क्षेत्र में ओपन वेंट्स को मौजूदा पेंटेन फ्लेयर केओडी या फिर कोल्ड ब्लो डाउन प्रणाली में फिर से जोड़ा गया।

हमने भूजल तालिका में सुधार करने के लिए सभी सुविधा केन्द्रों और कॉर्पोरेट कार्यालयों में वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की है।

पानी की निकासी से प्रभावित क्षेत्र: **शून्य**

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी)/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) की बहिःस्राव सीमा के अनुपालन के सत्यापन के लिए निर्माण स्थलों पर पानी के डिसचार्ज की निगरानी की जाती है। प्रोसेस से निकलने वाले गंदे पानी का अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों (ईटीपी) के माध्यम से उपचार किया जाता है। उपचार में पीएच को समायोजित करना, सस्पेंडेड ठोस को हटाना और जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी), यदि कोई हो, को कम करना शामिल है। इसके अलावा, कंपनी सतही संदूषण और उनके बहाव को जलाशय में प्रवेश करने से रोकने के लिए सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं का प्रयोग करती है।

गेल के कई सुविधा केन्द्रों में पाता संयंत्र को छोड़कर शून्य डिस्चार्ज भवन हैं। तथापि, समीक्षाधीन अवधि के दौरान 1.3 मिलियन घन मीटर के कुल अपशिष्ट जल डिस्चार्ज की सूचना मिली थी। इस डिस्चार्ज से कोई जल निकाय प्रभावित नहीं हुआ। कुल 0.5 मिलियन क्यूबिक मीटर, अर्थात् 2.1% पानी को रिसाइकिल किया गया तथा खपत के लिए वापस लिए गए कुल पानी के प्रतिशत के रूप में उसका पुनः उपयोग किया गया।

गंदे पानी का व्यापक नमूना यह सुनिश्चित करता है कि उपचारित पानी कंपनी की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करता है। उपचार किए गए गंदे पानी का उपयोग विभिन्न गैर–पेयजल उपयोगों जैसे बागवानी, आदि के लिए किया जाता है। हम सभी प्रतिष्ठानों के लिए अधिकतम मात्रा में गंदे पानी का पुनः उपयोग सुनिश्चित करते हैं।

जल दक्षता पहल में वृद्धि

पानी की बर्बादी को कम करने और इसके उपयोग को अनुकूल बनाने के उद्देश्य से गेल यूनिटों में कई पहल की गई हैं। इन सभी पहलों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- एनसीआर, ओएंडएम में वर्ष 2017–18 में 10 वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की गई हैं
- गंधार संयंत्र में, बागवानी प्रबंधन के लिए 37 लाख रुपए की लागत से जल छिड़काव प्रणाली स्थापित की गई है। स्प्रिंकलर प्रणाली से पानी की खपत के उपयोग को अनुकूल बनाने की उम्मीद है और यह अपशिष्ट जल की उपयोग क्षमता को भी बढ़ाएगा।
- गेल पाता में, सभी प्रमुख इमारतों में वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की गई है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, लगभग 2900 एम3 वर्षा जल का संचयन किया गया।
- आईपीएस मंसारामपुरा में 2.4 लाख रुपए की लागत से वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की गई है, जिसके परिणामस्वरूप समीक्षाधीन अवधि में 9666 एम3 भूजल रिचार्ज किया गया।

हरित पट्टी और जैव विविधता प्रबंधन

पर्यावरण और पारिस्थितिक स्थिरता गेल के ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों में से एक है जिसके लिए इस क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एक वैज्ञानिक योजना और एक विशेषज्ञ पर्यवेक्षण की आवश्यकता है। गेल में पर्यावरण और जैव विविधता से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए एक सुपरिभाषित पर्यावरण प्रबंधन संयंत्र है। हम गेल यूनिटों में और इसके आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण और पारिस्थितिकी से संबंधित अध्ययनों के साथ–साथ नियमित रूप से सर्वेक्षण करते हैं ताकि समस्याओं पर समय पर अंकुश लगाया जा सके और समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

इस प्रणाली ने एसडीजी के लक्ष्य 14 और लक्ष्य 15 में सार्थक योगदान दिया है तथा यह पानी और जमीन दोनों पर जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है।

गेल के किसी भी परिचालन स्थल के 10 कि.मी. के भीतर कोई संरक्षित पर्यावास नहीं है। पाइपलाइनों के लिए न्यूनतम क्षेत्र का उपयोग किया जाता है, जिनका जीवनकाल आमतौर पर 25–30 वर्ष का होता है। इस प्रकार, एक बार जब पाइपलाइन स्थायी रूप से बिछा दी जाती है और वन क्षेत्र बहाल कर दिया जाता है, तो वे रखरखाव की आवश्यकता होने तक अछूते रहते हैं। इसके अलावा, हम वन क्षेत्रों से गुजरने वाली पाइपलाइनों के लिए आरओयू के एक–तिहाई से कम का उपयोग करते हैं। इन पाइपलाइनों का पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता।

गेल में वनस्पति विविधता

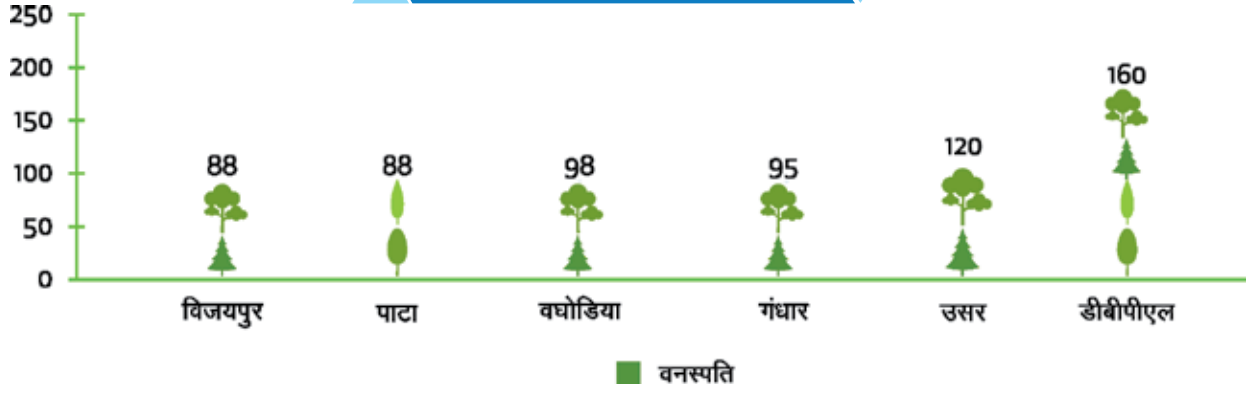

गेल में जीव–जंतु विविधता

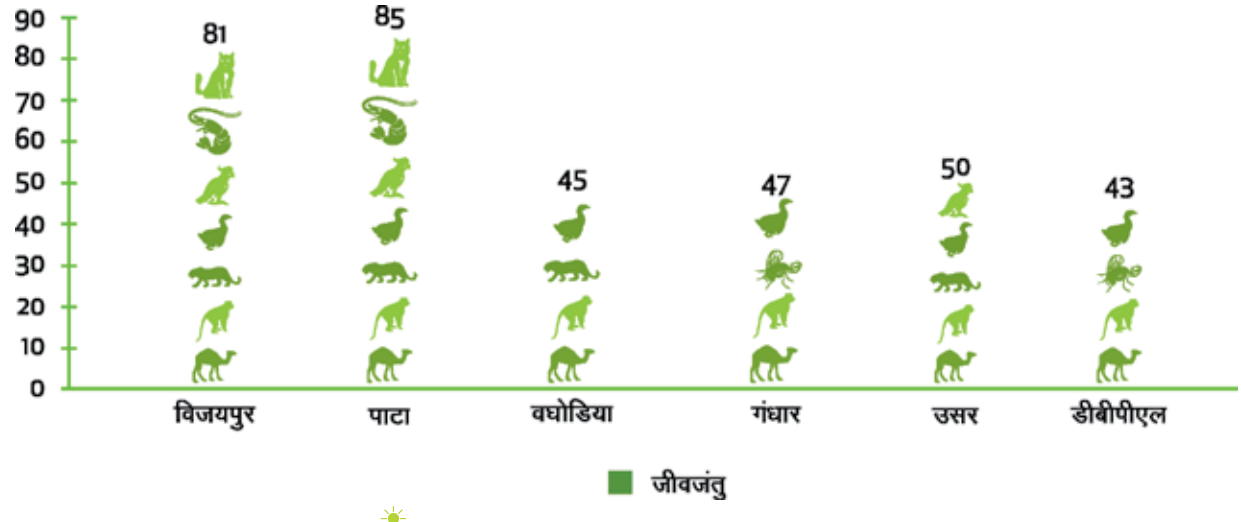

304-1, 304-2, 304-3, 304-4, OG-4

हरित पट्टी क्षेत्र

विभिन्न परिसरों में स्थानीय प्रबंधन की मदद से हरित पट्टी क्षेत्रों को विकसित किया गया है। इन क्षेत्रों में वनस्पतियों और जीवजंतुओं की विविध और देशी प्रजातियां शामिल हैं। इन हरित पट्टी के भीतर जलाशयों में विशाल जलाशय भी हैं जिनमें विभिन्न जलीय जीवों का वास भी है।

गेल साइट जिनमें व्यापक हरित पट्टी क्षेत्र हैं:

क. टाउनशिप सहित पाता में पेट्रोकेमिकल परिसर

ख. टाउनशिप सहित विजयपुर परिसर

ग. जीपीयू गंधार और टाउनशिप

घ. जीपीयू वाघोडिया

ड. एलपीजी रिकवरी प्लांट, उसर

च. दाभोल–बेंगलुरु पाइपलाइन

जैव विविधता का आकलन

जैव विविधता का मूल्यांकन समय–समय पर किया जाता है ताकि हरित–पट्टी के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के पर्यावरण और पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य की जांच की जा सके तथा सुधार उपायों और निवारक कार्यों की पहचान की जा सके।

गेल की संस्थापनों में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की अनुसूची–। के तहत आने वाली कुछ प्रजातियों का वास है और अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की खतरे में आने वाली श्रेणियां शामिल हैं। ऐसी प्रजातियां गेल की साइटों पर पाई गई हैं। वर्ष 2017–18 में किए गए जैव विविधता आकलन के दौरान दर्ज किए गए डेटा को संलग्न पृष्ठ पर दिखाया गया है।

अपशिष्ट प्रबंधन

गैस प्रोसेसिंग प्रक्रिया के दौरान अपशिष्ट का उत्पादन किया जाता है। हम मुख्य रूप से अपशिष्ट को रोकने के लिए उसके मार्गदर्शी सिद्धांत का पालन करते हैं, सभी साइटों पर अन्य सभी विकल्पों का प्रयोग करने के बाद इसका रीसाइक्लिंग या पेशेवर रूप से निपटान किया जाता है।

यह गेल को पर्यावरण की रक्षा करने, स्थानीय समुदायों पर नकारात्मक प्रभावों को कम करने और व्यवसाय में किफायती दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम बनाता है। हम स्थानीय रूप से उस सामग्री का रिकॉर्ड करते हैं जिसे रिसाइकल किया गया है या निपटान के लिए भेजा गया है। खतरनाक और गैर–खतरनाक अपशिष्ट को अलग–अलग किया जाता है। निपटान की आवश्यकता वाले अपशिष्ट को कम करना हमारी प्राथमिकता है।

उपयोग किए गए तेल, स्लोप ऑयल, बहिःस्राव उपचार संयंत्र (ईटीपी) कीचड़, टार, आणविक छलनी, स्पेंट कार्बन या टार ऐश जैसे सभी खतरनाक कचरे को राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) द्वारा अनुमोदित सुविधा केन्द्रों में या तो रिसाइकिल के लिए या एसपीसीबी में उपचार भंडारण और निपटान सुविधा केन्द्रों (टीएसडीएफ) में भेजा जाता है।

पर्यावरण के अनुकूल निपटान करने के अलावा, 3आर सिद्धांत (उपशमन–पुनःप्रयोग–रिसाइकिल) को लागू करके कंपनी की सामग्री की तीव्रता को कम करने के लिए विभिन्न पहलें की जाती हैं और अधिक दक्षता वाली कचरा प्रबंधन प्रक्रिया सुनिश्चित की जाती है।

वित्त वर्ष 2017–18 में कहीं से भी किसी बिखराव की सूचना नहीं मिली।

केस स्टडी

पाता में रिसाइकिल योग्य अपशिष्ट रिकवरी

यह पहल गेल पाता में सीएंडपी विभाग की मदद से रिसाइकिल के माध्यम से अपशिष्ट/पुराने दस्तावेजों के निपटान के लिए शुरू की गई थी। पहले चरण में गेल पाता की दस्तावेज प्रतिधारण नीति के अनुसरण में पुराने दस्तावेजों की पहचान के लिए पृथक विभागीय समितियों का गठन किया गया था। दूसरे चरण में, सभी चिह्नित पुराने दस्तावेजों को दस्तावेज नियंत्रण सेवा विभाग को सौंप दिया गया था। जबकि गोपनीय दस्तावेजों को आंतरिक तौर पर पेपर श्रेडर मशीन में नष्ट कर दिया गया था, शेष दस्तावेजों को आगे की प्रक्रिया के लिए औद्योगिक श्रेडर को भेज दिया गया था।

तत्पश्चात् अपशिष्ट कागजातों का निपटान करने के लिए एक संविदा एमएसटीसी के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित करके किया गया था।

अनुसंधान और विकास

आज जबकि दुनिया विकास के लिए पर्यावरण और सामाजिक रूप से समावेशी दृष्टिकोण को अपना रही है, गेल के प्रबंधन ने भी स्वच्छ ईंधन क्षेत्र में अपनी अनुसंधान और विकास गतिविधियों के माध्यम से इस पर जोर देने का निर्णय लिया है। गेल आरएंडडी के लिए सतत् रूप से 1% कर पश्चात् लाभ का बजट आवंटित कर रहा है। अनुसंधान और विकास के प्रयासों के परिणामस्वरूप कई नए विकास

स्वच्छ भारत पखवाड़ा के दौरान वृक्षारोपण

केस स्टडी

1. **कावेरी बेसिन में अपशिष्ट से धनार्जन (डब्ल्यूओडब्ल्यू) परियोजना**

   विजयपुर संयंत्र में, रिसाइकिल योग्य अपशिष्ट की मात्रा को कम करने के लिए एक अपशिष्ट पृथक्करण और रिसाइक्लिंग पहल की गई थी। डब्ल्यूओडब्ल्यू के माध्यम से, गेल 3आर सिद्धांत (उपशमन–पुन:प्रयोग–रिसाइकिल) की अवधारणा को प्रोत्साहित करना है। गेल ने अपशिष्ट कागज के पृथक्करण और रिसाइकिल के लिए मैसर्स आईटीसी लिमिटेड तिरुचि के साथ सहयोग किया और बिना किसी अतिरिक्त व्यय के 25,000 रुपए की बचत करने में सफल रहा।

2. **विजयपुर में जैविक अपशिष्ट खाद (ओडबल्यूसी) परियोजना**

   परियोजना विवरण: विजयपुर संयंत्र में डब्ल्यूओडब्ल्यू कार्यक्रम ने जैव–विघटन अपशिष्ट के पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया गया है। इस परियोजना को वित्त वर्ष 2017–18 की सतत् विकास वार्षिक योजना में किए गए प्रस्ताव के अनुसार कार्यान्वित किया गया है ताकि सभी जैव–विघटन योग्य अपशिष्ट जैसे कि रसोई, उद्यान और बागवानी अपशिष्ट को खाद में बदला जा सके।

   की गई कार्यवाही: जुलाई 2017 के दूसरे सप्ताह में एक एकीकृत जैविक अपशिष्ट खाद (ओडबल्यूसी) परियोजना शुरू की गई थी।

   - जैविक और अकार्बनिक अपशिष्ट को पृथक करने की सुविधा स्थापित की गई है।
   - सभी स्वाभाविक रूप से नष्ट होने योग्य कचरे को खाद में परिवर्तित किया जाता है – 1 मीट्रिक टन (टाउनशिप और संयंत्र दोनों के लिए) की संयुक्त प्रसंस्करण क्षमता।
   - इस प्रकार प्राप्त खाद का उपयोग आंतरिक खपत और सामुदायिक विकास के लिए किया जाता है।

   सभी पृथक गैर–जैव–विघटन योग्य अपशिष्ट को निपटान प्रमाण–पत्र के साथ रिसाइकलर के माध्यम से निपटाया जाता है।

   लाभ

   - एमएसडब्ल्यू नियम, 2016 के तहत अनुपालन में मदद करता है
   - गेल पौधशालाओं में खाद के रूप में उन्नत खाद का उपयोग करने में मदद करता है और इस प्रकार रासायनिक उर्वरकों की खपत को कम करता है।
   - प्रति वर्ष 1.23 लाख रुपए की बचत करता है।

   आंतरिक खपत के बाद बची हुई खाद की किसी भी मात्रा का विपणन विकल्प के माध्यम से सामुदायिक विकास के लिए सीएसआर के तहत उपयोग किया जाता है।

3. **पाता में अपशिष्ट प्रबंधन और भूमि सुधार**

   समीक्षाधीन अवधि में पाता संयंत्र की पौधशाला के पास पड़े अपशिष्ट पॉलीमर और अन्य कबाड़ सामग्री का निपटान किया गया।

   अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए मशीन अपशिष्ट, तरलीकृत पेट्रोलियम (एलपी) मोम, फ्लैक्ड सामग्री, पॉली–फिल, फिल्टर, कबाड़ और अन्य अपशिष्ट पदार्थों से संबंधित विभिन्न निर्णय लिए गए थे।

   लिए गए निर्णयों के आधार पर, निम्नलिखित कार्रवाई की गई:

   - लगभग 15 मीट्रिक टन नॉन–श्रेडेबल मशीन के कचरे को एकत्र किया गया और उसे रिसाइकलरों को बेचने के लिए साइट से हटाया गया।
   - बागवानी के कचरे को साइट से उठाकर जलाया गया।
   - क्षतिग्रस्त फिल्टर, कुर्सियां, लकड़ी का कबाड़ और कागज जैसे विविध कचरे को एकत्र किया गया और आगे की कार्रवाई के लिए सीएंडपी यार्ड में डंप किया गया।
   - 1880 किलोग्राम एलपी मोम को नर्सरी साइट से हटाया गया, जिसमें से 720 कि.ग्रा. एलपी फ्लेक्स उत्पन्न हुए।

हुए हैं और वर्ष के दौरान आठ पेटेंट आवेदन दायर किए गए हैं। वित्त वर्ष 17–18 के लिए, आरएंडडी पर व्यय 28.84 करोड़ रुपए था।

आरएंडडी गतिविधियों में स्वच्छ ईंधन उत्पादन और व्यापार प्रक्रिया दक्षता में सुधार करने की दृष्टि से सामंजस्य स्थापित किया गया है। अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्र हैं:

महत्वपूर्ण पहल

क) जैव–आधारित ईंधन

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान इस श्रेणी के तहत निम्नलिखित दो पहल की गई हैं:

- जैव–इथेनॉल का उत्पादन करने के लिए कृषि अवशेषों के लिग्नोसेल्यूलोज के जैविक पूर्व–उपचार के लिए पर्यावरण–अनुकूल तरीका अपनाया जा रहा है। इसके अलावा, इस प्रक्रिया को और अधिक ऊर्जा कुशल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- इस पहल के अंतर्गत माइक्रोवेव उपचार के माध्यम से जैव अवशेषों के सह–पायरोलिसिस को भी लाया जा रहा है।

ख) स्वच्छ ऊर्जा विकास

इस श्रेणी के अंतर्गत निम्नलिखित दो पहल की गई थीं:

- सुपरक्रिटिकल सीओ2 ब्रेटन चक्र के लिए एक हाइब्रिड हीटिंग स्रोत के रूप में कम उत्सर्जन वाले प्राकृतिक गैस कंबस्टर विकसित किए जा रहे हैं।
- प्राकृतिक गैस की उपलब्धता बढ़ाने के लिए समुद्री हाइड्रेट से मीथेन उत्पादन का भी पता लगाया जा रहा है। माइक्रो पोरस मिश्रित लिंकर्स) सामग्री में निम्न दबाव मीथेन भंडारण पर अध्ययन किया जा रहा

है, ताकि विकास के अनुकूल प्राकृतिक गैस प्रौद्योगिकी की उपयुक्तता का पता लगाया जा सके।

ग) सीओ2 उपयोग

गेल में दहन और स्वीटनिंग प्रक्रियाएं सीओ2 का उत्सर्जन होने के दो मुख्य कारण हैं। इस उत्सर्जन को कम करने के लिए, गैस स्वीटनिंग प्रक्रिया के लिए नए विलायक के विकास के लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की गई थी। बायोमास उत्पादन में सीओ2 के माइक्रोबियल निर्धारण और उर्वरकों या जैव ईंधन जैसे उपयोगी उत्पादों में आगे परिवर्तन के लिए भी अनुसंधान शुरू किया गया था। इसके अलावा, फोटो बायोरिएक्टर के उपयोग द्वारा मूल्यवान रसायनों के उत्पादन के लिए एक प्रायोगिक परियोजना पाता सुविधा केन्द्र में शुरू की गई है। इसके लिए निष्पादन मूल्यांकन और पता लगाए गए सीओ2 सुधार उत्प्रेरक का सत्यापन किया जा रहा है। मूल्य वर्धित उत्पादों में सीओ2 के सोलिड स्टेट इलेक्ट्रोकेमिकल को कम करने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

घ) पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन

पाइपलाइन नेटवर्क का बेहतर प्रबंधन करने के लिए, गेल ने हाई रिजॉल्यूशन उपग्रह चित्रों के माध्यम से पाइपलाइन आरओयू की दूरस्थ निगरानी जारी रखी। गेल ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में 27 कि.मी. लंबी पाइपलाइन आरओयू के अतिक्रमण, वाशआउट, तोड़फोड़, खुदाई और निर्माण कार्य के खिलाफ अपनी पाइपलाइनों की सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी/डीआरओएनई) की उन्नत तकनीक का उपयोग करने की एक नई पहल की है।

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान वायरलेस सेंसर नेटवर्क–आधारित डेटा हस्तांतरण का परीक्षण करने के लिए निगरानी प्रक्रिया के डेटा हस्तांतरण की विश्वसनीयता में सुधार करने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की गई थी।

ड.) लैंडफिल गैस परियोजना

वर्तमान में गाजीपुर लैंडफिल साइट, दिल्ली में एक प्रायोगिक लैंडफिल गैस (एलएफजी) परियोजना 10 एकड़ के लैंडफिल क्षेत्र में लागू की जा रही है। इसमें लैंडफिल गैस निष्कर्षण और फ्लेरिंग स्टेशन तथा कुल 20 लैंडफिल गैस निष्कर्षण कुएं शामिल हैं। जीएचजी उपशमन के एक उपाय के रूप में लगभग 50 मी. 3/घंटा लैंडफिल गैस निकाली जा रही है और इसे दहन के रूप में सुरक्षित रूप से नष्ट किया जा रहा है। यह परियोजना स्वच्छ विकास प्रणाली (सीडीएम) के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क प्रथा (यूएनएफसीसीसी) के साथ मान्य और पंजीकृत थी। इस परियोजना के चालू होने के बाद से मिथेन के बराबर लगभग 12000 मी.टन सीओ2 को एकत्र करके नष्ट कर दिया गया है।

च) पीईएम ईंधन सेल का विकास

गेल का आरएंडडी वर्तमान में हाइड्रोजन के भंडारण के लिए नैनोमिश्रित–आधारित अवशोषक और पीईएम ईंधन सेलों के विकास पर कार्य कर रहा है। इसके अलावा, क्वांटम डॉट, पेरोवस्काइट और डाई सेंसिटाइजड आधारित पीवी सौर सेलों में नयी सामग्री विकास कार्य उनकी परिवर्तन दक्षता को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

छ) स्टार्ट–अप पहल

भारत में स्टार्ट–अप संस्कृति को बढ़ावा देने के अपने प्रयास में, गेल ने 'पंख' नामक पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य स्टार्ट–अप विचारों को सफल बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जो बड़े पैमाने पर विकसित होने और दीर्घावधि में लाभदायक कंपनियां बनने की क्षमता रखते हैं। यह पहल 25 जुलाई 2017 को शुरू की गई थी और स्टार्ट–अप प्रस्तावों को प्रस्तुत करने के लिए एक वेब पोर्टल उपलब्ध कराया गया था।

शुरुआत में, गेल ने कोर (80% तक) और नॉन–कोर (40% तक) दोनों क्षेत्रों के स्टार्ट–अप में निवेश करने के लिए 50 करोड़ रुपए का कोष बनाया। एक 'स्टार्ट–अप नीति' और 'प्रक्रिया मैनुअल और दिशानिर्देश' तैयार किए गए, जिसमें प्राप्त प्रस्तावों की जांच करने और अवार्ड करने के लिए कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं का विवरण दिया गया है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कुल 42 प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 32 प्रस्ताव पूर्ण पाए गए और उन्हें आगे के मूल्यांकन के लिए सूचीबद्ध किया गया। अंत में, 5.12 करोड़ रुपए की कुल

> "गेल नवीनतम प्रौद्योगिकी लाने के लिए प्रौद्योगिकी घरानों के साथ सहयोग करने का निरंतर लगातार प्रयास करता है। कंपनी की स्टार्ट–अप पहल 'पंख', इस दिशा में एक प्रयास है जो नए विचारों को पोषित करती है और उनका समर्थन करती है। यह पहल उद्यमशीलता और स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए राष्ट्र की प्राथमिकता से भी जुड़ी है। यह युवा उद्यमियों का समर्थन करती है और हमारे व्यवसाय के साथ सामंजस्य स्थापित करने वाले अवसरों की भी जांच करती है।"
>
> निदेशक बीडी

प्रतिबद्धता से चार स्टार्ट–अप के लिए निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा, छः और चयनित स्टार्ट–अप को अंतिम रूप देने के लिए निवेश समझौता प्रक्रिया चल रही है।

इसके अलावा, गेल ने आईआईटी मद्रास इनक्यूबेशन सेल और आईआईएम लखनऊ इनक्यूबेशन सेंटर के साथ सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन

कुल गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम) एक प्रबंधन प्रणाली है जो चार बुनियादी घटकों से बनी है:

- नेतृत्व
- एक साथ काम करना
- समस्या–समाधान का वैज्ञानिक दृष्टिकोण
- ग्राहकों की आवश्यकता को पूरा करना

गेल में नेतृत्व ने संगठन को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्यनीति और पर्यवेक्षण प्रदान किया है। इसने गेल में कार्यबल को यह महसूस करने में मदद की है कि संगठन किस दिशा में अग्रसर है और वे इसमें कैसे योगदान दे सकते हैं। इसके लिए, संगठन में उद्यम जोखिम प्रबंधन नीति शुरू की गई है ताकि उच्च, मध्यम और निम्न जोखिमों की समीक्षा में मदद की जा सके। कॉर्पोरेट और साइट दोनों स्तरों पर जोखिम संचालन समितियों का गठन किया गया है ताकि जोखिम प्रबंधन समिति में जोखिम की स्थिति की तिमाही आधार पर समीक्षा करने के लिए उसे वर्ष में दो बार ऑडिट समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। ऑडिट समिति और निदेशक मंडल व्यापार को सुचारू ढंग से सुनिश्चित करने के लिए समय–समय पर नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हैं।

निर्बाध प्रचालन करने और प्रचालन में मुद्दों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभाग मिलकर कार्य करते हैं। हम कर्मचारी तैनाती द्वारा सांस्कृतिक और प्रक्रिया परिवर्तन के लिए गुणवत्ता सर्कल (क्यूसी) परियोजनाएं शुरू करते हैं, जिससे कर्मचारियों के मनोबल और निष्पादन को बेहतर बनाने में मदद मिली है।

वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, कुल 161 गुणवत्ता सर्किल परियोजनाओं को पंजीकृत किया गया है और 132 गुणवत्ता सर्किल परियोजनाओं को लगभग 10.68 करोड़ रुपए की वित्तीय बचत के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसके अतिरिक्त, हमने साइटों पर सुधारात्मक विचारों के कार्यान्वयन के माध्यम से परियोजना निदेशालय में निरंतर सुधार करने के लिए एप्लिकेशन (डेल्टा) पहल द्वारा प्रायोगिक प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया लागू की है।

समस्या–समाधान के लिए टीक्यूएम वैज्ञानिक दृष्टिकोण में डेटा–आधारित निर्णय लेने, सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग और समस्याओं को हल करने के लिए एक ढांचागत दृष्टिकोण शामिल हैं। उपर्युक्त निर्दिष्ट विस्तार लाभों को ध्यान में रखते हुए, हमारे पाइपलाइनों और ट्रांसमिशन परिसंपत्तियों के लिए एक एकीकृत प्रबंधन प्रणाली को निर्बाध गैस संचरण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया गया था। पाइपलाइन नेटवर्क से संबंधित किसी भी मुद्दे की पहचान करने और उनका समय पर पता लगाने के लिए रिमोट निगरानी प्रणाली भी स्थापित की गई है।

इन पहलों के अलावा, हमने मुख्य रूप से स्टेकहोल्डरों की संतुष्टि का आकलन करने और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने के उद्देश्य से मार्च 2018 में स्टेकहोल्डर संतुष्टि सर्वेक्षण का आयोजन भी किया था। पिछले छह महीनों (सितंबर 2017 से फरवरी 2018) के दौरान लेनदेन के आधार पर एसएपी से कुल 2,086 सक्रिय ग्राहकों को चुना गया था। एसएपी से चुनी गई सक्रिय ग्राहक संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

- पेट्रोरसायन विपणन व्यवसाय: 1,311
- प्राकृतिक गैस व्यवसाय: 630
- तरल हाइड्रोकार्बन विपणन व्यवसाय: 145

गेल में कार्यान्वयन सुधार नवाचार (आईआईआईजी)

महत्वपूर्ण गतिविधियों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने और समय पर मानक मानदंडों और विनियम के साथ उनका अनुपालन प्राप्त करने के लिए, गेल में आईआईआईजी का गठन किया गया था, जो साइटों और शीर्ष प्रबंधन के बीच एक इंटरफेस प्रदान करता है, ताकि डेटा और जानकारी अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ सृजित हो सके तथा परियोजना निदेशालय के सुचारू कामकाज के लिए साइटों से शीर्ष प्रबंधन तक की जानकारी समय पर दी जा सके। इसने निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों पर भी काम किया है:

- परियोजना कार्यान्वयन के लिए 'ऑनलाइन निगरानी टूल' का विकास, इश्यू रेजोल्यूशन (जैसे कि आईसीई अर्थात् समस्या–बाधा–अपवाद, कार्य रजिस्टर और महत्वपूर्ण मुद्दा निगरानी टूल), बैठक/रिकॉर्ड नोट्स दर्ज करना, कार्यकारी निदेशक/महाप्रबंधक/उप महाप्रबंधक से फीडबैक रिपोर्ट, आदि व्यापार सूचना प्रणाली (बीआईएस) के साथ समन्वय करना।
- विभिन्न मंत्रालयों से निर्देशों और दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना और प्रबंधन के निर्देशों और दिशा–निर्देशों के संदर्भ में क्रियाओं के साथ सामंजस्य स्थापित करना।
- परियोजना गतिविधियों, महत्वपूर्ण ओएंडएम गतिविधियों, अपवाद निगरानी और त्वरित सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करना।
- सतत विकास, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण के लिए पहल के संदर्भ में अनुपालन सुनिश्चित करना।
- स्लाइस जैसे उपकरणों के माध्यम से दिन–प्रतिदिन के काम में नवाचार और प्रासंगिक क्षेत्रों के लिए गेल के भीतर एसएमई बनाने में मदद करने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और ज्ञान साझा करने के सत्रों का आयोजन करना।

10

स्वास्थ्य और संरक्षा

C

दुर्घटनाएं
वित्त वर्ष
17–18 एक
दुर्घटना–मुक्त वर्ष

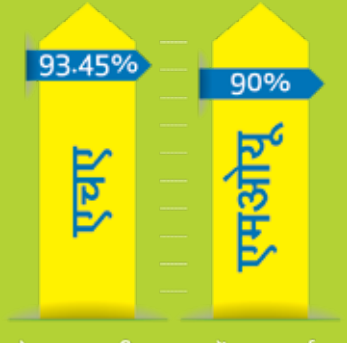

एमओयू लक्ष्य की तुलना में एचएसई स्कोर

स्वास्थ्य और संरक्षा

गेल की संस्कृति में संरक्षा उसका मूल आधार है। व्यक्ति और प्रक्रिया संरक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता संगठन के शीर्ष से शुरू होकर प्रत्येक स्तर पर लागू होती है। गेल में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अपने वार्षिक प्रोत्साहन योजना फार्मूले में प्रमुख संरक्षा मानदंडों को शामिल करने की प्रथा रही है।

कंपनी के सुरक्षा कार्यक्रमों और प्रथाओं को उनमें निरंतर सुधार करने की दृष्टि से डिजाइन किया गया है, जिसका लक्ष्य प्रत्येक व्यक्ति प्रति दिन सभी प्रचालनों से सुरक्षित घर वापस लौटे। प्रत्येक कर्मचारी और ठेकेदार व्यक्तिगत रूप से एचएसई नीति का पालन करने और शून्य घटनाओं के गेल के अंतिम लक्ष्य का समर्थन करने के लिए जिम्मेदार है।

हमारी दृष्टिकोण

हम कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और संरक्षा के उच्च स्तर को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्वास्थ्य और संरक्षा निष्पादन को मापने, प्रगति का प्रदर्शित करने तथा सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान करने हेतु पूरे प्रचालन में ठोस नीतियां और प्रक्रियाएं बनाई गई हैं।

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित गेल की स्वास्थ्य और संरक्षा नीति में महत्वपूर्ण दुर्घटना प्रबंधन सहित स्वास्थ्य और संरक्षा के संबंध में कंपनी की महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताओं का निर्धारण किया गया है। यह नीति गेल के प्रचालनगत नियंत्रण के तहत सभी कर्मचारियों, ठेकेदारों, उत्पादों, सेवाओं और संयुक्त उद्यमों पर लागू होती है। सभी साइटों पर एचएसई नीति के कार्यान्वयन की समय–समय पर आंतरिक और बाहरी अंकेक्षण, एचएसई सत्यापन जांच और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय–समय पर दौरा करके निगरानी की जाती है। कर्मचारियों के लिए एक सुपरिभाषित स्वास्थ्य और संरक्षा प्रबंधन ढांचा उपलब्ध कराने के अलावा, हम ट्रेड यूनियनों के साथ औपचारिक समझौता करके और कंपनी के आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुबंध की शर्तों के माध्यम से सभी स्वास्थ्य और संरक्षा विषयों को शामिल करते हैं।

गेल का एचएसई विज़न

भारत में प्राकृतिक गैस बाजार में एक निर्विवाद लीडर बनना तथा वैश्विक प्राकृतिक गैस उद्योग में व्यापक विस्तार करने के साथ–साथ प्रचालन मानक के उच्चतम स्तर को बनाए रखते हुए एक महत्वपूर्ण कंपनी बनना

हम अपने कर्मचारियों और अपनी भागीदार कंपनियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ख्याल रखते हैं।

नेतृत्व

ठोस और समर्पित संरक्षा नेतृत्व 'शून्य हानि' और 'सुरक्षित कार्य माहौल' प्राप्त करने के लिए गेल के प्रयासों का एक अनिवार्य घटक है। एक प्रभावी सुरक्षा संस्कृति के लिए निदेशक मंडल सहित प्रबंधन के सभी स्तरों पर सक्रिय प्रतिबद्धता, जवाबदेही और निरंतर सुदृढीकरण की आवश्यकता होती है। निदेशक (परियोजना) और निदेशक (बीडी) हर माह सुरक्षा निष्पादन रिपोर्ट की समीक्षा करते हैं। बोर्ड समिति रिपोर्टिंग अवधि में सुरक्षा निष्पादन, अंकेक्षण निष्कर्षों की सिफारिशों, नीतिगत प्राथमिकताओं और महत्वपूर्ण घटनाओं की समीक्षा करती है।

प्रबंधन प्रणाली

गेल की स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) प्रबंधन प्रणाली (एचएसईएमएस) में 18 घटक शामिल हैं, जिसके द्वारा हम पूरे व्यापार में एचएसई जोखिमों का प्रबंधन करते हैं। कंपनी की प्रणाली तेल उद्योग संरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) मानकों के अनुसार आवश्यकताओं पर आधारित है तथा संबंधित उद्योगों में सर्वोत्तम प्रथाएं प्रचलन में हैं। एचएसईएमएस प्रचालन गतिविधियों में स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण जोखिमों को कम करने के लिए एक व्यवस्थित और सुसंगत दृष्टिकोण प्रदान करता है। हमारा मानना है कि सुरक्षित, अनुवर्ती और विश्वसनीय संचालन प्रदान करने से स्थायी प्रतिस्पर्धी लाभ होगा।

संरक्षा निगरानी

गेल में संरक्षा समितियां हैं जिनमें कुल 495 प्रतिनिधि (प्रबंधन और गैर–प्रबंधन प्रतिनिधि सहित) शामिल हैं। प्रबंधन प्रतिनिधियों की संख्या 303 है, जबकि गैर–प्रबंधन कर्मचारियों की संख्या 192 है। संरक्षा समिति स्वास्थ्य और संरक्षा मामलों पर सक्रिय चर्चा के लिए योजनाबद्ध मंच प्रदान करती है, ताकि संगठन के व्यावसायिक स्वास्थ्य के संबंध में किसी भी मुद्दे का व्यवस्थित ढंग से समाधान किया जा सके।

एचएसई नीति के कार्यान्वयन की समय–समय पर निगरानी करने के अलावा, संगठन में विभिन्न स्तरों पर निरंतर सुधार की संस्कृति

एचएसईएमई के 18 घटक

पैदा करने के लिए एचएसईएमएस की आंतरिक और बाहरी ऑडिट की जाती है।

ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्र

हम उन क्षेत्रों में संरक्षा सुधार के प्रयासों को निरंतर प्राथमिकता देते रहते हैं जहां चोट लगने की दर और जनसंख्या दोनों के मामले अधिक होने की संभावना होती है। खतरे की संभावना वाले उद्योग के रूप में, संगठन के भीतर स्वास्थ्य और संरक्षा स्थितियों के उच्चतम स्तर को बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपदा निवारण, घातक रोकथाम और व्यक्तिगत सुरक्षा गेल के प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से प्रत्येक का बाद के अध्यायों में उल्लेख किया गया है।

आपदा रोकथाम

कंपनी ने प्रोसेसिंग से या सुविधा केन्द्रों में सुरक्षा खतरों से या वर्ष के दौरान प्राकृतिक गैस और एलपीजी के परिवहन के दौरान बड़ा अग्निकांड या विस्फोट होने जैसी घटनाओं को रोकने पर ध्यान देना जारी रखा।

इस क्षेत्र में प्रमुख सुधार गतिविधियाँ हैं

- यह सुनिश्चित करने के लिए गहन आवधिक जोखिम और प्रचालन (हैजोप) अध्ययन करना ताकि महत्वपूर्ण जोखिम नियंत्रणों का कार्यान्वयन किया जाए और उन्हें निरंतर कायम रखा जाए।
- केंद्रीयकृत पाइपलाइन एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (सीपीआईएमएस) द्वारा पाइपलाइन की अखंडता की नियमित रूप से जांच करना।
- पाइपलाइन हस्तक्षेप अभिज्ञात प्रणाली (पीआईडीएस) की मदद से उन्हें तीसरे पक्ष के नुकसान से बचाने के लिए पाइपलाइनों की वास्तविक समय निगरानी करना।
- पाइपलाइन अखंडता (गेल सहयोगी योजना के अंतर्गत) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हमारे पाइपलाइन क्षेत्रों के आस–पास रहने वाले स्थानीय समुदायों को शामिल करना।
- पेशेवर सहायता प्राप्त करके ज्वलनशील उत्पादों के परिवहन में शामिल हमारे ड्राइवरों को प्रशिक्षित करना।

ज़िला आपदा प्रबंधन अधिकारी (ज़िला रायगढ़) के समन्वय से कलेक्टर कार्यालय में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

25/04/2017 को कलेक्टर के कार्यालय में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी (जिला रायगढ़) के साथ प्राकृतिक गैस पाइपलाइन सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के दौरान लिए गए फोटोग्राफ

हताहत की रोकथाम

वर्ष के दौरान गेल द्वारा हताहत की रोकथाम पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया।

हताहत रोकथाम की कार्यनीति का आधार मामूली घटनाओं की रिपोर्टिंग, महत्वपूर्ण जोखिमों का ऑडिट, जोखिम प्रबंधन आधार (उदाहरण के लिए, कार्य करने की अनुमति और परिवर्तन प्रबंधन), और प्रोटोकॉल का कार्यान्वयन है जो पारंपरिक और ऐतिहासिक मानकों की तुलना में अनिवार्य जोखिम नियंत्रण का उच्च स्तर निर्धारित करता है।

जोखिम जागरूकता, विशेष रूप से उच्च प्रभाव आपदा और घातक जोखिम के लिए जागरूकता बनाए रखने का आधार जोखिम और मामूली घटनाओं की रिपोर्टिंग करना है।

ये प्रथाएं सुनिश्चित करती हैं कि नुकसान होने से पहले कार्रवाई की जाए। पिछले दो वर्षों में गेल में कोई हताहत नहीं हुआ है।

व्यक्तिगत संरक्षा

कंपनी की संरक्षा के निष्पादन में सुधार करने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण ध्यान देने योग्य क्षेत्रों के रूप में पहचान की गई है। इस वर्ष के दौरान, हमने गैर–घातक जोखिमों जैसे हाथ से हैंडलिंग, लड़खड़ाकर गिरने आदि से लगने वाली सामान्य चोटों की रोकथाम पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखा। यह पाया गया है कि किसी भी संगठन में होने वाली मामूली दुर्घटनाओं का प्राथमिक कारण संरक्षा प्रथाओं का अनुपालन न करना रहा है। हम व्यवहार आधारित संरक्षा (बीबीएस) प्रशिक्षण को लागू करने तथा साइट पर लोगों को सुरक्षा पहलुओं के बारे में जागरूक करने के लिए निवेश करना जारी रखे हुए हैं। इसके अलावा, जोखिम आकलन, मानक संचालन प्रक्रियाओं में प्रशिक्षण, स्वास्थ्य आकलन एवं निगरानी तथा मामूली घटनाओं की रिपोर्टिंग भी की जाती है।

"व्यवहार आधारित संरक्षा" अभियान के

हताहत जोखिम

सामान्य हताहत जोखिम गिरने, इलेक्ट्रिक सुरक्षा, मशीन की निगरानी, वजन उठाने वाले उपकरण और लापरवाह ड्राइविंग के कारण होती हैं

कार्यान्वयन को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती से निपटने के लिए, संबंधित साइटों पर बीबीएस को चलाने/बनाए रखने के लिए निम्नलिखित कार्रवाई की गई हैं

- पर्यवेक्षण फीडबैक प्रक्रिया और सभी गेल प्रतिष्ठानों में बीबीएस के सुचारू कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करने के लिए वेब–आधारित बीबीएस केंद्रीकृत पोर्टल का विकास।
- ओआईसी की अध्यक्षता वाली संचालन समिति और संबंधित विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यात्मक समितियों का गठन किया गया है जो अपने संबंधित स्थलों पर बीबीएस का प्रसार करेंगे।
- सुरक्षा संस्कृति में आगे और परिवर्तन करने के लिए साइटों पर 119 प्रमुख प्रशिक्षकों को उनके संबंधित स्थलों पर ही तैयार किया गया है।
- जागरूकता कार्यशालाओं, प्रशिक्षण और संवेदीकरण के माध्यम से सभी स्थानों पर और साइट पर काम करने वाले सभी कर्मचारियों के लिए व्यवहार आधारित संरक्षा का प्रभावी कार्यान्वयन।
- कर्मचारियों और संविदा कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए बीबीएस संवर्धन योजनाएं।
- इसके अलावा, साइट विशिष्ट जागरूकता कार्यक्रम के साथ बीबीएस को आगे बढ़ाने के लिए त्रैमासिक आधार पर क्षेत्रीय सुरक्षा नेतृत्व–सह–बीबीएस कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

स्वास्थ्य का आकलन व्यावसायिक स्वास्थ्य उपायों और चिकित्सा निगरानी कार्यक्रमों के अनुसार किया जाता है। दिशानिर्देशों के इस सेट में कर्मचारियों के स्वास्थ्य की निगरानी करने के लिए विशिष्ट प्रक्रियाओं को परिभाषित किया गया है और कॉर्पोरेट स्तर पर कॉर्पोरेट निगरानी स्वास्थ्य समिति के माध्यम से इसकी निगरानी की जाती है।

इसके अतिरिक्त, हमने कंपनी की आपूर्ति श्रृंखला में सुरक्षा बढ़ाने के लिए खरीद और खरीद दस्तावेजों/संविदाओं में कड़ी एचएसई आवश्यकता लागू की है।

हम यह सुनिश्चित करते हैं कि साइटों पर काम करने वाले सभी कर्मचारियों की वर्ष में कम से कम एक बार स्वास्थ्य जांच हुई है, जबकि कॉर्पोरेट कार्यालयों सहित कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों की निगरानी (स्वास्थ्य जांच) गेल के आंतरिक दिशानिर्देशों के आधार पर की जा रही है।

संरक्षा नियंत्रण लागू करना

कंपनी में हम एचएंडएस जोखिमों पर निरंतर ध्यान देते रहते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि इन जोखिमों को दूर करने के लिए उचित नियंत्रण उपाय किए जाएं और लोग उचित रूप से प्रशिक्षित हों। इन उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:

क) एसएपी के माध्यम से परिवर्तन प्रबंधन (एमओसी) सहित संरक्षा प्रबंधन प्रणाली

सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली में तीन मुख्य कार्यक्षमताएं शामिल हैं अर्थात् दुर्घटना प्रबंधन प्रणाली, जोखिम मूल्यांकन एवं कार्य सुरक्षा विश्लेषण, और प्रबंधन परिवर्तन। दुर्घटना प्रबंधन प्रणाली और जोखिम मूल्यांकन को लागू करने का प्राथमिक उद्देश्य परिचालन परिवेश में सुरक्षा पहलुओं को बढ़ाने के लिए जोखिम कारकों का व्यवस्थित रूप में पता लगाना, जोखिम मूल्यांकन करना तथा सक्रिय दृष्टिकोण के साथ–साथ घटना के बाद विस्तृत बुनियादी विश्लेषण करना है। परिवर्तन प्रबंधन को लागू करने का उद्देश्य संगठन में परिवर्तनों का इसके स्वरूप और संभावित परिणामों के संबंध में परिवर्तन का चरणबद्ध ढंग से विश्लेषण करना, संबंधित प्राधिकारी द्वारा परिवर्तन की स्वीकृति देना, परिवर्तन का कार्यान्वयन करना तथा कार्यान्वयन के बाद के प्रभावों का विश्लेषण करना और अंततः परिवर्तन को शामिल करने वाले प्रासंगिक दस्तावेजों को अद्यतन बनाना। संरक्षा प्रबंधन प्रणाली के प्रभावों और लाभों में निम्नलिखित शामिल हैं:

* दुर्घटनाओं, जोखिम मूल्यांकन और परिवर्तन प्रबंधन को व्यवस्थित ढंग से रिकार्ड करना
* गेल में दुर्घटना प्रबंधन, जोखिम मूल्यांकन और एमओसी के लिए एकसमान प्रक्रिया
* कार्य–प्रवाह और ईमेल के माध्यम से सूचना का संचार
* पहचाने गए खतरों, जोखिम का स्तर, सुरक्षित कार्य के लिए नियंत्रण और साथ ही घटना की पुनरावृत्ति की रोकथाम के लिए मूल कारण विश्लेषण को ऑनलाइन उपलब्ध कराना।
* व्यक्तिगत जिम्मेदारियों सहित सिफारिशों/कार्यों के कार्यान्वयन की प्रगति/समापन/विलंब की निगरानी
* घटना और उसके आस–पास मामूली घटनाओं की प्रणाली द्वारा परिभाषित जांच प्रक्रिया
* प्रणाली द्वारा विनियामक और वैधानिक रिपोर्ट तैयार करना
* सभी स्थानों के लिए शीर्ष जोखिम डैशबोर्ड
* जोखिम विश्लेषण और घटना प्रबंधन के लिए विश्लेषणात्मक बहुआयामी रिपोर्ट

ख) व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण

गेल का उद्देश्य अपने कर्मचारियों और ठेकेदारों की सुरक्षा के लिए प्राथमिक विधि के रूप में इंजीनियरिंग नियंत्रण का उपयोग करना है। रक्षा की दूसरी पंक्ति में कार्य की प्रक्रिया का समायोजन और/या व्यावसायिक स्वास्थ्य या सुरक्षा खतरों के लिए श्रमिकों के जोखिम को समाप्त करने कम करने के लिए यांत्रिक उपकरणों का प्रयोग लिए है। अंत में, संभावित खतरों के लिए रक्षा की तीसरी पंक्ति व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) का उपयोग है। इन आवश्यकताओं को नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और पोस्टरों के माध्यम से सभी कर्मचारियों और ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, जो कार्य के संबंधित विशेष क्षेत्र के लिए पीपीई की किसी भी विशिष्ट आवश्यकता को दर्शाते हैं। किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले अनिवार्य सुरक्षा वार्ता की जाती है। पीपीई के उपयोग के क्षेत्रों में नियमित ऑडिट की जाती है और किसी भी गैर–अनुपालन को गंभीरता से लिया जाता है।

ग) आपातकालीन तैयारी

आपात स्थिति और आपदाएं अप्रत्याशित होती हैं और ये बिना किसी चेतावनी के आती हैं। गेल के आपातकालीन तैयारी

और प्रतिक्रिया कार्यक्रम कर्मचारियों, आसपास रहने वाले समुदायों और पर्यावरण की रक्षा करने में मदद करते हैं।

क) ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए, हमने आपातकाल प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी) द्वारा ज्ञात पीएनजीआरबी विनियमों के अनुसार एक आपातकाल तैयारी योजना लागू की है। योजना का उद्देश्य विशिष्ट आपात स्थितियों से निपटने के लिए उपयुक्त कार्रवाई की योजना बनाने और निष्पादन करने में सहायता करना है। कंपनी की योजनाओं में सामान्य आपात स्थितियों, जैसे आग बुझाना, स्थान विशिष्ट आपात स्थिति, जैसे भूकंप से निपटना शामिल है।

तत्पश्चात् निर्धारित योजनाओं का प्रबंधन समीक्षा, ऑडिट और वार्षिक ड्रिल द्वारा प्रभावी नियमित परीक्षण किया जाता है। विसंगतियों को नोट किया जाता है और इन्हें प्रभावी बनाए रखने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। किसी आपातकालीन स्थिति के बाद, व्यवसाय संचालन फिर से शुरू करने की योजना को लागू किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी संभावित आपात स्थिति के बाद व्यवसाय संचालन को बहाल करने के लिए प्रभावी प्रक्रियाएं लागू हों।

वित्तीय वर्ष 17–18 के दौरान पीएनजीआरबी को सूचित घटनाओं के अनुसार, लेवल 1 घटना के कुल छह मामले और लेवल 2 और 3 घटना के शून्य मामले रिपोर्ट किए गए हैं। वर्ष 2016–17 के लिए यह संख्या नौ थी।

च) सुरक्षित कार्य प्रथाओं पर प्रशिक्षण

गेल की प्रणाली कंपनी के व्यक्तियों की योग्यता के समान ही उत्कृष्ट है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि दोनों साथ–साथ चलें, हम कंपनी द्वारा निर्धारित पद्धतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। प्रत्येक प्रक्रिया की संबंधित भूमिकाएं और जिम्मेदारियां होती हैं जो साइट में व्यक्तियों को सौंपी जाती हैं। प्रशिक्षणों को इस प्रकार से बनाया जाता है कि उसमें कानून और उद्योग मार्गदर्शन से संबंधित जानकारी, कंपनी नीति, स्थानीय नियम और प्रक्रियाएं, व्यक्तिगत और टीम की जिम्मेदारियां, प्रक्रियाएं और मानक, प्राथमिक चिकित्सा प्रतिक्रिया और दुर्घटनाओं या सुरक्षा के मामलों या सुरक्षा प्रणालियों की विफलता से होने वाली मामूली घटनाओं का केस हिस्ट्री शामिल है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में, चर्चा की गई प्रक्रियाओं और प्रदर्शित अभ्यासों की जांच के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन किया जाता है। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, 10.2% पूर्णकालिक कर्मचारियों को स्वास्थ्य एवं संरक्षा तथा संगठन की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया था।

ड.) ठेकेदार संरक्षा

गेल के ठेकेदारों में कुल कार्यबल घंटों का लगभग 70% शामिल है। कंपनी की सुरक्षित ऑपरेटर होने की क्षमता उन लोगों की क्षमता और निष्पादन पर निर्भर करती है जो काम करने में हमारी मदद करते हैं। गेल के मानक मॉडल अनुबंधों में स्वास्थ्य, संरक्षा और सुरक्षा आवश्यकताएं शामिल हैं। कुछ मामलों में दस्तावेजों को जोड़ना आवश्यक होता है ताकि हमारी स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (एचएसईएमएस) और उन ठेकेदारों को परिभाषित किया जा सके जो किसी साइट पर जोखिम का प्रबंधन करने के लिए मौजूद होते हैं। कार्य से जुड़े अनुबंधों में सबसे गंभीर सुरक्षा जोखिम शामिल हो सकती है, जिसके लिए गहन जांच की आवश्यकता होती है। हम जोखिम की प्राथमिकता के आधार पर इन ठेकेदारों के लिए ठेका–पूर्व गुणवत्ता, तकनीकी, स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण संबंधी ऑडिट करते हैं और कार्य के प्रचालन के दौरान ढांचागत निरीक्षण करते हैं।

च) सुरक्षा

सुरक्षा जोखिम का प्रबंधन अपने कर्मचारियों, ठेकेदारों, आस–पास के समुदायों और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए गेल के प्रयासों का एक भाग है। लोगों को कोई नुकसान न पहुंचे, इस लक्ष्य के अनुरूप हम कंपनी के संचालन के लिए सुरक्षा खतरों और जोखिमों का सावधानीपूर्वक आकलन करते हैं। हम केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के साथ मिलकर काम करते हैं और अपने सुविधा केंद्रों की सुरक्षा, कर्मचारियों एवं ठेकेदारों को सुरक्षित परिवेश प्रदान करने के लिए उनके साथ भागीदारी करते हैं।

प्रमुख दुघटनाओं के आकड़े

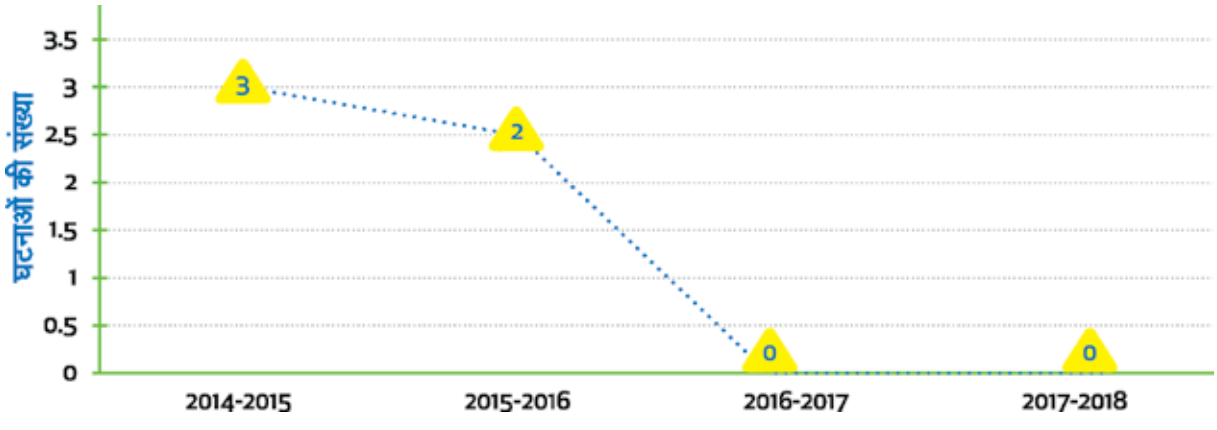

स्वास्थ्य और संरक्षा निष्पादन

गेल सूचित संरक्षा घटनाओं के आधार पर अनेक निष्पादन संकेतकों का उपयोग करके संरक्षा निष्पादन का जायजा लेता है एवं निगरानी करता है। गेल रुझानों का विश्लेषण प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रमुख संकेतकों की भी निगरानी करता है।

- हमने वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान 93.45% औसत एचएसई अंक प्राप्त किया है, जो 90% एमओयू लक्ष्य से अधिक है।
- पिछले एक दशक में हमारी सुरक्षा के निष्पादन में निरंतर और महत्वपूर्ण सुधार के बाद, 2017 में प्रति मिलियन कार्य घंटों में सूचित दुर्घटनाओं की संख्या शून्य थी।
- वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान, दुर्घटनाओं द्वारा समय हानि आवृत्ति दर (एलटीआईएफआर), सूचित करने योग्य दुर्घटनाओं, व्यावसायिक रोगों और हताहतों की सूचना शून्य रिपोर्ट की गई थी।

जीपीयू गंधार में परस्पर सहायता बैठक

मैसर्स ओएनजीसी, सीपीएफ गंधार और मैसर्स आईओसीएल, बॉटलिंग संयंत्र, गंधार के परस्पर सहायता सदस्यों के साथ बैठकों का 22.06.2017 को जीपीयू गंधार में आयोजन किया गया। यह मैसर्स गेल (इंडिया) लिमिटेड, गैस प्रोसेसिंग यूनिट गांधार, मैसर्स ओएनजीसी, सीपीएफ गंधार और मैसर्स आईओसीएल, बॉटलिंग संयंत्र, गंधार के साथ परस्पर सहायता सदस्यों के साथ नियमित बैठकें करने हेतु परस्पर सहायता करार का एक भाग है। इसके अलावा, अन्य वैधानिक आवश्यकताओं जैसे ओआईएसडी, ईआरडीएमपी, एमबी लाल सिफारिशों आदि का अनुपालन करने और आपातकालीन स्थितियों के दौरान प्रभावी समन्वय रखने के लिए एक संवाद सत्र का आयोजन किया गया था। बैठक का आयोजन श्री यू.पी. भगत, महाप्रबंधक (ओ एंड एम)–ओआईसी, गंधार की अध्यक्षता में किया गया।

गेल में स्वास्थ्य और संरक्षा पहल

एक लक्ष्य, जिसके साथ हम सभी रह सकते हैं

वित्त वर्ष 2017–18 में कंपनी की कॉर्पोरेट एचएसई टीम द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी पहल लागू की गईं:

- 'वैश्विक चुनौतियों में एचएसई संस्कृति की रूपरेखा बनाना' विषय पर तेल और गैस एचएसई सम्मेलन का आयोजन 8 से 9 दिसंबर 2017 को नोएडा में किया गया। यह एचएसई सम्मेलन गेल के दृष्टिकोण और एचएसई संस्कृति को बदलने, व्यवसाय प्रक्रिया को अधिक कुशल बनाने, उच्च जोखिम वाले संगठनों की सुरक्षा और विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए उसमें आमूल–चूल परिवर्तन करने पर ध्यान आकर्षित करने के लिए आयोजित किया गया था। यह सम्मेलन भारत में पूरे तेल और गैस उद्योग के लाभ के लिए आयोजित किया गया था।
- मैसर्स डीएनवी जीएल की परामर्शी सेवाओं को पीसी–पाता, जेएलपीएल, एचवीजे कंप्रेसर और कॉर्पोरेट एचएसई में किए जा रहे गेल अध्ययन में एचएसई प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए लिया गया है। उद्योग की सर्वोत्तम सुरक्षा प्रथाओं में कमी की पहचान के लिए अध्ययन भी उसके दायरे में है।
- 23 जनवरी 2018 को गेल जुबली टॉवर में रासायनिक प्रक्रिया सुरक्षा केंद्र (सीसीपीएस) एशिया प्रशांत क्षेत्रीय तकनीकी संचालन समिति की बैठक और प्रक्रिया सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- सभी साइटों के लिए एक आंतरिक घटना रिपोर्टिंग प्रणाली विकसित की गई। इसे सभी आरजीएमसी, एनजीएमसी और प्रक्रिया नियंत्रण कक्ष में लागू किया गया था।
- उपयुक्त सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा उपायों की जांच करने के लिए गेल के जोनल विपणन कार्यालय भवनों का सुरक्षा निरीक्षण किया गया। चंडीगढ़, चेन्नई, हैदराबाद और अहमदाबाद में जोनल विपणन कार्यालय भवनों का सुरक्षा निरीक्षण किया गया।
- कर्मचारियों को वार्षिक स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कर्मचारियों की वार्षिक व्यावसायिक जांच की स्थिति को ई–पीएमएस में शामिल किया गया।
- बेहतर सुरक्षा जागरूकता अपनाने और भविष्य में होने वाली घटनाओं से बचने के लिए गेल के सभी कर्मचारियों को मासिक आधार पर विभिन्न घटनाओं की जानकारी दी गई/उपाय किए गए तथा औद्योगिक केस स्टडी की गई।
- सभी कर्मचारियों के लाभ के लिए गेल इंट्रानेट के माध्यम से विभिन्न ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। प्रश्नोत्तरी विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं।

स्वास्थ्य और संरक्षा संगोष्ठियां

तेल और गैस एचएसई सम्मेलन

गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा 8 और 9 दिसंबर 2017 को होटल रेडिसन ब्लू, नोएडा में 'वैश्विक चुनौतियों में एचएसई संस्कृति की रूपरेखा बनाना' विषय पर तेल और गैस एचएसई सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस विषय को हमारे दृष्टिकोण में आमूल–चूल परिवर्तन करने और एचएसई संस्कृति में बदलाव लाने, व्यवसाय प्रक्रिया को अत्याधुनिक बनाने, उच्च जोखिम संगठनों की सुरक्षा और विश्वसनीयता को बनाए रखने पर ध्यान देने के लिए चुना गया था। इस सम्मेलन के माध्यम से, पूरे उद्योग के लाभ के लिए एचएसई प्रबंधन के क्षेत्र में तेल और गैस उद्योग के अनुभवों को प्रस्तुत किया गया। 40 से अधिक तेल और गैस संगठनों और संस्थानों के 324 प्रतिभागियों, 11 प्रदर्शकों और 50 से अधिक वक्ताओं ने अपनी तरह के इस अनूठे तेल और गैस एचएसई सम्मेलन में भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वक्ताओं ने अपने ज्ञान और एचएसई नेतृत्व, ठेकेदार सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा प्रबंधन, प्रक्रिया सुरक्षा, एचएसई बेंचमार्किंग, आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर अपने विशद अनुभवों को साझा किया।

सम्मेलन की मुख्य विशेषताएं

- थिएटर ग्रुप अभिज्ञान नाट्य मंच द्वारा नुक्कड़ नाटक (प्रहसन) प्रस्तुत किया गया था, जो 'देश में तेल और गैस पाइपलाइन सुरक्षा' विषय पर आधारित था।
- प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. के.के. अग्रवाल ने एक सारगर्भित भाषण दिया, जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य और आरोग्यता की अवधारणा पर एक दार्शनिक अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की, जो न केवल एलोपैथी, बल्कि आयुर्वेद और होम्योपैथी के प्राचीन विज्ञानों पर आधारित थी।
- भारतीय एथलीट और पैरालिंपिक खेलों में पदक विजेता और एक प्रेरक वक्ता सुश्री दीपा मल्लिक को सम्मेलन में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था ताकि वह अपनी जीवन गाथा को प्रतिनिधियों के साथ साझा कर सकें और उन्हें प्रेरित कर सके।

दीप प्रज्ज्वलित करके एचएसई सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए डॉ. आशुतोष कर्नाटक

एचएसई सम्मेलन के दौरान सम्मानित दर्शकों को संबोधित करते हुए श्री पी.के. गुप्ता, निदेशक (मा.सं)

सीसीपीएस एशिया प्रशांत टीएससी बैठक और प्रक्रिया सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

रसायन प्रक्रिया सुरक्षा केन्द्र (सीसीपीएस) एशिया प्रशांत क्षेत्रीय तकनीकी संचालन समिति की बैठक और प्रक्रिया सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का 23 जनवरी 2018 को गेल जुबली टॉवर में आयोजन किया गया। इस अवसर पर ओएनजीसी, एचपीसीएल, बीओआरएल, रिलायंस, अदानी गैस, एचएमईएल, वेदांता केयर्न, टाटा स्टील और डीएनवी जीएल इत्यादि के उद्योग विशेषज्ञों तथा प्रक्रिया संयंत्रों से प्रक्रिया सुरक्षा अधिकारियों ने अपने विचारों और अनुभवों को साझा किया।

गेल पाता की टीम ने 'हाई राइज कॉलम के पीएसवी डिस्चार्ज ओपन टू एटमॉस्फियर' नामक एक केस स्टडी प्रस्तुत की और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रोसेस सेफ्टी के कार्यपालक ने सीसीपीएस की बैठक में 'घटनाओं से सीखने' नामक कार्यक्रम में 'जोखिम आधारित दृष्टिकोण में पारी प्रचालनों में शिक्षण कार्यान्वयन' विषय पर अपनी केस स्टडी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के दौरान "प्रक्रिया सुरक्षा मापदंड पर कार्यशाला – एपीआई–आरपी–754 द्वितीय संस्करण" का भी आयोजन किया गया।

सीसीपीएस की बैठक निम्नलिखित के साथ संपन्न हुई:

- चुनौती दुर्घटनाओं और मामूली घटनाओं, जो पहले घट चुकी हैं, के कारणों के बारे में जितना संभव हो उतना सीखना और चूक की पुनरावृत्ति को रोकना है।
- प्रक्रिया सुरक्षा निष्पादन में निरंतर सुधार करने के लिए यह आवश्यक है कि रासायनिक और पेट्रोलियम उद्योगों में कंपनियां प्रभावी अग्रणी और लैगिंग प्रक्रिया सुरक्षा मापदंडों को लागू करें।
- प्रचालन को निर्दिष्ट सीमाओं के भीतर रखने और लाभप्रदता को अधिकतम करने, गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी प्रक्रिया सुरक्षा स्वचालन, जोखिम विश्लेषण और संयंत्र संचालन में खतरे की पहचान करना।
- सीसीपीएस प्रक्रिया सुरक्षा व्यावसायिक प्रमाणन पाठ्यक्रम सुरक्षा अधिकारी की प्रक्रिया सुरक्षा के व्यावसायिक ज्ञान और प्रतिबद्धता सुनिश्चत करने तथा प्रक्रिया सुरक्षा में नवीनतम विकास के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करने में सहायक है।
- अंत में, श्री शकील कादरी, कार्यकारी निदेशक (सीसीपीएस) ने गेल को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया, जिसे इस बैठक का आयोजन करने के लिए श्री एस.पी. गर्ग, सीजीएम (एचएसई) द्वारा प्राप्त किया गया।

श्री एम.वी. रवि सोमेश्वरुडू, ओआईसी, पाता श्री शकील कादरी, कार्यकारी निदेशक (सीसीपीएस) को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए

11

सार्वजनिक नीति और एडवोकेसी

गेल गैस बेंगलुरू द्वारा

बेंगलुरू में वाणिज्यिक बेड़े के लिए पसंदीदा ईंधन के रूप में सीएनजी को बढ़ावा देने और अपनाने के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान

1.46% कर्मचारियों को भ्रष्टाचार विरोधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया

सार्वजनिक नीति और एडवोकेसी

वर्तमान में भारत सतत् औद्योगिक और सामाजिक विकास द्वारा चिह्नित आर्थिक बदलाव से गुज़र रहा है। जहां एक ओर सरकार इस वृद्धि को लगातार गति प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्प है, वहीं यह अपने जलवायु परिवर्तन और सतत् विकास प्रतिबद्धताओं को साकार करने का भी इरादा रखती है। भारत सरकार गैस आधारित अर्थव्यवस्था में क्रमबद्ध बदलाव लाने पर विचार कर रही है ताकि जलवायु परिवर्तन की समस्या का समाधान करते हुए सतत् आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सके। देश में यह रणनीतिक बदलाव लाने के लिए गेल एक ठोस सूत्रधार होने पर गर्व महसूस करता है।

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में, गेल पर जन कल्याण सुनिश्चित करते हुए अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने की स्वाभाविक जिम्मेदारी है। गेल इस जिम्मेदारी को एक अवसर के रूप में लेता है ताकि दीर्घकालिक मूल्य सृजन के लिए सहयोग के माध्यम से विकास के सदियों पुराने सिद्धांत को बनाए रखा जा सके।

गेल में, हम नियमित रूप से विभिन्न सरकारी निकायों जैसे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, पीपीएसी, ओआईएसडी, पीसीआरए, आदि के साथ निरंतर संवाद करते हैं ताकि उनके सतत् विकास दृष्टिकोण के वांछित परिणाम को समझा जा सकें और यह सुनिश्चित किया जा सके कि संगठन का योगदान इसके अनुरूप हो। हम समय–समय पर विभिन्न गैर–सरकारी संगठनों, बुद्धिजीवियों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग और भागीदारी भी करते हैं, ताकि सामाजिक और पर्यावरण हित के लिए कंपनी की क्षमता को अधिकतम किया जा सके।

सार्वजनिक नीति और एडवोकेसी पर गेल के प्रयास ध्यान दिए जाने वाले तीन क्षेत्रों पर केंद्रित हैं, जैसा कि नीचे आंकड़ों में दर्शाया गया है:

> प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला सहित परियोजनाओं/उपक्रमों में अपनी भागीदारी के माध्यम से अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना। भारत के साथ–साथ विश्व स्तर पर बदलते कारोबारी माहौल को देखते हुए, गेल विकास के अगले चरण को परिभाषित करने के लिए अपनी रणनीति पर फिर से परिभाषित कर रहा है, जिससे हम ऊर्जा क्षेत्र के भीतर या बाहर व्यापार के नए अवसरों का पता लगाने में सक्षम हो सकते हैं, जो गेल को दीर्घकालिक विकास इंजन में बदलने की क्षमता रखते हैं। इस प्रक्रिया के द्वारा गेल गैस विपणन, गैस ट्रांसमिशन, पेट्रोकेमिकल्स, तरल हाइड्रोकार्बन, शहर गैस वितरण तथा कौशल एवं प्रतिभा विकास पर अन्य व्यवसायों सहित विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों के तहत रणनीतिक पहल करेगा।
>
> **निदेशक (व्यवसाय विकास)**

व्यापार करने में पारदर्शिता | स्वच्छ वायु के लिए स्वच्छ ऊर्जा | जलवायु परिवर्तन जोखिमों से निपटना

व्यापार करने में पारदर्शिता

गेल समझता है कि प्रत्येक स्टेकधारक – सरकार, आपूर्तिकर्ता, ग्राहक, समुदाय और कर्मचारी – कुछ घटकों को केन्द्र में लाते हैं जो अद्वितीय और पूरक होते हैं। इसलिए, दीर्घकालिक लाभप्रदता और निर्वाह के लिए, विश्वास–आधारित स्टेकधारक संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं। मूल्य श्रृंखलाओं में पारदर्शी प्रणाली होने से ठोस स्टेकधारक संबंध बनाने में मदद मिलती है।

हमने सभी स्टेकधारकों के साथ एक कुशल और प्रभावी संचार व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रणाली और प्रक्रियाएं स्थापित की हैं। संचार के विभिन्न तरीकों के ब्यौरे का स्टेकधारक नियुक्ति और सामग्री अध्याय में उल्लेख किया गया है। विभिन्न स्टेकधारकों के लिए रिपोर्टिंग अवधि के दौरान प्राप्त और समाधान की गई विभिन्न शिकायतों को नीचे दिए गए ग्राफ में दर्शाया गया है:

वित्त वर्ष 2017–18 के लिए स्टेकधारक शिकायत निवारण

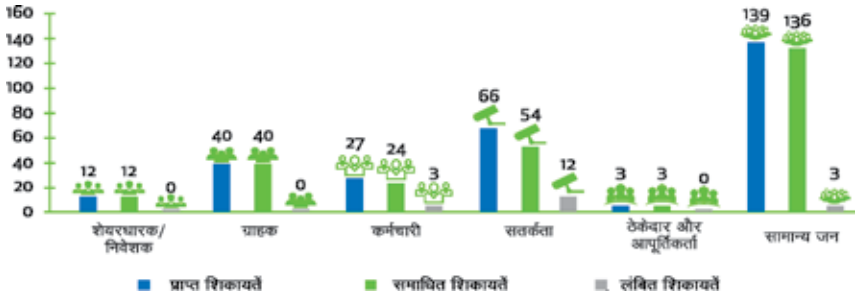

गेल का विकास : भारत सरकार की प्रमुख पहलों का समर्थन

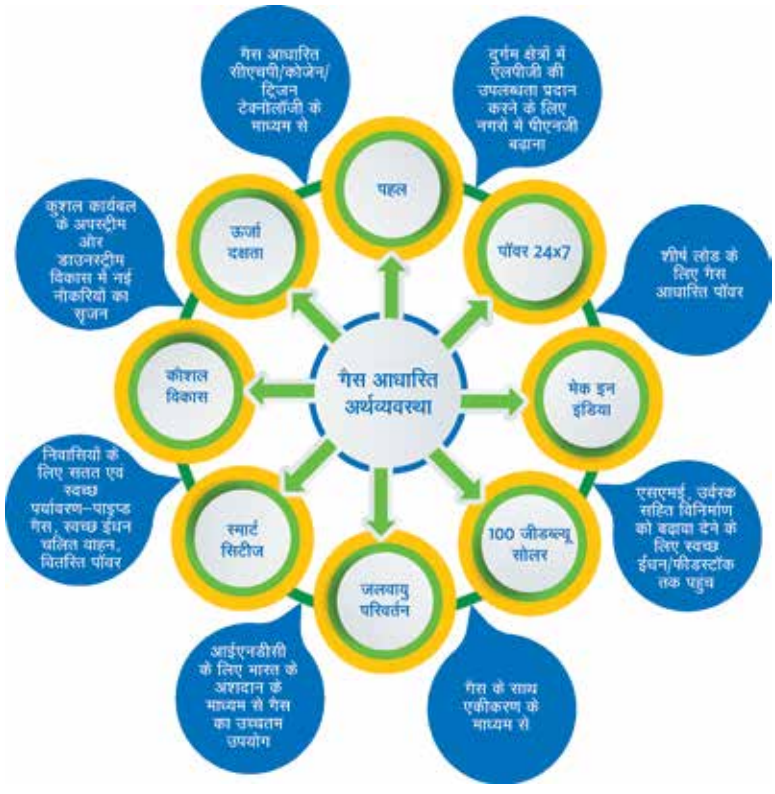

भारत सरकार ने गैस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए नई नीतियों की शुरुआत की है ताकि घरेलू उत्पादन को बढ़ाया जा सके। कुछ प्रमुख नीतिगत पहलें हैं:

- सीएनजी और पीएनजी के लिए घरेलू गैस का 100% आवंटन
- स्थगित गैस–आधारित बिजली उत्पादन क्षमता के उपयोग के लिए नीलामी आधारित ई–बोली आरएलएनजी प्रणाली
- गहरे/अति गहरे पानी और उच्च दबाव वाले उच्च तापमान क्षेत्रों से नए गैस उत्पादन के लिए विपणन और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता।
- हाइड्रोकार्बन अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति,

निवेशक बैठक 2018 में गेल प्रबंधन

एचईएलपी भविष्य की एक नई नीति है जो एकल लाइसेंसिंग ढांचे के तहत सभी हाइड्रोकार्बन जैसे तेल, गैस, कोयला, बेड मीथेन आदि को कवर करने के लिए एक–समान लाइसेंसिंग प्रणाली प्रदान करती है।

- छोटे, मध्यम आकार और खोजे गए क्षेत्रों के लिए उत्पादन हिस्सेदारी संविदा को विस्तार देने के लिए नीति।
- सीमांत क्षेत्र नीति– खोजी गई लघु क्षेत्र नीति
- एकसमान लाइसेंसिंग नीति – हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति
- नई अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) ब्लॉकों के तहत की गई खोजों के लिए परीक्षण आवश्यकताओं पर नीति।

प्रतिस्पर्धी–रोधी व्यवहार: गेल संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पेक्ट (यूएनजीसी) इंडिया चैप्टर का हस्ताक्षरकर्ता है और मानव अधिकारों, श्रम मानकों, पर्यावरण और भ्रष्टाचार–रोधी पर इसके सिद्धांतों का पालन करता है। गेल बाजार में नैतिक व्यवहार और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के मानक प्रोटोकॉल का भी पालन करता है।

गेल राष्ट्रीय कानूनों और विनियमन का अनुसरण करता है जो संगठन के भीतर अनैतिक आचरण या प्रतिस्पर्धा–रोधी आचरण में शामिल व्यक्तियों पर कोई रिपोर्ट मिलने पर तुरंत उसका समाधान करता है।

गेल के खिलाफ अनुचित व्यापार पद्धति, प्रतिस्पर्धात्मक–रोधी आचरण और विमुद्रीकरण से संबंधित निपटाए गए/लंबित मामले निम्न प्रकार थे:

- जीएसपीसीएल ने गेल के खिलाफ पीएनजीआरबी के समक्ष गेल–पीएलएल से जीएसपीएल–पीएलएल में कनेक्टिविटी बदलने की अनुमति नहीं देने पर प्रतिबंधात्मक व्यापार आचरण (आरटीपी) का दावा किया। पीएनजीआरबी ने गेल के खिलाफ फैसला दिया। गेल ने इसे विद्युत अपीलीय अधिकरण (एपीटीईएल) के समक्ष चुनौती दी, जिसने गेल के पक्ष में फैसला दिया। जीएसपीसीएल ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष उस आदेश के खिलाफ अपील की जो लंबित है।
- जीएसपीसी गैस ने पीएनजीआरबी के समक्ष आरटीपी का दावा करते हुए गेल के खिलाफ मामला दर्ज किया, लेकिन इसका फैसला गेल के पक्ष में दिया गया। जीएसपीसी गैस ने एपीटीईएल के समक्ष उक्त आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी और पीएनजीआरबी के आदेश को दिया गया था। अब गेल ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर की है, जो लंबित है।
- जीएसपीसीएल ने गेल के खिलाफ पीएनजीआरबी के समक्ष आरटीपी का दावा किया था जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि उचित उद्यम (आरई) आधार पर बुकिंग क्षमता के लिए उनके अनुरोध को गेल ने अस्वीकार कर दिया है जो आरटीपी के बराबर है। पीएनजीआरबी ने गेल के खिलाफ फैसला दिया। गेल ने एपीटीईएल और सर्वोच्च न्यायालय में फैसले के खिलाफ अपील की, जिसने 13 जनवरी 2016 के अपने आदेश द्वारा पीएनजीआरबी के आदेश को रद्द कर दिया और पीएनजीआरबी को फिर से विचार के लिए शिकायत भेज दी। पीएनजीआरबी ने पुनः गेल के खिलाफ फैसला दिया। गेल ने एपीटीईएल के समक्ष विशेषाधिकार अपील है जो लंबित है।
- साबरमती ने पीजीआरबी के समक्ष आरटीपी के दावे हेतु गेल और बीपीसीएल के खिलाफ मामला दायर किया था, जिसमें पीएनजीआरबी ने आरटीपी को बीपीसीएल का भाग माना था न कि गेल का। बीपीसीएल ने एपीटीईएल में फैसले के खिलाफ अपील की है और गेल को एक पार्टी बनाया है और यह मामला निपटान के लिए लंबित है।
- श्रवणथी एनर्जी प्रा. लिमिटेड, बीटा इंफ्राटेक प्रा. लिमिटेड और गामा इंफ्राप्रोप प्रा. लिमिटेड ने पीएनजीआरबी के समक्ष गेल के खिलाफ आरटीपी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज की थी, जिसमें पीएनजीआरबी ने 11 अप्रैल 2016 के आदेश के अनुसार गेल के खिलाफ फैसला दिया था और गेल पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था और गेल को आरटीपी को रोकने और प्रत्येक पार्टी को 2 लाख रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, पार्टियों को बीजी और एसडी को लौटाने का निर्देश दिया। गेल ने एपीटीईएल के समक्ष अपील दायर की है, जो लंबित है।
- ओमैक्स ऑटो और रिको ने गेल के खिलाफ सीसीआई के समक्ष शिकायत दर्ज की और बाजार में प्रभावी स्थिति का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। सीसीआई ने दिनांक 16.10.2016 के अपने आदेश द्वारा डीजीआई को ऐसे दुरुपयोग के लिए गेल के खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया। जांच के दौरान, रती स्टील और मोहन मेकिन लिमिटेड द्वारा दो और मामले दायर किए गए थे और उन्हें भी जांच के लिए डीजीआई को भेजा गया था। उक्त जांच पूरी हो गई है जिसमें गेल ने डीजीआई द्वारा मांगी गई आवश्यक सभी संबंधित जानकारी और दस्तावेजों को प्रस्तुत करके सहयोग किया है। डीजीआई ने अपनी रिपोर्ट सीसीआई के विचारार्थ प्रस्तुत कर दी है।
- गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कंपनी लिमिटेड (जीआईपीसीएल): जीआईपीसीएल ने भी गेल के खिलाफ बाजार में अपनी प्रभावी स्थिति का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए सीसीआई के समक्ष शिकायत दर्ज की थी। हालांकि, सीसीआई ने शिकायत से इनकार किया था। लेकिन जीआईपीसीएल ने सीओएमपीएटी के

समक्ष इस आदेश के खिलाफ अपील की थी, जिसने डीजीआई को गेल के खिलाफ ऐसे दुरुपयोग की जांच करने का निर्देश दिया। गेल ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष उक्त आदेश के खिलाफ अपील दायर की है, जिसमें जांच के लिए निर्देश देने पर रोक लगी हुई है और मामला सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है।

- रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा गेल के खिलाफ एक आरटीपी शिकायत दर्ज की गई है। गेल ने मध्यस्थता के विवाद का उल्लेख करते हुए पीएनजीआरबी के समक्ष एक आवेदन दायर किया, जिसे पीएनजीआरबी ने 22 दिसंबर 2016 के अपने आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था, इसलिए, गेल ने पीएनजीआरबी के उक्त आदेश के खिलाफ एपीटीईएल के समक्ष एक अपील की है। एपीटीईएल ने अपील को पीएनजीआरबी के विचारार्थ वापस भेज दिया है। पीएनजीआरबी ने 04 मई 2018 को अपनी सुनवाई में पार्टियों को इस मुद्दे को सौहार्दपूर्वक ढंग से निपटाने का निर्देश दिया। मामले को 30 अगस्त 2018 को निपटान के लिए सूचीबद्ध किया गया था।
- मैसर्स पायनियर गैस पावर लिमिटेड ने जीटीए के अंतर्गत पोत का चार्ज लेने या शुल्क का भुगतान करने के लिए गेल के खिलाफ आरटीपी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज की है। पीएनजीआरबी के समक्ष उक्त शिकायत लंबित है।
- वर्ष 2016–17 में गेल के खिलाफ पेसिफिक डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दायर आरटीपी शिकायत को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया और बाद में पेसिफिक डेवलेपमेंट ने 06.02.2018 को पीएनजीआरबी से अपनी शिकायत वापस ले ली थी।

रिपोर्टिंग अवधि 2017–18 के दौरान, 1.46% कर्मचारियों को भ्रष्टाचार–रोधी प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षणों के अलावा, गेल अपने कार्यस्थल और परिचालन प्रक्रियाओं को भ्रष्टाचार मुक्त बनाए रखने के लिए नियमित रूप से जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन भी करता है। हम भ्रष्टाचार से संबंधित जोखिमों की पहचान के लिए सभी परिचालन इकाइयों का समय–समय पर जोखिम मूल्यांकन करते हैं और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, भ्रष्टाचार के किसी भी महत्वपूर्ण जोखिम की पहचान और रिपोर्ट नहीं की गई थी।

गेल बेंगलुरु में उप मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) द्वारा ज्ञान आदान–प्रदान सत्र

गेल बेंगलुरु द्वारा श्रम कानून प्रावधानों और इसके अनुपालनों पर एक ज्ञान आदान–प्रदान सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय), सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय) और बेंगलुरु के श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केंद्रीय) अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। गेल बेंगलुरु–डीबीपीएल और जीजीएल बेंगलुरु के ईआईसी ने सत्र में भाग लिया। सहायक श्रमायुक्त ने प्रबंधकों के लिए श्रम कानून–व्यावहारिक पहलुओं पर अपनी प्रस्तुति साझा की। ईआईसी के साथ परस्पर चर्चा सत्र आयोजित किया गया जिसमें गेल और जीजीएल के ईआईसी को श्रम कानून प्रावधानों और इसके अनुपालनों पर अनेक स्पष्टीकरण प्राप्त हुए।

गेल की विधि अनुपालन प्रबंधन प्रणाली (एलसीएमएस) सभी राष्ट्रीय और संगत अंतरराष्ट्रीय विनियमों और विभिन्न क्षेत्रों में नियामक अनुपालन आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करती है। ऑनलाइन एलसीएमएस भी समय–समय पर समीक्षा और लेखापरीक्षा सुनिश्चित करती है। पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली पर्यावरण मानकों को बनाए रखने और परिचालन प्रक्रियाओं में उत्सर्जन, अपशिष्टों और कचरे का प्रबंधन करने में मदद करती है।

सभी वैधानिक अनुपालनों का समय पर पालन करने के लिए अलग बजट बनाया जाता है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) को ट्रिपल बॉटम–लाइन के संबंध में संतुलन बनाते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संसाधनों के साथ–साथ गैर–पारंपरिक हाइड्रोकार्बन ऊर्जा के अन्वेषण और ध्वनि प्रबंधन का विस्तार करने का दायित्व सौंपा गया है।

आपूर्तिकर्ता

कंपनी का व्यवसाय आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं के साथ सुदृढ़ और विश्वसनीय संबंध बनाने की मांग करता है। इसके लिए हमने एक प्रणाली विकसित की है जो विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लाभ के लिए हमारी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करती है। भ्रष्टाचार की रोकथाम करने और सुशासन के समर्थन के लिए, अपने संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सक्षम बनाने हेतु कई प्रणालीगत सुधार किए गए थे। इनमें से कुछ हैं:

- सत्यनिष्ठा समझौता प्रणाली
- निविदा–पूर्व और बोली–पूर्व बैठक
- निपटान सलाहकार समिति के माध्यम से सुलह
- रिवर्स नीलामी
- बिल वाच प्रणाली
- फाइल संचलन प्रणाली
- ई–निविदा

स्वच्छ हवा के लिए स्वच्छ ऊर्जा

हमारा मानना है कि उद्योग की भूमिका उसकी प्रचालन सीमाओं से परे होनी चाहिए और ये ऐसी होनी चाहिए जो विभिन्न सतत् विकास चुनौतियों के समाधान का जोरदार समर्थन करना चाहता है। ऐसा करते समय संभावित मुद्दों पर समय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने और रणनीतिक व्यापार संरेखण पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि उन्हें जीर्ण होने से रोका जा सके।

ऐसा ही एक मुद्दा वायु प्रदूषण का है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अक्तूबर 2017 में उत्तरी राज्यों में आवर्ती वायु प्रदूषण के मुद्दे से निपटने में मदद करने के लिए दिल्ली–एनसीआर, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पेट कोक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया। इसने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आग्रह किया कि वे धीरे–धीरे पेट कोक और भट्ठी तेल की बजाय स्वच्छ ईंधन का प्रयोग करें।

शहरी वायु प्रदूषण काफी हद तक जीवाश्म ईंधन के जलने के परिणामस्वरूप होता है जो परिवहन, बिजली उत्पादन, औद्योगिक क्षेत्र और अन्य आर्थिक गतिविधियों में उपयोग किया जाता है। सरकार ने देश भर में बढ़ते वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) को एक मध्यावधि राष्ट्रीय स्तर की कार्यनीति के रूप में तैयार किया है। यह जीवाश्म ईंधन के स्वच्छ रूप में प्राकृतिक गैस की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देता है।

प्राकृतिक गैस में भारत की एक प्रमुख कंपनी होने के नाते गेल गैस–आधारित अर्थव्यवस्था को अपनाने की विचारधारा को प्रोत्साहित करती है। गेल का भारत में गैस पाइपलाइन का एक विशाल नेटवर्क है। इन ईंधनों का उपयोग करने वाले अधिकांश उद्योग गैस पाइपलाइन के बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के आधार पर प्राकृतिक गैस को अपना सकते हैं। गेल के पास इन उद्योगों को गैस की आपूर्ति करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा है।

जलने पर प्राकृतिक गैस कोयले की तुलना में 50% कम सीओ2 और तेल की तुलना में 20–30% कम सीओ2 का उत्सर्जन करती है। बिजली उत्पादन या परिवहन ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने पर प्राकृतिक गैस अन्य ईंधनों की तुलना में सल्फर डाइऑक्साइड (एसओ2), नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स), पारा (एचजी), और अन्य ईंधनों की तुलना में पार्टिकुलेट का नाममात्र का उत्सर्जन करती है। प्राकृतिक गैस का बढ़ता उपयोग स्थानीय वायु गुणवत्ता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य पर जीवन चक्र के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, कोयला और तरल ईंधन की तुलना में प्राकृतिक गैस अधिक सौम्य जीवाश्म ईंधन है। कोयले से भिन्न, प्राकृतिक गैस को शुद्धिकरण के लिए भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता नहीं होती है और यह भूजल को दूषित नहीं करता है।

गेल गैस बेंगलुरु ने बेंगलुरु में वाणिज्यिक बेड़े के लिए पसंदीदा ईंधन के रूप में # सीएनजी को बढ़ावा देने और अपनाने के लिए उबेर के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और पूरे भारत में सीएनजी राइडरशिप का विस्तार करने के लिए भी सहयोग किया है।

इसके अलावा, इसका या तो गैस के रूप में पाइपलाइन द्वारा या तरल के रूप में क्लोज्ड क्रायोजेनिक पोत के माध्यम से परिवहन किया जाता है और इसलिए यह परिवहन के दौरान हवा को प्रदूषित नहीं करता है। कोयला और गैस आधारित बिजली संयंत्रों के बीच वायु प्रदूषकों और ग्रीनहाउस गैसों के जीवन चक्र उत्सर्जनों के बीच अंतर बहुत बड़ा है।

उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत को अपने विकास इंजनों को चालू रखने के लिए ऊर्जा के स्थायी स्रोतों की भी आवश्यकता है और प्राकृतिक गैस 'भावी ईंधन' की भूमिका निभा सकती है। भारत ने पहले ही गैस का हिस्सा बढ़ाकर 15% करने का लक्ष्य रखा है। भारत सरकार यह जानती है कि गैस कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है:

- उत्सर्जन कम करना – एनडीसी प्रतिबद्धताओं का समर्थन करना
- शहरों में स्वच्छ हवा का समर्थन करना (उद्योगों के लिए ईंधन तेल और पेट कोक को चरणबद्ध ढंग से हटाना, उदाहरण के लिए मोटर वाहन के लिए डीजल)
- लंबी दूरी के परिवहन के लिए ईंधन के रूप में आर्थिक रूप से व्यवहार्य समाधान प्रदान करना (सड़क परिवहन के लिए एलएनजी)
- संतुलित उत्पादन उपलब्ध कराने के लिए अक्षय ऊर्जा के व्यापक उपयोग का समर्थन करना
- उद्योगों में तरल ईंधन के उपयोग द्वारा आयात बिल को कम करना

गेल ने दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने में सराहनीय भूमिका निभाई है। वाशिंगटन डीसी द्वारा भावी संसाधनों के आधार पर कराए गए अध्ययन, जिसने 15 वर्षों (1990–2005) के लिए राजधानी में वायु प्रदूषण का अध्ययन किया था, ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के लिए सीएनजी के प्रयोग ने वायु गुणवत्ता पर 'सबसे महत्वपूर्ण' प्रभाव डाला था।

इसके अलावा, गेल ने ताज ट्रेपेजियम में गैस के बुनियादी ढांचे को विकसित करके और मथुरा रिफाइनरी तथा आगरा/फिरोजाबाद के औद्योगिक क्षेत्र, जहाँ 90 के दशक के अंत में कोयले का इस्तेमाल किया जा रहा था, में प्राकृतिक गैस प्रदान करके विश्व धरोहर ताजमहल के संरक्षण में योगदान दिया है।

भारत और अन्य उभरते विकासशील देशों के लिए स्वच्छ शहरी वायु गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक गैस आज जो योगदान दे रही है, वह उससे बड़ी भूमिका निभा सकती है।

इसके अलावा, वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार के प्रयास में योगदान देने के लिए, गेल दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाओं के माध्यम से वायु गुणवत्ता में बदलाव लाने के लिए 'हवा बदलो' पहल का समर्थन और प्रचार करता है।

पहल का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा देना, सीएनजी अपनाना, कार पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना है। वर्तमान में, इस पहल से जुड़े लोगों की संख्या 6.8 मिलियन है और यह बढ़ती जा रही है।

मुख्य विशेषताएं

- यह लोगों के वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर के बारे में जागरूकता फैलाने और इससे लड़ने के उपाय खोजने की पहल है।
- यह एक स्वतंत्र राष्ट्रीय डिजिटल आंदोलन है जिसका उद्देश्य मानव स्वास्थ्य और देश को वायु प्रदूषण के प्रभाव से बचाने के लिए ज्ञान एकत्र करना, नेटवर्क, नई खोज और विस्तार करना है और इन सभी को एक–साथ एक मंच पर लाना है।
- इसका उद्देश्य प्राकृतिक गैस को वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए एक स्वीकार्य समाधान के रूप में स्थापित करना है।

जलवायु परिवर्तन के जोखिम से निपटना

गेल जलवायु परिवर्तन से संबंधित जोखिमों को दूर करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। एक स्वच्छ ऊर्जा कंपनी होने के नाते, यह इन जोखिमों से उत्पन्न समस्याओं का समाधान खोजने और उन्हें व्यावसायिक अवसरों में परिवर्तित करने के लिए भी उत्सुक है।

गेल बदलते जोखिमों और अवसरों के अनुरूप कार्रवाई करने के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय विकास तथा जलवायु परिवर्तन से संबंधित अध्ययनों का गहराई से पालन करता है।

प्राकृतिक गैस भारत की ऊर्जा प्रणाली से कार्बन को हटाने का एक अच्छा विकल्प है, क्योंकि यह कार्बन–आधारित ईंधनों को बदलने और अक्षय ऊर्जा का विकास करने, दोनों में दोहरी भूमिका निभाती है।

गैर–बिजली क्षेत्रों में गैस के बढ़ते उपयोग से सीओ2 उत्सर्जनों को कम करने और गैस द्वारा उच्च उत्सर्जक तेल उत्पादों जैसे: औद्योगिक क्षेत्र में ईंधन तेल/नैफ्था और पेट कोक, परिवहन में डीजल और पारंपरिक बायोमास, और आवासीय/वाणिज्यिक क्षेत्रों में एलपीजी और केरोसिन का स्थान लेने से वायु की गुणवत्ता में सुधार होगा।

जीवन चक्र को ध्यान में रखते हुए, कोयले और तरल ईंधन की तुलना में पर्यावरण और स्वास्थ्य प्राकृतिक गैस पर अनुकूल जीवाश्म ईंधन का प्रभाव बहुत अधिक है। स्वच्छ ईंधन होने के कारण, इसके शुद्धिकरण के लिए भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता नहीं होती है और यह भूजल को दूषित नहीं करता है। इसके अलावा, इसका या तो गैस के रूप में पाइपलाइन के माध्यम से या तरल के रूप में क्लोज्ड क्रायोजेनिक पोत के द्वारा परिवहन किया जाता है और इसलिए परिवहन के दौरान यह हवा को दूषित नहीं करता है। कोयला और गैस–आधारित बिजली संयंत्र के पूरे जीवन चक्र से प्रदूषण–तत्वों और ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन स्तर के बीच अंतर बहुत व्यापक है और कोयला–आधारित संयंत्र की तुलना में गैस–आधारित बिजली संयंत्र काफी फायदेमंद है।

एलपीजी के सड़क परिवहन का प्रतिस्थापन – देश के विभिन्न भागों में एलपीजी ट्रांसमिशन के लिए विशेष पाइपलाइनों को बिछाने से गेल ने उत्पादन सुविधा केन्द्रों से विभिन्न ग्राहकों को एलपीजी पहुंचाने के लिए सड़क मार्ग परिवहन प्रणाली को बदलने में योगदान दिया है, जिससे उत्सर्जन कम होता है।

टीईआरआई के साथ भागीदारी

जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाने की अपनी प्रतिबद्धता को देखते हुए, गेल ने 2015 में व्यवसाय स्थिरता (टीईआरआई–सीबीएस) के लिए एक परिषद बनाने हेतु ऊर्जा अनुसंधान संस्थान के साथ भागीदारी की। टीईआरआई–सीबीएस जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को समझने और प्रबंधित करने पर एक विज़न विकसित करने के लिए विभिन्न कॉरपोरेट घरानों को एकजुट करने का सामान्य मंच है। इस परिषद का विज़न विभिन्न सरकारी योजनाओं और नीतियों से जुड़ा है।

हमने, टीईआरआई के साथ एक दस्तावेज भी बनाया है, जिसमें जलवायु परिवर्तन से निपटने और इस दिशा में सरकारी योजनाओं के साथ विज़न को जोड़ने के विभिन्न पहलुओं पर भारतीय कॉर्पोरेट विजन को दर्शाया गया है, जिसे दिसंबर 2015 में पेरिस में इंडिया पवेलियन ऑफ कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) 21 में आयोजित किया गया था। जलवायु परिवर्तन के अध्ययन के लिए श्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और श्री के.डी. त्रिपाठी, सचिव, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और तेल और गैस उद्योग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एफआईपीआई (तत्कालीन पेट्रोफेड) और

पूर्वोत्तर क्षेत्र हाइड्रोकार्बन विजन 2030 पर सीआईआई गोलमेज सम्मेलन

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा 30 नवंबर 2017 को अगरतला में पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) हाइड्रोकार्बन विजन 2030 पर एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों और त्रिपुरा सरकार, ओएनजीसी, गेल, टीएनजीसीएल आदि के अधिकारियों ने भाग लिया। श्री एम. नागराजू, आईएएस, प्रमुख सचिव, उद्योग और वाणिज्य विभाग, वित्त; त्रिपुरा सरकार ने एनईआर हाइड्रोकार्बन विज़न 2030 के अनुरूप हाइड्रोकार्बन नेटवर्क विकसित करने के विभिन्न पहलुओं पर सरकार का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

गेल और ओएनजीसी द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र हाइड्रोकार्बन विज़न 2030 की कार्रवाइयों पर प्रस्तुतियाँ भी दी। गेल की ओर से श्री ललित मौर्य, महाप्रबंधक/ओआईसी अगरतला ने विज़न के अनुरूप विभिन्न स्तरों पर गेल द्वारा की गई कार्रवाइयों पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न शहरों में पूर्वोत्तर क्षेत्र को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ने और नगर गैस वितरण परियोजनाओं को लागू करने के लिए गेल एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।

टीईआरआई के बीच एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अध्ययन का लक्ष्य निम्नलिखित के बारे में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करना है:

- तेल और गैस क्षेत्र और भाग लेने वाली कंपनियों के लिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरे।
- जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के साथ–साथ जोखिमों से निपटने का भावी मार्ग।
- जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 2030 तक 33–35% तक कम करने के भारत के आईएनडीसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तेल और गैस के क्षेत्र में उपयुक्त उपाय करना।

गठबंधन और संघों के माध्यम से एडवोकेसी

- अंतर्राष्ट्रीय गैस संघ (आईजीयू): यह एक वैश्विक संघ है जिसका उद्देश्य गैस उद्योग की तकनीकी और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देना है। यह भारत में गैस क्षेत्र के विकास के लिए गेल के साथ काम कर रहा है। गेल आईजीयू में 'चार्टर सदस्य' के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करता है। आईजीयू के साथ गेल 'एशिया गैस पार्टनरशिप शिखर सम्मेलन' नामक एक वैश्विक सम्मेलन को प्रोत्साहित करता है, जिसका उद्देश्य एशिया में उद्योग के मुद्दों पर चर्चा करना और गैस बाजार विकसित करना है। रिपोर्टिंग अवधि में, हमने नई दिल्ली में 5वें अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम–इंटरनेशनल गैस यूनियन (आईईएफ–आईजीयू) मिनिस्ट्रियल गैस फोरम की मेजबानी करने के लिए आईजीयू के साथ, "विकास के लिए गैस" (आर्थिक समृद्धि और जीवन स्तर में सुधार" विषय पर भागीदारी की।
- अंतर्राष्ट्रीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस आयातक समूह (जीआईआईजीएनएल): एलएनजी आयात गतिविधियों की सुरक्षा, विश्वसनीयता और दक्षता बढ़ाने तथा एलएनसी आयात टर्मिनलों के संचालन के लिए उद्योग समकक्षों के बीच जानकारी और अनुभव के आदान–प्रदान के लिए गेल को एक मंच प्रदान करता है।
- एफआईपीआई (पूर्ववर्ती पेट्रोफेड): गेल एफआईपीआई का "श्रेणी ए" सदस्य है और शासी परिषद का भी हिस्सा है। एफआईपीआई सरकार, नियामक प्राधिकरण, भारत में सार्वजनिक और व्यापारियों के प्रतिनिधि निकाय जैसे संसाधनों के अनुकूल, सुरक्षा को बढ़ावा देने, टैरिफ, निवेश, स्वस्थ वातावरण, और उद्योग से संबंधित अन्य मुद्दों के बीच ऊर्जा संरक्षण जैसे मुद्दों पर काम करती है।
- सार्वजनिक उद्यम स्थायी सम्मेलन (स्कोप): यह भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) के पूरे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाला एक सर्वोच्च निकाय है। स्कोप का विभिन्न उच्च–स्तरीय समितियों/बोर्डों में प्रतिनिधित्व है और यह अपने सदस्य पीएसयू को विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपने विचार प्रस्तुत करने में मदद करता है।
- फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की): सीएमडी, गेल इसकी कार्यकारी समिति के सदस्य हैं और फिक्की हाइड्रोकार्बन समिति के सह–अध्यक्ष हैं।
- फिक्की देश की ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर विचार–विमर्श करने तथा भारत सरकार और इस क्षेत्र में कार्यरत अन्य निकायों को अपने बौद्धिक इनपुट के माध्यम से पूरक करने की दिशा में काम करता है।
- विश्व ऊर्जा परिषद (डब्ल्यूईसी) भारत का शासी निकाय: गेल डब्ल्यूईसी का सदस्य देश है और यह भारत में प्राकृतिक गैस के विकास के लिए डब्ल्यूईसी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करता है।
- वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) भारतीय स्थिरता एवं पारदर्शिता केंद्र बिंदु परिसंघ: गेल जीआरआई–एसटीसी का संस्थापक सदस्य है। यह व्यापारिक प्रधानों, राष्ट्रीय सरकारों, नियामकों, स्थिरता विशेषज्ञों, बुद्धिजीवियों और पेशेवर संस्थानों के साथ सतत् विकास रिपोर्टिंग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करता है। गेल जीआरआई कॉर्पोरेट लीडरशिप ग्रुप ऑन रिपोर्टिंग 2025, जीआरआई गोल्ड कम्युनिटी और जीआरआई दक्षिण एशिया सलाह समूह का भी प्रतिनिधित्व करता है।
- संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (यूएन जीसीएनआई): संयुक्त राष्ट्र जीसीएनआई मानव अधिकारों, पर्यावरण, भ्रष्टाचार–रोधी और श्रम मानकों संबंधी सिद्धांतों को प्रोत्साहित करता है।
- सीपीएमए: गेल केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीपीएमए) का सदस्य है, जो भारतीय पेट्रोकेमिकल उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाला शीर्ष मंच है। संघ अपने सदस्यों को सामूहिक रूप से अपने विचारों, समस्याओं को प्रस्तुत करने और प्रासंगिक मुद्दों पर सुझाव देने का प्रस्ताव करता है। यह उद्योग, सरकार और समाज के बीच एक सेतु का कार्य करता है।
- पाइपलाइन प्रचालक मंच (पीओएफ): गेल इस गैर–लाभकारी संगठन में शामिल हो गया, जिसमें तकनीकी पाइपलाइन वैश्विक पाइपलाइन ऑपरेटरों के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो पाइपलाइन अखंडता इंजीनियरों को सर्वोत्तम अभ्यास साझा करने और निर्माण करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन के मानक बढ़ जाते हैं। पीओएफ के मुख्य उद्देश्य हैं:
  * विश्व स्तर पर पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए, पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन और प्रदान की गई सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए उद्योग के साथ काम करना।
  * इन–लाइन निरीक्षण (आईएलआई) विनिर्देशों, सर्वोत्तम प्रथाओं और अन्य प्रासंगिक प्रलेखन को उन्नत बनाना और विकसित करना।
  * सदस्यों (बैठकों और मंच चर्चा) में अखंडता प्रबंधन के मुद्दों के अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना।
  * विकसित प्रलेखन, विनिर्देश उपलब्ध कराकर वातावरण बनाए रखना।

12

मूल में मानव पूंजी

महिला उम्मीदवारों की नई भर्ती

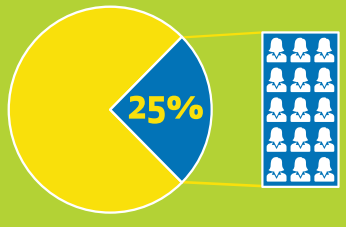

वर्ष दर वर्ष वृद्धि

कौशल प्रबंधन और आजीवन अध्ययन के लिए आयोजित किए गए थे जो कर्मचारियों की निरंतर रोजगार क्षमता का समर्थन करते हैं और उन्हें करियर प्रबंधन में सहायता करते हैं

मूल में मानव पूंजी

हम सही मायनों में एक पूर्ण और सशक्त संगठन बनाने का प्रयास करते हैं, जिसके लिए स्टेकधारकों के साथ व्यापक और निरंतर संपर्क बनाए रखना सभी कार्यों का एक अहम पहलू बन जाता है। गेल द्वारा इस लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास में कंपनी के महत्व को जानना, कर्मचारी और सामुदायिक विचारधारा का सर्वेक्षण, कर्मचारियों और समुदाय की संतुष्टि के आंकड़ों, सामाजिक लेखापरीक्षा से प्राप्त फीडबैक और प्रभाव का जायजा लेने के भाग के रूप में एकत्रित विभिन्न जानकारी पर विचार किया जाता है।

इस जानकारी के आधार पर कार्रवाई करने के लिए कंपनी का दृष्टिकोण प्रतिभाओं को आकर्षित करने और उन्हें बनाए रखने, कर्मचारी और समुदाय की तैनाती जैसी प्रक्रियाओं में कार्य–निष्पादन को तय करता है। इसके अतिरिक्त, एक प्राकृतिक गैस कंपनी होने के नाते परिचालन प्रक्रियाएं, कार्य करने का माहौल, संगठनात्मक संस्कृति, कार्य स्थलों पर सामाजिक और पर्यावरण जोखिम, समान स्तर के संगठनों में भू–राजनीतिक स्थिति और विकास भी मूल्य श्रृंखला को प्रभावित करते हैं और कंपनी के सामाजिक प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

सामाजिक निष्पादन

गेल में, हम सामाजिक निष्पादन का निर्धारण दो व्यापक हितधारक समूहों – कर्मचारी और समुदाय के आधार पर करते हैं।

कार्यबल प्रबंधन, मानव पूंजी को ध्यान में रखते हुए 'लोक कार्यनीति' नामक हमारे केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से किया जाता है, जबकि हम अपने सीएसआर के तहत 'सामुदायिक संपर्क' दृष्टिकोण के माध्यम से समुदाय से संबंधित मुद्दों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं।

सरकार और नियामकों, कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और समुदाय सहित अन्य स्टेकधारकों, की इस रिपोर्ट के प्रासंगिक वर्गों में चर्चा की गई है।

गेल का उद्देश्य प्रदर्शन को बेहतर बनाने और साझा मूल्य सृजित करने के लिए अपनी आपूर्ति

> तेल और गैस क्षेत्र एक गतिशील क्षेत्र है। हमारे कर्मचारी हमारे विकास और आकांक्षाओं के केंद्र में होते हैं। गेल में हम पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, सहयोग और मानव पूंजी विकास पर जोर देते हैं। हमारी भर्ती, प्रशिक्षण और विकास नीतियां और प्रणालियाँ विनियामक परिवेश, राष्ट्रीय और वैश्विक प्राथमिकताओं पर विचार करते हुए हमारी भावी कार्यनीतियों, लक्ष्यों और आकांक्षाओं के साथ तालमेल सुनिश्चित करती हैं।
>
> **निदेशक (मानव संसाधन)**

श्रृंखला के साथ सहयोग करते हुए कार्य करना है। हम सही तरह से कार्य करने और निरंतर सुधार को बढ़ावा देने के लिए प्रक्रियाओं और पद्धतियों की निरंतर समीक्षा करते रहते हैं। साइट स्तर पर रोजमर्रा की बातचीत के अलावा, हर महीने 20वें–24वें दिन की अवधि को 'समाधान' बैठक के रूप में निर्धारित किया गया है जिन्हें संबंधित कार्यकारी निदेशकों द्वारा किसी भी मौजूदा और संभावित समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए बुलाया जाता है। समाधन के माध्यम से, हम यह सुनिश्चित करने के लिए तुरंत समाधान करते हैं कि विक्रेताओं को सर्वाधिक कुशल, गुणात्मक और पारदर्शी सेवाएं प्राप्त हों।

गेल की सफलता कार्य करने के बेहतरीन स्थल और अत्यधिक कुशल कर्मचारियों पर निर्भर करती है जो गेल के साथ कार्य करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित रहते हैं। सही लोगों को चुनने से स्वस्थ प्रतिभा, प्रभावी प्रशिक्षण, विकास के अवसर सुनिश्चित होते हैं, विविधता का विस्तार होता है तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने से संगठन को व्यावसायिक विकास प्राप्त करने में मदद मिलती है। कर्मचारियों से संबंधित सभी डेटा की निगरानी करके उसे एसएपी ईआरपी प्रणाली के माध्यम से दर्ज किया जाता है तथा हमारी कार्यबल प्रबंधन कार्यनीतियों को सुधारने में मदद करने के लिए उसका व्यवस्थित रूप से विश्लेषण किया जाता है।

गेल में लोगों की कार्यनीति को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा गया है, जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

प्रतिभा आकर्षण और प्रतिधारण

संगठन में युवा प्रतिभाओं को आमंत्रित करने के लिए प्रवेश स्तरों पर भर्ती की जाती है। भर्ती प्रक्रिया शुरू करने से पहले, कार्मिकों की आंतरिक उपलब्धता का जायजा लिया जाता है। गेल ने एसएपी में ऑनलाइन भर्ती/ई–भर्ती का उपयोग करके आईटी को काफी हद तक समृद्ध बनाया है।

साक्षात्कार पैनल के लिए, संबंधित क्षेत्र से संबंधित विशेषज्ञों का चयन किया जाता है। संभावित उम्मीदवार का समग्र मूल्यांकन करने के लिए, अन्य विशेषज्ञों के अलावा एक प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक भी साक्षात्कार बोर्ड का हिस्सा होता है। साक्षात्कार पैनल बनाते समय विविधता और समावेश के सिद्धांत पर उचित रूप से ध्यान दिया जाता है ताकि मूल्यांकन भर्ती प्रक्रिया के दौरान सभी संभावित पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों का चयन किया जा सके।

गेल में भर्ती आकर्षक मुआवजे के पैकेज और कई अतिरिक्त सुविधाओं जैसे गृह निर्माण अग्रिम, वाहन अग्रिम, फर्निशिंग अग्रिम, और कंप्यूटर/लैपटॉप अग्रिम के साथ आती है। गेल अन्य लाभ योजनाओं के अलावा अधिवर्षिता लाभ कोष ट्रस्ट और भविष्य निधि ट्रस्ट में भी योगदान देता है, जिसमें ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ, अर्जित अवकाश लाभ, टर्मिनल लाभ, अर्द्ध वेतन अवकाश और दीर्घ सेवा पुरस्कार शामिल हैं। गेल कर्मचारियों को उनके कार्य से संबंधित उच्च योग्यता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है और उन्हें उच्च योग्यता प्रोत्साहन प्रदान करता है। गेल महिला कर्मचारियों को दो साल की चाइल्ड केयर का सवेतन भुगतान प्रदान करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। इन सभी प्रयासों से एक सकारात्मक माहौल बना है और इससे कर्मचारियों को कंपनी में अधिक संख्या में बनाए रखने में मदद मिली है।

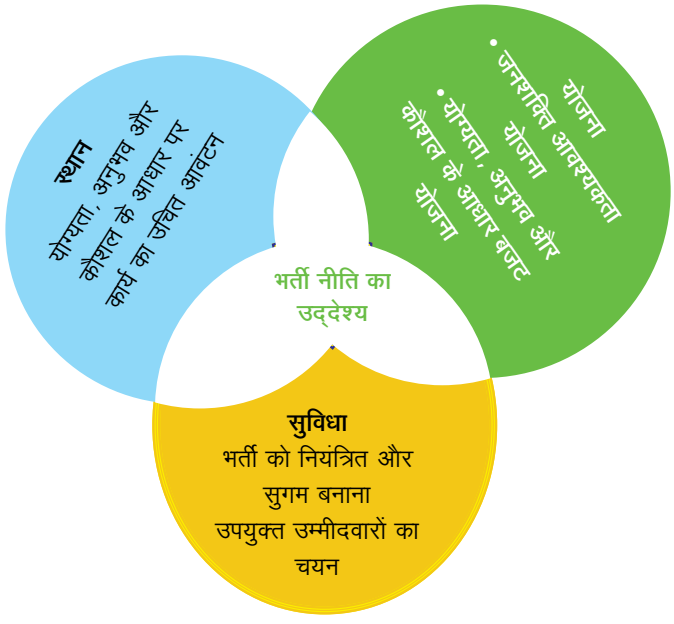

क्षमता निर्माण

गेल में, मानव पूंजी को सबसे मूल्यवान संपत्ति माना जाता है जो संगठन की सफलता या विफलता का सबसे बड़ा कारण है।

जैसे–जैसे हम ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था में

लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) का कार्यान्वयन

गेल अधिकारियों का ज्ञान स्तर बढ़ाने और अखिल भारतीय स्तर पर अध्ययन पर पहुंच और लचीलेपन को सुनिश्चित करने के लिए (ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस की गई। लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम एएसएमई/एपीआई मानकों, ओआईएसडी मानकों, पीएनजीआरबी विनियमों, ओसओपी, आदि जैसी ई–लर्निंग सामग्री की एक श्रृंखला आयोजित करेगा, जो गेल संचालन के लिए आवश्यक हैं। इस आसान इंटरैक्टिव अध्ययन में मदद करने के लिए लर्निंग टेक्स्ट, पीपीटी, एनिमेशन, ऑडियो–विजुअल, आदि होंगे। शिक्षार्थी के अधिक मूल्यांकन यह सुनिश्चित करेगा कि संबंधित व्यक्ति ने अपेक्षित कौशल प्राप्त कर लिया है।

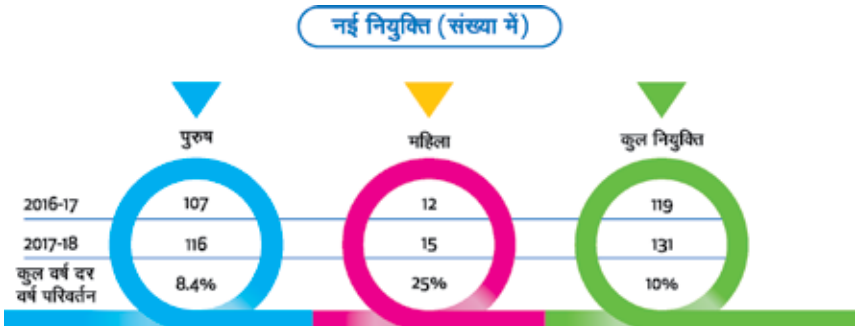

और गहराई से आगे बढ़ते हैं, जो सूचना, ज्ञान और उच्च–स्तरीय कौशल पर निर्भर करती है, वैसे–वैसे मानव पूंजी तेजी से महत्वपूर्ण हो जाएगी।

व्यक्तिगत कर्मचारियों का कौशल और क्षमता वित्तीय पूंजी, प्रौद्योगिकी या संगठनों की प्रक्रियाओं से अधिक हो जाती है जो मानव पूंजी की शुरुआत मात्र होती है।

गेल ने एक वस्तुपरक और ठोस केआरए/केपीआई और योग्यता–आधारित ऑनलाइन पीएमएस ढांचा लागू किया है ताकि व्यक्ति का वस्तुपरक और सामूहिक आकलन सुनिश्चित किया जा सके। समझौता–ज्ञापन को प्रत्येक कर्मचारी के प्रदर्शन के आधार पर बनाया गया है। कर्मचारियों की कंपनी–वार तैनाती बारी–बारी के आधार पर की जाती है जिन्हें विविध और विशिष्ट कार्य दिए जाते हैं, जिनमें नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए समृद्ध और सतत् प्रतिभा की जरूरत होती है। केंद्रित और गहन आंतरिक प्रशिक्षण प्रणाली के अलावा, कंपनी ने नई क्षमताओं और संसाधनों को प्राप्त करने के लिए विश्व स्तर पर भी प्रयास किए हैं। गेल एक शिक्षण संगठन के रूप में विकसित होने में विश्वास रखता है, इसलिए वह नई भर्तियां करने के साथ–साथ सहयोगियों के बीच ज्ञान साझा करने में निवेश करना जारी रखे हुए है। अपेक्षित कौशल रखने वाले लोगों की सेवाएं लेने से भी विचारों और ज्ञान की नई प्रक्रिया सुनिश्चित होती है, जिससे पूरे संगठन को लाभ होता है।

क्षमता निर्माण और प्रतिभा विकास गेल के लोगों की कार्यनीति के मूल में है और यह कंपनी के लिए काम करने हेतु ध्यान दिए जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक है। हमारे पास दो प्रशिक्षण सुविधा केन्द्र हैं:

- गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई), नोएडा की स्थापना वर्ष 1997 में हुई
- गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई), जयपुर की स्थापना 2005 में हुई

ये दोनों प्रशिक्षण संस्थान हर साल सभी अधिकारियों के लिए एक व्यापक इलेक्ट्रॉनिक प्रशिक्षण आवश्यकता मूल्यांकन (टीएनए) प्रणाली लागू करते हैं, जहाँ सभी अधिकारियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का मूल्यांकन कर्मचारियों से प्राप्त इनपुट के साथ–साथ उनकी रिपोर्टिंग और सिफारिश किए गए अधिकारियों से भी किया जाता है।

टीएनए के माध्यम से पता लगाई गई प्रशिक्षण की जरूरतों के आधार पर, एक वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार किया जाता है जिसमें सभी कर्मचारियों को उस वित्तीय वर्ष के लिए एक कार्यात्मक या प्रति–कार्यात्मक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

जीटीआई द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में खतरे की पहचान करने की तकनीक एवं जोखिम विश्लेषण, व्यापार मॉडलिंग, और उत्कृष्टता, बचाव व्यवस्था और जोखिम प्रबंधन के माध्यम से वित्तीय विश्लेषण, शिपिंग और वैश्विक ऊर्जा बाजार और प्रतियोगिता सहित अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में एलएनजी उद्योग का विकास शामिल हैं।

वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) संबंध प्रबंधन, विश्लेषणात्मक समस्या को सुलझाने, क्षमता निर्माण, उपलब्धि अभिविन्यास, निष्पादन उत्कृष्टता, योजना, आयोजन और दूरदर्शिता तथा संचार के मानकों पर क्षमता का आकलन करने के उद्देश्य से वरिष्ठ प्रबंधन का वार्षिक मूल्यांकन करता है। यह प्रतिभा की पहचान करने और उसे बढ़ावा देने में गेल की मदद करता है तथा उसे अपने भावी नेताओं का निर्माण करने में सक्षम बनाता है।

गेल अपने नए कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन करता है ताकि उनके नए जीवन को सुगम बनाया जा सके। इन कार्यक्रमों में वित्तीय निवेश, कंपनी के लाभ और अन्य कानूनी दायित्वों पर प्रशिक्षण शामिल है।

नए प्रशिक्षकों के लिए, मौजूदा प्रशिक्षण और ऑनबोर्डिंग संरचना के अलावा, गेल ने एक शिक्षक कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम में, नई भर्ती को वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर कार्यरत एक शिक्षक दिया जाता है, जो गेल में उनके शुरूआती वर्षों के दौरान सभी व्यक्तिगत और पेशेवर मोर्चे पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

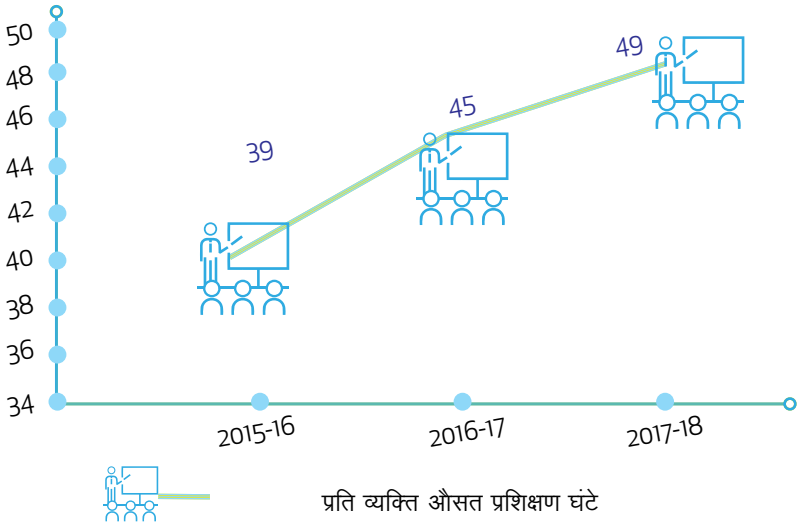

प्रति व्यक्ति औसत प्रशिक्षण घंटे

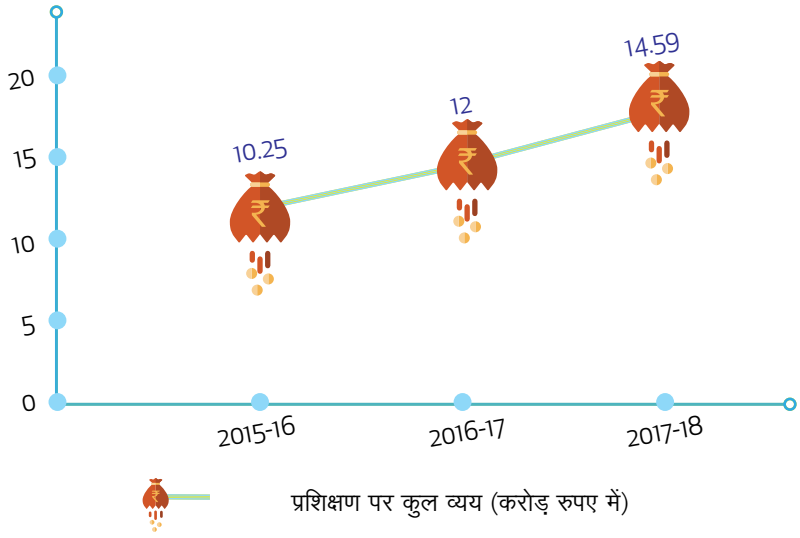

प्रशिक्षण पर कुल व्यय (करोड़ रुपए में)

गेल कार्यबल

क	स्थायी कर्मचारियों की कुल संख्या	4486
ख	स्थायी महिला कर्मचारियों की कुल संख्या	272
ग	आकस्मिक/अस्थायी/संविदा कर्मचारियों की कुल संख्या	15,405
घ	विकलांग कर्मचारियों की कुल संख्या	95

समय–समय पर संबंधित कार्यात्मक क्षेत्रों के लिए कौशल उन्नयन कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। साइटों और परियोजनाओं पर तैनात सभी कर्मचारियों को अनिवार्य सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण दिया जाता है। विभिन्न अवसरों पर कार्यक्रम व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ज्ञान साझा करने वाले कई कार्यक्रम जैसे ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी एवं संरक्षा सप्ताह, राष्ट्रीय संरक्षा दिवस, आदि आयोजित किए जाते हैं।

नीचे दी गई तालिका में उन कर्मचारियों का प्रतिशत दिखाया गया है जिन्हें वित्त वर्ष 17–18 में संरक्षा और कौशल उन्नयन प्रशिक्षण दिया गया था:

कौशल और सुरक्षा प्रशिक्षण

क	स्थायी कर्मचारी	95.31
ख	स्थायी महिला कर्मचारी	94.23
ग	स्थायी पुरुष कर्मचारी	95.38
घ	आकस्मिक/अस्थायी/संविदा कर्मचारी	100% - संरक्षा जागरूकता
ड.	दिव्यांग कर्मचारी	99

उपरोक्त प्रशिक्षणों के अलावा, गेल में आयोजित सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- गेल में वित्त वर्ष 2017–18 में शामिल होने वाले 65 कार्यकारी प्रशिक्षुओं के लिए एक वर्षीय व्यापक प्रवेश, अभिविन्यास और कार्य के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। प्रमुख कार्य केंद्रों पर कार्य के दौरान प्रशिक्षण के अलावा, इस कार्यक्रम में तकनीकी, कार्यात्मक, प्रबंधकीय और व्यवहार संबंधी हस्तक्षेप शामिल हैं।
- जीटीआई में नए प्रदोन्नत उप महाप्रबंधक/महाप्रबंधक/कार्यकारी निदेशक के लिए जून 2017 में एक प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- एक ज्ञान प्रबंधन पहल के रूप में, 21–22 सितंबर 2017 को जीटीआई, नोएडा में 10वीं ज्ञान आदान–प्रदान संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। चार अलग–अलग श्रेणियों में कुल 90 पेपरों में से (पाइपलाइन और कंप्रेसर स्टेशनों के ओएंडएम, गैस प्रसंस्करण यूनिटों/एलपीजी/एलएनजी संयंत्र के ओएंडएम, पेट्रोरसायन संयंत्रों और कॉर्पोरेट कार्यों के ओएंडएम) निर्णायक समिति द्वारा 18 चयनित पेपर प्रस्तुत किए गए और उनका मूल्यांकन किया गया। प्रत्येक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेपर को पुरस्कार प्रदान किया गया।
- जीटीआई ने कार्यनीति 2020 में पहचाने गए क्षमता निर्माण क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जैसे पेट्रोकेमिकल और एलएचसी विपणन और मूल्य निर्धारण; तेल और गैस क्षेत्र में विनियामक

मीटरिंग प्रणाली पर आंतरिक प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

गेल में पहली बार, मीटरिंग पर एक आंतरिक प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम 8 जनवरी 2018 से 15 जनवरी 2018 तक आयोजित किया गया। आंतरिक मॉड्यूल को गेल में स्थापित विभिन्न मीटरिंग प्रणालियों पर एक विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विकसित किया गया था और उसके बाद एक लिखित परीक्षण और एक साक्षात्कार लिया गया।

इस प्रशिक्षण ने प्रतिभागियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने में मदद की, जो उनके दिन–प्रतिदिन की मीटरिंग संबंधी ओएंडएम गतिविधियों से परिलक्षित होती है। इसने इस विषय पर आंतरिक प्रशिक्षकों को विकसित करने में भी मदद की।

मामले; पोत सहित अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में एलएनजी उद्योग विकास; बचाव–व्यवस्था और जोखिम प्रबंधन; अग्रिम बोली, हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (एचईएलपी) के लिए कार्यनीतियाँ; वैश्विक ऊर्जा बाजार एवं प्रतिस्पर्धा तथा ऊर्जा व्यापार, जोखिम प्रबंधन।

- पदोन्नति के लिए पात्र एस7 और एस4 कर्मचारियों के लिए जीटीआई द्वारा एक प्रशिक्षण कार्यक्रम–सह–परिचय परीक्षण आयोजित किया गया।
- कौशल प्रबंधन और आजीवन सीखने के लिए कुल 596 कार्यक्रम आयोजित किए गए जो कर्मचारियों की निरंतर रोजगार क्षमता का समर्थन करते हैं और उन्हें करियर बनाने में सहायता करते हैं।

(i) कर्मचारी प्रेरणा

किसी भी संगठन के लिए, प्रतिभाओं को आकर्षित करना और उन्हें बनाए रखना उसकी संगठनात्मक संस्कृति और उससे उत्पन्न होने वाली अंतिम कर्मचारी प्रेरणा पर निर्भर करती है। इस प्रकार, गेल कर्मचारियों और ठेका कर्मचारियों के लिए सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने में मदद करने के लिए कर्मचारियों के विचारों और शिकायतों को जानने–समझने का काफी प्रयास करता है।

कर्मचारियों के विचारों और समस्याओं की गहन समझ हासिल करने के लिए गेल संगठन–व्यापी कर्मचारी नियुक्ति सर्वेक्षण – 'गेल पल्स' का आयोजन करता है। ''गेल पल्स'' का लक्ष्य मौजूदा नियुक्ति स्तरों पर और संगठन में सुधार के विशिष्ट क्षेत्रों के बारे में गहरी समझ को साझा करना है, जिन पर प्रबंधन द्वारा ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। कार्य योजना कार्यशाला में गेल पल्स 2015 की विस्तृत रिपोर्ट पर चर्चा की गई। गेल के कॉर्पोरेट कार्यालय में 5 अक्तूबर 2016 को कार्य योजना कार्यशाला का आयोजन किया सीओ में वरिष्ठ एचआर कार्यपालकों और पाता और विजयपुर में एचआर प्रभारियों को कार्य योजना कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

कार्य सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर, विभिन्न एचआर/एचआरडी पहल अर्थात बारी–बारी से कार्य सौंपना, कॉर्पोरेट चुनौती योजना, कॉर्पोरेट संचार कार्यनीति और युवा कार्य योजना की अवधारणा बनाई है जो वर्तमान में विचाराधीन है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) ने अपने प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सीपीएसई में मानव संसाधन प्रबंधन में सुधार करने की सिफारिशें देने के लिए एक कार्यबल का गठन किया था। कार्यबल की अध्यक्षता डॉ. संतृप्त मिश्रा, सीईओ, कार्बन ब्लैक बिजनेस एंड डायरेक्टर (एचआर)–आदित्य बिड़ला ग्रुप ने की थी और इसका मुख्य विचारार्थ विषय सीपीएसई में प्रतिभा प्रबंधन था। उपरोक्त कार्यबल के एक भाग के रूप में, युवा अधिकारियों के लिए एक उद्योग–व्यापी कार्य मंच को यूफोरिया नाम दिया गया। इस मंच के तहत, गेल ने 35 वर्ष से कम आयु के अपने अधिकारियों के लिए दो प्रतियोगिताओं अर्थात् नाम/लोगो/ब्रांड प्रतियोगिता और कॉरपोरेट फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसके लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

गेल में निष्पादन प्रबंधन ढांचे से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं के संबंध में विभिन्न मूल्यांकन प्राधिकारियों को जागरूक बनाने के व्यापक उद्देश्य से तथा गेल के विभिन्न स्थलों पर फीडबैक प्राप्त करने के लिए निष्पादन प्रबंधन एवं कला पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न ग्रेडों के लगभग 370 अधिकारियों ने भाग लिया।

कर्मचारी को बनाए रखने को बढ़ावा देने के लिए गेल द्वारा उठाए गए कुछ प्रमुख प्रयासों में सुझाव योजना; दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार, और आकर्षक भत्ते और लाभ जैसे कई संचार चैनलों

गेल, नोएडा में महिलाओं के लिए आयोजित मिनी मैराथन के दौरान ली गई तस्वीर

के माध्यम से विचारों और मतों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता शामिल है। हम अपने पूरे कार्यबल में विविधता और समावेशिता के मूल्यों को बढ़ावा देना चाहते हैं।

नेतृत्व विकास और उत्तराधिकार योजना

आगामी वर्षों में गेल की विकास कार्यनीति और व्यावसायिक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, ऐसे नेताओं की आंतरिक प्रतिभा को पहचानना और विकसित करना आवश्यक है जो नेतृत्व का पद संभालने के लिए सक्षम और सबसे उपयुक्त हैं। नेशनल गैस ग्रिड, एलएनजी विपणन और सीजीडी व्यवसाय के विस्तार में कंपनी का प्रयास कर्मचारियों को सीखने और विकास करने के अभूतपूर्व अवसर प्रदान करना है। आने वाली चुनौतियों से निपटने की अपनी तैयारियों के भाग के रूप में, गेल ने एक एकीकृत नेतृत्व विकास ढांचा तथा नेतृत्व विकास एवं कैरियर योजना की सुविधा के लिए एक उत्तराधिकार योजना की रूपरेखा तैयार की है।

गेल उत्तराधिकार योजना का ढांचा एक कार्यकारी विकास उन्मुख पहल है। इसका लक्ष्य कंपनी की व्यवसाय योजना के अनुरूप, संभावित उत्तराधिकारियों की मात्रा और गुणवत्ता दोनों के मामले में, प्रतिभा पूल/कौशल उपलब्धता की पर्याप्तता सुनिश्चित करने के लिए एक संगठित ढांचा तैयार करना है। पर्याप्त प्रतिभा पूल की तैयार उपलब्धता से कंपनी को अप्रत्याशित रिक्तियों को भरने और/या व्यावसायिक आवश्यकताओं के मामलों में शीघ्र निर्णय लेने में मदद मिलेगी। गेल उत्तराधिकार नियोजन ढांचा वरिष्ठ प्रबंधन कार्यकारी स्तरों में बोर्ड स्तर से नीचे के तीन स्तरों के पदों पर लागू होता है। ये पद कार्यकारी निदेशक (ई–9 ग्रेड), मुख्य महाप्रबंधक (ई–8 ग्रेड) और महाप्रबंधक (ई–7 ग्रेड) हैं।

गेल एकीकृत विकास ढांचे ने ई9 से ई5 ग्रेड में लगभग 1300 वरिष्ठ/मध्य स्तर के अधिकारियों को कवर किया है। विकास की कार्यनीति में दो केंद्रित प्रतिभा विकास हस्तक्षेप शामिल हैं: 360 डिग्री फीडबैक पहल और वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) पहल।

360 डिग्री फीडबैक पहल एक ऑनलाइन टूल है जिसे वरिष्ठों, सहकर्मियों और अधीनस्थों के दृष्टिकोण से एक कार्यकारी के समग्र विकास क्षेत्रों का आकलन करने के लिए विकसित किया गया है। इसे प्रारंभ में 2015–2016 में ई–6 से ई–9 ग्रेड के अधिकारियों के लिए शुरू किया गया था, जिसे बाद में 2016–17 में ई–5 ग्रेड के अधिकारियों के लिए बढ़ा दिया गया था। इस पहल को अधिकारियों से सकारात्मक और उत्साही प्रतिक्रिया मिली और इस पहल को पहले वर्ष में 95% प्रतिक्रिया दर प्राप्त हुई।

हम यह भी सुनिश्चित करते हैं कि कर्मचारियों को उनके कार्य की नियमित निष्पादन मूल्यांकन और समीक्षा प्राप्त हो, ताकि उन्हें कौशल–ई–विज्ञान और काम के लिए प्रेरित किया जा सके। रिपोर्टिंग अवधि 2017–18 के दौरान, 100% कर्मचारियों को नियमित निष्पादन और कैरियर विकास की समीक्षा प्रदान की गई।

इसके अलावा, ई–5 और इससे ऊपर के ग्रेड में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एसएमडीसी पहल शुरू की गई है। एसएमडीसी मुख्य प्रबंधक और इस ग्रेड से ऊपर के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया है और अब तक, लगभग 1300 वरिष्ठ अधिकारी इस पहल के तहत कवर किए गए हैं। एसएमडीसी पहल के माध्यम से पता लगाए गए ऐसे अधिकारियों की विकास संबंधी कमी को दूर करने के लिए एसएमडीसी पहल के सभी प्रतिभागियों के लिए एक व्यापक व्यक्तिगत विकास योजना (आईडीपी) बनाई गई है।

प्रणाली, प्रक्रियाओं और नीतियों को सक्षम करना

गेल स्त्री–पुरुष के समान अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है और यही हमारी प्रतिपूर्ति नीति से परिलक्षित होता है। गेल ने महिला कर्मचारियों के दो सबसे बड़े जीवित नाबालिग बच्चों की देखभाल के लिए दो वर्ष तक की अवधि (730 दिन) के लिए चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) प्रदान करने की भी अनुमति दी हैं।

कॉर्पोरेट मेडिकल सेल व्यक्तिगत कर्मचारी के स्वास्थ्य जांच पर नियमित नज़र रखता है। किसी भी गेल कर्मचारी, चाहे कॉर्पोरेट या अन्य साइटों स्तर पर हो, एक चिकित्सक हमेशा उसकी पहुंच में होता है। पूरी कंपनी में कर्मचारियों की निवारक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य रूप से की जाती है। केंद्रीकृत चिकित्सा सेल महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मापदंडों से उनका मिलान करता है तथा इसका विश्लेषण एवं उपयोग विभिन्न नीतियों और प्रथाओं की समीक्षा करने के लिए एक प्रतिक्रिया तंत्र के रूप में किया जाता है। जागरूकता फैलाने और बदलती जीवनशैली से निपटने के लिए कई कार्यक्रमो में नियमित रूप से फिटनेस, योग, तनाव प्रबंधन, जीवन शैली प्रबंधन और पोषण जैसे मुद्दों को शामिल किया जाता है।

यह देखते हुए कि कोई कर्मचारी कार्यालय परिसर के भीतर अपना अधिकांश समय कैसे बिताता है, गेल खेल गतिविधियों, जिम और मनोरंजक सुविधाएं प्रदान करना सुनिश्चित करता है जो उसके प्रमुख कार्य केंद्रों पर उपलब्ध कराई जाती हैं। हमारे पास एक सुव्यवस्थित गेल खेलकूद संवर्धन नीति है, जो खेल और संबंधित तथ्यों, जैसे टीम भावना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और फिटनेस पर हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। अच्छी जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए सभी कर्मचारियों हेतु साइक्लोथॉन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

गेल परिवार के रूप में मनाए जाने वाले समारोहों में कामरेड और भाईचारे की भावना पैदा की जाती है। हम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों को एक दूसरे से जोड़ने के लिए गेल स्थापना दिवस, स्वतंत्रता दिवस, दिवाली मेला आदि सहित गेल परिवार के साथ विभिन्न त्योहारों और अवसरों का जश्न मनाते हैं।

मानव संसाधन प्रणालियों के एकीकरण के भाग के रूप में, निष्पादन से संबंधित भुगतान (पीआरपी) के निर्धारण में निष्पादन मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण कारक है। पीआरपी/परिवर्तनीय वेतन योजना कंपनी के निष्पादन; यूनिट और व्यक्ति पर आधारित है। यूनिट के निष्पादन का आंकलन करने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा है, जिसमें व्यक्तिगत कर्मचारियों के लिए स्वीकृत पीआरपी/परिवर्तनीय वेतन देय है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, बेल कर्व एप्रोच और परिवर्तनीय वेतन को अपनाने से व्यक्ति/टीम के निष्पादन और प्रोत्साहन प्राप्त होने से

इसके फायदों के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा हुई है।

नैतिक भर्ती और श्रम प्रथाएं

गेल भर्ती प्रक्रिया के दौरान सभी योग्य उम्मीदवारों को उचित और समान अवसर प्रदान करने में विश्वास करता है। अधिकांश प्रवेश स्तर की रिक्तियों पर राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के माध्यम से भर्ती की जाती है। विशाल परिचालन सीमा वाली महारत्न कंपनी होने के नाते, गेल प्रतिभा को आकर्षित करने के लिए निरंतर खोजरत रहती है, जो केवल एक नैतिक और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से ही संभव है।

सही कार्यबल निर्माण के लिए प्रतिभा अर्जन एक महत्वपूर्ण गतिविधि है, लेकिन प्रतिभा प्रबंधन गेल द्वारा चयनित एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो न केवल इस प्रतिभा पूल को बनाए रखता है, बल्कि उन्हें एक उत्कृष्ट कार्य माहौल भी प्रदान करता है।

गेल का औपचारिक संयुक्त प्रबंधन स्वास्थ्य और सुरक्षा समितियों में अपने कार्यबल का 100% प्रतिनिधित्व है जो व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित विषयों पर जागरूकता पैदा करने में हमारी मदद करती हैं ताकि कर्मचारी पर्याप्त कदम उठा सकें। कर्मचारियों को कार्यस्थल पर संरक्षा और कुशलता सुनिश्चित करने के लिए कोई भी परिचालन संबंधी परिवर्तन करने के लिए कम से कम 15 दिनों की अवधि दी जाती है।

हमने एक विविध और समावेशी कार्यबल को बनाए रखने की दिशा में भी कार्य किया है। हम एक ऐसे माहौल को बढ़ावा देते हैं, जो सदाचार और समावेश पर आधारित होता है, जहां सभी कर्मचारी अपनी पूरी क्षमता विकसित कर सकते हैं और जाति, पंथ, आयु, आस्था, दिव्यांगता, जातीयता, लिंग, लिंग पहचान, वैवाहिक जीवन या नागरिक भागीदारी की स्थिति, राजनीतिक राय, जाति, धर्म या यौन अभिविन्यास के आधार पर कोई उत्पीड़न या भेदभाव नहीं किया जाता है। समावेशी कार्यबल के अलावा, हम नैतिक श्रम प्रथाओं का पालन करते हैं। वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान, बाल श्रम या बलात मजदूरी कराने या मानवाधिकारों के उल्लंघन की कोई घटना सामने नहीं आई है।

अधिक समावेशी कार्यबल के अपने प्रयासों के रूप में, हमने अपने स्थानीय समुदाय से प्रतिभाओं को विकसित करने का प्रयास किया है।

समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 का पूर्ण अनुपालन किया जाता है और लिंग के आधार पर मजदूरी में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। महिला कर्मचारियों की भर्ती और उन्हें कंपनी में बनाए रखने के लिए हमने क्षेत्र के भीतर निहित चुनौतियों के बावजूद, उनके लिए अनुकूल माहौल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

गेल में महिला सेल महिला कार्यबल तक पहुंचने, चर्चा शुरू करने और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न सहित उनकी चिंताओं का पर्याप्त रूप से समाधान करने पर केंद्रित है। हमारे पास कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुसार कार्यस्थल पर रोकथाम, निषेध और निवारण पर एक नीति है। एक आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) यौन उत्पीड़न के संबंध में प्राप्त शिकायतों के निवारण के लिए स्थापित की गई है।

(i) कर्मचारी नियुक्ति और सशक्तीकरण

गेल न केवल एक समावेशी कार्यबल में विश्वास करता है, बल्कि एक ऐसे व्यवसाय को चलाने का भी समग्र प्रयास करता है जो सभी स्टेकधारकों के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह हो। गेल एक समावेशी कार्यबल और कर्मचारी सशक्तिकरण को प्राप्त करने के लिए भेदभाव न बरतने की नीति का पालन करता है। यह मजदूरों की यूनियनों, अधिकारियों की एसोसिएशनों, महिला मंचों, अ.जा./अ.ज.जा. कर्मचारियों, आदि को मान्यता और समर्थन देकर संघ और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता को बढ़ाती है। गेल में दो यूनियन हैं जो अपने संबंधित कर्मचारियों/स्टॉफ के हितों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

- गेल कर्मचारी एसोसिएशन (जीईए) – कॉरपोरेट कार्यालय को छोड़कर पूरे देश में विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों/संयंत्रों/स्थापनाओं में तैनात गैर–कार्यपालकों का प्रतिनिधि निकाय।
- गेल कर्मचारी एसोसिएशन (जीईए) – कॉरपोरेट कार्यालय में तैनात गैर–अधिकारियों का प्रतिनिधि निकाय।

गेल में, मान्यता प्राप्त संघ के सदस्यों के रूप में स्थायी कर्मचारियों की कुल संख्या 842 है, अर्थात् सामूहिक सौदेबाजी में कुल कर्मचारी प्रतिनिधित्व का 18.65% ।

वित्तीय वर्ष 2017–18 में कर्मचारियों से प्राप्त शिकायतें

इसके अतिरिक्त, हमारे परिचालन स्थलों पर लेडीज क्लब हैं और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहन देने और संतुष्टि बढ़ाने के लिए गेल महिला पुरस्कारों की स्थापना की है। 2017–18 में प्राप्त यौन उत्पीड़न के मामलों की संख्या: **शून्य**

अभिभावकीय अवकाश की स्थिति	लिंग	2016-17	2017-18
अभिभावकीय अवकाश के पात्र कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	4,097	4,213
	महिला	257	271
कर्मचारियों की संख्या अभिभावकीय अवकाश लेने वाले	पुरुष	142	157
	महिला	18	14
अभिभावकीय अवकाश के बाद काम पर लौटने वाले कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	142	157
	महिला	18	14
अभिभावकीय अवकाश समाप्त होने के बाद कर्मचारी काम पर लौट आए, जो उनके लौटने के 12 महीने बाद भी कार्यरत थे	पुरुष	141	156
	महिला	18	14
अभिभावकीय अवकाश समाप्त होने के बाद काम पर लौटे कर्मचारियों की दर	पुरुष	100	100%
	महिला	100	100%

मुआवजा सूचना	
संगठन के उच्चतम–भुगतान वाले व्यक्तियों के वार्षिक कुल मुआवजे में प्रतिशत वृद्धि (वित्तीय वर्ष 16–17 से वित्त वर्ष 17–18 तक)	79.29%
सभी कर्मचारियों के वार्षिक कुल मुआवजे (उच्चतम–भुगतान वाले व्यक्ति को छोड़कर) में औसत प्रतिशत वृद्धि (वित्तीय वर्ष 16–17 वित्तीय वर्ष 17–18 से)	0.78%
सभी कर्मचारियों के लिए औसत वार्षिक कुल मुआवजे की तुलना में संगठन के उच्चतम–भुगतान वाले व्यक्ति के वार्षिक कुल मुआवजे का अनुपात (उच्चतम–भुगतान वाले व्यक्ति को छोड़कर)।	2.99
वित्त वर्ष 2016–17 से वित्त वर्ष 2017–18 तक के उच्चतम भुगतान वाले व्यक्ति के कुल वार्षिक मुआवजे में गिरावट	7%
वित्तीय वर्ष 2016–17 से वित्त वर्ष 2017–18 तक वार्षिक कर्मचारी लागत में वृद्धि	5%

कार्य केंद्र और कॉर्पोरेट दोनों स्तरों पर कर्मचारियों के समूह के साथ मासिक/द्वि–मासिक/त्रैमासिक आधार पर चर्चा आयोजित की जाती है। हम औद्योगिक परिचालन अधिनियम 1947 की धारा 9ए तथा महत्वपूर्ण परिचालन परिवर्तनों के बारे में नोटिस की अवधि प्रदान करने के लिए अनुसूची 4 का अनुपालन करते हैं। गेल संविदा कर्मचारियों के लिए उचित प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित करता है। गेल स्थायी कर्मचारियों के लिए लागू सभी प्रासंगिक स्वास्थ्य और संरक्षा संबंधी आवश्यकताओं की कवरेज सुनिश्चित करता है और ऐसे मामलों को ट्रेड यूनियनों के साथ औपचारिक करारों में शामिल किया जाता है।

गेल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2018 के अवसर पर महिला गौरव सम्मान समारोह का आयोजन

(ii) मानवाधिकार

एक स्वस्थ, और समावेशी कार्यबल का निर्माण गेल के लिए महत्वपूर्ण है। हम पेशेवर व्यवहार के उच्चतम मानकों का पालन करते हैं और कंपनी से जुड़े सभी लोगों के सम्मान को बनाए रखते हैं। हम मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाले किसी भी कृत्य के प्रति शून्य सहिष्णुता रखते है। गेल में बच्चों से बलात् मजदूरी कराने के लिए शून्य–सहिष्णुता नीति है जो यह सुनिश्चित करती है कि हमारे किसी भी प्रचालन में ऐसा कोई रोजगार न हो। वित्त वर्ष 2017–18 में बच्चों से बलात् मजदूरी कराने की कोई घटना सामने नहीं आई है। कंपनी के मूल मूल्यों में से एक मानव का सम्मान करना और उसकी रक्षा करना है। हम संयुक्त राष्ट्र वैश्विक प्रभाव (यूएनजीसी) के हस्ताक्षरकर्ता हैं, जिनका मानवाधिकारों की ओर विशेष ध्यान है। हम व्यापार और मानव अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के मार्गदर्शी सिद्धांतों के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

हम देश में तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्र के कुछ संगठनों में से एक हैं, जिन्होंने अपने कर्मचारियों के लिए काम करने की शर्तों को सुनिश्चित करने के लिए एसए 8000 मानक को लागू किया है। गेल की प्रेरण प्रक्रिया में इन पहलुओं पर समझ विकसित करने के लिए गेल के सीडीए नियमों पर प्रशिक्षण देना भी शामिल है। गेल

खादी का प्रचार

भारत की आजादी से पूर्व स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पूरे भारत में एक लोकप्रिय कुटीर उद्योग होने के नाते खादी ने एक लंबा सफर तय किया है।

विदेश व्यापार महानिदेशक, आलोक वर्धन चतुर्वेदी के अनुसार, खादी क्षेत्र देश भर में लगभग 80 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है और उन्होंने यह सुझाव दिया कि सरकार द्वारा सहायता और पदोन्नति देकर इस पर्यावरण अनुकूल और दुष्प्रभाव मुक्त वस्त्रों को दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान की जा सकती है।

वर्तमान समय में खादी को भारत में खादी और ग्रामोद्योग आयोग, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है। अक्तूबर 2017 में प्रधानमंत्री के 'मन की बात' के माध्यम से खादी को और बढ़ावा देने से, खादी और हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री पिछली दर्ज की गई बिक्री की तुलना में 90% बढ़ी है। वर्ष 2017 में दिवाली के मौसम के दौरान, पूरे देश में खादी उपहार कूपन की बिक्री में 680% की वृद्धि देखी गई।

'राष्ट्र के लिए खादी, फैशन के लिए खादी' धीरे–धीरे वस्त्रों को विश्व मानचित्र पर एक स्वदेशी कपड़े के रूप में प्रस्तुत कर रहा है और बुनकरों, मध्यम–सूक्ष्म–लघु खादी उद्यमों और हथकरघा उद्योगों के लिए अवसरों को बढ़ा रहा है। इस वृद्धि ने न केवल उन्हें बढ़ी हुई मांग के तौर पर मुनाफा प्राप्त करने में मदद की है, बल्कि इसने उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में सुधार के साधन के रूप में भी काम किया है।

इस आंदोलन में योगदान करते हुए गेल ने 2017 में प्रत्येक कर्मचारी को 12,000 खादी उपहार कूपन वितरित किए थे। इन उपहार कूपनों का वितरण इस स्वदेशी क्षेत्र को बढ़ावा देना और उपेक्षित बुनकरों, एसएचजी, एमएसएमई और खादी की बिक्री पर निर्भर आदिवासी जनसंख्या की आय बढ़ाना था।

गेल में हम इस बात से गर्व और उत्साहित महसूस करते हैं कि हम इस आंदोलन में सार्थक योगदान दे रहे हैं। समय के साथ, गेल ने खादी क्षेत्र के विकास और स्थिरता के लिए 5.38 करोड़ रुपए का योगदान दिया है।

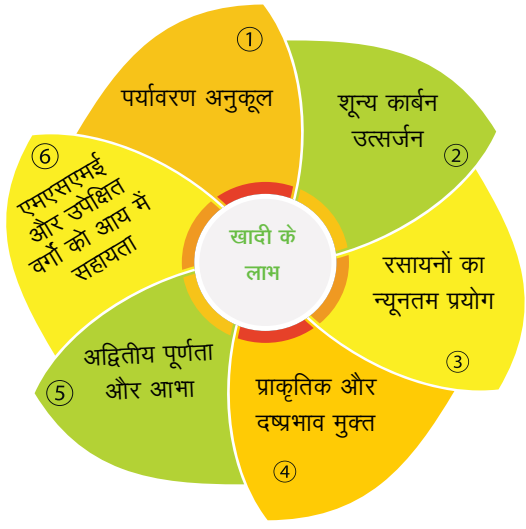

प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित श्रम कानूनों और आउटसोर्सिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानवाधिकारों के लगभग अधिकांश पहलुओं को कवर किया गया है। हर साल ऐसे कार्यक्रम अधिकारियों, गैर–अधिकारियों और संविदा कर्मचारियों के लिए वार्षिक प्रशिक्षण योजना के एक भाग के रूप में आयोजित किए जाते हैं।

हम भारत सरकार की नीतियों और प्रक्रियाओं से संबंधित समय–समय पर जारी किए गए राष्ट्रपति के निर्देशों और अन्य निदेशों/ मार्गदर्शनों का अनुपालन करते हैं। ये निर्देश अनुसूचित जाति (अ.जा.), अनुसूचित जनजाति (अ.ज.जा.), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और सीधी भर्ती में दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) के लिए आरक्षण, छूट, रियायतें आदि देने के संबंध में हैं।

जबकि 100% संचालन नियमित मानवाधिकार समीक्षा और प्रभाव मूल्यांकन के अधीन हैं, वित्त वर्ष 17–18 में कुल कर्मचारियों में से, 6% ने मानवाधिकारों के पहलुओं से संबंधित नीतियों और प्रक्रियाओं पर 4600 घंटे का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जो संचालन के लिए प्रासंगिक हैं।

गेल में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए एक परिभाषित नीति भी विद्यमान है। संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रत्येक स्थान पर संबंधित कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है। सभी सुरक्षाकर्मियों को सुरक्षा सेवाओं पर लागू मानवाधिकारों पर विशिष्ट प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया है।

13

हमारा निगमित सामाजिक दायित्व

वित्त वर्ष 17–18 सीएसआर व्यय
पिछले 3 वित्तीय वर्षों के
औसत निवल लाभ का 2.63%

सीएसआर पहलें

गेल को अपनी सीएसआर पहल के भाग के रूप में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी परियोजना के साथ जुड़े होने का गर्व है और इस परियोजना के लिए उसने 25 करोड़ रुपए का अंशदान दिया है।

हमारा निगमित सामाजिक दायित्व

गेल अपने आसपास के समुदायों और बड़े पैमाने पर समाज के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाकर एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मानना है कि किसी भी संगठन के लिए उसके आस–पास के समुदायों द्वारा सामना की जा रही कई सामाजिक और पारिस्थितिकी चुनौतियों के साथ गहरा और सार्थक संबंध रखना महत्वपूर्ण हो जाता है। एक स्वच्छ–ऊर्जा कंपनी होने के नाते, हमारा मानना है कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता होना काफी

> गेल का यह दृढ़ विश्वास है कि निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) किसी भी देश के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाता है और इसलिए, इसने सीएसआर को अपने लोकाचार और संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा बना दिया है। गेल सांविधिक अनुपालन के दायरे से परे जाकर अपने कार्य केंद्रों, और समाज में बड़े पैमाने पर स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर में सुधार करते हुए आर्थिक विकास के लिए प्रयत्नशील रहता है। अपने प्रयासों के विस्तार के लिए, गेल ने वित्त वर्ष 2017–18 में सीएसआर परियोजनाओं/गतिविधियों पर निर्धारित 2% व्यय (69.67 करोड़ रुपए) की तुलना में पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2.63% खर्च किया है।
>
> **निदेशक (मानव संसाधन)**

महत्वपूर्ण है। यह न केवल कंपनी के व्यावसायिक हित बढ़ाएगा, बल्कि गेल की कार्यनीति और सामाजिक कल्याण में भी योगदान करेगा। वर्ष 2017–18 में किसी भी परिचालन स्थल पर स्वदेशी लोगों के अधिकारों के उल्लंघन की कोई घटना नहीं हुई है। गेल में, हम उचित कार्य प्रक्रिया के माध्यम से सभी स्टेकधारकों से परामर्श करके पहल करते हैं जिसमें हम मीडिया, सरकार के प्रतिनिधियों, समुदायों, ज्ञान भागीदारों और नागरिक समाजों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हैं ताकि वे समुदायों से संबंधित मामलों में निर्णय लेने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित कर सकें।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान,

- स्थानीय सामुदायिक कार्य, प्रभाव आंकलन और विकास कार्यक्रमों के साथ प्रचालनों की कुल संख्या 100% थी।
- स्थानीय समुदायों पर महत्वपूर्ण वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों वाले प्रचालनों की कुल संख्या शून्य थी।

''हृदय'' नामक गेल का सीएसआर सिद्धांत एक समग्र अवधारणा है जिसमें बुजुर्गों और दिव्यांगों की देखभाल, ग्रामीण विकास और पर्यावरणीय परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करना शामिल हैं।

गेल ने उभरते मुद्दों की पहचान करने, परियोजनाओं का विकास करने और चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, समुदायों, सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य लोगों के साथ मिलकर एक बहु–हितधारक दृष्टिकोण अपनाया है। गेल ने अपने सीएसआर कार्यकलापों को पहचानने, उन्हें लागू करने, बनाए रखने और निगरानी करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करने का प्रयास किया है ताकि सतत् विकास, मात्रा और पारदर्शिता को अधिकतम किया जा सके।

गेल में सभी सीएसआर पहलों की निगरानी करने और उन्हें चलाने के लिए, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135(1) के प्रावधानों के अनुपालन में एक सीएसआर समिति का गठन किया गया था। दिनांक 31.03.2018 को इसकी संरचना इस प्रकार है:

- श्री बी.सी. त्रिपाठी, समिति के अध्यक्ष – अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
- श्री पी.के. गुप्ता – निदेशक (मानव संसाधन)
- श्री संजय टंडन – स्वतंत्र निदेशक
- श्री अनुपम कुलश्रेष्ठ – स्वतंत्र निदेशक

गेल की सीएसआर नीति को कंपनी की वेबसाइट www.gailonline.com पर अपलोड किया गया है।

सामाजिक कार्यक्रम और व्यय

वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान गेल का कुल सीएसआर व्यय 91.65 करोड़ रुपए था।

यह पिछले तीन वित्तीय वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2.63% है। यह कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित 2% की अनिवार्य सीमा से अधिक है, जो समुदाय के प्रति गेल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

गेल की प्रमुख स्वास्थ्य सेवा परियोजना 'आरोग्य' के तहत मोबाइल चिकित्सा यूनिटों (एमएमयू) के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करते लोग

प्रमुख कार्यकलाप और परिणाम

गेल अपने सामुदायिक कार्यक्रमों का विस्तार करने और उन्हें उनकी उत्कृष्ट क्षमता के अनुरूप मजबूती प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। यह गेल की इस अवधारणा की पुष्टि करता है कि सामाजिक जिम्मेदारी और स्थिरता को बनाए रखने के लिए व्यक्तिगत क्षेत्रों में कार्यक्रमों के निष्पादन के समय चीजों को व्यापक एकीकृत परिप्रेक्ष्य में देखना महत्वपूर्ण होता है। बेहतरीन ढंग से लागू किए गए इन कार्यक्रमों के नतीजे सामुदायिक विकास के बड़े कैनवास को प्रभावित करते हैं।

जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII के अंतर्गत उल्लिखित है, गेल ने सीएसआर कार्यकलाप के सात व्यापक क्षेत्रों की पहचान की है, जिनमें से प्रत्येक का शीर्षक उसके उद्देश्य के नाम पर रखा गया है जिसे वे प्राप्त करना चाहते हैं:

I. आरोग्य – पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता तथा पेयजल परियोजनाएं

II. उज्जवल (उज्ज्वल भविष्य की ओर) – शिक्षा पहल

III. कौशल – आजीविका सृजन और कौशल विकास पहल

IV. उन्नति – ग्रामीण विकास

V. सशक्त – महिला सशक्तिकरण पहल

VI. सक्षम – बुजुर्गों और दिव्यांगों की देखभाल

III. हरित – पर्यावरण केंद्रित पहल।

ध्यान दिए जाने वाले चयनित क्षेत्रों के अलावा, गेल उपभोक्ताओं, कर्मचारियों, निवेशकों, समुदायों और अन्य सहित पर्यावरण और हितधारकों पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए हर साल कुछ नई पहल करता है। इस अध्याय में 2017–18 में गेल द्वारा लागू की गई प्रमुख पहलों का विवरण दिया गया है और बाद में चयनित ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों के तहत की जाने वाली गतिविधियों को सूचीबद्ध करता है।

क) वर्ष (2017–18) के दौरान की गई प्रमुख पहल

	जीआईएसएस सत्र-1 2015-2016	जीआईएसएस सत्र-2 2016-2017	जीआईएसएस सत्र-3 2017-2018
जिलों में आयोजित खेल	53	107	120
राज्यों की कुल संख्या	10	27	29 & 7 UTs
कुल एथलीट भागीदार	25,000	1,13,547	1,24,000

#MakingIndiaOlympicReady

गेल रफ्तार एथलेटिक प्रतिभा खोज

- मुख्य गतिविधियाँ: वर्ष 2017–18 में गेल इंडियन स्पीडस्टार प्रतिभा स्काउटिंग के अंतर्गत 120 जिलों के 1,29,462 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अपने 3 वर्षों के इस सफरनामे में, गेल ने पूरे भारत में 278 नोडल जिलों को कवर किया है, जिसमें अब तक कुल 2,69,039 प्रतिभागियों के भाग लिया है। वर्ष 2017–18 (सीजन III) में, 24 राज्यों से चयनित 246 एथलीटों के लिए इंटरनेशनल यूथ हॉस्टल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में 16 से 21 फरवरी 2018 तक छह दिनों का एक राष्ट्रीय शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें उन्हें एक अच्छे कोच के मार्गदर्शन में रहने के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान की गई थीं। फरवरी 2018 में रेसर ट्रैक क्लब, किंग्स्टन, जमैका में 25 दिनों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें परियोजना के पहले दो सत्रों से चुने गए 14 बेहद प्रतिभाशाली एथलीटों को रखा गया था। 22 फरवरी 2018 को आयोजित

ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय एथलीटों को तैयार करना

श्री पीके गुप्ता, निदेशक (एचआर), गेल ने 25 शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारों के गेल स्पीड स्टार प्रशिक्षण की स्थिति की समीक्षा की जिसमें एथलीट के लिए पूर्णकालिक कोच और फिजियोथेरेपिस्ट की नियुक्ति, सप्लिमेंट्स, जूते और स्पाइक्स के प्रावधान, उम्मीदवारों को प्रदान की जाने वाली उच्च प्रशिक्षण, चयनित उम्मीदवारों की पोषण संबंधी आवश्यकता, खेल बायोमैकेनिक्स और वीडियो विश्लेषण उपकरणों के उपयोग शामिल थे।

सीजन III के लिए नेशनल फिनाले में, नौ एथलीटों को ओलंपिक 2020 में राष्ट्र का नाम रोशन करने के लिए सीजन I और II के पहले से चयनित 14 एथलीटों के साथ आगे प्रशिक्षित करने के लिए चुना गया था।

- परिणाम: इस पहल से देश के युवाओं के बीच खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, ताकि युवाओं को आगे आने और खेल को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके जिसके लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट आह्वान किया है।

गेल श्रीजन

- मुख्य गतिविधियाँ: उत्तराखंड में आई विनाशकारी बाढ़, जिसने घाटी में कहर बरपाया था, की प्रतिक्रिया स्वरूप वर्ष 2013 में शुरू की गई परियोजना 'सृजन' ने एक बहु–क्षेत्रीय और बहु–खतरा दृष्टिकोण को अपनाते हुए प्रभावित समुदायों को एकीकृत ढंग से दीर्घकालिक सहायता प्रदान की है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के 10 गांवों के पुनर्वास के उद्देश्य से बनी यह परियोजना भविष्य में आने वाली आपदा की स्थिति में नुकसान को कम करने के समग्र उद्देश्य के साथ सामान्य स्थिति में लौटने की सुविधा प्रदान करती है।

वर्तमान वर्ष में परियोजना के प्रमुख घटकों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- अगस्त्यमुनि ब्लॉक, रुद्रप्रयाग में रेडियो स्टेशन का प्रचालन
- घरेलू हिंसा और मद्यपान के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए तथा कौशल विकास के लिए सीआरटीसी लॉन में ऑटो वूलन गारमेंट मशीन का प्रशिक्षण देने के लिए गाँव और ब्लॉक–स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- सीआरटीसी के लिए राजस्व उत्पन्न करने और परियोजना को टिकाऊ बनाने के लिए सीआरटीसी उखीमठ में ऑर्गेनिक रूफ टॉप कैफे की स्थापना करना।
- महिलाओं की स्वच्छता संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए सैनिटरी नैपकिन यूनिट की स्थापना करना
- सीआरटीसी में निर्मित उत्पादों के विपणन के लिए लाभार्थियों को पैकेजिंग और रैपिंग प्रशिक्षण प्रदान करना
- गांवों में सौर स्ट्रीट लाइटें लगाना और देहरादून और नोएडा (गेल की आवासीय कॉलोनी) में बिक्री आउटलेट की स्थापना करना
- **परिणाम:** परियोजना ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 23,000 से अधिक लोगों को कवर किया है। 28 कौशलों में 7,000 से अधिक व्यक्तियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। कुल मिलाकर, तीन सामुदायिक संसाधन प्रशिक्षण केंद्र (सीआरटीसी) स्थापित किए गए हैं, जिसमें विभिन्न आय सृजन इकाइयाँ जैसे कि मसाला बनाने, जूस बनाने, बेकरी इत्यादि की स्थापना की गई है।

इस परियोजना ने कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं। हाल ही में प्राप्त पुरस्कार में इंडिया सीएसआर अवार्ड 2018 शामिल है। इसे बिजनेस इन द कम्युनिटी (बीआईटीसी) नेटवर्क, यूके द्वारा दिए गए यूपीएस इंटरनेशनल डिज़ास्टर रिलीफ एंड रिसिलिएंस अवार्ड के अंतिम दौर के लिए भी चुना गया था।

मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) (आरोग्य)

- **मुख्य गतिविधियाँ:** पूरे भारत के 11 राज्यों, अर्थात् उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, उत्तराखंड, गुजरात, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र में फैली 31 मोबाइल मेडिकल यूनिटों को सहायता दी गई।

  प्रत्येक आरोग्य एमएमयू में निम्नलिखित शामिल हैं:

  * योग्य एमबीबीएस डॉक्टर
  * नर्स (एएनएम)
  * प्रयोगशाला तकनीशियन
  * फार्मेसिस्ट

स्वच्छ भारत पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा 16 से 31 जुलाई, 2017 तक पूरे गेल में मनाया गया। पखवाड़े के दौरान, स्वच्छता अभियान में सार्थक योगदान देने और स्वच्छता के संदेश का प्रसार करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ की गई थीं।

मुख्य विशेषताएं:

- विभिन्न कार्य केंद्रों अर्थात् विजाग, लखनऊ, गांधार, भरूच, विजयपुर, चंडीगढ़, आबू रोड, हैदराबाद, नोएडा, निगमित कार्यालय में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविरों के तहत 600 सफाई साथियों को शामिल किया गया।
- ट्रक ड्राइवरों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया
- निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया
- व्यावसायिक, जीवन–शैली और अन्य रोगों के लिए दवाएं वितरित की गई
- स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थानों अर्थात् गेल–सफदरजंग मकबरा और पुराना किला स्मारकों में क्रमशः 16 जुलाई 2017 और 22 जुलाई 2017 को कर्मचारियों द्वारा श्रमदान करके स्वच्छता गतिविधियों चलाई गई।

पुराना किला, दिल्ली में स्वच्छता पखवाड़ा की झलकियां

* आवश्यक दवाएँ
* डायग्नोस्टिक किट (स्वास्थ्य जांच मशीन)
* स्वास्थ्य और स्वच्छता पर सूचना और जागरूकता सामग्री

एक एमएमयू प्रति सप्ताह पाँच से आठ गाँवों को कवर करती है, और सालाना लगभग 25,000 रोगियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है। सभी एमएमयू दूरस्थ निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए जीपीएस–समर्थित और जियो–फेंस्ड हैं, जिनसे वास्तविक समय की निगरानी की जाती है।

परियोजना 'आरोग्य' एमएमयू स्वास्थ्य सेवा में निम्नलिखित शामिल हैं:

* मुफ्त डॉक्टरी सलाह
* दवाओं का मुफ्त वितरण
* बुनियादी नैदानिक परीक्षण
* अन्य स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में रेफर करना

अधिकारों और पात्रता, सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में जानकारी और जागरूकता सामग्री भी प्रदान की जाती है। परियोजना 'आरोग्य' के तहत त्रैमासिक नेत्र जांच और चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किए जाते हैं।

ख) चयनित ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों के अंतर्गत प्रमुख परियोजनाएँ

आरोग्य – संपूर्ण आरोग्यता जिसमें स्वास्थ्य और स्वच्छता, पेयजल और पोषण संबंधी पहलें शामिल

- **विवरण:** गेल स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल और पोषण के क्षेत्र में सरकार के प्रयासों में योगदान करते हुए अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से मुद्दों (ऊपर उल्लिखित) का समाधान करने के लिए सक्रिय प्रयास कर रहा है।
- **प्रमुख गतिविधियां**
  * 31 एमएमयू के लिए सहायता दी
  * पाता (औरैया, उ.प्र.) और विजयपुर (गुना, म.प्र.) में गेल की स्थापनाओं में आने वाले ट्रक चालकों को बड़े पैमाने पर यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई) उपचार और एसटीआई क्लीनिकों के माध्यम से एचआईवी परीक्षण और एचआईवी की रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया गया।
  * उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों में हजारों परिवारों को पेयजल तक पहुंच में सुधार के लिए 353 हैंडपंपों की स्थापना की गई।
  * स्वच्छता के क्षेत्र में गतिविधियाँ की गई।

उज्ज्वल – शिक्षा–केंद्रित पहल

- **विवरण:** कर्नाटक में विभिन्न सरकारी स्कूलों में स्मार्ट कक्षाएं स्थापित करने, तेलंगाना में जूनियर कॉलेजों के निर्माण, आदि सहित बुनियादी ढाँचे का विकास करना और नवीकरण कार्यक्रम।
- **प्रमुख गतिविधियां**
  * सावधानीपूर्वक चयन प्रक्रिया के माध्यम से 100 छात्रों का चयन किया गया, जिसमें से 99 छात्रों ने 30 अप्रैल 2018 को घोषित आईआईटी– जेईई परीक्षा उत्तीर्ण की।
  * भुवनेश्वर, ओडिशा में आदिवासी परिवारों के बच्चों के लिए छात्रावास;

रायबरेली में कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) में विभिन्न विषयों के कौशल में प्रशिक्षित उम्मीदवार

कोडंगल और कोसगी, तेलंगाना में जूनियर कॉलेज का निर्माण शुरू किया गया।

* एनआईटी–राउरकेला, आदि में एक इनकुबेशन केंद्र के लिए सहायता दी गई।
* गेल धर्मार्थ और शिक्षा ट्रस्ट के माध्यम से 174 छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई।
* राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव फाउंडेशन के साथ साझेदारी में असम, जम्मू एवं कश्मीर और ओडिशा में 600 हिंसा प्रभावित बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
* तेलंगाना और मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विभिन्न आधारभूत ढांचा विकास पहलों को रेखांकित किया गया।

कौशल – आजीविका सृजन और कौशल विकास पहल

- विवरण: उपेक्षित वर्गों के लोगों को सक्षम और सशक्त बनाना, ताकि वे कौशल विकास पहलों के माध्यम से परिवर्तन के एजेंट बन सकें।
- **प्रमुख गतिविधियां**
  * गुना (म.प्र.) और ममीदीकुदुरू (पूर्वी गोदावरी, आंध्र प्रदेश) में दो कौशल स्कूलों का संचालन किया गया, जिसमें 1200 से अधिक उम्मीदवारों ने 'कौशल' में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिनमें वेल्डर, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, सोलर टेक्नीशियन, सीएमसी ऑपरेटर, इंस्ट्रूमेंट टेक्नीशियन, सहायक सर्वेक्षक, सहायक राजमिस्त्री, वेल्डिंग सहायक, ऑटो सीएडी, आदि शामिल थे।
  * गुवाहाटी, इंफाल, चेन्नई और औरंगाबाद में केंद्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी (सीआईपीईटी) के चार केंद्रों में प्लास्टिक उत्पादों के विनिर्माण, इंजेक्शन मोल्डिंग और रफ्फिया संयंत्र प्रोसेसिंग के क्षेत्र में 126 उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
  * विज़ाग, कोच्चि, रायबरेली और भुवनेश्वर में हाइड्रोकार्बन क्षेत्र कौशल परिषद (एचएसएससी) और कौशल विकास संस्थानों (एसडीआई) की स्थापना के लिए सहायता दी।
  * गुना (म.प्र.) में सेनेटरी नैपकिन इकाई की स्थापना की गई।

उ.प्र. में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार प्रदान करने के लिए, गेल ने रायबरेली में तेल और गैस पीएसयू, अर्थात् बीपीसीएल, ओएनजीसी, आईओसीएल, एचपीसीएल, ऑयल इंडिया, ईआईएल और बाल्मर एंड लॉरी के साथ मिलकर कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) की स्थापना की है। एसडीआई, रायबरेली ने पाइप फिटर (शहर गैस वितरण) पर तीन माह लंबे कार्यक्रम के पहले बैच की शुरुआत के साथ नवंबर 2017 से भारतीय टेलीफोन उद्योग, रायबरेली में अपने परिसर से काम करना शुरू कर दिया है।

पाइप फिटर (शहर गैस वितरण) शहर गैस वितरण क्षेत्र में कौशल प्रदान करने वाला अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है, जो स्मार्ट शहरों में ढांचागत विकास के लिए योगदान देता है। इन सभी कार्यक्रमों में से प्रत्येक बैच राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के मानदंडों के अनुसार 30 छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। ये सभी कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (एनएसक्यूएफ) – भारत सरकार के लेवल 4 से जुड़े हैं और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र कौशल परिषद और राष्ट्रीय कौशल विकास कॉर्पोरेशन द्वारा विधिवत अनुमोदन प्राप्त हैं।

उन्नति – ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचा पहल

- **विवरण:** सतत् विकास दृष्टिकोण, अर्थात् समाज की आर्थिक प्रतिस्पर्धा अपने सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य से जुड़ी है, से प्रेरणा लेते हुए गेल ने ग्रामीण विकास को गति प्रदान करने के लिए पहल लागू की हैं।
- **प्रमुख गतिविधियाँ**
  * पुलों, निकास प्रणालियों, सड़कों, सामुदायिक संसाधन हॉल और चारदीवारी के निर्माण द्वारा परिसंपत्ति सृजन में निवेश करना।
  * अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), पूर्वी गोदावरी (आंध्र प्रदेश), वाघोडिया (गुजरात), और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में विभिन्न गांवों में विकास कार्य, आदि।
  * उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश के चयनित गांवों में 1,392 सौर स्ट्रीट लाइट यूनिटें और 675 सौर लालटेन लगाना।

सशक्त – महिला सशक्तिकरण पहल

- **विवरण:** गेल का मानना है कि महिला की स्थिति से समाज की प्रगति का सही अंदाजा लगाया जा सकता है और इसलिए हमें महिला केंद्रित पहल पर ध्यान देना चाहिए।
- **प्रमुख गतिविधियां**
  * दिल्ली के शहरी इलाकों में 180 किशोरियों और महिलाओं के लिए लैंगिक संवेदनशीलता, कानूनी जागरूकता और रोजगार कौशल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
  * महिलाओं को परिधान डिजाइन, खाद्य प्रसंस्करण, मधुमक्खी पालन,

जैविक खेती, उत्पाद डिजाइन और वित्तीय साक्षरता सहित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए

सक्षम – बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की देखभाल

- **विवरण:** दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिक्षा पहल पर ध्यान केन्द्रित करना।

हरित – पर्यावरण–केंद्रित पहल

- **विवरण:** पर्यावरण–केंद्रित पहलों पर ध्यान केंद्रित करना।

समुदायों के लिए कर्मचारी संबद्धता

गेल सीएसआर ने 11 से 22 दिसंबर 2017 तक 'स्प्रेड द वॉर्म्थ' का आयोजन किया, जिसमें गेल के कर्मचारियों ने दिल्ली और उसके आसपास के वंचित, बेघर और जरूरतमंद लोगों के लिए कपड़े, ऊनी, सर्दियों की आवश्यक वस्तुएं और अन्य उपयोगी वस्तुओं का दान किया। कर्मचारियों ने इसमें उत्साह के साथ भाग लिया तथा उपेक्षित और बेघर लोगों के लिए ऊन, कंबल, कपड़े, पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के जूते आदि का दान किया। इसी तरह की गतिविधियाँ गेल के विभिन्न स्थलों द्वारा भी आयोजित की गई जिसके अंतर्गत आस–पास के समुदायों को सहायता दी गई तथा सीएसआर से परे सामूहिक कर्मचारी योगदान द्वारा आवश्यक वस्तुएँ प्रदान की गई।

स्वच्छ भारत पहल

स्वच्छ भारत के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किए गए आह्वान के एक भाग के रूप में, गेल ने वर्ष 2014 से वर्तमान वर्ष तक की अवधि के दौरान सरकारी स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 4,305 शौचालयों के निर्माण/नवीनीकरण के लिए सहायता दी, जो ओडिशा के दस जिलों में, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश के तीन जिलों में, बिहार के चार जिलों में, उत्तराखंड के दो जिलों में और मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के एक–एक जिले में मौजूद थे। गेल ने सृजित उपयोगिताओं का सतत् उपयोग सुनिश्चित करने के लिए इन स्कूलों में बनाए गए स्वच्छता बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए भी सहायता दी है।

स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थान

गेल ने अपनी सीएसआर पहल के तहत ताजमहल, आगरा और यमुनोत्री, उत्तरकाशी को स्वच्छता और रखरखाव के लिए अंगीकार किया है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थलों (एसआईपी) को भारत में चुनिंदा प्रतिष्ठित विरासत, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थानों के आधार पर एक विशेष पहल के रूप में चुना गया है। परियोजना में प्रतिष्ठित स्थलों के संपूर्ण रखरखाव और स्वच्छता दोनों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्य विशेषताएं

- नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
- सड़कों की साफ–सफाई करना
- भूदृश्य रखरखाव
- बागवानी रखरखाव और कचरे को हटाना
- पार्कों में फव्वारे लगाना
- वाटर वेंडिंग मशीन आदि का संचालन और रखरखाव।

गेल, पीटीजेड कैमरा के साथ आईपी–आधारित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली और हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर आदि की निगरानी सहित स्थानीय वायरलेस इंटरनेट नेटवर्क की स्थापना के लिए सहायता दे रहा है, जिसमें सौंदर्य की दृष्टि से अविकसित यमुनोत्री तीर्थ के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

सामाजिक कार्यकलाप सीएसआर पुरस्कार 2018

मुख्य विशेषताएं

- उत्तर प्रदेश में भदोही और इलाहाबाद में 93 सामुदायिक शौचालय का निर्माण।
- आगरा, गंधार, नसीराबाद, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, चंडीगढ़ और कानपुर में 114,000 घरेलू कचरा डिब्बे और 2,600 100 लीटर की क्षमता वाले सार्वजनिक कूड़ादान उपलब्ध कराए गए।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के लिए योगदान

गेल को अपनी सीएसआर पहल के एक भाग के रूप में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परियोजना के साथ जुड़े होने पर गर्व है और उसने इस परियोजना के लिए 25 करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार सरोवर बांध के आसपास के क्षेत्र में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया जा रहा है। यह मूर्ति एक प्रतिष्ठित 182 मीटर ऊंची प्रतिमा है जो भारत के लौह पुरुष, एक दूरदर्शी नेता और राजनीतिज्ञ सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है। कांसा जड़ित यह प्रतिमा अखंड भारत की प्रतीक है।

14

ग्राहक

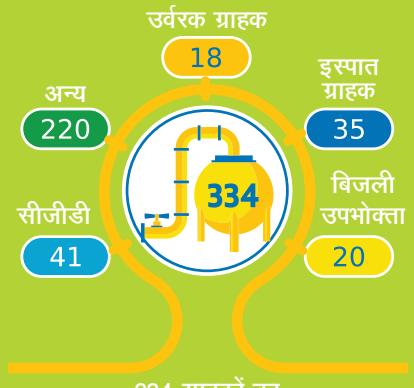

334 ग्राहकों का
आरएलएनजी ग्राहक आधार

गेल ने टाटा मोटर्स से उत्कृष्ट
आपूर्तिकर्ता पुरस्कार प्राप्त किया

ग्राहक

गेल भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के साथ–साथ अपने ग्राहकों को बेहतर मूल्य प्रदान करने के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने का प्रयास कर रहा है। गेल अपने ग्राहकों को विकास में भागीदार के रूप में मानता है और सेवाओं और उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करता है। अपने मिशन वक्तव्य के माध्यम से, गेल ग्राहकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को स्वीकार करता है। हमारी अपने सभी ग्राहकों को चौबीसों घंटे प्राकृतिक गैस और एलपीजी की निर्बाध सेवा प्रदान करने की विरासत रही है।

अपनी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यम कंपनियों के माध्यम से गेल ने भारत में घरेलू, वाणिज्यिक और परिवहन क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए नगर गैस परियोजनाओं की शुरुआत की है। प्राकृतिक गैस की प्रमुख आपूर्ति में बिजली संयंत्रों को ईंधन (23%), गैस आधारित उर्वरक संयंत्रों के लिए फीडस्टॉक (33%) और एलपीजी निष्कर्षण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इस्पात उद्योग, रिफाइनरी और घरेलू उपभोक्ताओं को भी की जाती है।

गेल अपने अखिल भारतीय पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से भारत के राज्यों में अपने ग्राहकों को स्वच्छ ईंधन की आपूर्ति के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करता है। कुल मिलाकर, गेल के पास 334 ग्राहकों का आरएलएनजी ग्राहक आधार है, जिसमें 18 उर्वरक ग्राहक, 35 इस्पात ग्राहक, 20 विद्युत ग्राहक, 41 सीजीडी और 220 अन्य (मोटर वाहन, चीनी मिट्टी, फार्मा, पेपर, ग्लास, रसायन, एल्यूमीनियम, भोजन) आदि शामिल हैं।

हमने इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान 2,086 ग्राहकों को सेवाएं प्रदान कीं।

ग्राहकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, गेल अपने ग्राहकों के लिए बेहतर संतुष्टि स्तर और संशोधित संविदा शर्तें सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट उपाय करता है तथा उन्हें अमल में लाने पर अत्यधिक ध्यान देता है। हम समय–समय पर प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने, स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों को लागू करने, फीडबैक प्राप्त करने, ग्राहकों की समस्याओं को दूर करने और ग्राहकों के साथ जुड़ने के लिए विभिन्न पहल कर रहे हैं। उपर्युक्त अध्याय में उपरोक्त निर्दिष्ट क्षेत्र में से प्रत्येक के अंतर्गत किए गए उपायों का विवरण दिया गया है।

ग्राहकों के लिए अनुकूल परिवेश बनाने, उन्हें तेजी से जानकारी प्रदान करने, संपर्क बिंदुओं की संख्या को सीमित करने और प्रोसेसिंग के समय को कम करने के लिए, गेल ने कई

गेल में पेट्रोकेमिकल व्यवसाय की बैठक कन्साइनमेंट स्टश्वकिस्टों के साथ आयोजित की गई

प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाया है। वर्तमान वर्ष के दौरान लागू की गई कुछ प्रमुख डिजिटल पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- मापन विश्लेषण रिपोर्ट बनाने के लिए ऑनलाइन प्रणाली विकसित की गई है जो प्रत्येक व्यावसायिक स्थान के लिए गैस की खपत के आंकड़ों का विश्लेषण करती है और ग्राहक की औसत खपत से होने वाले किसी भी विचलन का पता लगाती है। यह सांख्यिकीय टूल खपत पैटर्न में व्यापक बदलाव के मामले में इंगित करता है।
- ग्राहक स्व–प्रमाणन और वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) के लिए विकसित पोर्टल।
- ग्राहक बिक्री चालान पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से हस्ताक्षर लेने और उसे भेजने के लिए डिजिटल प्रणाली विकसित की गई।
- ग्राहकों को अपनी मांग की योजना बनाने की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रेषण हेतु स्वतः अलर्ट प्रणाली विकसित की गई।
- जीआईएस मैपिंग परियोजना बनाई गई जो नई ग्राहक कनेक्टिविटी की योजना के लिए सभी पाइपलाइन परिसंपत्तियों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाती है।

तकनीकी उत्कृष्टता

गेल नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित गेल पॉलिमर प्रौद्योगिकी केन्द्र (जीपीटीसी) के माध्यम से अपने सभी ग्राहकों को गेल पॉलिमर ग्रेडों के बारे में तकनीकी सेवाएं और उत्पाद संबंधी पूछताछ सुविधा प्रदान करता है। जीपीटीसी ग्राहकों और संयंत्रों के बीच इंटरफेस के रूप में कार्य करता है। यह गेल के पॉलीमर उत्पाद विकास और ग्राहक सेवाओं की प्रमुख संपत्ति है। जीपीटीसी अत्याधुनिक विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है जैसे कि ट्विन स्क्रू एक्सट्रूडर, लैब स्केल फिल्म प्लांट, कैपिलरी रहेओमीटर, हाके रहेयोकॉर्ड, यूनिवर्सल टेंसिले टेस्टर, एमएफआई मशीन, ईएससीआरउपकरण, कंप्रेशन माउल्डिंग मशीन, कोलोरिमीटर टीयर टेस्टर, हेज़ मीटर, विभेदक स्कैनिंग एफटीआईआर, वेदरोमीटर आदि।

गेल जीपीटीसी नोएडा

जीपीटीसी ग्राहकों को गेल के साथ दीर्घकालिक लाभप्रद साझेदारी बनाने के लिए निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है:

- ग्राहक की शिकायत का निवारण
- गेल ग्रेडों के उचित चयन के लिए मार्गदर्शन
- नया एप्लीकेशन विकास और ग्राहक लाभ के लिए प्रचार
- बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए गेल ग्रेड का निरंतर विकास और सुधार
- प्लास्टिक से संबंधित बीआईएस समितियों में प्रतिनिधित्व
- पॉलीमर नमूनों का परीक्षण
- विभिन्न तकनीकी मंचों में प्रस्तुति
- उद्यमी मार्गदर्शन

ग्राहक सहभागिता

गेल व्यापक ब्रांड साख विकसित करने और अपने प्रतिस्पर्धी लाभ को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न ग्राहक सहभागिता पहल करता है। नियमित ग्राहक सहभागिता बाजार की गतिशीलता के बारे में समय पर जानकारी प्राप्त करने, बिक्री बढ़ाने और ग्राहक की समस्या, सुझाव और शिकायतों को दूर करने के लिए ग्राहक संबंध बनाने और उन्हें सुदृढ़ करने में सक्षम बनाती है।

हम अपने स्थलों पर सभी ग्राहकों को गेल द्वारा हाल के घटनाक्रमों और ग्राहक उन्मुख पहलों से अवगत कराने के लिए 'ग्राहक बैठक' का आयोजन करते हैं। ये बैठकें परस्पर लाभप्रद व्यावसायिक संबंधों पर बातचीत सुनिश्चित करती हैं और विशेष रूप से पर्यावरण के अनुकूल प्राकृतिक गैस ईंधन के लाभों, जैसे उपयोग में आसानी, निरंतर आपूर्ति आदि पर जानकारी साझा करने की सुविधा प्रदान करती हैं।

ग्राहकों के लिए अपनी आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को साझा करने, परिचालन संबंधी समस्याओं को बताने और नए उत्पाद विकास पर प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए एक ऑनलाइन सुझाव बॉक्स भी उपलब्ध है। ग्राहकों के लिए अपनी शिकायतों को दर्ज करने, स्थिति का जायजा लेने और संबंधित विभागों से विलंब न होने की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए एक ऑनलाइन ग्राहक शिकायत पोर्टल भी उपलब्ध है।

गेल सर्वेक्षण के माध्यम से बाजार स्थान पर उत्पाद या सेवा के मूल्य की अवधारणा को समझने के लिए तृतीय–पक्ष ग्राहक मूल्य प्रबंधन (सीवीएम) दौरों का भी आयोजन करता है जिसमें ग्राहकों से पूर्व निर्धारित अनेक प्रश्न

गेल की जीपीटीसी प्रयोगशाला

पूछे जाते हैं। ये प्रश्न प्रतिस्पर्धी ग्राहकों से भी पूछे जाते हैं ताकि प्रतिस्पर्धियों के प्रस्तावों को समान महत्व दिया जा सके। एक साधारण गणना प्रतिस्पर्धा के साथ हमारे व्यवसाय की तुलना में एक के समकक्ष अंक के आधार पर एक अनुपात अंक देती है। 75 चयनित ग्राहकों पर हाल में आयोजित तृतीय पक्ष सीवीएम में, गेल ने पेट्रोरसायन व्यवसाय में 8.0, प्राकृतिक गैस व्यवसाय के लिए 8.2 और तरल हाइड्रोकार्बन व्यवसाय के लिए 8.6 अंक हासिल किए, जो 7.0 के अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क की तुलना में 8.2 के कुल अंक तक पहुंच गया।

ग्राहकों के साथ बातचीत के सभी व्यापार खंड–वार सारांश को 'ग्राहक की आवाज' और 'शक्ति और सुधार क्षेत्र पर गुणवत्ता के परिप्रेक्ष्य' के रूप में तृतीय पक्ष द्वारा प्रदान किया जाता है, जिसे कार्यान्वयन के लिए विपणन समूह के साथ लिया जाता है।

ग्राहक संतुष्टि

कंपनी के उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए, हम अपने ग्राहकों से निरंतर प्रतिक्रिया चाहते हैं, जिसका विश्लेषण और कार्रवाई क्षेत्रों की पहचान के लिए विभिन्न स्तरों पर विचार–विमर्श किया जाता है और इस संबंध में, कई मापदंडों पर ग्राहकों की संतुष्टि के स्तर की जांच करने के लिए एक वार्षिक सर्वेक्षण किया जाता है जैसे कि हमारे उत्पाद की गुणवत्ता, उत्पाद की उपयोगिता, तकनीकी सहायता, सामग्री का वितरण, पैकेजिंग, सेवा की गुणवत्ता, समस्या और सुधार के लिए सुझाव। इस ग्राहक प्रतिक्रिया को छमाही आधार पर ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किया जाता है।

वित्त वर्ष 2017– 18 के लिए भारित औसत हितधारक संतुष्टि सूचकांक 88.30% है।

ग्राहक संपर्क बैठक (गेल, मुंबई)

गेल, मुंबई द्वारा दिनांक 24/06/2018 को आयोजित ग्राहक संपर्क बैठक के दौरान लिया गया चित्र

समस्याओं का समाधान

हमारा व्यवसाय कितना भी सुव्यवस्थित क्यों न हो, ग्राहक की शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं। गेल इन शिकायतों को दृढ़ता से स्वीकार करता है और प्रभावी ढंग से निपटने में विश्वास करता है। हमारे पास शिकायतों को जल्दी और सबसे प्रभावी तरीके से हल करने के लिए एक ठोस प्रणाली है। हम प्रारंभिक समस्या से लेकर अंतिम समाधान तक सभी ग्राहक शिकायतों का एक व्यापक रिकॉर्ड भी रखते हैं। किसी भी सामान्य शिकायतों की पहचान करने और कंपनी में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए समय–समय पर रिकॉर्ड का आंकलन किया जाता है।

प्लास्ट इंडिया 2018

प्लास्टइंडिया बैठक और बातचीत/गेल पैवेलियन, प्लास्टइंडिया 2018, 7–12 फरवरी 2018

भारत की एक प्रमुख प्रदर्शनी में गेल के स्टॉल की झलक

एमओपीएनजी ई–सेवा: एक सरकारी सोशल मीडिया आधारित तेल और गैस क्षेत्र शिकायत निवारण मंच

एमओपीएनजी ई–सेवा एक ऑनलाइन पोर्टल है जिसे पेट्रोलियम और गैस संबंधी सेवा से संबंधित किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए डिजाइन किया गया है। उपभोक्ताओं के लिए कई तरह से फायदेमंद होने के साथ, यह पोर्टल ग्राहकों के लिए सरकार से संपर्क करने की प्रक्रिया को आसान बनाता है जो पेट्रोलियम, गैस पाइपलाइनों और पीएनजी, सीएनजी से संबंधित कोई शिकायत करना चाहते हैं। यह सेवा गैस लीक हेल्पलाइन – 1906 का विस्तारित रूप है जो उपभोक्ताओं को किसी भी मुद्दे को सोशल मीडिया के माध्यम से समाधान करने में सक्षम बनाती है।

ट्विटर के माध्यम से हर दिन 50 से अधिक प्रश्नों को भेजने के साथ, यह पोर्टल हर उपभोक्ता को बातचीत की सुविधा प्रदान करता है। उत्तर निर्धारित समय में भेजे जाते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिकायत के समाधान में आगे कोई विलंब न हो। हर कोई फेसबुक पर पोर्टल /MoPNGeSev या ट्विटर पर / MoPNG_eSeva से संपर्क कर सकता है और उसे प्रतिक्रिया यथाशीघ्र भेज दी जाएगी।

15

आपूर्तिकर्ता

संविदाओं के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने के लिए गेल के ईआईसी हेतु 6 इंजीनियर प्रभारी (ईआईसी) कोचिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए

100% नए आपूर्तिकर्ताओं को पर्यावरण, मानवाधिकारों और श्रम प्रथा मानदंडों की कसौटी पर जांचा गया है।

आपूर्तिकर्ता

आपूर्तिकर्ता संगठनात्मक प्रक्रिया और गतिविधियों के मूल में होते हैं और इस प्रकार, बाजार में संगठन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। आपूर्तिकर्ता आवश्यक सामग्री इनपुट और सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि संगठन संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में मूल्य सृजन प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। आपूर्ति श्रृंखला के दौरान बनाए गए ऐसे मूल्य से दीर्घकालिक ग्राहक संतुष्टि मिलती है। एक सुनियोजित और दक्ष आपूर्तिकर्ता संबंध प्रबंधन से लाभकारी प्रभाव प्राप्त होता है।

गेल में, हम आपूर्तिकर्ता प्रबंधन के महत्व को समझते हैं और सभी आपूर्तिकर्ताओं को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए एक कार्यनीतिक दृष्टिकोण अपनाते हैं। विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं को खरीद प्रणालियों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाने के लिए विभिन्न पहलों जैसे कि बिल निगरानी प्रणाली, ई–निविदा, ई–भुगतान, आदि को पहले ही लागू किया जा चुका है। हम सामग्री और सेवाओं की खरीद की एक उचित और सुदृढ़ प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सभी आपूर्तिकर्ताओं को सत्यनिष्ठा समझौता और धोखाधड़ी निवारण नीति प्रदान करते हैं। गेल यूनाइटेड नेशन्स ग्लोबल कॉम्पेक्ट (यूएनजीसी) के सिद्धांतों का पालन करता है जो भ्रष्टाचार–रोधी सिद्धांत को सूचीबद्ध करता है। इसके अलावा, गेल द्वारा दिए गए सभी अनुबंधों में गेल द्वारा अनुमोदित स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण नीति शामिल होती है।

गेल समान विकास को बढ़ावा देने के लिए अ.जा./अ.ज.जा./ओबीसी/पीडब्ल्यूडी (दिव्यांगजन)/पूर्व सैनिकों के लिए सेवाओं में आरक्षण के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रपति के निर्देशों और दिशानिर्देशों का पालन करता है। निर्देश के अनुसार रोस्टर बनाए जाते हैं और नियमित रूप से गेल के संपर्क अधिकारी (अधिकारियों) तथा भारत सरकार के संपर्क अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया जाता है ताकि उचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

हम तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्र के कुछेक संगठनों में से एक हैं जिन्होंने बेहतरीन कार्यस्थलों के लिए एसए 8000, लेखापरीक्षा योग्य प्रमाण मानकों को लागू किया है। एसए 8000 संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकारों (यूएनएचआर) की

घोषणा, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सम्मेलनों, संयुक्त राष्ट्र पर आधारित है और राष्ट्रीय कानून को गेल हजीरा में लागू किया गया था। हम इन नीतियों और मानवाधिकारों का स्वेच्छा से पालन करते हैं और उन्हें सही भावना से आगे बढ़ाते हैं।

मानवाधिकार का मुद्दा अच्छी कॉर्पोरेट नागरिकता के मूल में है जो एक स्वस्थ आधार बनाता है।

नैतिक प्रापण

हम सभी को समान अवसर देने में विश्वास करते हैं, इस प्रकार हम आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं को ठेका देने में कोई भेदभाव नहीं बरतने की नीति का पालन करते हैं। हम यह भी समझते हैं कि कंपनी की जिम्मेदारी न केवल आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं के लिए एक पारदर्शी और सुलभ चैनल बनाए रखना है, बल्कि सभी सामग्री और सेवा प्रापणों में समाज और पर्यावरण का भी ध्यान रखना है।

इस प्रकार हमने विभिन्न प्रणालियां और सशर्त जांच सुनिश्चित की है ताकि प्रापण प्रक्रिया द्वारा उच्चतम नैतिक मानकों को बनाए रखा जा सके। सभी आपूर्तिकर्ताओं को कोई भी ठेका देने से पहले पर्यावरण और सामाजिक मानदंडों की दृष्टि से जांच की जाती है। चयन होने पर, आपूर्तिकर्ताओं का पर्यावरण और समाज पर पड़ने वाले उनके प्रभाव की दृष्टि से मूल्यांकन किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपूर्ति श्रृंखला पर्यावरण और सामाज के प्रति जिम्मेदार बनी रहे।

ठेके की सामान्य शर्तें: सभी विक्रेता और आपूर्तिकर्ता, जिनके साथ हम व्यापार करते हैं, उन्हें संविदा की सभी सामान्य शर्तों (जीसीसी) का पालन करना होगा। संविदा की इन सामान्य शर्तों में निम्नलिखित पर प्रभाव से संबंधित प्रावधानों को शामिल किया जाता है:

जीसीसी के प्रावधानों के अनुसार, गेल से जुड़े आपूर्तिकर्ता को सभी सरकारी या वैधानिक नीतियों या नियमों का पालन करना होता है, जिसके लिए पुरुषों और महिलाओं के लिए आपूर्तिकर्ताओं को अलग–अलग शौचालय, कपड़े धोने की जगह, अपने कार्मिकों के लिए अनिवार्य कैंटीन सुविधा और चिकित्सा सेवाओं जैसी विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता होती है। आपूर्तिकर्ताओं के साथ किए गए सभी महत्वपूर्ण निवेश समझौतों और अनुबंधों में प्रारंभिक जांच के लिए मानवाधिकार र्ते शामिल होती हैं। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान मानवाधिकारों से संबंधित कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई।

कोई बाल श्रम प्रथा नहीं: गेल अपने परिसर में बाल श्रम का समर्थन नहीं करता है और अपने आपूर्तिकर्ताओं को भी इसे सुनिश्चित करने के लिए सख्त दिशानिर्देश देता है। अत: कंपनी के श्रम–आपूर्ति ठेकेदारों को गेल प्राधिकारी से श्रम अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, जिसमें ठेकेदार द्वारा घोषणा का एक अनिवार्य खंड होता है कि उन्होंने बाल श्रम की नियुक्ति नहीं की है। सरकार के नियमों के अनुसार, रोजगार या ठेका श्रम के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष है जो सभी यूनिटों में बनाए रखी जाती है।

विभिन्न गेल परिसर में काम करने वाले ठेका कर्मचारियों का कुल वितरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

माल और आपूर्ति की कुल खरीद– रुपए में	85,970 मिलियन रुपए
स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से माल और आपूर्ति की कुल खरीद	85,904 मिलियन रुपए
पर्यावरण, मानवाधिकार और श्रम प्रथा मानदंड के माध्यम से जांचे गए नए आपूर्तिकर्ताओं की प्रतिशतता	100%
नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिन्हें समाज पर प्रभाव के मापदंड की दृष्टि से जांचा गया है	100%
ऐसे पहचान किए गए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिनका समाज पर पर्याप्त वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव पड़ता है	शून्य
ऐसे पहचान किए गए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिनका समाज पर पर्याप्त वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव पड़ा है और जिनके साथ संबंध समाप्त किया गया है	शून्य

ईआईसी कोचिंग कार्यक्रम

ठेके से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गेल के ईआईसी को जागरूक करने के लिए इंजीनियर–प्रभारी (ईआईसी) कोचिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से, उन्हें समाज, पर्यावरण, श्रम प्रथाओं और मानवाधिकारों से संबंधित प्रावधानों और ठेके के निष्पादन के दौरान उनके कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी जाती है।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान छ: ईआईसी कोचिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें गेल के लगभग 250 ईआईसी ने भाग लिया।

ठेका कर्मचारी वितरण (संख्या)	2015-16	2016-17	2017-18
सुरक्षा कर्मचारी पुरुष	2,599	2,244	2,118
सुरक्षा स्टाफ महिला	4	4	4
नियमित संविदा कर्मी – पुरुष	15,287	15,672	13,000
नियमित संविदा कर्मी – महिला	362	329	283

एमएसई के लिए अवसर: हमने सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए 'सार्वजनिक खरीद नीति' को लागू की है, जिसका उद्देश्य छोटे विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं को विशेष विकास के लिए उचित अवसर प्रदान करना है। इस नीति के माध्यम से, हम इन सूक्ष्म और लघु–स्तरीय विक्रेताओं की निविदा बोलियों में भागीदारी को प्रोत्साहित करने की मंशा रखते हैं। इस नीति के कुछ मुख्य आकर्षण हैं:

- बयाना जमा राशि (ईएमडी) से छूट देना और खरीद वरीयता प्रदान करना।
- कागजी कार्रवाई को कम करने और निविदा प्रक्रिया को तेज करने के लिए ई–खरीद प्रक्रिया की शुरुआत।
- निविदा–पूर्व या बोली–पूर्व बैठक का आयोजन करना ताकि व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके और निविदा प्रक्रिया पर विक्रेताओं को जानकारी दी जा सके।
- बोली प्रक्रिया में एमएसई के सामने आने वाली चुनौतियों को समझना।

उपर्युक्त सभी उपायों ने लेन–देन की लागत को कम करने में मदद की है, स्थानीय और छोटे विक्रेताओं को बड़ी संख्या में आसानी से बोली लगाने और भारी बोली दस्तावेजों को प्रस्तुत करने में शामिल निविदा लागत को कम करने में मदद की है।

इस नीति के माध्यम से, हम अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से खरीद के 4% के उप लक्ष्य सहित सूक्ष्म और लघु उद्यमों से 20% खरीद का लक्ष्य रखते हैं।

घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना: मेक इन इंडिया की भावना के अनुरूप, शीर्ष और साइट स्तरों पर स्वदेशीकरण (आईएनडीईजी) समूह बनाए गए हैं। ये समूह स्वदेशीकरण पर योजना बनाने और पहल करने के लिए नियमित रूप से बैठकें करते हैं। इस पहल का विवरण नीचे दिया गया है:

- हमने भारत में गेल और अन्य कंपनियों के लिए मीटर प्रमाणित करने के लिए हजीरा (गुजरात) में 'मीटर प्रमाणन सुविधा' स्थापित की है।
- स्वदेशी निर्मित किस्मों सहित हमारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं में प्रयुक्त विभिन्न रसायनों को बदलना।
- भारतीय पाइप कोटिंग निर्माताओं को बढ़ावा देने के लिए पाइपलाइन कोटिंग कार्यों में 'डेमो रूट' कार्यप्रणाली प्रदान की गई है। इस पहल के परिणामस्वरूप, 1985 में लाइन पाइप के लिए शून्य घरेलू बोलीदाता की तुलना में अब 19 घरेलू बोलीदाता हैं।
- एन–हेक्सेन का उत्पादन और प्रापण (एचडीपीई–1, एचडीपीई–2, ब्यूटेन–1 और नए ब्यूटेन–1 संयंत्रों में प्रयुक्त होने वाला एक प्रोसेस द्रव/विलायक, जिसे पहले मैसर्स एक्सॉन मोबिल केमिकल एशिया पैसिफिक – सिंगापुर से खरीदा जा रहा था) अब मैसर्स हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड से किया जा रहा है।

गेल ने स्थानीय निर्माताओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय निर्माताओं को वरीयता प्रदान करने के लिए निम्नलिखित नीतियां भी लागू की हैं:

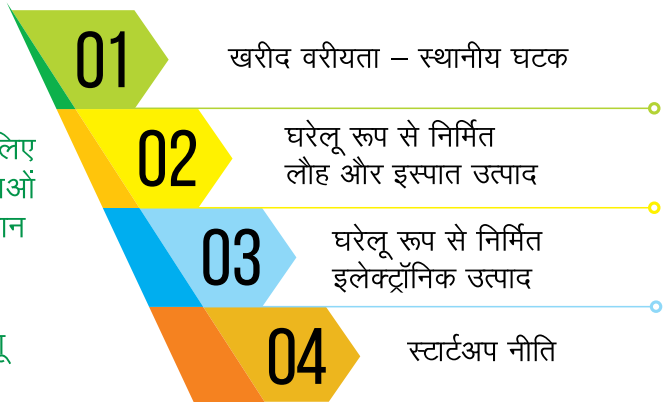

आपूर्तिकर्ता के साथ संबंध

हमने गेल में आपूर्तिकर्ता से परस्पर बातचीत करने की एक पारदर्शी प्रणाली स्थापित की है। हालांकि हम सभी आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं के साथ विभिन्न मंचों जैसे विक्रेताओं के साथ बैठकें, सूक्ष्म और लघु उद्यमों, उद्योग सम्मेलन, आदि के माध्यम से बातचीत सुनिश्चित करते हैं, हम उन्हें इसकी आवश्यकताओं से अवगत कराने के लिए भी पहल करते हैं।

बोली प्रक्रिया में विभिन्न आकार और पैमाने के आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए हमने विक्रेता कोचिंग कार्यक्रम नामक एक अनूठी पहल की है, जिसमें बोलीदाताओं को गेल की निविदा में भागीदारी की प्रक्रिया पर जानकारी दी जाती है। उन्हें बोली–पूर्व और बोली–पश्चात् दोनों की प्रक्रिया और निविदा की निबंधन एवं शर्तों की जानकारी दी जाती है। ऐसी संविदाएं प्रदान करने और उसके निष्पादन से संबंधित खंड, प्रणाली और प्रक्रियाओं के संबंध में अहसमति, विवादों और मध्यस्थता की घटना को समाप्त करने के लिए ऐसा किया जाता है। गेल ने रिपोर्टिंग अवधि के दौरान इस संबंध में चार विक्रेता कोचिंग कार्यक्रम आयोजित किए।

गेल, जुबली टॉवर, नोएडा में विक्रेता कोचिंग कार्यक्रम

गेल जुबली टॉवर, नोएडा में 10/05/2018 को आयोजित विक्रेता कोचिंग कार्यक्रम के दौरान लिए गए चित्र

वार्षिक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान, इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिल्ली में 1 नवंबर 2017 को कॉर्पोरेट संविदा और प्रापण विभाग द्वारा एक विक्रेता बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में पूरे भारत के 200 से अधिक विक्रेताओं ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य सभी आपूर्तिकर्ताओं के साथ जुड़ना था और उन्हें गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा उठाए गए कदमों से अवगत कराना था ताकि इसकी निविदा प्रक्रिया में दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाया जा सके। इसका उद्देश्य आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं को उनकी समस्याओं और चुनौतियों का सामना करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

उद्यमिता विकास परियोजना

गेल ने मैसर्स एचपीसीएल के सहयोग से अ.जा./अ.ज.जा. उद्यमियों के विकास और परामर्श के लिए एक उद्यमिता विकास परियोजना (ईडीपी) का आयोजन किया। परियोजना में चयनित उद्यमियों के लिए एक 35 दिवसीय आवासीय कार्यक्रम शामिल था। इसका उद्घाटन 09 सितंबर 2017 को विशाखापत्तनम में कौशल विकास संस्थान में किया गया था।

गेल और एचपीसीएल के अधिकारियों द्वारा पैंतीस नवोदित उद्यमियों को व्यापारिक कौशल के लिए चुना गया और उन्हें प्रशिक्षित किया गया।

आपूर्ति श्रखला प्रबंधन

हमने निविदाओं में बोली लगाने की प्रक्रिया को आसान बनाने और आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ बड़े कदम उठाए हैं। गेल की निविदा वेबसाइट और सरकारी वेबसाइट पर 7 लाख रुपए से अधिक मूल्य की सभी निविदाओं को अपलोड किया गया है। बोली मूल्यांकन मानदंड (बीईसी) भी ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई है। मूल्यांकन के मानदंडों को पूरा करने वाले बोलीदाता बिना किसी परेशानी के ई–निविदा प्रक्रिया के माध्यम से बोली लगा सकते हैं। इसके अलावा, संभावित विक्रेताओं को निविदा की सूचना भी भेजी जाती है।

प्रतिभागी विक्रेताओं को बोली जमा करने की तारीख से व्यक्तिगत रूप में ईएमडी जमा करने के लिए सात दिनों की छूट दी जाती है। केवल सामान्य बीईसी जैसे प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड (पीटीआर), कारोबार, निवल मूल्य और कार्यशील पूंजी को निविदा में रखा जा रहा है। विक्रेताओं के लिए बोली–पूर्व बैठकें आयोजित की जाती हैं ताकि उन्हें निविदा बोली से संबंधित कंपनी की शर्तों और प्रक्रियाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जा सके।

हम चरण–वार आपूर्ति प्रावधान के साथ संयंत्र की आवश्यकता का सामंजस्य स्थापित करने के लिए नियमित रूप से खरीदी गई वस्तुओं के लिए प्रापण की दर संविदा प्रणाली का अनुपालन करते हैं। इन संविदाओं की समीक्षा मुख्यत: प्रत्येक दो या तीन वर्ष के भीतर की जाती है।

समीक्षाधीन अवधि 2017–18 के दौरान, आपूर्तिकर्ताओं के स्थान, आपूर्ति श्रृंखला की संरचना या आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंधों (चयन या समाप्ति सहित) में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पर्यावरण या समाज पर हमारी आपूर्ति श्रृंखला का कोई महत्वपूर्ण वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव सूचित नहीं किया गया है।

समाधान

समाधान गेल में विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के संदर्भ में हितधारक प्रबंधन प्रक्रिया के रूप में अपनाई जाने वाली एक आपूर्तिकर्ता और संविदा प्रबंधन पहल है। इसका उद्देश्य निविदा प्रक्रिया (निष्पादन और निष्पादन–पश्चात् चरणों के लिए) में स्थिरता और पारदर्शिता लाकर तथा सौहार्दपूर्ण तरीके से विवादों का शीघ्र समाधान करके विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के साथ विश्वास संबंध कायम करना है।

इस पहल में अनुबंध (एचएमसी) और निवारक विवाद समाधान तंत्र (पीडीआरएम) की स्वास्थ्य निगरानी शामिल है। अनुबंधों की स्वास्थ्य निगरानी में विभिन्न अनुबंध प्रबंधन पहलुओं की आवधिक समीक्षा शामिल है जैसे अतिरिक्त कार्य के लिए दावों का निपटान, अनुबंधों में विचलन या संशोधन, अनुबंध और कार्य से संबंधित मुद्दे और विवाद। पीडीआरएम यह सुनिश्चित करता है कि इन मुद्दों को समय रहते सुलझा लिया जाए। इन पहलुओं पर मुद्दों का शीघ्र समाधान करने के लिए एचएमसी और पीडीआरएम की बैठकों को तिमाही आधार पर आयोजित की जाती हैं, ताकि अनुबंधों को समाप्त करते समय समाधान का कोई मुद्दा न बचा रह जाए।

समाधान संगठन के भीतर संबंधित विभागों के साथ सहयोगी दृष्टिकोण अपनाते हुए समय पर निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है।

डिजिटल परिवर्तन

कंपनी के प्रचालन को नवीकृत करने और उन्हें नई डिजिटल व्यवस्था के अनुरूप कारगर बनाने के लिए, हम विभिन्न उपकरण और प्रणालियां स्थापित करके व्यवसाय प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की दिशा में धीरे–धीरे आगे बढ़ रहे हैं। हमने ऑनलाइन प्रबंधन टूल जैसे बिल निगरानी प्रणाली, कैशलेस लेनदेन, फाइल संचलन प्रणाली, पेपरलेस लेनदेन आदि को शामिल किया है। गेल की आईटी टीम आंतरिक और बाहरी ग्राहकों को समाधान प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों के साथ लगातार काम करती है, और पूरे देश में आईटी–समर्थित सेवाओं का विस्तार करती है।

15 फरवरी 2018 को विक्रेता विकास पहल – स्मार्ट मीटर

तकनीकी क्षमता वाले विक्रेताओं को विकसित करने और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, गेल गैस ने सीजीडी उद्योगों के स्मार्ट मीटरिंग क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और इसके भावी विकास पर चर्चा करने के लिए ईईएसएल की निविदा में सभी भागीदार विक्रेताओं और स्मार्ट मीटरों के उभरते विक्रेताओं को एक मंच पर लाने की पहल की। गेल गैस लिमिटेड ने 15 फरवरी 2018 को 'स्मार्ट मीटर विक्रेताओं की परस्पर चर्चा बैठक' का आयोजन किया। लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, एचपीएल इलेक्ट्रिक एंड पावर लिमिटेड, आईटीआई लिमिटेड और जीनस सहित नौ संभावित कंपनियों ने इस बैठक में भाग लिया। गेल गैस लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक – विभागाध्यक्ष (सीएंडपी), गेल गैस लिमिटेड के सीओओ और महाप्रबंधक (सीएंडपी) ने उद्योग की विशिष्ट मांग के अनुरूप स्मार्ट मीटर को किफायती दर पर विकसित करने के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा किया।

हमारी डिजिटल पहलों की कुछ प्रमुख विशेषताएं नीचे दी गई हैं:

- जीएसटी के लागू होने के बाद, हमने विक्रेताओं के लिए एक वेब लिंक स्थापित किया है ताकि वे अपने भुगतान की प्रोसेसिंग में किसी विलंब से बचने के लिए गेल की वेबसाइट पर अपना जीएसटी ब्यौरा डाल सकें।
- सीएंडपी प्रक्रिया के अनुसार, समाचार–पत्रों में निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) के प्रकाशन की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। इसके बजाय, गेल की वेबसाइट, परामर्शदाता की वेबसाइटों (यदि लागू हो), केंद्रीय लोक प्रापण पोर्टल और सरकारी ई–मार्केट प्लेस (जीईएम) और अन्य वेबसाइटों पर भारत सरकार द्वारा दी गई सलाह के अनुसार निविदा नोटिस ऑनलाइन अपलोड किए जाते हैं।
- निविदा सूचना को गेल में उपलब्ध संभावित आपूर्तिकर्ताओं, निर्माताओं, ठेकेदारों की वर्तमान आपूर्तिकर्ता सूचियों के अनुसार भी भेजा जाता है ताकि समय पर सूचना और उचित प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जा सके।
- हमने गेल डेटा बेस (काली सूची में डाले गए विक्रेताओं या अवकाश पर रखे गए विक्रेताओं को छोड़कर) में अपने सभी विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के साथ अपने व्यापार से व्यापार (बी2बी) संबंधी संचार आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करने के लिए बड़े पैमाने पर ई–मेल भेजने के लिए एक कार्यक्रम विकसित किया है।
- गेल और आपूर्तिकर्ता पक्ष दोनों की ओर से कागजी कार्रवाई को कम करने के उद्देश्य से 7 लाख रुपए से ऊपर की सभी निविदाओं के लिए ई–निविदा जारी करना

हरित प्रापण

हम अपने सभी प्रचालनों में प्रतिकूल पर्यावरण और सामाजिक पहलुओं को न्यूनतम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपनी प्रापण प्रक्रिया में सामाजिक और पर्यावरण चिंताओं का समाधान करने के लिए समर्पित तरीके से खोज करते रहते हैं।

हम इन उपायों की पहचान करने और उन्हें लागू करने की दिशा में काम करते हैं जो हमें पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार प्रापण करने के अपने आशय के लिए सकारात्मक कदम उठाने में मदद कर सकते हैं। इस प्रकार, हमने निम्नलिखित मानदंड निर्धारित करके ऊर्जा दक्षता और स्थायी उत्पादों की खरीद की दिशा में नीतिगत पहल की है:

- ईंधन की खपत के लिए कम्प्रेसर, टर्बाइन, जनरेटर आदि की खरीद के लिए निविदाओं में लोडिंग मानदंड।
- विद्युत उपकरण की स्टार रेटिंग।
- सभी नई निर्माण परियोजनाओं में ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा।
- आपूर्तिकर्ता द्वारा पुराने पीसी, लैपटॉप, कार्टेज आदि की अनिवार्य वापसी खरीद के साथ ऐसे नए सामानों की आपूर्ति करना।
- केवल एलईडी की नई लाइटिंग और लाइटिंग फिक्सचर की खरीद
- बिजली की अतिरिक्त खपत से बचने के लिए उपयोगिता क्षेत्र में लाइटों का स्वत: बंद होना।

स्थायी विकास संचालन समिति (एसडीएससी) द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसार, बिजली के सामानों और सभी एयर–कंडीशनरों को खरीदते समय विनिर्देशों के अनुसार न्यूनतम तीन सितारा रेटिंग पर विचार किया जाना चाहिए और 10 साल से अधिक के उपयोग पर ही लागत लाभ विश्लेषण करने के बाद ही इन्हें बदला जाना चाहिए।

निष्पादन एक नज़र में

सामग्री खपत	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18
एनजी संसाधित	एमएमएससीएम	22, 060	23,726	25,496
उत्पाद में एनजी	एमएमएससीएम	966	1,430	1,700
पाइपलाइन में लीन एनजी	एमएमएससीएम	19,515	18,880	22,577
संबद्ध सामग्री	मी.टन	13,428	16,026	16,079
पैकेजिंग सामग्री	मी.टन	1,693	3,025	3,451
रिसाइकल सामग्री	मी.टन	0	0	22.7

ऊर्जा खपत (जीजे)	2015-16	2016-17	2017-18
प्रत्यक्ष ऊर्जा	3,79,00,494	4,66,47,856	4,95,74,184
अप्रत्यक्ष ऊर्जा	18,47,583	22,05,429	32,27,712
अक्षय ऊर्जा	80,943	92,075	1,14,120
एनजी दहन से ऊर्जा	3,91,379	5,20,210	7,43,343
एलपीजी दहन से ऊर्जा	5,240	4,914	5,658
एनजी निकास से ऊर्जा	6,63,733	6,27,439	5,95,648
एलपीजी निकास से ऊर्जा	5,468	6,809	6,682

ऊर्जा स्रोत (जीजे)	2015-16	2016-17	2017-18
डीजल	14,467	18,438	15,900
प्राकृतिक गैस	3,21,61,593	3,63,96,411	3,53,73,606
अवशिष्ट ईंधन	57,20,433	1,02,33,007	141,86,643
कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा	3,79,00,494	4,66,47,856	4,95,74,184
कुल ऊर्जा तीव्रता	20	22	25

ऊर्जा बचत (जीजे)	2015-16	2016-17	2017-18
कुल ऊर्जा बचत*	42,987	3,954	208,497

जीएचजी बचत (एमटीईसीओ2)	2015-16	2016-17	2017-18
बचाई गई कुल जीएचजी*	3,599	1,005	1, 2955

अक्षय ऊर्जा उत्पादन (जीजे)	2015-16	2016-17	2017-18
वायु	5,71,230	8,13,707	7,25,538
सौर	34,790	36,189	40, 416
कुल अक्षय ऊर्जा	6,06,020	8,49,897	7,65,954

वायु उत्सर्जन (टन/वर्ष)	2015-16	2016-17	2017-18
एसपीएम	360	476	352
एनओएक्स	1,318	1,770	1,794
सीओ	425	1,432	1,925

वायु उत्सर्जन (टन/वर्ष)	2015-16	2016-17	2017-18
एसओएक्स	133	206	227
वीओसी	12	53	75
आर-134क	165	264	300

ओडीएस गैस खपत	2015-16	2016-17	2017-18
आर 22 (कि.ग्रा./वर्ष)	3,154	3,433	2,587

जीएचजी उत्सर्जन (टीसीओ2ईक्यू)	2015-16	2016-17	2017-18
स्कोप 1 उत्सर्जन	25,49,023	29,50,694	29,28,776
स्कोप 2 उत्सर्जन*e	4,20,835	5,05,399	7,33,843
कुल जीएचजी उत्सर्जन	29,69,858	35,49,335	36,62,619
जीएचजी की तीव्रता (टीसीओ2ईक्यू/टर्नओवर में जीसीजी उत्सर्जन करोड रुपए में)	57	72	68

जल (मिलियन एम 3)	2015-16	2016-17	2017-18
पानी की कुल खपत	17	21	21.7
कुल सृजित गंदा पानी	1.6	1.7	1.7
कुल डिस्चार्ज अपशिष्ट जल	1	1.3	1.3
वॉटर रिसाइकिल/पुन: उपयोग	0.5	0.2	0.5

अपशिष्ट निपटान के प्रकार	2015-16			2016-17			2017-18		
	ठोस (मी. टन)	तरल (लीटर)	विविध (सं.)	ठोस (मी. टन)	तरल (लीटर)	विविध (सं.)	ठोस (मी. टन)	तरल (लीटर)	विविध (सं.)
भस्मीकरण	6,058	0	0	6,904	0	0	2,160	0	0
लैंडफिल	9	0	20	3	0	0	9	0	0
ऑनसाइट भंडारण	218	19,677	991	0	625	3	1	4,250	193
रिसाइकल	3,549	13,94,264	8,461	3,034	3,88,058	4,464	43,271	6,30,278	4,261
अन्य	627	44,113	2,236	855	1,10,597	1,105	2,706	73,116	10,487

ईएंडपी अपशिष्ट प्रकार	2016-17	2017-18
गाद और ड्रिल कटिंग (मी.टन)	1,415	0 (ब्लॉक में कोई गतिविधि नहीं, जहां गेल ऑपरेटर है)

पर्यावरणीय जुर्माना और नोटिस	2015-16	2016-17	2017-18
प्राप्त कारण बताओ नोटिस (सं.)	0	1	0

पर्यावरण व्यय (मिलियन रुपए)	2015-16	2016-17	2017-18
अपशिष्ट का उपचार और निपटान	5	6	31
प्रदूषण नियंत्रण में प्रयुक्त उपकरणों का मूल्यह्रास और रखरखाव लागत	40	11	94
पर्यावरण प्रबंधन के लिए बाहरी सेवाएं	10	8	13
प्रबंधन प्रणालियों का बाहरी प्रमाणन	1	3	3

पर्यावरण व्यय (मिलियन रुपए)	2015-16	2016-17	2017-18
सामान्य पर्यावरण प्रबंधन गतिविधियों के लिए कार्मिक	31	20	36
स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को स्थापित करने के लिए अतिरिक्त खर्च	4	19	9.
पर्यावरणीय दायित्व के लिए बीमा	52	56	53
अन्य पर्यावरणीय लागत	5	11	27
कुल पर्यावरणीय व्यय	148	134	264
पर्यावरण जुर्माना	0	0	0

कर्मचारियों की स्वास्थ्य और संरक्षा	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18
संरक्षा समितियों में प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	300	315	311
संरक्षा समितियों में गैर–प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	196	206	199
मामूली मामले – पुरुष	संख्या	342	411	750
मामूली मामले – महिला	संख्या	3	2	6
मामूली चोटें–पुरुष	संख्या	2	1	8
मामूली चोटें–महिला	संख्या	1	0	0
रिपोर्ट करने योग्य चोटें – पुरुष	संख्या	1	0	0
रिपोर्ट करने योग्य चोटें – महिला	संख्या	0	0	0
सूचित चोटों के कारण दिवस हानि – पुरुष	संख्या	6,045	0	0
सूचित चोटों के कारण दिवस हानि – महिला	संख्या	0	0	0
हताहत – पुरुष	संख्या	1	0	0
हताहत – महिला	संख्या	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले–पुरुष	संख्या	0	14	6
प्राथमिक चिकित्सा मामले–महिला	संख्या	0	0	1
कार्यशील मानव घंटे – पुरुष	मिलियन–मानव घंटे	6.5	6.6	6.4
कार्यशील मानव घंटे – महिला	मिलियन–मानव घंटे	0.2	0.2	0.3
व्यावसायिक रोग – संविदा कर्मचारी–पुरुष	संख्या	0	0	0
व्यावसायिक रोग – संविदा कर्मचारी–महिला	संख्या	0	0	0
एलटीआईएफआर–पुरुष	प्रति मिलियन सूचित चोटें. कार्यशील मानव घंटे	0.1	0	0
एलटीआईएफआर–महिला	प्रति मिलियन सूचित चोटें. कार्यशील मानव घंटे	0	0	0
घातक दर–कुल	दिवस हानि प्रति मिलियन कार्यशील मानव घंटे	897	0	0
घातक दर पुरुष	हताहत प्रति मिलियन कार्यशील मानव घंटे	0	0	0
घातक दर–महिला	हताहत प्रति मिलियन कार्यशील मानव घंटे	0	0	0

संविदा कर्मचारी का स्वास्थ्य और संरक्षा	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18
मामूली मामले – पुरुष	संख्या	198	197	321
मामूली मामले – महिला	संख्या	0	0	0
मामूली चोटें – पुरुष	संख्या	3	2	42
मामूली चोटें – महिला	संख्या	0	0	1
रिपोर्ट करने योग्य चोटें – पुरुष	संख्या	3	0	0

संविदा कर्मचारी का स्वास्थ्य और संरक्षा	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18
रिपोर्ट करने योग्य चोटें – महिला	संख्या	0	0	0
सूचित चोटों के कारण दिवस हानि – पुरुष	संख्या	6,068	0	0
सूचित चोटों के कारण दिवस हानि – महिला	संख्या	0	0	0
हताहत – पुरुष	संख्या	2	0	0
हताहत – महिला	संख्या	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले–पुरुष	संख्या	55	54	67
प्राथमिक चिकित्सा मामले–महिला	संख्या	0	4	4
कार्यशील मानव घंटे – पुरुष	मिलियन–मानव घंटे	28.3	26.5	25.0
कार्यशील मानव घंटे – महिला	मिलियन–मानव घंटे	0.5	0.32	0.42
व्यावसायिक रोग – संविदा कर्मचारी पुरुष	संख्या	0	0	0
व्यावसायिक रोग – संविदा कर्मचारी–महिला	संख्या	0	0	0
एलटीआईएफआर–पुरुष	प्रति मिलियन सूचित चोटें. कार्यशील मानव घंटे	0	0	0
एलटीआईएफआर–महिला	प्रति मिलियन सूचित चोटें. कार्यशील मानव घंटे	0	0	0
घातक दर–कुल	दिवस हानि प्रति मिलियन कार्यशील मानव घंटे	211	0	0
घातक दर पुरुष	हताहत प्रति मिलियन कार्यशील मानव घंटे	0.07	0	0
घातक दर–महिला	हताहत प्रति मिलियन कार्यशील मानव घंटे	0	0	0

स्थायी कर्मचारी वितरण (संख्या)	2015-16	2016-17	2017-18
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) – पुरुष	259	250	277
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) – महिला	7	8	8
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) – पुरुष	1,416	1,508	1544
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6) – महिला	47	54	58
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) – पुरुष	1,491	1,481	1535
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) – महिला	162	160	170
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) – पुरुष	899	854	852
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7) – महिला	36	35	36
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9): < 30 वर्ष की आयु	0	0	0
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9): 30 से 50 वर्ष की आयु	64	58	56
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9): > 50 वर्ष की आयु	202	200	229
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6): < 30 वर्ष की आयु	0	0	0
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6): 30 से 50 वर्ष की आयु	1,144	1,136	1102
मध्यम प्रबंधन (ई4–ई6): > 50 वर्ष की आयु	319	426	500
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3): < 30 वर्ष की आयु	545	464	434
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3): 30 से 50 वर्ष की आयु	823	838	896
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3): > 50 वर्ष की आयु	285	339	375
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7): < 30 वर्ष की आयु	121	125	162
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7): 30 से 50 वर्ष की आयु	687	645	610
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7): > 50 वर्ष की आयु	119	119	116

स्थायी कर्मचारी वितरण (संख्या)	2015-16	2016-17	2017-18
कर्मचारी टर्नओवर –प्रबंधन	72	76	70
कर्मचारी टर्नओवर –गैर–प्रबंधन	9	7	19

स्थायी कर्मचारी वितरण (संख्या)	2015-16	2016-17	2017-18
कर्मचारी टर्नओवर - आयु < 30 वर्ष – पुरुष	17	29	23
कर्मचारी टर्नओवर - आयु <30 - महिला	2	5	1
कर्मचारी टर्नओवर - आयु 30 से 50 वर्ष - पुरुष	13	8	9
कर्मचारी टर्नओवर - आयु 30 से 50 वर्ष - महिला	2	3	1
कर्मचारी टर्नओवर - आयु > 50 वर्ष की आय - पुरुष	45	41	53
कर्मचारी टर्नओवर - आयु > 50 वर्ष की आय - महिला	2	1	2
वित्त वर्ष के दौरान काम पर रखे गए नए कर्मचारी : पुरुष	134	107	204
वित्त वर्ष के दौरान काम पर रखे गए नए कर्मचारी : महिला	2	12	17

ठेका कर्मचारी वितरण (संख्या)	2015-16	2016-17	2017-18
सुरक्षा कर्मचारी पुरुष	2,599	2,244	2,118
सुरक्षा कर्मचारी महिला	4	4	4
नियमित संविदा कर्मी - पुरुष	15,287	15,672	13,000
नियमित संविदा कर्मी - महिला	362	329	283

प्रशिक्षण (घंटे)	2015-16	2016-17	2017-18
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) - पुरुष	1,54,468	1,55,436	1,85,476
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) - महिला	9,456	11,276	12,392
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) - पुरुष	31,192	26,960	8,863
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) - महिला	760	792	202.50
संविदा गत श्रम (संचालन) - पुरुष	43,266	45,712	54,120
संविदा गत श्रम (संचालन) - महिला	1,166	900	1,763
स्थायी कर्मचारी–शारीरिक रूप से अक्षम	2,212	2,230	2,967.50
संविदा कर्मी–शारीरिक रूप से अक्षम	4	0	0
प्रत्यक्ष कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण (जीटीआई नोएडा और जयपुर आधारित)	1,28,160	1,44,672	1,68,640

पैतृक अवकाश के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारी	लिंग	2016-17	2017-18
पैतृक अवकाश के पात्र कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	4,097	4,213
	महिला	257	271
पैतृक अवकाश लेने वाले कर्मचारियों की संख्य	पुरुष	142	157
	महिला	18	14
पैतृक अवकाश समाप्त होने के बाद काम पर लौटने वाले कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	142	157
	महिला	18	14
पैतृक अवकाश समाप्त होने के बाद काम पर लौटने वाले कर्मचारियों की संख्या जो उनके लौटने के 12 महीने के बाद भी कार्यरत थे	पुरुष	141	156
	महिला	18	14
पैतृक अवकाश समाप्त होने के बाद काम पर लौटने वाले कर्मचारियों की प्रतिधारण दर	पुरुष	100	100%
	महिला	100	100%

अन्वेशण और उत्पादन रिजर्व	2017-18
अनुमानित कुल निवल संसाधन आधार (मिलियन बीओई) 2पी	48
विकास प्रकार	उथला पानी/तटीय
निवल कुल संसाधन आधार (%)	97%/3%

टिप्पणी:

- अप्रत्यक्ष ऊर्जा खपत में वृद्धि हाल ही में गेल की कुछ साइटों पर चल रही गतिविधियों के कारण हुई। ऊर्जा खपत पैटर्न में कुछ समय के बाद इन इकाइयों के स्थिरीकरण पश्चात सुधार होने की संभावना है।
- गेल के दो प्रमुख स्थलों पाता और विजयपुर के विस्तार के कारण वित्त वर्ष 2017–18 में प्राकृतिक गैस (एनजी) दहन से ऊर्जा बढ़ी है।
- ऊर्जा बचत में वृद्धि ऊर्जा बचत के मूल्यांकन और गणना की कार्यप्रणाली में किए गए संशोधन के कारण हुई है।
- ऊर्जा बचत में वृद्धि से जीएचजी बचत में लगातार वृद्धि हुई है
- ऊर्जा की खपत में वृद्धि के कारण 2 जीएचजी उत्सर्जन बढ़ गया है।

स्वतंत्र आश्वासन विवरण

गेल इंडिया लिमिटेड ('गेल') ने एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्रा. लिमिटेड ('ईवीआई') को 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 तक की रिपोर्टिंग अवधि को कवर करते हुए वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए उनकी सतत् विकास रिपोर्ट ('रिपोर्ट') का स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए नियुक्त किया है। आश्वासन प्रक्रिया आश्वासन मानक एए1000एएस (2008) की आवश्यकताओं के अनुसार की गई है। रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के लिए एए1000एएस (2008) और जीआरआई मानकों में निर्धारित सिद्धांतों का पालन किया गया है जिनमें तेल और गैस क्षेत्र प्रकटीकरण (ओजीएसडी) भी शामिल है।

रिपोर्ट में शामिल सुविधाओं में गेल की पाँच स्थानों में स्थित गैस प्रसंस्करण इकाइयाँ (पाता, विजयपुर, वाघोडिया, गंधार, उसर) शामिल है, पाता में एक पेट्रोरसायन संयंत्र, प्राकृतिक गैस कंप्रेसर स्टेशन (हजीरा, वाघोडिया, झाबुआ, खेड़ा, विजियपुर, दिबियापुर, कैलारस एवं छायसा) हैं, एलपीजी पंपिंग/प्राप्ति स्टेशन (लोनी, मंसारामपुरा, नसीराबाद, आबू रोड, समखियाली, जामनगर, कांडला, विजाग, जी कोंडुरु और चेर्लापल्ली), एनसीआर, बड़ौदा, मुंबई, पुदुचेरी, राजामुंद्री, अगरतला और डीबीपीएल में क्षेत्रीय पाइपलाइन कार्यालय, कॉरपोरेट कार्यालय नई दिल्ली में कार्यालय भवन, नोएडा और जयपुर में गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) और जुबली टॉवर में कार्यालय, नोएडा में इन्फो–हब, जोनल विपणन कार्यालय।

सीमाएं

आश्वासन में सामग्री के प्रयोग, सृजित अपशिष्ट, उत्सर्जन और अपशिष्टों आदि की सूची का भौतिक सत्यापन शामिल नहीं है। आश्वासन कंपनी द्वारा रखे गए और प्रदान किए गए दस्तावेजों पर पूरी तरह से निर्भर है। आश्वासन के कार्यक्षेत्र में रिपोर्ट में उन विवरणों को शामिल नहीं किया गया है जो कंपनियों के दृष्टिकोण, कार्यनीति, उद्देश्य, उम्मीद, आकांक्षा या विश्वास या इरादों का उल्लेख करते हैं।

स्वतंत्रता

पर्यावरण और ऊर्जा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और स्थिरता क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा सत्यापन किया गया है। रिपोर्ट तैयार करने में सत्यापनकर्ता टीम का कोई भी सदस्य किसी भी तरह से शामिल नहीं है।

गेल की जिम्मेदारी

जीआरआई मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करने और सूचित डेटा और सूचना पर प्रभावी आंतरिक नियंत्रण बनाए रखने के लिए गेल जिम्मेदार है।

सत्यापनकर्ता की जिम्मेदारी

आश्वासन गतिविधियों के निष्पादन में, सत्यापनकर्ता की जिम्मेदारी ईवीआई और गेल के बीच हुई सहमति के अनुसार केवल गेल के प्रबंधन के लिए है। इसलिए ईवीआई किसी भी अन्य उद्देश्य या किसी अन्य व्यक्ति या संगठन के लिए किसी भी जिम्मेदारी को स्वीकार या ग्रहण नहीं करता है। आश्वासन विवरण को गेल के समग्र निष्पादन की व्याख्या के आधार के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

कार्यक्षेत्र और आश्वासन का स्तर

ईवीआई को निम्नलिखित के लिए मध्यम स्तरीय टाइप 2 आश्वासन प्रदान करने के लिए नियुक्त किया गया है:

- एए1000एएस (2008) में निर्धारित समावेशिता, भौतिकता और जवाबदेही के सिद्धांतों का पालन।
- जीआरआई मानकों 'के अनुसार–प्रमुख' रिपोर्टिंग आवश्यकताओं में निर्धारित सटीकता, संतुलन, स्पष्टता, तुलनीयता, विश्वसनीयता और समय–सीमा के सिद्धांतों का पालन।
- जीआरआई मानकों की आवश्यकताओं के अनुसार 'प्रमुख' रिपोर्टिंग के लिए सामान्य प्रकटीकरण और विषय विशेष के प्रकटीकरण का पालन करना: सामान्य प्रकटीकरण और प्रबंधन दृष्टिकोण (जीआरआई102, जीआरआई103): सामान्य प्रकटीकरण पर सूचना के साथ–साथ रिपोर्टिंग के अनुसार – मुख्य विकल्प के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताओं के अनुसार प्रबंधन दृष्टिकोण।
  * प्रकटीकरण 102–1 से 102–13 (संगठनात्मक प्रोफाइल)
  * प्रकटीकरण 102–14 (कार्यनीति)

* प्रकटीकरण 102–16 (नैतिकता और सत्यनिष्ठा)
* प्रकटीकरण 102–18 (नियंत्रण)
* प्रकटीकरण 102–40 से 102–44 (हितधारक संबंध)
* प्रकटीकरण 102–45 से 102–56 (रिपोर्टिंग प्रक्रिया)
* प्रकटीकरण 103–1 से 103–3 (प्रबंधन दृष्टिकोण)

विषय विशिष्ट प्रकटीकरण: प्रदर्शन सामग्री नीचे दिए गए निर्दिष्ट सामग्री पहलुओं के लिए निष्पादन संकेतक: आर्थिक

* प्रकटीकरण 201–1, 201–3 (आर्थिक निष्पादन)
* प्रकटीकरण 202–1, 202–2 (बाजार में उपस्थिति)
* प्रकटीकरण 203–1, 203–2 (अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव)
* प्रकटीकरण 204–1 (प्रापण प्रक्रिया)
* प्रकटीकरण 205–1 (भ्रष्टाचार–रोधी)
* प्रकटीकरण 206–1 (प्रतिस्पर्धी–रोधी आचरण)

पर्यावरण

* प्रकटीकरण 301–1, 301–2 (सामग्री)
* प्रकटीकरण 302–1, 302–3, 302–4 (ऊर्जा)
* प्रकटीकरण 303–1, 303–2, 303–3 (पानी)
* प्रकटीकरण 304–1 (जैव विविधता)
* प्रकटीकरण 305–1, 305–2, 305–5 से 305–7 (उत्सर्जन)
* प्रकटीकरण 306–1 से 306–5 (बहीःस्राव और अपशिष्ट)
* प्रकटीकरण 307–1, (अनुपालन)
* प्रकटीकरण 308–1, 308–2 (आपूर्तिकर्ता पर्यावरणीय मूल्यांकन)

सामाजिक

* प्रकटीकरण 401–1 से 401–3 (रोजगार)
* प्रकटीकरण 402–1 (श्रम/प्रबंधन संबंध)
* प्रकटीकरण 403–1 से 403–4 (व्यावसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा)
* प्रकटीकरण 404–1 से 404– 3 (प्रशिक्षण और शिक्षा)
* प्रकटीकरण 405–1, 405–2 (विविधता और समान अवसर)
* प्रकटीकरण 406–1 (गैर–भेदभाव)
* प्रकटीकरण 407–1 (संघ और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता)
* प्रकटीकरण 408–1 (बाल श्रम)
* प्रकटीकरण 409–1 (बलात् या जबरन मजदूरी)
* प्रकटीकरण 410–1 (सुरक्षा प्रथाएं)
* प्रकटीकरण 411–1 (स्वदेशी लोगों के अधिकार)
* प्रकटीकरण 412–1 से 412–3 (मानव अधिकार मूल्यांकन)
* प्रकटीकरण 413–2 (स्थानीय समुदाय)

- * प्रकटीकरण 414–1 से 414–2 (आपूर्तिकर्ता सामाजिक मूल्यांकन)
- * प्रकटीकरण 415–1 (सार्वजनिक नीति)
- * प्रकटीकरण 417–2, 417–3 (विपणन और लेबलिंग)
- * प्रकटीकरण 418–1 (ग्राहक गोपनीयता)
- * प्रकटीकरण 419–1 (सामाजिक आर्थिक अनुपालन)

निष्पादित की गई गतिविधियां

स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए इस आश्वासन के लिए कई गतिविधियां की गई हैं:

क. जीआरआई मानकों में उल्लिखित संबंधित आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक विषयों के लिए रिपोर्ट किए गए डेटा से मिलान की जांच करने के लिए रिपोर्ट के मसौदे की समीक्षा।

ख. रिपोर्ट और संबंधित वर्कशीटों में प्रयोग किए गए डेटा की समीक्षा (नमूना जांच);

ग. अन्य आंतरिक प्रक्रियाओं और नियंत्रणों सहित डेटा की निगरानी और रिकॉर्डिंग और रिपोर्टिंग की समीक्षा (नमूना जांच)

घ. नई दिल्ली में गेल के कॉर्पोरेट कार्यालय, गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) और नोएडा में जुबली टॉवर, मुंबई में क्षेत्रीय पाइपलाइन कार्यालय और जोनल विपणन कार्यालय, भारत में स्थित चार प्रचालन साइटों अर्थात् पाता (उ.प्र.) में पेट्रोरसायन संयंत्र, विजयपुर (म.प्र.) और वाघोडिया (गुजरात) में गैस प्रोसेसिंग यूनिट और कंप्रेसर स्टेशन, और झाबुआ (म.प्र.) में कंप्रेसर स्टेशन का स्थल दौरा।

ड. दो साइटों, कराईकल (कावेरी पाइपलाइन) और कैलारस के गेल कर्मियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग।

च. डेटा निगरानी, रिकॉर्डिंग और रिपोर्टिंग, प्रतिक्रियाओं की समीक्षा और कमियों को दूर करने के लिए पहचान की गई कमियों पर निष्कर्ष।

निष्कर्ष

आयोजित मध्यम स्तरीय टाइप 2 आश्वासन प्रक्रियाओं के आधार पर और प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर, हमारे ध्यान में कुछ भी ऐसा नहीं आया है, जो हमें यह विश्वास करने के लिए प्रेरित करे कि सभी सामग्रियों के संबंध में यह रिपोर्ट जीआरआई मानकों और एए1000एएस (2008) 'के अनुसार–प्रमुख' रिपोर्टिंग आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

टिप्पणियां और सिफारिशें

- समावेश का सिद्धांत: गेल ने अपने हितधारकों के साथ जुड़ने में समावेश के सिद्धांत को लागू किया है। विभिन्न विभाग अपने संबंधित हितधारकों के साथ का़इ00 संपर्क चैनलों के माध्यम से नियमित रूप से संबंध बनाते हैं।
- भौतिकता का सिद्धांत: गेल ने प्रमुख सामग्री मुद्दों की रिपोर्ट करने के लिए भौतिकता निर्धारण की एक ढांचागत प्रक्रिया का पालन किया है।
- जवाबदेही का सिद्धांत: गेल ने अपने हितधारकों के संबंध में जवाबदेही के सिद्धांत को लागू किया है। कंपनी में प्रमुख हितधारकों द्वारा व्यक्त किसी भी चिंता का उत्तर देने के लिए एक सुपरिभाषित प्रणाली है।
- आश्वासन गतिविधि के दौरान, ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला जिससे यह पता चलता हो कि गेल ने अपने हितधारकों के साथ संपर्क बनाने और सतत् विकास रिपोर्ट तैयार करने में समावेशिता, जवाबदेही और भौतिकता के सिद्धांतों को लागू नहीं किया है।
- रिपोर्ट पर समग्र निष्कर्ष को प्रभावित किए बिना, निम्नलिखित सिफारिशें की जाती हैं:
- अधिकांश मामलों में डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता बहुत अधिक है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में जहां डेटा मैनुअल रूप से दर्ज किया गया है और जहां डेटा को कई बार अद्यतन किया जाता है, वहां त्रुटि की संभावना होती है। कंपनी एसएपी, स्वचालन का अधिकतम उपयोग कर सकती है जिससे मैनुअल डेटा प्रबंधन और रिपोर्टिंग में कमी आएगी।
- संगठन ने उपलब्धियों, पहलों और निष्पादनों की स्पष्ट रूप से सूचना दी है। आपूर्तिकर्ता मूल्यांकन और स्थायी आपूर्ति श्रृंखला जैसे कुछ क्षेत्रों में संभावित सुधारों और आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता सिद्धांतों को अपनाने के लिए आगे और खोज की जा सकती है।
- भौतिकता मूल्यांकन की सुपरिभाषित प्रक्रिया और कार्यप्रणाली का उल्लेख किया गया है। हालांकि, कंपनी के प्रचालनों के कारण कंपनी स्थायी पर्यावरण और समाज के लिए जोखिम को और बढ़ा सकती है।
- अद्यतन जीआरआई मानक रिपोर्टिंग आवश्यकताओं के प्रति ऑनसाइट कर्मचारियों के जागरूकता स्तर को नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से और

बढ़ाया जा सकता है।

- प्रचालनों में बदलाव करके, नई तकनीक को अपनाकर और सीएसआर पहलों द्वारा महत्वपूर्ण प्रचालनों में सामाजिक और पर्यावरण प्रभाव का विश्लेषण किया जा सकता है।
- कंपनी जीएचजी उत्सर्जन में कमी के लिए रोडमैप तैयार करने पर विचार कर सकती है।

एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए

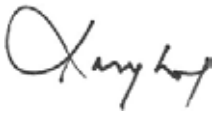

अतुल संघल

व्यवसाय प्रमुख – सतत् विकास और जलवायु परिवर्तन

एमर्जेंट वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

408, टॉवर बी, यूनिटेक बिजनेस जोन,

सेक्टर – 50, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, गुरुग्राम – 122018, हरियाणा, भारत

दिनांक: 14/08/2018

AA1000
Licensed Assurance Provider
000-10

शब्दकोष

एपीआई	अमेरिकन पेट्रोलियम संस्थान	एएसएमई	अमेरिकन सोसायटी ऑफ मकेनिकल इंजीनियर्स
सीपीसीबी	केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	सीपीएसई	सार्वजनिक क्षेत्र का केन्द्रीय उद्यम
सीवीसी	केंद्रीय सतर्कता आयोग	सीएमडी	मुख्य प्रबंध निदेशक
सीएफसी	क्लोरो फ्लोरो कार्बन	सीजीडी	शहर गैस वितरण
सीएनजी	संपीडित प्राकृतिक गैस	सीएसआर	निगमित सामाजिक दायित्व
सीएसआई	ग्राहक संतुष्टि सूचकांक	सीईआरटी	कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया टीम
डीवीपीएल	दाहेज–विजयपुर पाइपलाइन	डीजीएम	उप महाप्रबंधक
डीजीएच	हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय		
ईडी	कार्यकारी निदेशक	ईएंडपी	अन्वेषण और उत्पादन
एफवाई	वित्तीय वर्ष	फिक्की	फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज
जीटीआई	गेल प्रशिक्षण संस्थान	जीपीयू	गैस प्रोसेसिंग यूनिट
जीजे	गीगा–जूल्स	जीआरआई	ग्लोबल रिपोर्टिंग पहल
जीएचजी	ग्रीन हाउस गैस		
एचवीजे	हजीरा–विजयपुर–जगदीशपुर पाइपलाइन	एचएसई	स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण
आईटी	सूचना प्रौद्योगिकी	आईएमएस	एकीकृत प्रबंधन प्रणाली
आईपीआईईसीए	अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरण संरक्षण संघ	आईए	आंतरिक लेखा–परीक्षा
जेएलपीएल	जामनगर–लोनी पाइपलाइन	जेवी	संयुक्त उद्यम
केजी	कृष्णा गोदावरी		
एलपीजी	तरलीकृत पेट्रोलियम गैस	एलएचसी	तरल हाइड्रो कार्बन
एमओयू	समझौता–ज्ञापन	एमटी	मीट्रिक टन
एमएमएससीएमडी	मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर प्रतिदिन		
एमओईएफसीसी	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	एमओपीएनजी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
एनसीआर	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	एनएच	राष्ट्रीय राजमार्ग
एनजी	प्राकृतिक गैस	एनजीओ	गैर–सरकारी संगठन
एनएसीई	नेशनल एसोसिएशन ऑफ करोशन इंजीनियर्स	एनएफपीए	राष्ट्रीय अग्नि संरक्षण संघ
एनओएक्स	नाइट्रोजन के ऑक्साइड	एनडीसी	राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान

एपीआई	अमेरिकन पेट्रोलियम संस्थान	एएसएमई	अमेरिकन सोसायटी ऑफ मकेनिकल इंजीनियर्स
ओएचएसएएस	व्यावसायिक स्वास्थ्य सुरक्षा आकलन श्रृंखला	ओएनजीसी	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
ओआईएसडी	तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय	ओएमसी	तेल विपणन कंपनियां
ओबीसी	अन्य पिछड़ा वर्ग	ओडीएस	ओजोन क्षयकारी पदार्थ
पीएनजीआरबी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड	पीपीएसी	पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ
पीएनजी	पाइप द्वारा प्राकृतिक गैस	पीसीबी	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
पीई	पॉली–इथिलीन	पीएटी	कर पश्चात् लाभ
पीबीटी	कर पूर्व लाभ	पीपीपी	सार्वजनिक निजी भागीदारी
पीसीआरए	पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ		
आरजीपीपीएल	रत्नागिरी गैस एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड	आरएलएनजी	पुनः गैसीकृत तरल प्राकृतिक गैस
आरएंडडी	अनुसंधान और विकास	आरटीआई	सूचना का अधिकार
एसपीएम	सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर	एसडी	सतत् विकास
एसडीजी	सतत् विकास लक्ष्य	स्कोप	सार्वजनिक उद्यम स्थायी सम्मेलन
टीईआरआई	पृथ्वी अनुसंधान संस्थान	टीएमटी	हजार मीट्रिक टन
टीसीओ2ई	कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष टन	टीपीए	टन प्रति वर्ष
टीडीएस	कुल विघटित ठोस पदार्थ		
यूएनजीसी	संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट		
वीएसपीएल	विजाग सिकंदराबाद पाइपलाइन		

जीआरआई विषय–वस्तु सूचकांक

GRI Content Index GAIL (India) Limited Oct 2018 Service

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
जीआरआई 101: आधार 2016				
सामान्य प्रकटीकरण				
		संगठनात्मक प्रोफाइल		
जीआरआई 102: सामान्य प्रकटीकरण 2016	102–1 संगठन का नाम	गेल की कहानी: संगठनात्मक संक्षिप्त विवरण खंड	20	
	102–2 गतिविधियाँ, ब्रांड, उत्पाद और सेवाएँ	गेल की कहानी: संगठन का संक्षिप्त विवरण व्यवसाय पोर्टफोलियो और संयुक्त उद्यम तथा सहायक कंपनी खंड व्यापार विकास: व्यापार दृष्टिकोण	20, 21, 6, 107	
	102–3 मुख्यालय स्थल	गेल की कहानी: संगठनात्मक संक्षिप्त विवरण खंड	20	
	102–4 प्रचालन स्थल	गेल की कहानी: संगठनात्मक संक्षिप्त विवरण, व्यापार पोर्टफोलियो और संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनी खंड	20, 21	
	102–5 स्वामित्व और कानूनी स्वरूप	गेल की कहानी: संगठनात्मक संक्षिप्त विवरण खंड	20	
	102–6 आपूर्ति किए गए बाजार	गेल की कहानी: संगठन का संक्षिप्त विवरण और हमारी उपस्थिति, सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यम खंड	20, 21	
	102–7 संगठन का पैमाना	निष्पादन एक नजर में: स्थायी कर्मचारी वितरण तालिका		
		गेल की कहानी: संगठन का संक्षिप्त विवरण खंड व्यवसाय विकास: व्यवसाय दृष्टिकोण		
		व्यवसाय विकास: गेल का आर्थिक निष्पादन (वित्त वर्ष 2017–18) और क्षेत्र–वार वित्तीय निष्पादन खंड	20, 60, 64, 141	
	102–8 कर्मचारियों और अन्य श्रमिकों के बारे में सूचना	निष्पादन एक नजर में: स्थायी कर्मचारी वितरण तालिका और अनुबंध कर्मचारी वितरण तालिका	141	-
	102–9 आपूर्ति श्रृंखला	गेल की कहानी: संगठन दृष्टिकोण व्यवसाय विकास: व्यवसाय दृष्टिकोण	20, 60, 64	-
	102–10 संगठन में महत्वपूर्ण परिवर्तन तथा इसकी आपूर्ति श्रृंखला	गेल की कहानी: संगठन दृष्टिकोण	20, 135	-
		निष्पादन: आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन खंड		
	102–11 एहतियाती सिद्धांत या दृष्टिकोण	जोखिम प्रबंधन: जोखिम प्रबंधन ढांचा	38	-

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
	102–12 बाहरी पहल	सार्वजनिक नीति और सलाह: गठबंधन और एसोसिएशन सेक्शन के माध्यम से सलाह	108	-
		रणनीति		
	102–14 वरिष्ठ निर्णायक के वक्तव्य	सीएमडी का संदेश	13	-
	102–15 प्रमुख प्रभाव, जोखिम और अवसर	जोखिम प्रबंधन: गेल सेक्शन के लिए प्रमुख कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम	41	-
		नैतिकता और अखंडता		
	102–16 मूल्य, सिद्धांत, मानक, तथा व्यवहार मानदंड	शासन: आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनका पर्याप्तता खंड	34	-
	102–17 नैतिकता के बारे में चिंताएं और समस्याओं से संबंधित प्रणाली	शासन: आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनका पर्याप्तता खंड	34	-
		शासन		
	102–18 शासन संरचना	शासन: शासन संरचना और बोर्ड खंड समितियां	30, 32	-
	102–19 प्रत्यायोजन प्राधिकारी	शासन: शासन ढांचा खंड	30	-
	102–20 आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों के लिए कार्यकारी स्तरीय जिम्मेदारी	शासन: शासन ढांचा खंड	30	-
	102–21 आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों पर हितधारकों से परामर्श	शासन: शासन ढांचा खंड	30	-
	102–22 उच्चतम शासन निकाय का संघटन और उसकी समितियां	शासन: निदेशक मंडल खंड	31	-
	102–23 उच्चतम शासन निकाय अध्यक्ष	शासन: निदेशक मंडल खंड	31	-
	102–24 उच्चंतम शासन निकाय का नामांकन और चयन	शासन: शासन संरचना खंड	30	-
	102–25 हितों का टकराव	शासन: हितों के टकराव से बचाव खंड	33	-
	102–26 उद्देश्य, मूल्यों और रणनीति को स्थापित करने में उच्चतम शासन निकाय की भूमिका	शासन: शासन संरचना खंड	30	-
	102–27 उच्चतम शासन निकाय का सामूहिक ज्ञान	शासन: शासन संरचना खंड	30	-
	102–28 उच्चतम शासन निकाय के निष्पादन का मूल्यांकन	शासन: निदेशक मंडल खंड	31	-

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
	102–29 आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों की पहचान और प्रबंधन	शासन: सतत विकास शासन	33	-
	102–30 जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता	जोखिम प्रबंधन और शासन	30-32	-
	102–31 आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक विषयों की समीक्षा	जोखिम प्रबंधन: जोखिम प्रबंधन ढांचा शासन: बोर्ड की समितियां	38, 32	-
	102–32 सतत् विकास रिपोर्टिंग में सर्वोच्च शासन निकाय की भूमिका	शासन: सतत् विकास शासन खंड	33	-
	102–33 महत्वपूर्ण समस्याओं से अवगत कराना	शासन: सतत् विकास शासन खंड	33	-
	102–34 प्रकृति और प्रमुख समस्याओं की कुल संख्या	शासन: सतत् विकास शासन खंड	33	-
	102–35 पारिश्रमिक नीतियां	शासन: पारिश्रमिक और प्रोत्साहन खंड	32	-
	102–36 पारिश्रमिक निर्धारित करने के लिए प्रक्रिया	शासन: पारिश्रमिक और प्रोत्साहन खंड	32	-
	102–37 पारिश्रमिक में हितधारकों की भागीदारी	शासन: पारिश्रमिक और प्रोत्साहन खंड	32	-
	102–38 वार्षिक कुल क्षतिपूर्ति अनुपात	शासन: पारिश्रमिक और प्रोत्साहन खंड	32	-
	102–39 वार्षिक कुल क्षतिपूर्ति अनुपात में प्रतिशत वृद्धि			
हितधारक नियोजन				
	102–40 हितधारक समूहों की सूची	हितधारक नियोजन और भौतिकता अध्याय	50	-
	102–41 सामूहिक सौदेबाजी करार	मूल में मानव पूंजी: कर्मचारी नियोजन और सशक्तिकरण उप–खंड	116	-
	102–42 हितधारकों की पहचान और उनका चयन करना	हितधारक नियोजन और भौतिकता अध्याय	50	-
	102–43 हितधारक नियोजन के लिए दृष्टिकोण	हितधारक नियोजन और भौतिकता अध्याय	50	-
	102–44 प्रमुख विषय और व्यक्त चिंताएं	हितधारक नियोजन और भौतिकता अध्याय: भौतिकता खंड	53	-
रिपोर्टिंग प्रथाएं				
	102–45 समेकित वित्तीय विवरण में शामिल कंपनियां	रिपोर्ट के बारे में: रिपोर्टिंग सीमा खंड	18	-
	102–46 रिपोर्ट सामग्री और विषय सीमाओं को परिभाषित करना	रिपोर्ट के बारे में: रिपोर्टिंग सीमा खंड	18	-

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
	102–47 सामग्री विषयों की सूची	हितधारक नियोजन और भौतिकता अध्याय: भौतिकता खंड	53	-
	102–48 सूचना का पुन: कथन	रिपोर्ट के बारे में	16	-
	102–49 रिपोर्टिंग में परिवर्तन	रिपोर्ट के बारे में		
	हितधारक नियोजन और भौतिकता: भौतिकता विश्लेषण खंड	16, 53	-	
	102–50 रिपोर्टिंग अवधि	रिपोर्ट के बारे में: रिपोर्टिंग वर्ष	17	-
	102–51 सबसे हाल की रिपोर्ट की तारीख	रिपोर्ट के बारे में: रिपोर्टिंग वर्ष	17	-
	102–52 रिपोर्टिंग चक्र	रिपोर्ट के बारे में: रिपोर्टिंग वर्ष	17	-
	102–53 रिपोर्ट के बारे में प्रश्नों के लिए संपर्क बिंदु	रिपोर्ट के बारे में: डेटा सत्यापन और आश्वासन	18	-
	102–54 जीआरआई मानकों के अनुसार रिपोर्टिंग के दावे	रिपोर्ट के बारे में	16	-
	102–55 जीआरआई विषय वस्तु सूचकांक	जीआरआई विषय वस्तु सूचकांक	149	-
सामग्री विषय				
सामग्री विषयों में जीआरआई सामग्री विषय, स्वास्थ्य तथा सुरक्षा, प्रचालन उत्कृष्टता, व्यवसाय विकास तथा लाभप्रदता, मानव पूंजी प्रबंधन, हितधारक संबंध प्रबंधन, सार्वजनिक नीति और लॉबीइंग, जलवायु परिवर्तन, विनियामक मुद्दे और सरकारी नीति में अनिश्चितता, हितधारकों के साथ संचार और संबंध, कुशल जनशक्ति, अभिनवता, बदलते व्यवसाय/बाजार की गतिशीलता (विशेष रूप से नवीकरणीय और इलेक्ट्रिक वाहन), बदलते बाजार उतार–चढ़ाव में अनुमानित विकास की तुलना में गेल द्वारा निवेश, भारत में मिड टर्म में गेल की स्थिति, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंध और सतत् विकास लक्ष्य तथा सीओपी21 के साथ सामंजस्य शामिल है)।				
प्रबंधन दृष्टिकोण				
जीआरआई 103: प्रबंधन दृष्टिकोण 2016	103–1 सामग्री विषय और उसकी सीमा का स्पष्टीकरण	हितधारक नियोजन और भौतिकता: भौतिकता विश्लेषण खंड और भौतिकता मैट्रिक्स उप–खंड	52, 53	-
	103–2 प्रबंधन दृष्टिकोण और इसके घटक	स्वास्थ्य और सुरक्षा	94	-
		प्रचालनात्मक उत्कृष्टता	74	
		व्यवसाय विकास और लाभप्रदता	60	
		सार्वजनिक नीति और सलाह	102	
		हितधारक संबंध प्रबंधन	50	
		जलवायु परिवर्तन	86	
		मानव पूंजी प्रबंधन	110	
		अनुमान की तुलना में गेल द्वारा निवेश	57	
		बदलती बाजार गतिशीलता में विकास	57	
		व्यवसाय मॉडल और नवोन्मेश	129	
		बदलता व्यवसाय और बाजार गतिशीलता	150	

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
		आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	135	
		आयातित गैस की तुलना में घरेलू रूप से प्राप्त गैस प्रतिस्पर्धा	58	
		विनाशकारी प्रौद्योगिकियों का उद्भव	100	
		सतत् विकास लक्ष्य और सीओपी21 के साथ सामंजस्य	11–12	
	103–3 प्रबंधन दृष्टिकोण का मूल्यांकन	स्वास्थ्य और सुरक्षा	96, 99	-
		प्रचालनात्मक उत्कृष्टता	74	
		व्यापार विकास और लाभप्रदता	62	
		सार्वजनिक नीति और परामर्श	102	
		हितधारक संबंध प्रबंधन	51, 103	
		जलवायु परिवर्तन	86	
		मानव पूंजी प्रबंधन	110	
		अनुमान की तुलना में गेल द्वारा निवेश	57	
		बदलती बाजार गतिशीलता में विकास	57	
		व्यवसाय मॉडल और नवोन्मेश	128	
		बदलता व्यवसाय और बाजार गतिशीलता	150	
		आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	135	
		आयातित गैस की तुलना में घरेलू रूप से प्राप्त गैस प्रतिस्पर्धा	58	
		विनाशकारी प्रौद्योगिकियों का उद्भव	100	
		सतत् विकास लक्ष्य और सीओपी21 के साथ सामंजस्य	11–12	
विषय–विशिष्ट प्रकटीकरण				
		आर्थिक		
आर्थिक निष्पादन				
जीआरआई 201: आर्थिक निष्पादन 2016	201–1 सृजित और वितरित प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य	व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता	60	-
	201–2 जलवायु परिवर्तन के कारण वित्तीय प्रभाव और अन्य जोखिम एवं अवसर	ऊर्जा और पर्यावरण	86	-
	201–3 निर्धारित लाभ योजना दायित्व और अन्य सेवानिवृत्ति योजनाएं	हितधारक संबंध प्रबंधन	110	-
	201–4 सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता	व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता	60	-

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
बाजार में उपस्थिति				
जीआरआई 202: बाजार उपस्थिति 2016	202–1 स्थानीय न्यूनतम वेतन की तुलना में जेंडर द्वारा मानक प्रवेश स्तरीय मजदूरी अनुपात	मानव पूंजी प्रबंधन	115	-
	202–2 स्थानीय समुदाय से लिए गए वरिष्ठ प्रबंधन का अनुपात	मानव पूंजी प्रबंधन	115	-
अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव				
जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव 2016	203–1 अवसंरचना निवेश और समर्थित सेवाएं	बदलती बाजार गतिशीलता में विकास	60	-
	203–2 महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	व्यवसाय मॉडल और अभिनवता	60	-
खरीद प्रक्रियाएं				
जीआरआई 204: खरीद प्रक्रियाएं 2016	204–1 स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं पर खर्च करने का अनुपात	बदलता व्यवसाय और बाजार गतिशीलता	132	-
भ्रष्टाचार–रोधी				
जीआरआई 205: भ्रष्टाचार–रोधी 2016	205–1 भ्रष्टाचार से संबंधित जोखिमों के लिए आकलित प्रचालन	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	102	-
	205–2 भ्रष्टाचार–रोधी नीतियों और प्रक्रियाओं के बारे में संचार और प्रशिक्षण	आयातित गैस की तुलना में घरेलू रूप से प्राप्त गैस प्रतिस्पर्धा	102	-
	205–3 भ्रष्टाचार की पुष्ट घटनाएं और की गई कार्रवाई	विनाशकारी प्रौद्योगिकियों का उद्भव	102, 105	-
प्रतिस्पर्धा–रोधी आचरण				
जीआरआई 206: प्रतिस्पर्धा–रोधी आचरण 2016	206–1 प्रतिस्पर्धा–रोधी आचरण, विश्वास–रोधी और एकाधिकार प्रथाओं के लिए कानूनी कार्रवाइयाँ	सार्वजनिक नीति और सलाह	105	-
सामग्री				
जीआरआई 301: सामग्री 2016	301–1 वजन या मात्रा द्वारा उपयोग	निष्पादन एक नज़र में उल्लेख किया गया	137	-
	301–2 रिसायकल की गई प्रयुक्त इनपुट सामग्री	निष्पादन एक नज़र में उल्लेख किया गया	137	-
	301–3 रिसायकल उत्पाद और उनकी पैकेजिंग सामग्री	निष्पादन एक नज़र में उल्लेख किया गया	137	-

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
ऊर्जा				
जीआरआई 302: ऊर्जा 2016	302–1 संगठन के भीतर ऊर्जा की खपत	निष्पादन एक नजर में	137	-
	302–2 संगठन के बाहर ऊर्जा की खपत	निष्पादन एक नजर में	137	-
	302–3 ऊर्जा की तीव्रता	निष्पादन एक नजर में	137	-
	302–4 ऊर्जा की खपत में कमी	निष्पादन एक नजर में	137	-
	302–5 उत्पादों और सेवाओं की ऊर्जा आवश्यकताओं में कमी	ऊर्जा और पर्यावरण: ऊर्जा प्रबंधन खंड	137	-
जल				
जीआरआई 303: जल 2016	303–1 स्रोत से पानी की निकासी	ऊर्जा तथा वातावरण: जल प्रबंधन खंड	138	-
	303–2 जल स्रोत पानी की निकासी से पर्याप्त रूप से प्रभावित	ऊर्जा तथा वातावरण: जल प्रबंधन खंड	138	-
	303–3 जल रिसायकल और पुन: उपयोग	निष्पादन एक नजर में और ऊर्जा तथा पर्यावरण: जल प्रबंधन खंड	138	-
जैव विविधता				
जीआरआई 304: जैव विविधता2016	304–1 स्वामित्व, पट्टे पर, प्रबंधित या समीपवर्ती, संरक्षित क्षेत्र और संरक्षित क्षेत्र के बाहर उच्च जैव विविधता मूल्य वाले क्षेत्रों की प्रचालनात्मक साइटें	ऊर्जा और पर्यावरण: हरित पट्टी और जैव विविधता प्रबंधन खंड – जैव विविधता मूल्यांकन उप–खंड	88	-
	304–2 जैव विविधता पर गतिविधियों का पर्याप्त प्रभाव, उत्पाद और सेवाएं	ऊर्जा और पर्यावरण: हरित पट्टी और जैव विविधता प्रबंधन खंड	88	-
	304–3 पर्यावास संरक्षित या बहाली	ऊर्जा और पर्यावरण: हरित पट्टी और जैव विविधता प्रबंधन खंड	88	-
	304–4 आईयूसीएन लाल सूची प्रजातियां और परिचालन से प्रभावित क्षेत्रों में निवास वाले राष्ट्रीय संरक्षण सूची प्रजातियां	ऊर्जा और पर्यावरण: हरित पट्टी और जैव विविधता प्रबंधन खंड	88	-
उत्सर्जन				

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
जीआरआई 305: उत्सर्जन 2016	305–1 प्रत्यक्ष (स्कोप 1) जीएचजी उत्सर्जन	निष्पादन एक नजर में और ऊर्जा और पर्यावरण: जलवायु परिवर्तन और उत्सर्जन प्रबंधन	137, 138	-
	305–2 ऊर्जा अप्रत्यक्ष (स्कोप 2) जीएचजी उत्सर्जन	निष्पादन एक नजर में और ऊर्जा और पर्यावरण: जलवायु परिवर्तन और उत्सर्जन प्रबंधन	137, 138	-
	305–3 अन्य अप्रत्यक्ष (स्कोप 3) जीएचजी उत्सर्जन	निष्पादन एक नजर में और ऊर्जा और पर्यावरण: जलवायु परिवर्तन और उत्सर्जन प्रबंधन	137, 138	-
	305–4 जीएचजी उत्सर्जन तीव्रता	निष्पादन एक नजर में	137	-
	305–5 जीएचजी उत्सर्जन में कमी	निष्पादन एक नजर में	137	-
	305–6 ओजोन को कम करने वाले पदार्थ (ओडीएस) का उत्सर्जन	निष्पादन एक नजर में	137	-
	305–7 नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स), सल्फर ऑक्साइड (एसओएक्स), और अन्य महत्वपूर्ण वायु उत्सर्जन	निष्पादन एक नजर में	137	-
बहि:स्राव और अपशिष्ट				
जीआरआई 306: बहि:स्राव और अपशिष्ट 2016	306–1 गुणवत्ता और गंतव्य द्वारा जल डिस्चार्ज	निष्पादन एक नजर में और ऊर्जा तथा पर्यावरण: जल प्रबंधन खंड	137, 138	-
	306–2 प्रकार और निपटान विधि द्वारा अपशिष्ट	निष्पादन एक नजर में	137	-
	306–3 व्यापक बिखराव	प्रचालन उत्कृष्टता: अपशिष्ट प्रबंधन खंड	89	-
	306–4 खतरनाक कचरे का परिवहन	प्रचालन उत्कृष्टता: अपशिष्ट प्रबंधन खंड	89	-
	306–5 जल डिस्चार्ज और/या बहने से प्रभावित जल निकाय	ऊर्जा तथा वातावरण: जल प्रबंधन खंड	87	-
पर्यावरण अनुपालन				
जीआरआई 307: पर्यावरण अनुपालन 2016	307–1 पर्यावरण कानूनों और नियमों का अनुपालन न करना	निष्पादन एक नजर में	140	-
आपूर्तिकर्ता पर्यावरणीय आकलन				
जीआरआई 308: आपूर्तिकर्ता पर्यावरण मूल्यांकन 2016	308–1 नए आपूर्तिकर्ता जिन्हें पर्यावरणीय मानदंडों का उपयोग करके जांचा गया था	आपूर्तिकर्ता: नैतिक खरीद खंड	133	-
	308–2 आपूर्ति श्रृंखला और किए गए कार्यों में नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव	आपूर्तिकर्ता: नैतिक खरीद खंड	133	-

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
रोजगार				
जीआरआई 401: रोजगार 2016	401–1 नए कर्मचारी को काम पर रखना और कर्मचारी टर्नओवर	निष्पादन एक नजर में	141	-
	401–2 लाभ पूर्णकालिक कर्मचारियों को प्रदान किए जाते हैं जो अस्थायी या अंशकालिक कर्मचारियों को प्रदान नहीं किए जाते हैं	मूल में मानव पूंजी: प्रतिभा आकर्षित करना और उन्हें बनाए रखना खंड	110	-
	401–3 पैतृक अवकाश	निष्पादन एक नजर में	140, 142	-
श्रम/प्रबंधन संबंध				
जीआरआई 402: श्रम/ प्रबंधन संबंध 2016	402–1 परिचालन परिवर्तनों के संबंध में न्यूनतम सूचना अवधि	मूल में मानव पूंजी: नैतिक भर्ती और श्रम आचरण खंड	116	-
व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा				
जीआरआई 403: व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा 2016	403–1 औपचारिक संयुक्त प्रबंधन में कर्मचारी प्रतिनिधित्व – कार्यकर्ता स्वास्थ्य और सुरक्षा समितियां	निष्पाादन एक नजर में और मूल में मानव पूंजी: कर्मचारी संबंध और सशक्तिकरण	116, 132, 140	-
	403–2 चोट के प्रकार और चोट की दर, व्यावसायिक रोग, दिवस हानि, और अनुपस्थिति, और काम से संबंधित दुर्घटनाओं की संख्या	निष्पादन एक नजर में	140	-
	403–3 कर्मचारियों के व्यवसाय से संबंधित उच्च संभाव्यता या उच्चि जोखिम वाले रोग	निष्पादन एक नजर में	140	-
	403–4 ट्रेड यूनियनों के साथ औपचारिक समझौतों में शामिल स्वास्थ्य और सुरक्षा विषय	स्वास्थ्य तथा सुरक्षा: प्रबंधन प्रणाली तथा आपूर्तिकर्ता अध्याय	95	-
प्रशिक्षण और शिक्षा				
जीआरआई 404: प्रशिक्षण और शिक्षा 2016	404–1 प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी औसत प्रशिक्षण घंटे	निष्पादन एक नजर में, मूल में मानव पूंजी: क्षमता निर्माण खंड	111, 141	-
	404–2 कर्मचारी कौशल उन्नयन कार्यक्रम और परिवर्तन सहायता कार्यक्रम	मूल में मानव पूंजी: क्षमता निर्माण खंड	111	-
	404–3 नियमित निष्पादन और कैरियर विकास समीक्षा प्राप्त करने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत	मूल में मानव पूंजी: क्षमता निर्माण खंड	111	-

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
विविधता और समान अवसर				
जीआरआई 405: विविधता और समान अवसर 2016	405–1 शासन निकाय और कर्मचारियों की विविधता	कॉर्पोरेट शासन: शासन संरचना और मूल में मानव पूंजी: प्रतिभा आकर्षित करना और प्रतिधारण	32, 110	-
	405–2 पुरुषों की तुलना में महिलाओं के मूल वेतन और पारिश्रमिक का अनुपात	मूल में मानव पूंजी: प्रतिभा आकर्षण और प्रतिधारण	110	-
गैर–भेदभाव				
जीआरआई 406: गैर–भेदभाव 2016	406–1 भेदभाव बरतने की घटनाएं और सुधारात्मक कार्रवाई	मूल में मानव पूंजी: नैतिक भर्ती और श्रम पद्धतियां	116	-
संघ की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी				
जीआरआई 407: संघ की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी 2016	407–1 प्रचालन और आपूर्तिकर्ता जिसमें एसोसिएशन और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता का अधिकार जोखिम में हो सकता है	मूल में मानव पूंजी: कर्मचारी संबंध और सशक्तिकरण	116	-
बाल श्रम				
जीआरआई 408: बाल श्रम 2016	408–1 बाल श्रम की घटनाओं के लिए प्रचालन और आपूर्तिकर्ता सर्वाधिक जोखिम पर	मूल में मानव पूंजी: नैतिक भर्ती और श्रम पद्धति खंड आपूर्तिकर्ता: नैतिक खरीद खंड	116, 132	-
आपूर्तिकर्ता: नैतिक खरीद खंड				
जीआरआई 409: बलात् या अनिवार्य श्रम 2016	409–1 बलात् या अनिवार्य श्रम की घटनाओं के लिए प्रचालन और आपूर्तिकर्ता सर्वाधिक जोखिम पर	आपूर्तिकर्ता: नैतिक खरीद	132	-
सुरक्षा प्रक्रिया				
जीआरआई 410: सुरक्षा प्रक्रिया 2016	410–1 मानवाधिकार नीतियों या प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी	मूल में मानव पूंजी: नैतिक भर्ती और श्रम आचरण	116	-
स्वदेशी लोगों के अधिकार				
जीआरआई 411: स्वदेशी लोगों के अधिकार 2016	411–1 स्वदेशी लोगों के अधिकारों के उल्लंघन की घटनाएं	हमारी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी	120	-
मानवाधिकार का आकलन				
जीआरआई 412: मानवाधिकार मूल्यांकन 2016	412–1 प्रचालन जो मानवाधिकारों की समीक्षा या प्रभाव आकलन के अधीन है।	मूल में मानव पूंजी: नैतिक भर्ती और श्रम आचरण	116	-
	412–2 मानवाधिकार नीतियां या प्रक्रियाओं पर कर्मचारी प्रशिक्षण	मूल में मानव पूंजी: नैतिक भर्ती और श्रम आचरण	116	-

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
	412–3 महत्वपूर्ण निवेश समझौता और अनुबंध जिसमें मानवाधिकार खंड शामिल हैं या जो मानव अधिकारों की जांच करते हैं	मूल में मानव पूंजी: नैतिक भर्ती और श्रम आचरण आपूर्तिकर्ता: नैतिक खरीद	116, 132	-
स्थानीय समुदाय				
जीआरआई 413: स्थानीय समुदाय 2016	413–1 स्थानीय सामुदायिक संबंध, प्रभाव आकलन और विकास कार्यक्रमों के साथ प्रचालन	हमारी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी	120	-
	413–2 स्थानीय समुदायों पर महत्वपूर्ण वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों के साथ प्रचालन	हमारी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी	120	-
आपूर्तिकर्ता सामाजिक मूल्यांकन				
जीआरआई 414: आपूर्तिकर्ता सामाजिक मूल्यांकन 2016	414–1 नए आपूर्तिकर्ता जिन्हें सामाजिक मानदंडों के उपयोग द्वारा परखा गया	आपूर्तिकर्ता: नैतिक खरीद	201	-
	414–2 आपूर्ति श्रृंखला और किए गए कार्यों में नकारात्मक सामाजिक प्रभाव	आपूर्तिकर्ता: नैतिक खरीद	201	-
सार्वजनिक नीति				
जीआरआई 415: सार्वजनिक नीति 2016	415–1 राजनीतिक योगदान	सार्वजनिक नीति और सलाह: सरकार और विनियामक निकाय	104	-
ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा				
जीआरआई 416: ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा 2016	416–1 उत्पाद और सेवा श्रेणियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों का आकलन	प्रचालनात्मक उत्कृष्टता: अनुपालन प्रबंधन	80	-
	416–2 उत्पादों और सेवाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों के संबंध में गैर– अनुपालन की घटनाएं	प्रचालनात्मक उत्कृष्टता: अनुपालन प्रबंधन	80	-
विपणन और लेबलिंग				

जीआरआई मानक	प्रकटन	खंड और उप–खंड	पृष्ठ संख्या और/या यूआरएल	चूक
जीआरआई 417: विपणन और लेबलिंग 2016	417–1 उत्पाद और सेवा सूचना और लेबलिंग की आवश्यकताएँ	प्रचालनात्मक उत्कृष्टता: अनुपालन प्रबंधन	80	-
	417–2 उत्पाद और सेवा सूचना और लेबलिंग से संबंधित गैर–अनुपालन की घटनाएं	प्रचालनात्मक उत्कृष्टता: अनुपालन प्रबंधन	80	-
	417–3 विपणन संचार से संबंधित गैर–अनुपालन की घटनाएं	प्रचालनात्मक उत्कृष्टता: अनुपालन प्रबंधन	80	-
ग्राहक की गोपनीयता				
जीआरआई 418: ग्राहक गोपनीयता 2016	418–1 ग्राहक की गोपनीयता भंग होने और ग्राहक डेटा के गुम होने से संबंधित शिकायतें	प्रचालन उत्कृष्टता: अनुपालन प्रबंधन	80	-
सामाजिक–आर्थिक अनुपालन				
जीआरआई 419: सामाजिक आर्थिक अनुपालन 2016	419–1 सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में कानूनों और विनियमों का अनुपालन न करना	प्रचालन उत्कृष्टता : अनुपालन प्रबंधन	80	-
जीआरआई जी4 : तेल और गैस क्षेत्र का प्रकटीकरण				
ओजी1	अनुमानित प्रमाणित भंडार और उत्पादन की मात्रा और प्रकार	व्यवसाय विकास: अन्वेषण और उत्पादन खंड निष्पादन एक नजर में	70, 142	
ओजी2	नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश की गई कुल राशि	ऊर्जा और पर्यावरण: ऊर्जा प्रबंधन खंड	84	
ओजी3	स्रोत द्वारा उत्पन्न अक्षय ऊर्जा की कुल मात्रा	निष्पादन एक नजर में उल्लिखित	137	
ओजी4	महत्वपूर्ण परिचालन स्थलों की संख्या और प्रतिशत जिसमें जैव विविधता जोखिम का आकलन और निगरानी की गई है	ऊर्जा और पर्यावरण: हरित पट्टी और जैव विविधता प्रबंधन	88	
ओजी5	निर्मित वस्तु या उत्पादित जल की मात्रा तथा निपटान	निष्पादन एक नजर में और ऊर्जा तथा वातावरण: जल प्रबंधन	139	
ओजी6	दहन और निष्कासित हाइड्रोकार्बन की मात्रा	ऊर्जा और पर्यावरण: जलवायु परिवर्तन और उत्सर्जन प्रबंधन	86	
ओजी7	खुदाई से प्राप्त कचरे की मात्रा (ड्रिल मड और कटिंग) और उपचार और निपटान के लिए कार्यनीति	निष्पादन एक नजर में और ऊर्जा और पर्यावरण: अपशिष्ट प्रबंधन	89, 139	
ओजी10	स्थानीय समुदायों और स्वदेशी लोगों के साथ महत्वपूर्ण विवादों की संख्या और विवरण	हमारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व अध्याय	120	
ओजी13	व्यावसायिक गतिविधि द्वारा प्रोसेस सुरक्षा कार्यकलापों की संख्या	स्वास्थ्य और सुरक्षा: गेल में स्वास्थ्य और सुरक्षा पहल	100	

एनवीजी एसईई सिद्धांतों के साथ संबंध

सिद्धांत सं.	एनवीजी–एसईई	सतत् विकास रिपोर्ट वित्त वर्ष 2017–18 खंडों के साथ संबंध
1	व्यवसाय नैतिकता, पारदर्शिता, तथा जवाबदेही के साथ शासित किया जाना चाहिए	कॉर्पोरेट शासन प्रणाली; जोखिम प्रबंधन
2	व्यवसाय द्वारा ऐसी वस्तुएं और सेवाएं प्रदान की जानी चाहिए जो पूरी तरह से सुरक्षित और सार्थक हों	ग्राहक; आपूर्तिकर्ता
3	व्यवसाय से सभी कर्मचारियों का हित प्रोत्साहित होना चाहिए	मूल में मानव पूंजी
4	व्यवसाय से सभी हितधारकों, विशेषकर जो वंचित, कमजोर और हाशिए पर हैं, के हितों का सम्मान होना चाहिए।	हमारी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी
5	व्यवसाय से मानवाधिकारों को सम्मान और प्रोत्साहन मिलना चाहिए	मानव पूंजी मूल में
6	व्यवसाय से पर्यावरण का सम्मान, सुरक्षा और बहाली होनी चाहिए	प्रचालनात्मक उत्कृष्टता ऊर्जा और पर्यावरण
7	व्यवसाय से जब कभी सार्वजनिक और विनियामक नीति प्रभावित की जाए, तो ऐसा जिम्मेदार तरीके से किया जाना चाहिए	सार्वजनिक नीति और सलाह
8	व्यवसाय से समावेशी विकास और समान विकास को प्रोत्साहन मिलना चाहिए	व्यवसाय विकास
9	व्यवसाय से उनके ग्राहकों तथा उपभोक्ताओं का जिम्मेदार ढंग से मूल्य सृजन होना चाहिए	ग्राहक; आपूर्तिकर्ता

एपीआई/आईपीआईईसीए, यूएनजीसी, आईएसओ 26000 सिद्धांतों के साथ संबंध

खंड	एवीआई/आईपीआईईसीए दिशानिर्देश	यूएनजीसी सिद्धांत	आईएसओ 26000 :2010 खंड
शासन	एसई 11, एसई 12	सिद्धांत 10	
सिद्धांत 7	4.3, 4.4, 6.2, 6.3.5, 6.3.6, 6.6.1-6.6.3, 6.6.5, 6.6.6, 7.4.3, 7.7.5	ग्राहक; आपूर्तिकर्ता	
जोखिम प्रबंधन	एसई11, एसई12	सिद्धांत 10	
सिद्धांत 7	4.3, 6.2.3, 6.3.5, 6.3.4,	हमारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व	
हितधारक नियोजन और भौतिकता	एसई1, एसई2, एसई4, एसई14, एसई16, एचएस1, एचएस2, एचएस4, एचएस14	सिद्धांत 1	
सिद्धांत 6	व्यवसाय को पर्यावरण को बहाल करने के लिए सम्मान, सुरक्षा और प्रयास करना चाहिए	प्रचालनात्मक श्रेष्ठता: ऊर्जा और पर्यावरण	
सिद्धांत 7	4.5, 5.2, 5.3, 6.3.6-6.3.7, 6.3.10, 6.7.1-6.7.6,] 6.8.1-6.8.3, 7.3.2-7.3.4, 7.5.3, 7.8	सार्वजनिक नीति और सलाह	
व्यवसाय विकास	एसई4, एसई5, एसई7, एसई13	सिद्धांत 9	6.6.1-6.6.2, 6.6.4, 6.6.6, 6.8.1-6.8.3, 6.8.7-6.8.9
प्रचालन उत्कृष्टता	ई1, ई2, ई3, ई4, ई5, ई6, ई7, ई8	सिद्धांत 8	
सिद्धांत 9	4.6, 6.5.3-6.5.6, 6.6.6,		
स्वास्थ्य और सुरक्षा	एचएस1, एचएस2, एचएस3, एचएस5	सिद्धांत 6	6.4.5, 6.4.6, 6.5.3, 6.8.8
सार्वजनिक नीति और सलाह	एसई14	सिद्धांत 10	4.2, 4.3, 4.4, 6.6.1-6.6.2, 6.6.5
सामाजिक निष्पादन	एसई6, एसई8, एसई10, एसई15, एसई16, एसई17, एसई18	सिद्धांत 1	
सिद्धांत 2			
सिद्धांत 3			
सिद्धांत 4			
सिद्धांत 5			
सिद्धांत 6	4.5, 4.8, 5.2, 5.3, 6.3.1-6.3.8, 6.3.10, 6.4.1-6.4.7, 6.5.1-6.5.2, 6.7.8-6.7.9, 6.8.1-6.8.5, 6.8.7-6.8.9		
हमारी मूल्य श्रृंखला	एसई8, एसई9, एसई10	सिद्धांत 1	
सिद्धांत 2			
सिद्धांत 7			
सिद्धांत 10	4.4, 4.5, 4.6, 4.7, 6.3.1-6.3.8, 6.3.10, 6.6.6, 6.7.3, 6.7.4, 6.7.6, 6.7.9, 6.7.1-6.7.2, 7.3.1		
निष्पादन एक नजर में	ई1, ई2, ई3, ई4, ई6, ई7, ई8, ई10, एचएस3	सिद्धांत 7	
सिद्धांत 8			
सिद्धांत 9	4.6, 6.4.3, 6.4.4, 6.4.6, 6.5.3-6.5.5, 6.5.8		

वैश्विक मान्यता – लगातार दूसरे वर्ष

FTSE Russell

CERTIFICATE OF MEMBERSHIP

This is to certify that

Gail India

is a constituent company in the FTSE4Good Index Series

FTSE4Good

June 2018

The FTSE4Good Index Series is designed to identify companies that demonstrate strong environmental, social and governance practices measured against globally recognised standards.

Mark Makepeace
Group Director, Information Services Division &
CEO, FTSE Russell
London Stock Exchange Group

Sir Mark Moody-Stuart
Chairman, FTSE Russell ESG Advisory Committee

अपनी प्रतिक्रिया/प्रश्न साझा करें

हमारे हितधारक श्री आर.के. चौबे, मुख्य महाप्रबंधक (एसडी) को रिपोर्ट के बारे में अपनी रचनात्मक प्रतिक्रिया अथवा प्रश्न choubeyrk@gail.co.in पद पर या श्री अरविंद कुमार नामदेव, महाप्रबंधक (एसडी) को arvind.namdeo@gail.co.in पर भेज सकते हैं और हमसे गेल के रिपोर्टिंग प्रदर्शन में लगातार सुधार करने के लिए sustainability@gail.co.in पर भी संपर्क कर सकते हैं।

गेल (इंडिया) लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय :
16, भीकाएजी कामा प्लेस,
आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110066
वेबसाइट: gailonline.com
gailvoice.com पर हमें फॉलो करें

Designed by: National Advertising Agency